CivilsTap

Quality & Affordable Education

करंट अफेयर्स मासिक मैगजीन

JANUARY 2024

By CivilsTap Himachal

For HPAS & Other Competitive Exam in Himachal Pradesh

Prelims

+91 7814622609

www.civilstaphimachal.com

1. राजनीति 7

1.1. 16 वा वित्त आयोग 7

1.2. आवश्यक सेवा (रखरखाव) अधिनियम (ईएसएमए) 7

1.3. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 8

1.4. SC ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा 9

1.5. लोक अदालतें 9

1.6. न्यायाधिकरण 11

1.7. राष्ट्रपति ने नए आपराधिक न्याय विधेयकों को मंजूरी दी 11

1.8. केंद्रीय जल आयोग 12

2. अर्थव्यवस्था 13

2.1. प्रेस मड PRESS MUD 13

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) 13

2.2. नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) 14

2.3. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना 15

2.4. गुलाबी सुंडी 16

2.5. पछेती झुलसा रोग Late Blight disease 16

2.6. समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण 17

2.7. राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा रिपॉजिटरी पोर्टल-एनजीडीआरपी 17

2.8. भूमि राशि पोर्टल 18

2.9. पाट मित्रो ऐप 19

2.10. दीघा-सोनेपुर पुल को कैबिनेट की मंजूरी 19

2.11. खोपरा खेती 19

2.12. RBI ने D-SIBs सूची जारी की 20

3. भूगोल 21

3.1. नागार्जुन सागर बांध 21

3.2. इबू ज्वालामुखी 21

3.3. आर्कटिक में भारत का पहला शीतकालीन वैज्ञानिक अभियान 21

3.4. ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल Polar stratospheric clouds(PSC) 22

3.5. चिल्ला-ए-कलां 23

3.6. अंटार्कटिक सर्कंपोलर धारा 23

4. कला और संस्कृति 24

4.1. कालबेलिया नृत्य 24

4.2. पार्थेनन मूर्तियां 24

4.3. सिंधुदुर्ग किले में नौसेना दिवस मनाया गया 25

4.4. हंप संग्रहालय 25

हॉर्नबिल फेस्टिवल 26

4.5. यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत 26

4.6. पशुपतिनाथ मंदिर 27

4.7. चन्नापटना खिलौने 28

4.8. शार अमरतला तोरग्या महोत्सव 28

4.9. बोधिचित्त 28

4.10. काशी तमिल समागम 29

4.11. योगमाया मंदिर 29

4.12. राष्ट्रीय संस्कृति कोष 30

4.13. विश्व का सबसे पुराना किला खोजा गया 30

4.14. अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 31

4.15. तबला कलाकारों की टुकड़ी को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड 31

4.16. वीर बाल दिवस 31

4.17. वर्ली पेंटिंग्स 32

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी 33

5.1. गजराज सुरक्षा 33

5.2. एन्थ्रोबोट्स 33

ब्रिक- जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद 34

5.3. विश्व का पहला चौथी पीढ़ी का परमाणु रिएक्टर 34

5.4. अमृत प्रौद्योगिकी 34

5.5. व्योममित्र 35

5.6. कृत्रिम 36

5.7. काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना 36

5.8. शून्य विश्वास प्रमाणीकरण 37

5.9. ई-मिट्टी E-SOIL 37

5.10. भारत का पहला AI शहर 38
5.11. गिरगिट ट्रोजन 38
6. रक्षा 38
6.1. ट्राइटोनल 38
6.2. महासागर पहल 39
6.3. आईएनएस संधायक 39
6.4. राष्ट्रीय स्वचालित फ़िंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS) 39
6.5. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) ..40
6.6. टेबल-टॉप अभ्यास 41
6.7. अग्नि 1 मिसाइल 41
6.8. विनबैक्स 2023 42
6.9. पिनाका हथियार प्रणाली 42
6.10. आईएनएस तारमुगली 42
6.11. स्वायत्त फ्लाइंग विंग प्रौद्योगिकी प्रदर्शक 43
6.12. आकाश मिसाइल 43
6.13. समर वायु रक्षा प्रणाली 44
6.14. ऑपरेशन समृद्धि संरक्षक 45
6.15. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल 45
6.16. आईएनएस इम्फाल 45
6.17. हिंद महासागर क्षेत्र के लिए भारतीय नौसेना का सूचना संलयन केंद्र (आईएफसी-आईओआर) 46
6.18. प्रथम महिला सीआईएसएफ प्रमुख 46
7. अंतरिक्ष 47
7.1. धूमकेतु P12/ पोंस-ब्रूक 47
7.2. उप - नेपच्यून 47
7.3. आदित्य एल1 48
7.4. लाल स्प्राइट 49
7.5. प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, महासागर पारिस्थितिकी तंत्र (पेस) मिशन 50
7.6. पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस) 50
7.7. कैसिनी मिशन 51
7.8. टेम्पो उपग्रह(सेटेलाईट) 51
7.9. इसरो ने लीफ एरिकसन पुरस्कार जीता 52
7.10. एस्ट्रोसैट 53
7.11. ओसिरिस-एपेक्स OSIRIS-APEX 53
7.12. फीस्ट-संरचना सॉफ्टवेयर का परिमित तत्व विश्लेषण FEAST- Finite Element Analysis of Structures Software 54
7.13. अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन 54
7.14. स्लिम(SLIM) अंतरिक्ष यान 55
7.15. किलोनोवा विस्फोट 55
8. पर्यावरण 56
8.1. यूनेस्को की रिपोर्ट जलवायु इंजीनियरिंग के नैतिक जोखिमों के बारे में चेतावनी देती है 56
8.2. शेट्टीहल्ली वन्यजीव अभयारण्य 57
8.3. बांदीपुर टाइगर रिजर्व 58
8.4. उष्णकटिबंधीयकरण 58
8.5. हानि एवं क्षति निधि Loss and Damage fund 59
8.6. जलवायु क्लब 59
8.7. मियावाकी वृक्षारोपण 60
8.8. डायल वर्टिकल माइग्रेशन (डीवीएम) 60
8.9. डोडो प्रजाति पुनरुत्थान परियोजना 61
8.10. बन्नी घास के मैदान 62
8.11. हरित उत्थान पहल 62
8.12. भारतीय बाइसन और कोया जनजाति 63
8.13. इम्पेतिएन्स करुप्पुसाम्यि (Impatiens karuppusamyi) 64
8.14. वैश्विक नदी शहर गठबंधन GLOBAL RIVER CITIES ALLIANCE 65
8.15. डेमोर्चेस्टिया एलानेंसिस 65
8.16. पंगोलाखा वन्यजीव अभयारण्य 66
8.17. संयुक्त राष्ट्र ऊँट(कैमलिड्स)वर्ष 67
8.18. कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा (KMGBF) 67
8.19. समुद्री घास 68
8.20. सिमलीपाल टाइगर रिजर्व 69
8.21. सफेद पेट वाला समुद्री चील 70
8.22. नामदाफा उड़ने वाली गिलहरी 70
8.23. पोंग बांध वन्यजीव अभयारण्य 70
8.24. पैन्टोइया टैगोरी 71

8.25. लैंटाना कैमारा 71
8.26. नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान....72

9. नीति और कार्यक्रम 73

9.1. पीएम-जनमन....73
9.2. महिला स्वयं सहायता समूह(SHG) को ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा....73
9.3. हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज योजना....74
9.4. मेरा गांव, मेरी धरोहर का शुभारंभ हुआ....75
9.5. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA) 75
9.6. झील परियोजना और 3आई मॉडल का शहर .76
9.7. आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की डेल्टा रैंकिंग....76
9.8. भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणीकरण योजना।77
9.9. पीएम विश्वकर्मा योजना....77
9.10. अटल पेंशन योजना....78
9.11. अटल पेंशन योजना....79
9.12. RAMP के अंतर्गत नई उप-योजनाएँ....79
9.13. प्रोजेक्ट प्रयास (Project PRAYAS)....80
9.14. पालना योजना 80
9.15. पीएम-डिवाइन....81
9.16. FAME- II योजना....81
9.17. मिशन कर्मयोगी 82
9.18. पीएम-जनमन....83
9.19. भारतमाला....83
9.20. 6 नए समर्थ कार्यक्रम SAMARTH PROGRAMS....84

10. सूचकांक और रिपोर्ट 85

10.1. 'सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण के लिए एक आह्वान' रिपोर्ट 85
10.2. वैश्विक सूखा स्नैपशॉट 2023 86
10.3. गतिशील भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट 2023 87
भारत में अपराध रिपोर्ट 2022....87
10.4. ग्लोबल कूलिंग वॉच रिपोर्ट 2023 88
10.5. जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) 89
10.6. यह चार श्रेणियों में देशों के प्रदर्शन का आकलन करता है - GHG उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा उपयोग, जलवायु नीति। खाद्य सुरक्षा पर FAO की रिपोर्ट 90
10.7. सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2023 ..90
10.8. लीड्स 2023 रिपोर्ट....91
10.9. प्रवासन एवं विकास संक्षिप्त....92
10.10. 'वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हरित और सतत विकास एजेंडा' रिपोर्ट....92
10.11. क्यूएस- विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग: स्थिरता 2024 93
10.12. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट(Financial Stability Report) 93

11. अंतर्राष्ट्रीय, शिखर सम्मेलन 94

11.1. नेपाल औपचारिक रूप से समलैंगिक विवाह को पंजीकृत करने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बन गया है 94
11.2. लीडआईटी 2.0/ Lead IT 2.0....94
11.3. ग्लोबल ग्रीन क्रेडिट पहल....94
11.4. इंटरपोल 95
11.5. सीएसी (कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन) ने भारत के बाजरा मानकों की सराहना की....96
जलवायु और स्वास्थ्य पर COP28 घोषणा 97
अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) 98
11.6. अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ....98
11.7. बेल्ट एंड रोड पहल(BRI)....99
11.8. कोलंबो सुरक्षा समेलन....99
11.9. ऑपरेशन स्टॉर्म मेकर्स II 100
11.10. यूएनओडीसी ने दक्षिण पूर्व एशिया अफीम सर्वेक्षण 2023 जारी किया....101
11.11. त्वरित जलवायु परिवर्तन के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ाना....101
11.12. COP28 UNFCCC का समापन....102
11.13. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौता 103
11.14. gpai की नई दिल्ली घोषणा....103
11.15. मर्सर का जीवन स्तर गुणवत्ता सूचकांक 2023 104
11.16. सीमा रहित कर निरीक्षक....104

11.17. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द यूनिफिकेशन ऑफ प्राइवेट लॉ 105
11.18. NSCS ने RATS-SCO के साथ बैठक की 106
11.19. IONS-2023 106
11.20. अंगोला ओपेक से बाहर हुआ 107
11.21. भारत इटली के साथ एमएमए पर हस्ताक्षर करेगा 107

12. समाचारों में स्थान 108

12.1. पीला सागर 108
12.2. खान यूनिस शहर 108
12.3. गेलेफू स्मार्ट सिटी 109
12.4. माउंट उलावान 109
12.5. जिब्राल्टर जलडमरूमध्य 109
12.6. विवादित फारस की खाड़ी द्वीप समूह 110
12.7. कुरील द्वीप समूह 110

13. यादगार दिन 111

13.1. विश्व एड्स दिवस- 1 दिसंबर 111
13.2. अंतर्राष्ट्रीय गुलामी उन्मूलन दिवस- 2 दिसंबर 111
13.3. राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 111
13.4. विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस- 32 दिसंबर 112
13.5. विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस- 2 दिसम्बर ... 112
13.6. अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 5 दिसंबर 112
अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस- 7 दिसंबर 112
13.7. अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस- 9 दिसंबर 113
13.8. मानवाधिकार दिवस- 10 दिसंबर 113
13.9. अंतर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस- 11 दिसंबर 114
13.10. सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज(UHC) दिवस- 12 दिसंबर 114
13.11. राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2023- 14 दिसंबर 114
13.12. विजय दिवस- 16 दिसंबर 114
13.13. गोवा मुक्ति दिवस- 19 दिसम्बर 115
13.14. अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस- 18 दिसम्बर 115
13.15. अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस- 20 दिसंबर 115
13.16. राष्ट्रीय गणित दिवस- 22 दिसंबर 115
13.17. किसान दिवस- 23 दिसम्बर 116
13.18. राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस- 24 दिसम्बर 116
13.19. सुशासन दिवस- 25 दिसंबर 117
13.20. अंतर्राष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस – 27 दिसंबर 117

14. पुरस्कार और सम्मान 117

14.1. व्यास सम्मान 117
14.2. जावेद अख्तर को पद्मपानी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया 118
14.3. न्योहोम पुरस्कार 118
14.4. साहित्य अकादमी पुरस्कार 118
14.5. इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2023 119
14.6. रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्यिक पुरस्कार 119

15. खेल 120

15.1. हार्दिक सिंह को पुरुष FIH प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया 120
15.2. खेल पुरस्कार 120
15.3. पूजा ढांडा को निलंबित कर दिया गया 121

16. समाचार में व्यक्ति 121

16.1. हेनरी किसिंजर 121
16.2. श्री रामासामी वेंकटरमन 122
16.3. पा तोगन संगमा 122
16.4. बाबा राघव दास 122
16.5. सखाराम गणेश देउस्कर 123
16.6. तारक नाथ दास 123
16.7. रॉबर्ट एम सोलो 124
16.8. पंडित मदन मोहन मालवीय 124
16.9. बीना दास 125
16.10. जैक्स डेलर्स 125

17. सामाजिक मुद्दे, स्वास्थ्य, शिक्षा 126

17.1. H1N2 स्वाइन फ्लू 126
17.2. मिशन दक्ष 126
17.3. मलेरिया 126

17.4. पोम्पे रोग 127
17.5. 'आरोग्य मैत्री सहायता क्यूब' 128
17.6. मेफ्टाल 128
17.7. एंथ्रेक्स 129
17.8. हीमोफीलिया 130
17.9. नोरोवायरस 130
17.10. नोमा को WHO द्वारा NTD घोषित किया गया 131
17.11. COVID-19 का JN.1 स्ट्रेन 132
17.12. मलेरिया का टीका 132
17.13. कुष्ठ रोग 133
17.14. मेडटेक मित्रा 134
17.15. क्रोनिक बर्बादी रोग Chronic Wasting Disease 134
17.16. हंटिंगटन रोग 134
18. विविध 135
18.1. भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार 135
18.2. भारत की सबसे तेज़ सौर-विद्युत नाव - बाराकुडा 135
18.3. 100 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाली पहली भारतीय एयरलाइन 136
19. हिमाचल खबर 136
19.1. आईआईटी मंडी को COP28 में पुरस्कार मिला 136
19.2. चंद्रा नदी 136

CivilsTap HImachal

1. राजनीति

1.1. 16 वा वित्त आयोग

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में **सोलहवें वित्त आयोग के लिए संदर्भ की शर्तों (TOR) को मंजूरी दे दी।** यह **1 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व साझा करने के फॉर्मूले की सिफारिश करेगा** ।
- सरकार ने पैनल के लिए **अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए 31 अक्टूबर, 2025 की समय सीमा निर्धारित की है ।**
- मुख्य सिफारिश- **केंद्र और राज्यों के बीच करों की शुद्ध आय के वितरण** और **ऐसी आय के संबंधित हिस्से के राज्यों के बीच आवंटन पर**
- पैनल **पंचायतों और स्थानीय निकायों के संसाधनों के पूरक** के लिए **राज्य की समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय भी निर्धारित करेगा संबंधित राज्य वित्त आयोगों द्वारा की गई सिफारिशों के आधार** पर ।
- **TOR** के तहत , **पैनल उन सिद्धांतों की सिफारिश करेगा जो भारत के समेकित कोष से राज्यों के राजस्व की सहायता अनुदान** और **राज्यों को उनकी अनुदान सहायता के माध्यम से भुगतान की जाने वाली राशि को नियंत्रित करना चाहिए। राजस्व.**
- साथ ही, यह **आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण पर मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सकता है** और **उचित सिफारिशें कर सकता है** ।

वित्त आयोग के बारे में

- **वित्त आयोग संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सिफारिशें करने के लिए हर पांच साल में** संविधान के **अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित संवैधानिक निकाय हैं ।**
- **व्यक्तिगत आयोग संदर्भ की शर्तों (TOR)** के तहत काम करते हैं जो **हर आयोग के लिए अलग-अलग होते हैं।**
- प्रथम **आयोग की स्थापना 1951 में (अध्यक्ष- केसी नियोगी)** वित्त आयोग (विविध प्रावधान) अधिनियम, 1951 के तहत की गई थी।
- संविधान के अनुसार, आयोग **में एक अध्यक्ष** और **चार अन्य सदस्य होते हैं।**
- सिफारिशें **प्रकृति में सलाहकारी हैं** और केंद्र सरकार पर **बाध्यकारी नहीं हैं ।**

1.2. आवश्यक सेवा (रखरखाव) अधिनियम (ईएसएमए)

- ओडिशा सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि चिकित्सा सेवाएं बाधित न हों, नर्सों, फार्मासिस्टों, तकनीशियनों, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों सहित पैरामेडिकल कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगाते हुए उड़ीसा आवश्यक सेवा (रखरखाव) अधिनियम (ईएसएमए) लागू किया।
- उड़ीसा आवश्यक सेवा (रखरखाव) अधिनियम, 1988 की धारा 2 (बी) के अनुसार , हड़ताल का अर्थ है किसी भी आवश्यक सेवा में नियोजित व्यक्तियों के एक समूह द्वारा संयुक्त रूप से काम करना बंद करना या किसी की सामान्य समझ के तहत ठोस इनकार या इनकार। ऐसे व्यक्तियों की संख्या जो काम जारी रखने या रोजगार स्वीकार करने के लिए नियोजित हैं या किए गए हैं और इसमें ड्यूटी से अनधिकृत अनुपस्थिति शामिल है।

ईएसएमए के बारे में

- आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम है संसद का एक अधिनियम 1968 के अंतर्गत सूची क्रमांक. भारतीय संविधान की समवर्ती सूची के अंतर्गत 7 वीं अनुसूची में 33.
  - ✓ प्रत्येक राज्य के पास आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम का अपना अनूठा और अलग प्रावधान है।
- यह सरकार को किसी भी आर्थिक गतिविधि या सेवा को आवश्यक के रूप में परिभाषित करने का अधिकार देता है जिसके अवरोध से लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित होगा।
  - ✓ उदाहरण के लिए - अस्पताल क्षेत्र, बिजली, जल आपूर्ति, टेलीफोन, हवाई यातायात नियंत्रण जैसी सेवाएँ।
- यह अपने कर्मचारियों की हड़तालों से निपटने के लिए राज्यों का एक प्रमुख और विशिष्ट तरीका है।
- इसे अधिकतम 6 महीने की अवधि के लिए लगाया जा सकता है और बढ़ाया भी जा सकता है।
- यह अधिनियम पुलिस को अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले प्रदर्शनकारियों को बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार देता है।

हड़ताल करने के अधिकार के बारे में

- यह श्रमिकों का एक बुनियादी अधिकार है , एक सिद्धांत का अर्थ है उनके आर्थिक और सामाजिक हितों को वैध रूप से बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना।
- अनुच्छेद 19 के तहत , विरोध करने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है लेकिन हड़ताल करने का अधिकार नहीं है ।
  - ✓ यह औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के अनुसार प्रतिबंधों के साथ एक कानूनी अधिकार है ।

1.3. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013

- कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 10 साल पहले लागू हुआ था ।

विकास

- सुप्रीम कोर्ट ने, "कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ गारंटी" लैंगिक समानता के बुनियादी मानव अधिकार के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बनाए गए किसी भी कानून की अनुपस्थिति को ध्यान में रखते हुए, 1997 में वैधानिक पूर्ति के लिए **विशाखा दिशानिर्देश** नामक दिशानिर्देशों का एक सेट निर्धारित किया। कोई कानून बनने तक शून्य ।
- इनका "सभी कार्यस्थलों पर कड़ाई से पालन" किया जाना था और ये कानून में बाध्यकारी और लागू करने योग्य थे ।
  - ✓ न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 15 (केवल धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव के खिलाफ) सहित संविधान के कई प्रावधानों से अपनी शक्ति प्राप्त की और
  - ✓ महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन की सामान्य सिफारिशें (CEDAW), जिसे भारत ने 1993 में अनुमोदित किया था।
- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के विरुद्ध महिलाओं का संरक्षण विधेयक 2007 में पेश किया गया था ।
  - ✓ इसे संसद में पेश किया गया और संशोधनों के माध्यम से पारित किया गया।
  - ✓ संशोधित विधेयक 9 दिसंबर, 2013 को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) या पॉश अधिनियम के रूप में लागू हुआ।

पॉश PoSH के बारे में

- **PoSH** अधिनियम यौन उत्पीड़न को परिभाषित करता है जिसमें अवांछित कृत्यों जैसे शारीरिक संपर्क और यौन प्रगति, यौन संबंधों की मांग या अनुरोध, यौन रंगीन टिप्पणियां करना, अश्लील साहित्य दिखाना, और किसी भी अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण को शामिल करना शामिल है। प्रकृति।

- अधिनियम के तहत, एक कर्मचारी को न केवल कंपनी कानून के अनुसार परिभाषित किया गया है ।
  - ✓ सभी महिला कर्मचारी, चाहे वे नियमित, अस्थायी, संविदात्मक रूप से, तदर्थ या दैनिक वेतन के आधार पर, प्रशिक्षु या प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत हों या यहां तक कि मुख्य नियोक्ता की जानकारी के बिना नियोजित हों , कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के निवारण की मांग कर सकती हैं।
- कानून पारंपरिक कार्यालयों से परे 'कार्यस्थल' की परिभाषा का विस्तार करता है और इसमें विभिन्न क्षेत्रों के सभी प्रकार के संगठनों, यहां तक कि गैर-पारंपरिक कार्यस्थलों और कर्मचारियों द्वारा काम के लिए जाने वाले स्थानों को भी शामिल किया गया है ।
  - ✓ यह पूरे भारत में सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों पर लागू होता है।
- कानून के अनुसार 10 से अधिक कर्मचारियों वाले किसी भी नियोक्ता को आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाने की आवश्यकता है । इसका नेतृत्व एक महिला को करना होगा , इसमें कम से कम दो महिला कर्मचारी, एक अन्य कर्मचारी होना चाहिए , और, वरिष्ठ स्तर से किसी भी अनुचित दबाव से बचने के लिए, पांच साल के अनुभव के साथ एक तीसरे पक्ष जैसे एनजीओ कार्यकर्ता को शामिल करना होगा। यौन उत्पीड़न की चुनौतियाँ .
- अधिनियम देश के प्रत्येक जिले को 10 से कम कर्मचारियों वाली फर्मों में काम करने वाली महिलाओं और अनौपचारिक क्षेत्र से शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक स्थानीय समिति (एलसी) बनाने का आदेश देता है, जिसमें घरेलू कामगार, घरेलू श्रमिक , स्वैच्छिक सरकारी सामाजिक कार्यकर्ता आदि शामिल हैं। पर।
- यौन उत्पीड़न की घटना के 3 महीने के भीतर लिखित शिकायत दर्ज की जानी चाहिए (3 महीने तक बढ़ाई जा सकती है)।

1.4. SC ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा

- सुप्रीम कोर्ट ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में केंद्र के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा।
- इसने क्रमशः 5 और 6 अगस्त, 2019 के दो राष्ट्रपति आदेशों सीओ (संविधान (जम्मू और कश्मीर के लिए आवेदन) आदेश) 272 और 273 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जिसके द्वारा भारत का पूरा संविधान जम्मू और कश्मीर और सभी प्रावधानों पर लागू किया गया था । अनुच्छेद 370 को निष्क्रिय घोषित कर दिया गया।

फैसले के प्रमुख अंश

- आजादी के बाद भारत संघ में शामिल होने के बाद जम्मू और कश्मीर ने अपनी संप्रभुता पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दी।
- अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की शक्ति भारत के राष्ट्रपति के पास थी जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सिफारिश के बिना ।
- अनुच्छेद 370 दो उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लाया गया था ।
  - ✓ पहला, संक्रमणकालीन उद्देश्य: राज्य की संविधान सभा के गठन तक अंतरिम व्यवस्था प्रदान करना,
  - ✓ और दूसरा , एक अस्थायी उद्देश्य: राज्य में युद्ध की स्थिति के कारण विशेष परिस्थितियों को देखते हुए एक अंतरिम व्यवस्था
- सुप्रीम कोर्ट ने ECI को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू- कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है ।
- SC ने केंद्र शासित प्रदेश में राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करने का भी आग्रह किया।

1.5. लोक अदालतें

- हाल ही में देशभर में राष्ट्रीय स्तर की लोक अदालत का आयोजन किया गया ।

- राष्ट्रीय स्तर की लोक अदालतें **नियमित अंतराल** पर आयोजित की जाती हैं , जहां **एक ही दिन में पूरे देश में सुप्रीम कोर्ट से लेकर तालुक स्तर तक सभी अदालतों में लोक अदालतें आयोजित की जाती हैं,** जिसमें **बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा किया जाता है ।**

लोक अदालतों के बारे में

- **एनएएलएसए अन्य कानूनी सेवा संस्थानों** के साथ मिलकर लोक **अदालतों का आयोजन करता है।**
- लोक अदालत **वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों में से एक है** , यह एक ऐसा **मंच है जहां अदालत में या पूर्व-मुकदमेबाजी चरण में लंबित विवादों/मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा/समझौता किया जाता है** ।
- लोक अदालतों के स्तर -

- लोक अदालतों को **कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत वैधानिक दर्जा दिया गया** है ।
- उक्त अधिनियम के तहत, **लोक अदालतों द्वारा दिया गया पुरस्कार (निर्णय) एक सिविल अदालत का डिक्री माना जाता है और सभी पक्षों के लिए अंतिम और बाध्यकारी होता है** और **ऐसे पुरस्कार के खिलाफ किसी भी अदालत के समक्ष कोई अपील नहीं की जा सकती है** ।
- यदि **पक्ष लोक अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं,** हालांकि **ऐसे फैसले के खिलाफ अपील का कोई प्रावधान नहीं है** , लेकिन वे **आवश्यक प्रक्रिया का पालन करके मामला** दायर करके **उचित क्षेत्राधिकार वाली अदालत में जाकर मुकदमा शुरू करने के लिए स्वतंत्र हैं। मुकदमेबाजी के अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए।**
- **लोक अदालत में मामला दायर होने पर कोई अदालती शुल्क देय नहीं होता** है ।
  - ✓ यदि **अदालत में लंबित कोई मामला लोक अदालत में भेजा जाता है और बाद में उसका निपटारा हो जाता है** , तो शिकायत/याचिका पर अदालत में **मूल रूप से भुगतान की गई अदालती फीस भी पक्षकारों को वापस कर दी जाती है** ।
- **लोक अदालतों में मामलों का निर्णय करने वाले** व्यक्तियों को **लोक अदालतों के सदस्य** कहा जाता है , उनकी भूमिका **केवल वैधानिक सुलहकर्ता की होती है** और उनकी कोई न्यायिक **भूमिका नहीं होती है**
- लोक अदालत इस प्रकार **संदर्भित मामले का निर्णय अपने स्तर पर नहीं करेगी** , बल्कि इसका **निर्णय पक्षों के बीच समझौते या समझौते के आधार पर किया जाएगा** ।
- सदस्य अपने विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने के प्रयास में **स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से पार्टियों की सहायता करेंगे ।**
- ऐसे मामले जिन्हें लोक अदालत में भेजा जा सकता है
  - ✓ **किसी भी न्यायालय के समक्ष लंबित कोई भी मामला।**
  - ✓ **कोई भी विवाद** जो **किसी न्यायालय के समक्ष नहीं लाया गया हो** और **न्यायालय के समक्ष दायर किये जाने की संभावना हो।**
    - ➢ बशर्ते कि **कानून के तहत समझौता योग्य न होने वाले अपराध से संबंधित किसी भी मामले का निपटारा लोक अदालत में नहीं किया जाएगा** ।

1.6. न्यायाधिकरण

- सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि **न्यायाधिकरण अपने शासकीय विधानों के सख्त मापदंडों के तहत काम कर रहे हैं सरकार को नीति बनाने का निर्देश नहीं दे सकते.**

न्यायाधिकरण क्या हैं?

- न्यायाधिकरण **कानून द्वारा स्थापित न्यायिक या अर्ध-न्यायिक संस्थाएँ हैं।**
- उनका **इरादा पारंपरिक अदालतों की तुलना में तेजी से निर्णय के लिए एक मंच प्रदान करने के साथ-साथ कुछ विषय मामलों पर विशेषज्ञता प्रदान करना है।**
- इतिहास-
  - ✓ आयकर **अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना 1941 में भारत में पहले न्यायाधिकरण** के रूप में की गई थी।
    - ➢ इसका **उद्देश्य अदालतों के कार्यभार को कम करना** , **विवादों के निपटारे में तेजी लाना** और **अधिकरणों के के भीतर कर मामलों पर विशेषज्ञता का निर्माण करना था।**
  - ✓ **संविधान में 42 वा संशोधन पारित किया गया** जिसने संसद को इनका गठन करने का अधिकार दिया-
    - ➢ **अनुच्छेद 323-ए** - लोक सेवकों की भर्ती और सेवा शर्तों से संबंधित मामलों के निर्णय के लिए **प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर), और**
    - ➢ **अनुच्छेद 323-बी** - औद्योगिक विवादों, कराधान (जैसे करों की वसूली और संग्रह), और विदेशी मुद्रा सहित कुछ विषय मामलों के निर्णय के लिए **अन्य न्यायाधिकरण ।**
- **संघटन**
  - ✓ सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि **ट्रिब्यूनल के सदस्यों को केंद्र सरकार के विभागों के** साथ-साथ **विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों से भी चुना जा सकता है** ।
  - ✓ **न्यायिक सदस्यों** के साथ **विशेषज्ञ सदस्यों (तकनीकी सदस्यों) की उपस्थिति** न्यायाधिकरणों की एक प्रमुख विशेषता है जो **उन्हें पारंपरिक अदालतों से अलग करती है** ।
  - ✓ केवल **न्यायिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों** (जैसे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और निर्धारित अनुभव वाले वकील जो उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र हैं) को **न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए विचार किया जा सकता है** ।

1.7. राष्ट्रपति ने नए आपराधिक न्याय विधेयकों को मंजूरी दी

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **अपनी सहमति दे दी है-**
  - ✓ **भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023.**
- ये **तीन नए आपराधिक न्याय विधेयक** पिछले सप्ताह **संसद द्वारा पारित किए गए थे।**

विवरण

- भारतीय **न्याय संहिता, 2023 ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 का** स्थान लिया , जो **देश में आपराधिक अपराधों पर प्रमुख कानून है** ।
  - ✓ नया अधिनियम **सामुदायिक सेवा को सजा के रूप में जोड़ता है** ।
  - ✓ पहली बार, **आपराधिक न्याय प्रणाली में आतंकवाद को** ऐसे **कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा या आर्थिक सुरक्षा को खतरे में डालना या लोगों में आतंक पैदा करना है।**

- ✓ **18 वर्ष से कम उम्र की महिला से बलात्कार के अपराध के लिए आजीवन कारावास और मृत्युदंड का प्रावधान** है ।
- ✓ देशद्रोह **अब अपराध नहीं है** . इसके बजाय, इसमें **सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों को शामिल करते हुए** दंडित करने के प्रावधान हैं ।

❖ भारतीय **नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 (सीआरपीसी) का स्थान ले लिया** है । सीआरपीसी गिरफ्तारी, अभियोजन और जमानत की प्रक्रिया प्रदान करता है।

- ✓ समयबद्ध जांच, सुनवाई और निर्णय सुनाने के लिए **विशिष्ट समय-सीमाएं निर्धारित की गई हैं।**
- ✓ **यौन उत्पीड़न पीड़ितों के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य की जाएगी।**
- ✓ **अपराध की आय से संपत्ति कुर्क करने की** शक्ति **धन शोधन निवारण अधिनियम में कोई सुरक्षा उपाय उपलब्ध** नहीं हैं ।
- ✓ **सभी परीक्षण, पूछताछ** और कार्यवाही **इलेक्ट्रॉनिक मोड में आयोजित की जा सकती हैं।**

❖ भारतीय _ **साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक, 2023 ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का** स्थान लिया । यह अधिनियम **भारतीय न्यायालयों में साक्ष्य की स्वीकार्यता को नियंत्रित करता है** । यह **सभी सिविल और आपराधिक कार्यवाहियों पर लागू होता है** ।

- ✓ एफआईआर से लेकर केस डायरी, केस डायरी से लेकर आरोप पत्र और आरोप पत्र से लेकर फैसले तक की **पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने का प्रावधान किया गया है** ।
- ✓ **इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड का कानूनी प्रभाव कागजी रिकॉर्ड के समान ही** होगा ।

1.8. केंद्रीय जल आयोग

❖ **केरल सरकार ने केंद्र से इडुक्की जिले के मुल्लापेरियार में एक नया बांध बनाने के उपायों में तेजी लाने का आग्रह किया** है ।

❖ **केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष** के साथ बैठक में **केंद्र को अनुरोध** भेजा गया था।

सीडब्ल्यूसी के बारे में

❖ CWC को **पहले केंद्रीय जलमार्ग, सिंचाई और नेविगेशन आयोग** यानी **CWINC के नाम से जाना जाता था** ।

❖ इसकी स्थापना 1945 में डॉ. बी.आर. की सलाह पर की गई थी। अम्बेडकर, वायसराय की कार्यकारी परिषद में सदस्य (श्रम)थे।

❖ यह वर्तमान में **जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग** के **एक संलग्न कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा है ।**

❖ सीडब्ल्यूसी **का अध्यक्ष एक अध्यक्ष होता है** , जिसे **भारत सरकार के पदेन सचिव का दर्जा प्राप्त होता है** ।

❖ **आयोग** का कार्य 3 अनुभागो में विभाजित है **,** अर्थात् -

- ✓ **डिजाइन और अनुसंधान (डी एंड आर) अनुभाग,**
- ✓ **नदी प्रबंधन (आरएम) अनुभाग** और
- ✓ **जल योजना और परियोजनाएँ (डब्ल्यूपी&पी) विंग।**

2. अर्थव्यवस्था

2.1. प्रेस मड PRESS MUD

- **प्रेसमड** , **चीनी उद्योग में एक अवशिष्ट उपोत्पाद** जिसे अक्सर **फिल्टर केक या प्रेस केक के रूप में जाना जाता है** , को **हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में स्वीकार किया गया है** ।
  - ✓ यह वह **कृषि अपशिष्ट है जो चीनी निकालने के लिए भेजे जाने से पहले गन्ने के रस को बार-बार फ़िल्टर करने पर प्राप्त होता** है ।
- यह **भारतीय चीनी मिलों को एनारोबिक पाचन और बाद में संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) बनाने के लिए शुद्धिकरण के** माध्यम से **बायोगैस उत्पादन के लिए फीडस्टॉक के रूप में उपयोग** करके अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने में मदद कर सकता है।
- आमतौर पर, **एक इकाई में संसाधित इनपुट गन्ने** के साथ **प्रेसमड की उपज वजन के हिसाब से 3-4 प्रतिशत की सीमा के भीतर आती है ।**
- **लाभ**
  - ✓ **फीडस्टॉक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी जटिलताओं को समाप्त करता है**
  - ✓ कृषि अवशेषों के विपरीत, **फीडस्टॉक एक या दो उत्पादकों या चीनी मिलों से प्राप्त किया जाता है , जिसमें प्रति वर्ष 45 दिनों की एक संकीर्ण खिड़की के भीतर कई उत्पादक / किसान शामिल होते हैं।**
  - ✓ प्रेसमड का **नगर निगम के ठोस कचरे के विपरीत, गुणवत्ता कोई चिंता का विषय नहीं है** , जहां **अकार्बनिक सामग्री की उपस्थिति अवायवीय डाइजेस्टर को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे गैस उत्पादन कम हो सकता है** ।
  - ✓ यह पूर्व-उपचार लागत को समाप्त करता है क्योंकि इसमें **एग्रीरेसिड्यू के विपरीत, कार्बनिक पॉलिमर लिग्निन की कमी होती है** ।
  - ✓ **रूपांतरण दक्षता** के संदर्भ में , एक **टन सीबीजी का उत्पादन करने के लिए लगभग 25 टन प्रेसमड की आवश्यकता होती है** ।
    - ➢ इसकी तुलना में, समान गैस उत्पादन के लिए मवेशियों के गोबर को 50 टन की आवश्यकता होती है।
- **चुनौतियां**
  - ✓ प्रेसमड को **उर्वरक और जैव-खाद के रूप में उपयोग के लिए प्रतिस्पर्धा का** सामना करना पड़ता है ।
  - ✓ यह देखते हुए कि चीनी मिलें एक विशिष्ट अवधि के लिए संचालित होती हैं, **सीबीजी संयंत्रों को पूरे वर्ष के लिए फीडस्टॉक संग्रहीत करने की** आवश्यकता होती है ।
  - ✓ **प्रेसमड का भंडारण करना चुनौतीपूर्ण साबित होता है** क्योंकि यह **धीरे-धीरे विघटित होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बनिक यौगिक टूट जाते हैं।**
    - ➢ इससे **दीर्घकालिक भंडारण लागत और उत्पादन लागत बढ़ जाती है।**

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA)

- राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) **ने एक फैसले में कहा है कि** राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) **के पास** चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) के पेशेवर कदाचार से संबंधित **मामलों में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की तुलना में बेहतर और अभिभावी शक्तियां** हैं।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) के बारे में

- **एनएफआरए का गठन 2018 में** कंपनी अधिनियम, 2013 **के तहत** भारत सरकार **द्वारा किया गया था।**
- यह **भारत में** ऑडिटिंग पेशे और लेखा मानकों की देखरेख के लिए एक स्वतंत्र नियामक **है।**
- इसका उद्देश्य **भारत में सभी कॉर्पोरेट वित्तीय रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में लगातार सुधार करना है।**
- मुख्यालय - **नई दिल्ली**
- **नोडल** मंत्रालय **- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय**
- **भूमिकाएँ और कार्य**
  - ✓ केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए, **एनएफआरए लेखांकन और ऑडिटिंग नीतियों और मानकों की सिफारिश करेगा जिन्हें व्यवसायों** को अपनाना चाहिए।
  - ✓ यह **लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों के पालन की निगरानी और लागू करेगा**।
  - ✓ यह **इन मानकों और उनके काम की गुणवत्ता के लिए व्यवसायों के पालन की निगरानी करेगा** और सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के तरीकों के लिए सिफारिशें करेगा।
  - ✓ यह **उपरोक्त कार्यों और दायित्वों के लिए आवश्यक या संबंधित किसी भी अतिरिक्त कार्यों या दायित्वों को पूरा करेगा।**
- इसमें एक अध्यक्ष होता है**, जो केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त** किए जाने **वाले लेखा, लेखा परीक्षा, वित्त, या कानून में विशेषज्ञता रखने वाला प्रतिष्ठित व्यक्ति** होगा और ऐसे अन्य **सदस्य जो अंशकालिक और पूर्णकालिक सदस्यों से युक्त पंद्रह से अधिक नहीं होंगे।**
- एनएफआरए के पास **चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 के तहत पंजीकृत** चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के किसी भी सदस्य या फर्म द्वारा किए गए पेशेवर या अन्य कदाचार के मामलों **में केंद्र सरकार द्वारा किए गए संदर्भ पर या** तो स्वत: संज्ञान लेने या उसे दिए गए संदर्भ पर जांच करने की शक्ति है।
- इसके पास वही शक्तियां हैं जो किसी **मुकदमे की सुनवाई करते समय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के** तहत **एक सिविल कोर्ट में निहित हैं।**

2.2. नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL)

- **सार्वजनिक क्षेत्र के दस बैंकों ने नवंबर के अंत तक 11,617 करोड़ रुपये के खराब ऋण नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) को** हस्तांतरित कर दिए , जैसा कि हाल ही में राज्यसभा को सूचित किया गया था।

एनआरसीएल के बारे में

- नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड **(NARCL) की स्थापना जुलाई 2021 में हुई थी** ।
- यह **एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी है** जिसे **वाणिज्यिक बैंकों की तनावग्रस्त संपत्तियों को संभालने और प्रबंधित करने का काम सौंपा गया है** ।
- NARCL **SARFAESI अधिनियम, 2002 के तहत** एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी के रूप में **RBI के साथ पंजीकृत है** ।
- इसकी स्थापना **भारतीय बैंकिंग प्रणाली में 500 करोड़ रुपये** और उससे अधिक **के जोखिम** वाली **विरासती तनावग्रस्त संपत्तियों को साफ करने के लिए की गई थी ।**
- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी)** के पास **एनएआरसीएल का 51% हिस्सा है** ।
- **कार्यरत**
  - ✓ एनएआरसीएल **सबसे पहले बैंकों से खराब ऋण खरीदेगा** ।

- ✓ **सहमत मूल्य का 15% नकद में** भुगतान करेगा और **शेष 85% "सुरक्षा रसीद" के रूप में होगा।**
- ✓ जब **संपत्ति बेची जाएगी** , तो आईडीआरसीएल की मदद से **वाणिज्यिक बैंकों को बाकी का भुगतान किया जाएगा।**
- ✓ यदि **बैड बैंक बैड लोन को बेचने में असमर्थ है** , या घाटे पर बेचना पड़ता है , तो **सरकारी गारंटी लागू कर दी जाएगी।**

❖ केंद्र सरकार ने **एनएआरसीएल** द्वारा जारी **सुरक्षा रसीदों के लिए 30,600 करोड़ रुपये की गारंटी जारी की थी** ।

- ✓ सरकारी **गारंटी परिसंपत्तियों के अंकित मूल्य** और **बिक्री या परिसमापन से प्राप्त मूल्य के बीच अंतर** का प्रतिनिधित्व करती है ।
- ✓ गारंटी **पांच साल के लिए है** .

तनावग्रस्त परिसंपत्तियों(ASSETS) के प्रकार-

❖ **अवमानक संपत्ति -** यदि उधारकर्ता 90 दिनों के लिए किस्त, मूलधन या मूलधन पर ब्याज चुकाने में विफल रहता है तो ऋण एनपीए बन जाता है और इसे विशेष उल्लेख खाता (एसएमए) कहा जाता है।

❖ यदि यह 12 **महीने से कम या उसके बराबर अवधि के लिए एसएमए रहता है तो इसे घटिया संपत्ति** कहा जाता है ।

❖ **संदिग्ध संपत्ति** - यदि **अवमानक संपत्ति 12 महीने या उससे अधिक समय तक ऐसी ही बनी रहे , तो इसे संदिग्ध संपत्ति** कहा जाएगा ।

❖ **हानि परिसंपत्तियाँ** - यदि ऋण **तीन वर्ष से अधिक समय तक अवमानक रहने के बाद भी नहीं चुकाया जाता है तो इसे** हानि परिसंपत्ति कहा जाएगा ।

❖ **बट्टे खाते में डाली गई संपत्ति** - बट्टे खाते में डाली गई संपत्ति **वे हैं जिन पर बैंक या ऋणदाता उधारकर्ता द्वारा बकाया राशि की गणना नहीं करता है।**

2.3. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना

❖ **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने** वित्तीय वर्ष **2023-2024 के लिए** सॉवरेन **गोल्ड बॉन्ड (SGB) योजना श्रृंखला III की घोषणा की।**

सॉवरेन गोल्ड बांड योजना के बारे में

❖ सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) **सोने के ग्राम में अंकित सरकारी प्रतिभूतियां हैं** , जो **भौतिक सोने के मालिक होने का एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करती हैं** ।

❖ निवेशकों को **निर्गम मूल्य का भुगतान नकद में करना होगा** और **परिपक्वता पर नकद मोचन प्राप्त करना होगा।**

❖ **भारत सरकार की ओर से भारतीय रिज़र्व बैंक** द्वारा **जारी किए गए** , ये बांड **निवेशकों को यह सुनिश्चित करके सुरक्षा प्रदान करते हैं कि उन्हें भुनाने पर सोने का मौजूदा बाजार मूल्य प्राप्त हो** ।

❖ यह **सोने की आरंभिक निवेशित मात्रा के मूल्य की गारंटी देता है** , जिससे **एसजीबी भौतिक सोना रखने की तुलना में अधिक अनुकूल विकल्प बन जाता है।**

❖ **पात्रता**

- ✓ **भारत में निवासियों** के रूप में वर्गीकृत व्यक्ति , जैसे कि **व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ), ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और धर्मार्थ संस्थान, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में निवेश करने के लिए पात्र हैं।**

❖ **भुगतान**

- ✓ सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) **प्रारंभिक निवेश राशि पर प्रति वर्ष 2.50% की निश्चित ब्याज दर प्रदान करते हैं** ।

- ✓ ब्याज को निवेशक के बैंक खाते में **अर्धवार्षिक रूप से जमा किया जाता है , और अंतिम ब्याज भुगतान निवेश की गई मूल राशि के साथ परिपक्वता पर किया जाता है।**

❖ **सीमाएं**

- ✓ **एसजीबी में न्यूनतम निवेश 1 ग्राम है** , और ये **बांड एक ग्राम या उसके गुणकों में जारी किए जाते हैं** ।
- ✓ **व्यक्तिगत निवेशकों** और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) निवेशकों के लिए **, अधिकतम सदस्यता सीमा 4 किलोग्राम प्रति वित्तीय वर्ष** (अप्रैल-मार्च) है।
- ✓ जैसा कि सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है, **ट्रस्टों और समान संस्थाओं के लिए प्रति वित्तीय वर्ष 20 किलोग्राम की अधिकतम सीमा है।**
- ✓ **संयुक्त निवेश के मामले** में , **अधिकतम सीमा पहले आवेदक पर लागू होती है** ।

2.4. गुलाबी सुंडी

❖ **कपास की कीमतों** , जिसे **"कॉटन कैंडी" द्वारा दर्शाया जाता है, में गिरावट** देखी गई **, जिसका श्रेय कपास की फसल में गुलाबी बॉलवर्म/ सुंडी के संक्रमण की रिपोर्ट को दिया जाता है, जिससे पैदावार में कमी आती है।**

❖ **केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी एंड आरसी) - कीटनाशकों के पंजीकरण के अनुदान** के लिए **आवेदन के प्रसंस्करण के लिए नियामक निकाय** - ने **गुलाबी बॉलवर्म और बॉलवर्म कॉम्प्लेक्स के नियंत्रण के लिए 50 कीटनाशक फॉर्मूलेशन के पंजीकरण की अनुमति दी है।**

- ✓ **CIBRC कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** के दायरे में काम करता है ।

❖ **देश भर के उत्तर, मध्य और दक्षिण क्षेत्र के सभी कपास उत्पादक क्षेत्रों में पिंक बॉलवर्म का प्रकोप** देखा जाता है ।

पिंक बॉलवर्म या गुलाबी सुंडी के बारे में

❖ **वैज्ञानिक नाम-** पेक्टिनोफोरा गॉसिपिएला

❖ मूल रूप से **भारत का मूल निवासी** , **अब यह दुनिया के लगभग सभी कपास उगाने वाले देशों में दर्ज किया जाता है।**

❖ इसे दुनिया भर में **कपास पर संभवतः सबसे विनाशकारी कीट माना जाता है।**

❖ मादाएं **कपास के बीजकोषों पर अंडे देती हैं** ; एक बार अंडे सेने के बाद, **लार्वा बीज खाते हैं और कपास के रेशों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज और गुणवत्ता कम हो जाती है।**

❖ भारत के कुछ हिस्सों में, **गुलाबी बॉलवर्म अब पहली पीढ़ी के ट्रांसजेनिक बीटी कपास (बॉलगार्ड कॉटन) के प्रति प्रतिरोधी है जो एकल बीटी जीन (क्राई1एसी) को व्यक्त करता है।**

2.5. पछेती झुलसा रोग Late Blight disease

❖ **आलू की फसल पर लेट ब्लाइट रोग के** हमले से **खेतों में 50%** से अधिक फसल को व्यापक नुकसान हुआ है, जिससे पंजाब के किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिन्होंने धान के बाद गेहूं उगाने के बजाय विविधीकरण का विकल्प चुना था।

लेट ब्लाइट रोगों के बारे में

❖ यह एक **कवक रोग है जो फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टैन्स कवक** के कारण होता है जो पूरी फसल को नुकसान पहुंचा सकता है।

❖ वायु जनित **संक्रमण स्पोरैंगिया के कारण होता है।**

❖ प्राथमिक **मेजबान आलू है** , लेकिन पी. इन्फेस्टैन्स **टमाटर, पेटुनीया** आदि सहित अन्य सोलेनैसियस पौधों को भी संक्रमित कर सकता है।

- ये **संक्रमित प्रजातियाँ आलू के लिए इनोकुलम के स्रोत के रूप में कार्य कर सकती हैं।**
- लेट ब्लाइट को **एक सामुदायिक बीमारी माना जाता है** क्योंकि **एक खेत से स्पोरैंगिया आस-पास के खेतों में फैल सकता है, अगर इलाज न किया जाए तो पड़ोसी उत्पादकों के लिए खतरा पैदा हो सकता है।**
- यह **फसल की पत्तियों, तनों और कंदों को प्रभावित करता है ।**
- **लक्षण**
  - ✓ **लेट ब्लाइट** के पहले लक्षण **छोटे, हल्के से गहरे हरे, गोलाकार से अनियमित आकार के पानी से लथपथ धब्बों के** रूप में दिखाई देते हैं ।
  - ✓ के दौरान **, ये घाव तेजी से** बड़े, गहरे भूरे या काले घावों में फैल जाते हैं, जो अक्सर चिकने दिखाई देते हैं।
  - ✓ हल्के **हरे से पीले रंग की सीमा अक्सर घावों को घेर लेती है।**

2.6. समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

- **हाल ही में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए)** द्वारा **मूल्यवर्धित मछली उत्पादों पर** एक व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था ।

एमपीईडीए के बारे में

- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) एक **नोडल समन्वयक, राज्य के स्वामित्व वाली एजेंसी है जो मत्स्य उत्पादन और संबद्ध गतिविधियों** में लगी हुई है।
- इसकी **स्थापना 1972 में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम (एमपीईडीए), 1972** के तहत की गई थी।
- यह **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।**
- **मुख्यालय- कोच्चि, केरल।**
- **इसका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं में मानकों, विपणन, प्रसंस्करण, विस्तार और प्रशिक्षण को निर्दिष्ट करते हुए सभी प्रकार की मत्स्य पालन सहित समुद्री भोजन के निर्यात को बढ़ाना है।**
- **कार्यों**
  - ✓ **अपतटीय और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने का विकास और विनियमन ,**
  - ✓ **मछली पकड़ने वाली नौकाओं का पंजीकरण,**
  - ✓ **समुद्री उत्पादों आदि के लिए मानकों और विशिष्टताओं का निर्धारण।**
  - ✓ **हितधारकों को संबंधित क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करें**
- **राजीव गांधी सेंटर फॉर एक्वाकल्चर (आरजीसीए) एमपीईडीए की अनुसंधान एवं विकास शाखा** है ।

वर्तमान स्थिति

- भारत ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 129 देशों को 17 लाख **टन से अधिक समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, लेकिन इसमें से केवल 10% मूल्यवर्धित उत्पाद थे।**

2.7. राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा रिपॉजिटरी पोर्टल- एनजीडीआरपी

- खान मंत्रालय ने हाल ही में **नेशनल जियोसाइंस डेटा रिपोजिटरी (एनजीडीआर) पोर्टल लॉन्च किया है।**
- एनजीडीआर **पूरे देश में भू-स्थानिक जानकारी तक पहुंचने, साझा करने और उसका विश्लेषण करने के लिए एक व्यापक ऑनलाइन मंच है** ।

- एनजीडीआर पहल का **नेतृत्व भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई)** और **भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियोइंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा किया जाता है।**
- यह **महत्वपूर्ण भूविज्ञान डेटा को लोकतांत्रिक बनाने, अमूल्य संसाधनों तक अभूतपूर्व पहुंच के साथ उद्योगों और शिक्षा जगत में हितधारकों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करता है।**

जीएसआई के बारे में

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की **स्थापना 1851 में मुख्य रूप से रेलवे के लिए कोयला भंडार खोजने के लिए की गई थी।**
- इसका **मुख्य कार्य राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक जानकारी और खनिज संसाधन मूल्यांकन का निर्माण और अद्यतन करना है** ।
- इन उद्देश्यों को **जमीनी सर्वेक्षण, हवाई और समुद्री सर्वेक्षण, खनिज पूर्वेक्षण और जांच, बहु-विषयक भू-वैज्ञानिक, भू-तकनीकी, भू-पर्यावरणीय और प्राकृतिक खतरों के अध्ययन, ग्लेशियोलॉजी, भूकंपीय -टेक्टोनिक अध्ययन और मौलिक अनुसंधान के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।**
- यह **इस उद्देश्य के लिए एक 'भंडार' के रूप में कार्य करता है और भू-सूचना विज्ञान क्षेत्र में अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से भूवैज्ञानिक सूचना और स्थानिक डेटा के प्रसार के लिए** नवीनतम कंप्यूटर-आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है ।
- **जीएसआई, जिसका मुख्यालय कोलकाता में है,**के **छह क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ, जयपुर, नागपुर, हैदराबाद, शिलांग और कोलकाता** में स्थित हैं ।
- **खान मंत्रालय** का एक **संलग्न कार्यालय है।**

बिसाग-एन(BISAG-N) के बारे में

- **भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान(BISAG-N)** एक **स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी है जो एमईआईटीवाई के तहत सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत पंजीकृत है **।**
- कार्य- **प्रौद्योगिकी विकास और प्रबंधन, अनुसंधान और विकास करना, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की सुविधा** , क्षमता निर्माण और **भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी** के क्षेत्र में **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण** और **उद्यमिता विकास का समर्थन करना।**
- वर्तमान में, **BISAG गुजरात सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की एक राज्य एजेंसी है, जो गांधीनगर, गुजरात** में स्थित है ।

2.8. भूमि राशि पोर्टल

- **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण** (एनएचएआई) की 1467 परियोजनाओं को **भूमि राशि पोर्टल के तहत लाया गया है।**

भूमि राशि पोर्टल के बारे में

- **भूमि राशि पोर्टल का उद्देश्य** भारत **में राजमार्ग बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं में तेजी लाने और भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के भुगतान के लिए** भूमि **अधिग्रहण अधिसूचनाओं के ऑनलाइन प्रसंस्करण के लिए एकल बिंदु मंच प्रदान करना** है ।
- **01.04.2018 से सभी भूमि अधिग्रहण (एलए) प्रस्तावों को संसाधित करने के लिए** पोर्टल अनिवार्य कर दिया गया है।
- सभी भूमि अधिग्रहण **अधिसूचनाएं राज्य सरकार के संबंधित राजस्व अधिकारी** द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत की जाती हैं , **जिन्हें भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) के रूप में नामित किया गया है।**

- एक बार **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अनुमोदित होने के बाद** , ये **अधिसूचनाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से ई-गजट के माध्यम से भारत सरकार प्रेस को प्रेषित की जाती हैं।**
- **भूमि अधिग्रहण के मुआवजे का भुगतान भी भूमि राशि पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है** ।
- पोर्टल ने **अधिसूचनाओं के प्रकाशन की समयावधि को काफी कम कर दिया है** और **पूरी प्रक्रिया में दक्षता के साथ-साथ पारदर्शिता भी ला दी है।**

2.9. पाट मित्रो ऐप

- **जूट किसानों को एमएसपी और कृषि विज्ञान** के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए , कपड़ा मंत्रालय ने एक **मोबाइल एप्लिकेशन "पाट-मित्रो" लॉन्च किया** ।
- इसे **भारतीय जूट निगम लिमिटेड (जेसीआई) द्वारा विकसित किया गया है।**
- एप्लिकेशन **6 भाषाओं में उपलब्ध है** ।
- एप्लिकेशन को **Google Play Store से स्वतंत्र रूप से डाउनलोड किया जा सकता है** और सभी **कार्यक्षमताएं उपयोगकर्ताओं को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं** ।
- इसके अलावा, नवीनतम कृषि पद्धतियाँ और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी); **जूट ग्रेडेशन पैरामीटर्स, किसान-केंद्रित योजनाएं जैसे 'जूट-आईसीएआरई', मौसम पूर्वानुमान, जेसीआई के खरीद केंद्रों के स्थान, खरीद नीतियां भी** ऐप में उपलब्ध कराई गई हैं।
- किसान **एमएसपी ऑपरेशन के तहत जेसीआई को बेचे गए कच्चे जूट के लिए अपने भुगतान की स्थिति को भी ट्रैक कर सकेंगे** ।
- **इस मोबाइल एप्लिकेशन "पाट-मित्रो" के माध्यम से उनके प्रश्नों के लिए चैटबॉट** जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी सुविधा शामिल की गई है।

2.10. दीघा-सोनेपुर पुल को कैबिनेट की मंजूरी

- आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने **बिहार में गंगा नदी** पर **4.5 किमी लंबे छह लेन पुल को मंजूरी दे दी** , जो **पटना के दीघा को सारण के सोनपुर से जोड़ेगा।**
- परियोजना की अनुमानित **कुल लागत ₹3,064 करोड़ है** , जिसमें **₹2,233 करोड़ की निर्माण लागत भी शामिल है** । यह परियोजना **आवंटित होने के बाद 42 महीनों में पूरी होने की उम्मीद है।**
- यह पुल दीघा और **सोनपुर के बीच माल और वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाएगा** क्योंकि **वर्तमान रेल-सह-सड़क पुल केवल हल्के वाहनों के लिए है।**

2.11. खोपरा खेती

- केंद्र **सरकार ने** 2024 सीज़न के लिए **मिलिंग कोपरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 300 रुपये प्रति क्विंटल** और **बॉल कोपरा का 250 रुपये प्रति क्विंटल** बढ़ाने का फैसला किया है।
  - ✓ **कोपरा सूखे नारियल की गिरी को संदर्भित करता है जिसमें से नारियल का तेल निकाला जाता है।**
- **केरल और तमिलनाडु मिलिंग खोपरा के प्रमुख उत्पादक हैं।**
- **देश में बॉल कोपरा के कुल उत्पादन का 65% कर्नाटक में** होता है ।

- **कोपरा या नारियल के सूखे हिस्से को पीसकर तेल निकालने के लिए उपयोग किया जाता है** , जबकि **बॉल कोपरा को सूखे फल के रूप में खाया जाता है और धार्मिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है।**

2.12. RBI ने D-SIBs सूची जारी की

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (D-SIB) की** अपनी सूची जारी की ।
- **केंद्रीय बैंक के अनुसार, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को अभी भी घरेलू प्रणालीगत महत्वपूर्ण बैंकों (D-SIBs) के रूप में वर्गीकृत किया गया** है ।

परिभाषा

- D-SIB अपने **आकार, अंतर-क्षेत्राधिकार गतिविधियों, जटिलता और विकल्प की कमी और अंतर्संबंध के** कारण **व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण हैं।**
- इसका मतलब यह भी है कि **बैंक विफल होने के लिए बहुत बड़ा है।**
- यदि DSIB **विफल हो जाते हैं , तो बैंकिंग प्रणाली और समग्र अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक सेवाओं में महत्वपूर्ण व्यवधान** होगा ।
- **आरबीआई** के अनुसार , जिस बकेट में **डी-एसआईबी रखा गया है** , उसके आधार **पर इसमें एक अतिरिक्त सामान्य इक्विटी आवश्यकता लागू की जानी है** ।
  - ✓ यदि कोई **विदेशी बैंक** जिसकी शाखा **भारत में है, एक वैश्विक प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (G-SIB) है** , तो उसे यह करना होगा **भारत में G-SIB के रूप में लागू अतिरिक्त CET 1 पूंजी अधिभार बनाए रखें।**

CivilsTap HImachal

3. भूगोल

3.1. नागार्जुन सागर बांध

- **नागार्जुन सागर जलाशय से पानी छोड़ने को लेकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच** तनाव बढ़ने पर , **तेलंगाना सरकार ने केंद्र से संपर्क किया, जिसने दोनों राज्यों से पहले की तरह नागार्जुन सागर से पानी छोड़ने का** आग्रह किया है ।
- इससे पहले, लगभग **700 आंध्र पुलिस ने परियोजना पर धावा बोल दिया और प्रति घंटे 500 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए दाहिनी नहर खोल दी।**
- आगे के संघर्ष से बचने के लिए, **बांध की निगरानी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा की जाएगी** जो यह भी **देखेगी कि दोनों पक्षों को समझौते के अनुसार पानी मिल रहा है या नहीं।**
- **आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014** के अनुसार , **नागार्जुन सागर बांध का परिचालन नियंत्रण तेलंगाना सरकार के पास** है ।

नागार्जुन सागर बांध के बारे में

- यह **तेलंगाना के नलगोंडा** और **आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिलों तक फैला हुआ है।**
- यह **कृष्णा नदी पर स्थित है।**
- यह **दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा चिनाई वाला बांध है।**
- इसका **निर्माण 1955 से 1967 के बीच किया गया था।**
- बांध **की क्षमता 11.472 बिलियन क्यूबिक मीटर है** और **यह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों में 1 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई के लिए पानी प्रदान करता है।**
- यह बांध **816 मेगावाट की क्षमता के साथ जलविद्युत ऊर्जा भी उत्पन्न करता है।**

कृष्णा नदी के बारे में

- कृष्णा नदी **भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक है, जो महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों** से होकर बहती है ।
- यह **महाराष्ट्र में महाबलेश्वर के पास पश्चिमी घाट से निकलती है** और **बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले लगभग 1,400 किमी तक बहती है।**

3.2. इबू ज्वालामुखी

- **पूर्वी इंडोनेशियाई प्रांत उत्तरी मालुकु** में **हल्माहेरा द्वीप पर इबू ज्वालामुखी** हाल ही में फट गया, जिससे **इसकी चोटी से 1,200 मीटर ऊपर तक राख फैल गई।**
- **समुद्र तल से लगभग 1,300 मीटर की** ऊंचाई पर स्थित , इबू ज्वालामुखी को खतरे **के उच्चतम स्तर IV** से नीचे, **दूसरे खतरे के स्तर में वर्गीकृत किया गया है** ।
- पेसिफिक रिंग ऑफ फायर पर स्थित, इंडोनेशिया दुनिया के सबसे अधिक ज्वालामुखी वाले देशों में से एक है।

3.3. आर्कटिक में भारत का पहला शीतकालीन वैज्ञानिक अभियान

- **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने हाल ही में** नई दिल्ली में MoES मुख्यालय से **आर्कटिक के लिए भारत के पहले शीतकालीन वैज्ञानिक अभियान को** हरी झंडी दिखाई ।
- **सर्दियों (नवंबर से मार्च) के दौरान** आर्कटिक में भारतीय वैज्ञानिक अभियान शोधकर्ताओं को **ध्रुवीय रातों** के दौरान अद्वितीय वैज्ञानिक अवलोकन करने की अनुमति देंगे , जहां **लगभग 24 घंटों तक कोई सूरज की रोशनी नहीं होती है और तापमान शून्य से नीचे (-15 डिग्री सेल्सियस तक) होता है** ।
- पहले आर्कटिक शीतकालीन अभियान के **पहले बैच में मेजबान एनसीपीओआर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के शोधकर्ता शामिल हैं; भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे; और रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु।**
- इससे **आर्कटिक** , विशेष रूप से **जलवायु परिवर्तन, अंतरिक्ष मौसम, समुद्री-बर्फ और महासागर परिसंचरण गतिशीलता, पारिस्थितिकी तंत्र अनुकूलन** आदि की समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी, जो मानसून सहित उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मौसम और जलवायु को प्रभावित करते हैं।
- **प्राथमिकता वाले अनुसंधान क्षेत्रों** में **वायुमंडलीय, जैविक, समुद्री और अंतरिक्ष विज्ञान, पर्यावरण रसायन विज्ञान, और क्रायोस्फीयर, स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र और खगोल भौतिकी पर अध्ययन शामिल हैं।**

तथ्य

- **2008** से , भारत नॉर्वेजियन आर्कटिक में हिमाद्री, नाइल- एलेसुंड (Ny-Ålesund) , स्वालबार्ड **नामक आर्कटिक में एक अनुसंधान आधार संचालित करता है , जो ज्यादातर गर्मियों (अप्रैल से अक्टूबर) के दौरान वैज्ञानिकों की मेजबानी करता रहा है** ।
- भारत के **तीन अनुसंधान केंद्र हैं** , अर्थात् **भारती (नवीनतम), दक्षिण गंगोत्री (अब एक आपूर्ति आधार)** और **मैत्री** ।

पेसर(PACER) योजना के बारे में

- **पृथ्वी के ध्रुवों (आर्कटिक और अंटार्कटिक)** पर **भारतीय वैज्ञानिक अभियानों को MoES की PACER (ध्रुवीय और क्रायोस्फीयर) योजना** के तहत सुविधा प्रदान की जाती है , जो पूरी तरह से **राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR), गोवा, एक स्वायत्त संस्थान के तत्वावधान में है। MoES की संस्था।**
- **चार उप-योजनाएँ** हैं , अर्थात् **, अंटार्कटिक कार्यक्रम, भारतीय आर्कटिक कार्यक्रम, भारतीय दक्षिणी महासागर कार्यक्रम और क्रायोस्फीयर और जलवायु कार्यक्रम।**
- **प्रमुख उद्देश्य-**
  - ✓ **ध्रुवीय क्षेत्र और आसपास के महासागरों में देश के रणनीतिक और वैज्ञानिक हितों को** सुनिश्चित करना ।
  - ✓ **अंटार्कटिका, आर्कटिक, हिमालय और दक्षिणी महासागर में दीर्घकालिक अग्रणी वैज्ञानिक कार्यक्रमों को** जारी रखना , जो राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक हैं और संभावित सामाजिक, रणनीतिक और वैश्विक प्रासंगिकता रखते हैं ।
  - ✓ **वार्षिक भारतीय अंटार्कटिक, आर्कटिक, हिमालय, दक्षिणी महासागर अभियानों** की **योजना, समन्वय और कार्यान्वयन ।**
  - ✓ **आर्कटिक और हिमालय पर भारतीय अनुसंधान अड्डों** का रखरखाव ।
  - ✓ **देश में अत्याधुनिक ध्रुवीय अनुसंधान और लॉजिस्टिक सुविधाओं की** स्थापना ।

3.4. ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल POLAR STRATOSPHERIC CLOUDS(PSC)

- मौसम पर नज़र रखने वालों ने स्कॉटलैंड , **उत्तरी इंग्लैंड और वेस्ट मिडलैंड्स पर दुर्लभ इंद्रधनुषी बादलों की तस्वीरें खींची हैं ।**

पीएससी के बारे में

- ध्रुवीय **समतापमंडलीय बादल , जिन्हें नैक्रियस बादल** भी कहा जाता है , **सबसे दुर्लभ और सबसे आश्चर्यजनक वायुमंडलीय घटनाओं में से हैं।**
- इन्हें **मदर ऑफ़ पर्ल** कहा जाता है, और **आमतौर पर ध्रुवीय क्षेत्रों के ऊपर अत्यधिक ठंडी हवा में विकसित होते हैं।**
- नैक्रियस बादल **वायुमंडल में विशेष रूप से ठंडी हवा के सूचक हैं।**
- वे **सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले प्रतिबिंबित होने वाली खूबसूरत पेस्टल रोशनी के लिए जाने जाते हैं।**
- ये **बादल ध्रुवीय क्षेत्रों पर बनते हैं** और **सामान्य बादलों की तुलना में छोटे बर्फ के कणों से बने होते हैं** ।
- प्रभाव, **पानी के ऊपर तेल की एक पतली परत की याद दिलाता है**, जब **सूरज की रोशनी उनके अंदर छोटे बर्फ के क्रिस्टल के चारों ओर फैलती है, तब उत्पन्न होती है।**
- पीएससी **रासायनिक प्रतिक्रियाओं के लिए एक सतह प्रदान करते हैं** जहां **क्लोरीन के सौम्य रूपों को प्रतिक्रियाशील, ओजोन-नष्ट करने वाले रूपों में परिवर्तित किया जाता है** ।
  - ✓ वे **नाइट्रोजन यौगिकों को भी हटा देते हैं जो अन्यथा ओजोन परत पर क्लोरीन के विनाशकारी प्रभाव को कम कर देते हैं।**

3.5. चिल्ला-ए-कलां

- चिल्ला- ए -कलां एक **फ़ारसी शब्द है जिसका अर्थ है 'प्रचंड ठंड '** और यह **कश्मीर में 40 दिनों की कठोर सर्दी को संदर्भित करता है।**
- यह 21 दिसंबर से शुरू होता है और 30 जनवरी को समाप्त होता है।
- 40 दिन के 'चिल्ला-ए-कलां' के दौरान कहा जाता है कि धरती मृत हो जाती है, हवा और पानी सबसे ठंडे हो जाते हैं।
- इसके बाद 20 दिवसीय 'चिल्ला-ए-खुर्द' या छोटी सर्दी (31 जनवरी और 19 फरवरी) और 10 दिवसीय 'चिल्ला-ए-बच्चा' या छोटी सर्दी (20 फरवरी से 2 मार्च) होगी।

3.6. अंटार्कटिक सर्कंपोलर धारा

- वैज्ञानिकों ने **दुनिया की सबसे तेज़ समुद्री धारा, अंटार्कटिक सर्कम्पोलर धारा के** भीतर छिपी **एक प्राचीन 20 मिलियन वर्ष पुरानी पानी के नीचे की पर्वत श्रृंखला की खोज की है।**
- इस श्रेणी **में आठ निष्क्रिय ज्वालामुखी हैं जो समुद्र तल से 1,500 मीटर** की ऊंचाई तक पहुंचते हैं ।
  - ✓ इन्हें **तस्मानिया और अंटार्कटिका के बीच में खोजा गया था** , और **इनमें से चार ज्वालामुखी नई खोजें हैं।**
- यह रहस्योद्घाटन **एक ऑस्ट्रेलियाई और अंतर्राष्ट्रीय शोध दल** द्वारा आयोजित **उच्च-रिज़ॉल्यूशन मैपिंग अभियान के दौरान सामने आया** ।

अंटार्कटिक सर्कमपोलर धारा के बारे में

- अंटार्कटिक सर्कम्पोलर धारा (एसीसी) **दक्षिणी महासागर में सबसे महत्वपूर्ण धारा है।**
- यह **एकमात्र ऐसी धारा है जो संपूर्ण विश्व में बहती है** ।

- एसीसी, **अंटार्कटिक महाद्वीप को घेरने के कारण** , **अटलांटिक, भारतीय और प्रशांत महासागरों के दक्षिणी भागों** से **होकर पूर्व की ओर बहती है ।**
- एसीसी समुद्र की सतह से 2000-4000 मीटर की गहराई तक फैली हुई है और 2000 किमी तक चौड़ी हो सकती है।
- अंटार्कटिक **सर्कम्पोलर धारा का पूर्वी प्रवाह तेज़ पश्चिमी हवाओं द्वारा संचालित होता** है ।
- **40°S और 60°S के बीच औसत हवा की गति 15 से 24 समुद्री मील होती है और सबसे तेज़ हवाएँ आमतौर पर 45°S और 55°S के बीच होती हैं** ।
- ऐतिहासिक रूप से, एसीसी को **'वेस्ट विंड ड्रिफ्ट' के रूप में जाना जाता है** ।

4. कला और संस्कृति

4.1. कालबेलिया नृत्य

- जोधपुर **राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय लोक महोत्सव के 2023 संस्करण में कालबेलिया नृत्य का प्रदर्शन** हुआ ।

कालबेलिया नृत्य के बारे में

- कालबेलिया **कालबेलिया जनजाति से जुड़ी एक नृत्य शैली** है ।
- **उत्पत्ति की किंवदंती** - **ऋषि कनीफनाथ को** उनके **आध्यात्मिक गुरु गोरखनाथ ने जहर (काल या मृत्यु) का एक कटोरा (बेलिया) पेश किया** था । जब **उन्होंने इसे आखिरी बूंद तक पी लिया, तो गोरखनाथ ने कनीफनाथ को जहर निगलने और जहरीले जीवों को संभालने की क्षमता का आशीर्वाद दिया** ।
  - ✓ और इसलिए, राजस्थान में थार रेगिस्तान के आसपास के **कनीफ़नाथ के अनुयायियों को कालबेलिया के नाम से जाना जाने लगा** । वे **साँपों की पूजा करते थे और सपेरे के रूप में अपना जीवन यापन करते थे** ।
  - ✓ जब 1972 में (**वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अधिनियमन के साथ**) **सरकार द्वारा उनके पारंपरिक व्यवसाय को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया , तो कालबेलिया नृत्य में सांपों की जगह महिलाओं ने ले ली** ।
- वे काले कपड़े पहनते हैं और पुरुषों द्वारा **पूंग , पखावज , ढोलक, झांझर , हारमोनियम और सारंगी जैसे वाद्ययंत्रों पर बजाए जाने वाले** संगीत **पर सांप जैसी हरकतें करते हैं ।**
- **2010** में , राजस्थान के **कालबेलिया लोक गीतों और नृत्यों को यूनेस्को द्वारा अपनी अमूर्त विरासत सूची का हिस्सा घोषित किया गया** था **।**

4.2. पार्थेनन मूर्तियां

- **ब्रिटिश संग्रहालय में रखी पार्थेनन मूर्तियों की स्थिति** को लेकर ब्रिटिश प्रधान मंत्री द्वारा **अपने ग्रीक समकक्ष के साथ बैठक रद्द करने** के बाद **ग्रीस और ब्रिटेन के बीच** एक राजनयिक विवाद छिड़ गया।

पार्थेनन की मूर्तियों के बारे में

- ब्रिटिश संग्रहालय में पार्थेनन मूर्तियां ग्रीस की 30 से अधिक प्राचीन पत्थर की मूर्तियां हैं जो 2,000 वर्ष से अधिक पुरानी हैं ।
- उनमें से अधिकांश **मूल रूप से एथेंस में चट्टानी एक्रोपोलिस पहाड़ी पर पार्थेनन मंदिर की दीवारों और मैदानों को सुशोभित करते थे** ।
- **432 ईसा पूर्व** में पूरा हुआ यह **मंदिर देवी एथेना को समर्पित है और इसे एथेंस के स्वर्ण युग के गौरव के रूप में देखा जाता है।**

- जबकि **एक उल्लेखनीय मूर्ति, जो 75 मीटर लंबी है, एथेना के जन्मदिन के लिए एक जुलूस को दर्शाती है , अन्य देवताओं, नायकों या पौराणिक प्राणियों को** दर्शाती है ।
- उन्हें 19वीं सदी की शुरुआत में **एल्गिन के 7वें अर्ल और ओटोमन साम्राज्य के तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत थॉमस ब्रूस** द्वारा **पार्थेनन से हटा दिया गया था** ।
  - ✓ संगमरमर **को ब्रिटेन ले जाया गया और 1816 में ब्रिटिश संग्रहालय द्वारा खरीदा गया।**
  - ✓ जबकि **एथेंस ने लॉर्ड एल्गिन पर चोरी का आरोप लगाया** , उन्होंने **जोर देकर कहा कि उन्हें ओटोमन साम्राज्य से मार्बल्स हटाने की अनुमति थी** , जो **उस समय एथेंस को नियंत्रित करता था** ।
  - ✓ **हालाँकि, उन्हें अनुमति देने वाला मूल पत्र खो गया है** ।
- एथेंस **मूर्तियों की वापसी की मांग कर रहा है।**

4.3. सिंधुदुर्ग किले में नौसेना दिवस मनाया गया

- 4 दिसंबर को **नौसेना दिवस पर पीएम ने 43 फुट की प्रतिमा का** अनावरण किया **महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की** ।

नौसेना दिवस के बारे में

- नौसेना दिवस **1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हुए** ऑपरेशन **ट्राइडेंट की सफलता की याद में मनाया जाता है** ।
- **ऑपरेशन ट्राइडेंट 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध** के दौरान **4 दिसंबर से 5 दिसंबर** के बीच **भारतीय नौसेना द्वारा शुरू किया गया** एक सफल आक्रामक अभियान था ।
- भारतीय **नौसेना ने पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची पर तेजी से हमला किया** और **उनके नौसैनिक बुनियादी ढांचे को बहुत नुकसान पहुंचाया।**
- यह **पहली बार था कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध में एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था** ।
- **भारतीय पक्ष में कोई हताहत नहीं** हुआ ।

सिंधुदुर्ग किले के बारे में

- सिंधुदुर्ग किला **महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में मालवन के तट** के पास **अरब सागर में एक छोटे से द्वीप पर स्थित है।**
- इसका **निर्माण छत्रपति शिवाजी प्रथम द्वारा 1664 और 1667 के बीच करवाया गया था।**
- इसे **मराठा साम्राज्य के मुख्य वास्तुकार हिरोजी इंदुलकर ने डिजाइन किया था।**
- सिंधुदुर्ग किला **एक संरक्षित स्मारक है।**
  - किले **में शिवाजी महाराज के हाथ के निशान और पदचिह्न हैं** ।
- यह **48 एकड़ में फैला हुआ है, इसकी दीवारें 30 फीट ऊंची और 12 फीट मोटी हैं** जो उच्च ज्वार को झेलने के लिए बनाई गई थीं।
- किले **की आधारशिला पिघले हुए सीसे से रखी गई थी।**
- इसका **मुख्य प्रवेश द्वार** इस तरह छुपाया गया है कि **बाहर से कोई भी इसका पता नहीं लगा सकता।**
- **बरसात के मौसम में उच्च ज्वार के कारण** किला बंद रहता है ।

4.4. हंप संग्रहालय

- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र देशों की सेनाओं के लिए उड़ान भरने वाले शहीद वायुसैनिकों को समर्पित एक संग्रहालय का उद्घाटन अरुणाचल प्रदेश में किया गया।
- **पूर्वी सियांग जिले के मुख्यालय पासीघाट में** हंप **WWII संग्रहालय का नाम उत्तर-पूर्वी असम और चीन में युन्नान के बीच** एक खतरनाक हवाई मार्ग के नाम पर रखा गया है ।
- **1942 से 1945 तक** , सैन्य विमानों ने **ईंधन, भोजन और गोला-बारूद जैसी लगभग 6,50,000 टन आपूर्ति की** ।
- **इलाके और चरम मौसम की स्थिति से निपटने के दौरान** लगभग 650 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

हॉर्नबिल फेस्टिवल

- राज्य सरकार के वार्षिक पर्यटन कार्यक्रम **हॉर्नबिल फेस्टिवल ऑफ नागालैंड के पहले पांच दिनों में** 1,621 विदेशियों सहित 78,000 से अधिक आगंतुकों को आकर्षित किया गया है**।**
- **1 दिसंबर को शुरू हुए 10 दिवसीय उत्सव** का आयोजन सुरम्य नागा विरासत गांव किसामा **में किया जा रहा है।**
- इसे त्योहारों के त्योहार के **रूप में जाना जाता है।**
- **यह पहली बार 2000 में आयोजित किया गया था।**
- त्योहार **के मुख्य आकर्षण** में **पारंपरिक नागा मोरंग प्रदर्शनी और कला और शिल्प, खाद्य स्टालों, गीत और नृत्य शो, स्वदेशी खेलों आदि की बिक्री शामिल है।**
- इसका नाम हॉर्नबिल **के नाम पर रखा गया है**, जो नागा **लोककथाओं में निष्ठा, सुंदरता और अनुग्रह को मूर्त रूप देने वाला एक सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पक्षी है।**
- **हॉर्नबिल फेस्टिवल पहचान के सामूहिक उत्सव का प्रतीक है।**

तथ्यों-

- **हॉर्नबिल किसका राज्य पक्षी है?**
  - ✓ **अरुणाचल प्रदेश (ग्रेट हॉर्नबिल)**
  - ✓ **केरल (ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल)**
  - ✓ **चंडीगढ़ (इंडियन ग्रे हॉर्नबिल)**
- **ब्लीथ का ट्रागोपन या ट्रैगोपन ब्लीथी - नागालैंड का राज्य पक्षी है।**

4.5. यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर सरकारी समिति ने कसाने, बोत्सवाना में** अपने 18 वेंसत्र के दौरान **मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची** में **'गुजरात के गरबा' को** अंकित किया।
- **गरबा को शामिल किए जाने से** अब यह **सूची में भारत का** 15 व शिलालेख है.

गरबा के बारे में

- **पूरे गुजरात राज्य** और पूरे भारत में किया जाने वाला एक **अनुष्ठानिक** और भक्तिपूर्ण नृत्य, **गरबा, नवरात्रि के त्योहार के दौरान नौ दिनों तक मनाया जाता है** ।
- यह त्योहार **स्त्री ऊर्जा या शक्ति की पूजा के लिए समर्पित है** ।
- सांस्कृतिक **, प्रदर्शनात्मक और दृश्य अभिव्यक्तियाँ** गरबा नृत्य के माध्यम से व्यक्त की जाती हैं।

- प्रदर्शनात्मक **और दृश्य उत्सव घरों और मंदिर प्रांगणों, गांवों में सार्वजनिक स्थानों, शहरी चौराहों, सड़कों और बड़े खुले मैदानों में होता है।**
  - ✓ इस प्रकार गरबा **एक सर्वव्यापी भागीदारी वाला सामुदायिक आयोजन बन जाता है** ।
- एक धार्मिक अनुष्ठान होने के अलावा, गरबा **सामाजिक-आर्थिक, लिंग और कठोर संप्रदाय संरचनाओं को कमजोर करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है।** यह विविध और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा समावेशी और सहभागी बना हुआ है, जिससे सामुदायिक बंधन मजबूत हो रहे हैं।
- **भारत के 14 अन्य तत्व** जिन्हें यूनेस्को **की आईसीएच की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है**
  - ✓ रामलीला;
  - ✓ योग;
  - ✓ वैदिक जप;
  - ✓ कुटियाट्टम , केरल का संस्कृत रंगमंच;
  - ✓ रम्माण, गढ़वाल हिमालय का धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान रंगमंच;
  - ✓ मुदियेट्टू , केरल का अनुष्ठान थिएटर और नृत्य नाटक ;
  - ✓ कालबेलिया लोक गीत और नृत्य ;
  - ✓ पूर्वी भारत का छऊ नृत्य ;
  - ✓ का बौद्ध मंत्रोच्चार ;
  - ✓ संकीर्तन , मणिपुर का अनुष्ठान गायन, ढोल बजाना और नृत्य;
  - ✓ पंजाब में बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और तांबे का शिल्प ;
  - ✓ नवरोज़ ;
  - ✓ कुंभ मेला और
  - ✓ कोलकाता में दुर्गा पूजा.

अमूर्त संस्कृति विरासत क्या है?

- यह **प्रथाएँ, अभिव्यक्तियाँ, ज्ञान** और **कौशल हैं जिन्हें समुदाय, समूह और कभी-कभी व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के** रूप में पहचानते हैं ।
- **की सुरक्षा के लिए 2003 के यूनेस्को कन्वेंशन** की **मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में** वर्तमान में **5 क्षेत्रों और 143 देशों से संबंधित लगभग 704 तत्व हैं** ।

4.6. पशुपतिनाथ मंदिर

- **हिंदू त्योहार बाला चतुर्दशी** के कारण **काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र के आसपास मांस, शराब और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री और खपत** प्रतिबंधित कर दी गई है।
- त्योहार के दौरान, **मृत रिश्तेदारों की याद में पशुपतिनाथ मंदिर के पास श्लेशमंतक वन में फलों के साथ सात प्रकार के अनाज छिड़के जाते** हैं ।

मंदिर के बारे में

- **काठमांडू के पूर्वी बाहरी इलाके** में **पवित्र बागमती नदी के तट** पर स्थित ,**पशुपतिनाथ नेपाल में सबसे प्रतिष्ठित हिंदू मंदिर है** ।

- यह **शिव के एक रूप पशुपति को समर्पित है।**
- मंदिर **को 1979 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में वर्गीकृत किया गया था।**
- इसमें **518 छोटे मंदिर** और **एक मुख्य शिवालय शामिल है।**
- यह **एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के अलावा दुनिया भर से सैकड़ों और हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है** ।

4.7. चन्नापटना खिलौने

- **बेंगलुरु के पास चन्नापटना में बने खिलौने** अब **अफगानिस्तान में बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा बन गए हैं** ।
- प्रसिद्ध **लकड़ी के खिलौने रामनगर जिले के चन्नापटना शहर और उसके आसपास के कारीगरों द्वारा बनाए जाते** हैं ।
- **चन्नापटना में 250 से अधिक कुटीर इकाइयाँ और लगभग 50 कारखाने** हैं जो खिलौने बनाते हैं **।**
- चन्नापटना को **गोम्बेगाला के** नाम से भी जाना जाता है **ऊरु** (खिलौना-नगर)।
- इस **पारंपरिक शिल्प को 2005 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ है ।**
- चन्नापटना में खिलौने **एक विशेष प्रकार की लकड़ी से बनाए जाते** हैं जिसे "आले मारा" या हाथीदांत की लकड़ी के नाम से जाना जाता है **जो पास के जंगलों से प्राप्त की जाती है** ।
- इन **खिलौनों की पहचान उनकी लैकर फिनिश से होती है** , जो **वनस्पति अर्क से प्राप्त प्राकृतिक रंगों के माध्यम से प्राप्त की जाती है** ।
- **चन्नापटना खिलौनों के** जीवंत **रंग** और **चमकदार फिनिश** उन्हें अन्य लकड़ी के शिल्पों से अलग करते हैं।
- चन्नापटना खिलौने **बच्चों के लिए आदर्श हैं** क्योंकि **उनमें रासायनिक डाई का उपयोग नहीं किया जाता है** और **वे तेज किनारों के बिना आते हैं।**

4.8. शार अमरतला तोरग्या महोत्सव

- अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हाल ही में **वार्षिक शार अमरतला में भाग लिया पश्चिम कामेंग जिले में अरुणाचल प्रदेश, असम और भूटान** की **सीमा** पर एक छोटा सा गांव, **बालेमु में थेगत्से सांग्ये चोई लांग मठ** में **तोर्ग्या महोत्सव ।**
- यह **धार्मिक उत्सव पद्मश्री महामहिम 14वें थेग्त्से रिनपोछे के संरक्षण और आशीर्वाद के तहत** आयोजित किया जा रहा है ।

4.9. बोधिचित्त

- तिब्बती आध्यात्मिक नेता **14वें दलाई लामा ने सिलीगुड़ी के सेड- ग्यूड मठ** में अपने भक्तों को अपनी शिक्षा दी ।
- दलाई लामा ने बुद्ध के मुख्य कारण बोधिचित्त और मन को शांति लाने में मदद करने वाले विचारों पर अपना **व्याख्यान दिया** ।
- तिब्बती **आध्यात्मिक नेता ने ग्यालसी** पर उपदेश दिया **थोकमे सांगपो के बोधिसत्व के 37 अभ्यास** (' लैकलेन सोडुनमा ') और **बोधिचित्त (' सेम्की ') की पीढ़ी का समारोह ।**
    - ✓ **बोधिसत्व के 37 अभ्यास (' लैकलेन सोडुनमा ') 14वीं शताब्दी ईसा पूर्व में टोकमे द्वारा लिखा गया** एक प्राचीन ग्रंथ है **सांगपो** , एक **बौद्ध भिक्षु जिनका जन्म तिब्बत में शाक्य मठ के दक्षिण-पश्चिम में पुलजंग में हुआ था** ।

बोधिचित्त क्या है?

- **बोधिचित्त** , या **"जागृति मन" या "आत्मज्ञान का विचार", जागृति के मार्ग पर चलने और एक बोधिसत्व बनने की प्रतिबद्धता** है , **जो सभी प्राणियों की मुक्ति के लिए समर्पित है।**

- **करुणा बोधिचित्त (जागृत मन) की ओर कदम बढ़ाने का पत्थर** है , जो **महायान का केंद्रीय विषय है।**
- **करुणा** का यह रूप यथासंभव पीड़ा और दर्द को कम करना चाहता है और **समाज में दया, देखभाल और न्याय के रूप में अभिव्यक्ति लेता है।**
- बोधिचित्त **महायान शिक्षण और अभ्यास के हर पहलू में व्याप्त है।**

बोधिसत्व के बारे में

- यह **संस्कृत धातु बोधि से लिया गया है** , जिसका अर्थ है **"जागृति" या "ज्ञानोदय", और सत्व, जिसका अर्थ है "होना"।**
- शब्द का मूल अर्थ है **"एक ऐसा प्राणी जो प्रबुद्ध होने की राह पर है"।**

सेड-गाइडेड मठ के बारे में

- **सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल** की शांत पहाड़ियों के बीच स्थित है **।**
- यह **सेड- ग्यूड वंश या व्हिस्पर्ड वंश की मुख्य सीट है** , जो **एक गुप्त शिक्षा है जो केवल निकटतम शिष्य को उनके मूल शिक्षक या ध्यान देवता के साथ सीधे संचार के माध्यम से प्रेषित होती है** ।
- यह सेड- **ग्यूड वंश की अखंड गुप्त शिक्षाओं और टिप्पणियों के कारण है कि तिब्बती गुप्त महायान प्रथा आज भी बरकरार है।**

4.10. काशी तमिल समागम

- प्रधानमंत्री ने हाल ही में **वाराणसी के नमो घाट पर काशी तमिल संगमम का उद्घाटन किया।**
  - ✓ पहली बार 2022 में आयोजित **काशी तमिल संगमम का उद्देश्य उत्तर और दक्षिण भारत के ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों का जश्न मनाना है।**
  - ✓ **'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'** की भावना को आगे बढ़ाना है ।
- **तमिलनाडु और पुडुचेरी के** लगभग 1,400 गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम के लिए वाराणसी का दौरा करेंगे, और कई सांस्कृतिक आदान-प्रदान और प्रदर्शनियों में भाग लेंगे , **जिसमें तमिलनाडु और वाराणसी की कला, संगीत, हथकरघा, हस्तशिल्प, व्यंजन और अन्य विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।**
- पृष्ठभूमि
  - ✓ किंवदंती है कि **15वीं शताब्दी में मदुरै के आसपास के क्षेत्र के शासक, राजा पराक्रम पंड्या** , **भगवान शिव को समर्पित एक भव्य मंदिर बनाना चाहते थे** ।
  - ✓ उन्होंने **अपने मंदिर के लिए लिंगम वापस लाने के लिए काशी तक की यात्रा की।**
  - ✓ लौटते समय वह एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए रुका।
  - ✓ जब उन्होंने अपनी यात्रा जारी रखने की कोशिश की, तो **लिंगम ले जाने वाली गाय ने अपनी जगह से हिलने से इनकार कर दिया** । पराक्रम पंड्या ने इसे भगवान की इच्छा समझा, और **वहां लिंगम स्थापित किया, वह स्थान जिसे आज शिवकाशी के नाम से जाना जाता है** ।
  - ✓ जो श्रद्धालु काशी नहीं जा सकते थे, उनके लिए पांड्यों ने दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु में आज के तेनकासी में काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण भी कराया।

नोडल मंत्रालय - शिक्षा **मंत्रालय ; अन्य मंत्रालयों जैसे रेलवे, कपड़ा, संस्कृति, पर्यटन आदि मंत्रालयों की भागीदारी** के साथ ।

4.11. योगमाया मंदिर

- योगमाया मंदिर एक **ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्मारक है, माना जाता है कि यह एक प्राचीन मंदिर के स्थान पर खड़ा है,** जिसके बारे में कहा जाता है कि यह **महाभारत काल के दौरान बना था, लेकिन जिसका अब कोई निशान मौजूद नहीं है।**
- **जोगमाया मंदिर** भी कहा जाता है ।
- **मुगल सम्राट अकबर द्वितीय के दरबार में लाला सिधू मल** नाम के एक रईस **ने 1806 और 1837 के बीच मंदिर का निर्माण कराया था।**
- **प्राचीन जैन ग्रंथों में** इस **क्षेत्र को योगिनीपुरा के नाम से जाना जाता था** और **कहा जाता है कि स्वयं पृथ्वीराज चौहान ने अपने शहर के विनाश से कुछ समय पहले यहां एक योगिनी मंदिर का संरक्षण किया था।**
- लाला सिधू मल, जिन्हें सेड मल के नाम से भी जाना जाता है, ने **अपना मंदिर उस स्थान पर बनवाया जहां माना जाता है कि एक प्राचीन योगिनी मंदिर मौजूद था।**
- सम्राट **ने अपने बेटे की ब्रिटिश जेल से रिहाई पर इलाहाबाद में योगमाया मंदिर में प्रसाद चढ़ाने का आदेश दिया** ।
    - ✓ **दोनों पवित्र स्थलों (कुतुबुद्दीन दरगाह सहित) पर फूल चढ़ाना एक वार्षिक परंपरा बन गई, जिसे फूल वालों की सैर के नाम से जाना जाता है, और यह आज भी राजधानी में हिंदू-मुस्लिम एकता के सबसे प्रमुख प्रदर्शन के रूप में जारी है।**

4.12. राष्ट्रीय संस्कृति कोष

- **पिछले पांच वित्त वर्ष** (2018-19 से 2022-23) के दौरान **एनसीएफ को गैर-सरकारी स्रोतों से 3.70 करोड़ रुपये मिले हैं।**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) के बारे में

- राष्ट्रीय संस्कृति कोष (एनसीएफ) की **स्थापना 1996 में धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1890** के तहत एक ट्रस्ट के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य **भारत की सांस्कृतिक विरासत (मूर्त और अमूर्त) को बढ़ावा देने, सुरक्षा और संरक्षण की** दिशा में **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाना है ।**
- एनसीएफ का **प्रबंधन एक परिषद और एक कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है।**
    - ✓ परिषद **की अध्यक्षता संस्कृति मंत्री करते हैं** और इसमें **कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र, निजी फाउंडेशन और गैर-लाभकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य होते हैं** ।
    - ✓ कार्यकारी **समिति की अध्यक्षता संस्कृति मंत्रालय के सचिव** द्वारा की जाती है ।
- **राष्ट्रीय संस्कृति कोष** में दान **आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ के लिए पात्र** होगा ।

4.13. विश्व का सबसे पुराना किला खोजा गया

- जिसे एक अभूतपूर्व पुरातात्विक खोज करार दिया जा रहा है, **पुरातत्वविदों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने साइबेरिया के सुदूर क्षेत्र में दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात किला** खोजा है, जो 8,000 साल **पुराना है** ।
- पुरातत्ववेत्ता **लंबे समय से किलों को स्थायी कृषि बस्तियों से जोड़ते रहे हैं** ।
    - ✓ हालाँकि, **गढ़वाली संरचनाओं के इस समूह से पता चलता है कि प्रागैतिहासिक समूह, शिकारी-संग्रहकर्ता, मूल रूप से जितना सोचा गया था उससे कहीं पहले सुरक्षात्मक इमारतों का निर्माण कर रहे थे।**

- यह **स्थल पश्चिमी साइबेरिया में अमन्या नदी के किनारे स्थित** है और **इसमें लगभग 20 बिखरे हुए गड्ढे-घर शामिल हैं** जिन्हें **दो खंडों में विभाजित किया गया था - अमन्या I और अमन्या II।**
    - ✓ **रेडियोकार्बन डेटिंग की** पुष्टि की गई यह **बस्ती सबसे पहले मेसोलिथिक या मध्य पाषाण युग के दौरान बसी थी।**

4.14. अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023

- अंतर्राष्ट्रीय **गीता महोत्सव 2023 हाल ही में** हरियाणा के **कुरूक्षेत्र** में शुरू हुआ ।
- कार्यक्रम की **शुरुआत भगवद गीता के श्लोकों की गूंज के साथ ब्रह्म सरोवर पर गीता आरती** और **पवित्र ग्रंथ की पूजा के साथ हुई।**
- अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव **18,000 छात्रों को** शामिल करने वाले **वैश्विक गीता पाठ , सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एक समग्र अनुभव का वादा करता है का गठन कर दिया उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र** , पटियाला और हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा **अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, संत सम्मेलन, ब्रह्म सरोवर पर आरती, दीपोत्सव और 164 स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।**

4.15. तबला कलाकारों की टुकड़ी को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

- **मध्य प्रदेश के ग्वालियर में करीब 1300 लोगों ने एक साथ तबला बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड** बनाया .
- **ग्वालियर किले के कर्ण महल में ' तबला दरबार ' उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया** गया .
- **प्रदर्शन की निगरानी और रिकॉर्ड करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तीन सदस्यीय टीम मौजूद थी** ।
- यह संगीत **कार्यक्रम ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'तानसेन समारोह ' संगीत समारोह का हिस्सा था।**

अन्य तथ्य

- **मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर को "संस्कृति और रचनात्मकता के दोहन के लिए मजबूत प्रतिबद्धता" के लिए 1 नवंबर, 2023 को यूनेस्को के क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (यूसीसीएन) में** जोड़ा गया था ।
- **केरल का** कोझिकोड (**'साहित्य के शहर ' के रूप में**) भी हाल ही में जोड़े गए लोगों में से एक था।
- यूसीसीएन में अन्य भारतीय शहर शामिल हैं
    - ✓ जयपुर: शिल्प और लोक कला (2015),
    - ✓ वाराणसी: संगीत का रचनात्मक शहर (2015),
    - ✓ चेन्नई: क्रिएटिव सिटी ऑफ़ म्यूज़िक (2017),
    - ✓ मुंबई: फ़िल्म (2019),
    - ✓ हैदराबाद: गैस्ट्रोनॉमी (2019), और
    - ✓ श्रीनगर: शिल्प और लोक कला (2021)।

4.16. वीर बाल दिवस

- पीएम ने हाल ही में **नई दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह में भाग लिया।**
- यह **हर साल 26 दिसंबर** को **मनाया जाता है** ।

- वीर **बाल दिवस श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों- साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी की शहादत का** प्रतीक है ।
- **सरहिंद के गवर्नर वजीर खान के आदेश पर** दोनों छोटे बेटों को जिंदा ईंटों से चुनवाकर मार दिया गया।
- दो बड़े बेटों, **साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह** दोनों ने **चमकौर की ऐतिहासिक लड़ाई** में **अपने प्राणों की आहुति दे दी,** जहां छोटी संख्या में सिखों ने मुगलों और पहाड़ी राजाओं की विशाल सेना का मुकाबला किया था।

4.17. वर्ली पेंटिंग्स

- हाल ही में इनहेरिटेड आर्ट्स फोरम (आईएएफ) द्वारा वारली पेंटिंग कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया **था ।**

वर्ली पेंटिंग के बारे में

- कर्मकांडीय **जनजातीय कला की उत्पत्ति महाराष्ट्र के ठाणे जिले के** सह्याद्री **पर्वत** में हुई।
- इसका **पता 10वीं शताब्दी ईस्वी में लगाया जा सकता है** , लेकिन **इसकी विशिष्ट शैली के लिए पहली बार इसकी खोज और सराहना 1970 के दशक की शुरुआत में ही की गई थी।**
- यह कला **पारंपरिक रूप से वारली जनजाति की सुवासिनिस** नामक महिलाओं द्वारा **की जाती थी** , जो **लगन चौक या विवाह चौक को सजाती थीं** ।
- की परत **चढ़ाकर कैनवास का निर्माण किया गया** ।
- जब **गोबर सूख जाता था** , तो **पृष्ठभूमि बनाने के लिए उन्हें मिट्टी के भूरे रंग से रंग दिया जाता था** , और **दृश्यों, आकृतियों और वस्तुओं को सावधानीपूर्वक तैयार करने के लिए बांस-छड़ी वाले पेंट ब्रश का उपयोग किया जाता था।**
- पर सफ़ेद रंग के त्रिकोण **, वृत्त और रेखाएं दीवारों और कैनवस पर ग्रामीण जीवन** और वहां के रीति-रिवाजों और परंपराओं **की कहानियां बताने के लिए संरेखित हैं ।**
- वारली **ग्रामीण जीवन की दैनिक दिनचर्या** , **आदिवासी लोगों के प्रकृति, उनके देवताओं, मिथकों, परंपराओं, रीति-रिवाजों और उत्सवों के साथ संबंध का प्रतिनिधित्व करता है।**

अन्य तथ्य

- **जिव्या सोमा माशे को वर्ली कला का जनक** कहा जाता है ।
- वह **वारली कला के महिला-प्रधान गढ़ में प्रवेश करने वाले पहले पुरुष कलाकार थे।**

CivilsTap Himachal

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी

5.1. गजराज सुरक्षा

- **ट्रेन की टक्कर में हाथियों की मौत की बढ़ती चिंता को दूर करने** के लिए , भारतीय रेलवे ने **गजराज सुरक्षा** नामक **एक अभूतपूर्व, स्वदेशी रूप से विकसित नई तकनीक शुरू की है** , जिसका **उद्देश्य ऐसी दुखद घटनाओं को रोकना है।**
- गजराज सुरक्षा, जो **एक प्रकार की घुसपैठ जांच प्रणाली या आईडीएस है** , **एआई एल्गोरिदम पर आधारित है और 99.5 प्रतिशत संभावित टकरावों का पता लगाने का दावा करती है** , जो **इस लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे का एक बहुत जरूरी समाधान प्रदान करती है** ।
- यह **सिग्नल के त्वरित प्रसारण के लिए मुख्य रूप से ओएफसी या ऑप्टिकल फाइबर केबल पर निर्भर करता है।**
- **कार्यरत**
  - ✓ गजराज सुरक्षा **पटरियों पर हाथियों की आवाजाही से उत्पन्न दबाव तरंगों को महसूस करता है** ।
  - ✓ जैसे ही हाथी चलते हैं, **ऑप्टिकल फाइबर उनके कदमों के कारण होने वाले कंपन का पता लगाते हैं।**
  - ✓ ये **कंपन ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के भीतर संकेतों को ट्रिगर करते हैं** , जिससे **सिस्टम ट्रैक पर उनके आगमन से 200 मीटर पहले तक हाथियों की उपस्थिति की पहचान करने में सक्षम होता है।**
  - ✓ **जब भी पटरियों पर किसी गतिविधि का पता चलता है तो** ओएफसी-आधारित घुसपैठ जांच प्रणाली तुरंत स्टेशन **मास्टरों को अलार्म भेजती है।**
  - ✓ इससे उन्हें **प्रभावित क्षेत्रों में लोकोमोटिव ड्राइवरों को सूचित करने की अनुमति मिलती है।**
  - ✓ यह त्वरित संचार **सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों को धीमा या रोका जा सकता है, जिससे हाथियों के साथ संभावित टकराव को रोका जा सके।**
- **700 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक वाले विशाल नेटवर्क** पर **, कार्यान्वयन लागत 181 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो इसे भारतीय रेलवे के लिए एक व्यवहार्य और स्केलेबल समाधान बनाती है** ।
- भारतीय **रेलवे अगले 8 महीनों में देश के सभी हाथी गलियारों में इस समाधान को तैनात करने की योजना बना रहा है।**
  - ✓ भारतीय रेलवे ने इस **कार्यक्रम को संचालित करने** और **सबसे अधिक प्रभावित कुछ क्षेत्रों में इस नई, अत्याधुनिक तकनीक को लागू करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को चुना है।**
  - ✓ यह प्रणाली एक बड़े क्षेत्र में स्थापित की जा रही है और लगभग 70 **किलोमीटर के एक विशिष्ट खंड पर पहले से ही पूरी तरह से चालू है** ।

CivilsTap HImachal

5.2. एन्थ्रोबोट्स

- वैज्ञानिकों ने **मानव श्वासनली कोशिकाओं से बने छोटे रोबोट बनाए हैं** , जिन्हें **एंथ्रोबोट्स कहा जाता है** , जो क्षतिग्रस्त तंत्रिका ऊतक की मरम्मत करने में सक्षम हैं।
  - ✓ यह शोध वैज्ञानिकों के पहले के काम पर आधारित है , जिन्होंने **अफ्रीकी पंजे वाले मेंढक (ज़ेनोपस लाविस) के भ्रूण** से प्राप्त **स्टेम कोशिकाओं** से **पहला जीवित रोबोट** या **ज़ेनोबोट बनाया था।**
- हालाँकि, एंथ्रोबोट्स स्व-संयोजन होते हैं **और मानव ऊतक से बनते हैं** , जो संभावित रूप से **वैयक्तिकृत चिकित्सा का मार्ग प्रशस्त करते हैं।**
- इन बायोबॉट्स में स्वायत्त रूप से **विभिन्न रूपों और आकारों** में **कॉन्फ़िगर करने की उल्लेखनीय क्षमता है ।**

- वे **अनायास एक साथ मिलकर एक बड़ी संरचना बना सकते हैं जिसे सुपरबॉट** कहा जाता है , जो **न्यूरॉन्स के विकास को प्रोत्साहित करने में सक्षम था ।**
- वे **पुनर्योजी चिकित्सा** , **घाव भरने** और **रोग उपचार का वादा करते हैं ।**

ब्रिक- जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद

- **जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (ब्रिक) सोसाइटी नामक** नई शीर्ष स्वायत्त सोसायटी **की उद्घाटन बैठक में भारत के लिए "जैव-दृष्टि" को परिभाषित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।**
- **जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश में** जैव प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने **के लिए** नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।
  - ✓ इसे **अपने 14 स्वायत्त संस्थानों (एआई) को एक शीर्ष स्वायत्त सोसायटी के तहत मिलाकर युक्तिसंगत बनाने के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी दी गई थी । जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (बीआरआईसी), देश भर में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए केंद्रीकृत और एकीकृत शासन के लिए।**
- ब्रिक सोसाइटी का **उद्देश्य**
  - ✓ **सार्वजनिक-निजी अनुसंधान साझेदारी में संलग्न हों,**
  - ✓ **गैर-सरकारी संसाधनों से बंदोबस्ती प्राप्त करें, और**
  - ✓ **एक साझा शासी निकाय के तहत शामिल 14 संस्थानों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग शोध जनादेश बनाए रखें।**

5.3. विश्व का पहला चौथी पीढ़ी का परमाणु रिएक्टर

- चीन ने **दुनिया की पहली चौथी पीढ़ी** , **गैस-कूल्ड परमाणु रिएक्टर बिजली संयंत्र** का **वाणिज्यिक संचालन शुरू किया।**
- **पूर्वी शेडोंग प्रांत** में शिदाओ **बे संयंत्र दबाव वाले पानी के बजाय गैस द्वारा ठंडा किए गए दो उच्च तापमान रिएक्टरों द्वारा संचालित** है ।
- सुविधा, जिसका **निर्माण 2012 में शुरू हुआ था** , में **250 मेगावाट के दो थर्मल रिएक्टर** और **200 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाला एक भाप जनरेटर शामिल है।**
- **पारंपरिक रिएक्टर परमाणु ऊर्जा से बिजली का** उत्पादन करते हैं । हालाँकि, ये उन्नत मॉडल - जिन्हें **छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर या एसएमआर के रूप में जाना जाता है - का उपयोग अन्य अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है जिसमें औद्योगिक जरूरतों के लिए हीटिंग, अलवणीकरण या भाप शामिल है।**
- **सिस्टम को ठंडा करने के लिए पानी का** उपयोग करने **के बजाय** , **उच्च तापमान वाले रिएक्टर को हीलियम गैस का उपयोग करके ठंडा किया जाएगा** , जो अधिक अंतर्देशीय परमाणु संयंत्रों को विकसित करने का एक आशाजनक **तरीका पेश करेगा, क्योंकि उन्हें जल स्रोत के बगल में स्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी।**
- **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी** के अनुसार , वर्तमान में 18 देशों में 80 से अधिक **एसएमआर परियोजनाएँ विकासाधीन हैं।**

5.4. अमृत प्रौद्योगिकी

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) - मद्रास ने पानी से आर्सेनिक और धातु आयनों को हटाने के लिए 'अमृत' (भारतीय प्रौद्योगिकी द्वारा आर्सेनिक और धातु निष्कासन) नामक एक तकनीक विकसित की है ।
- प्रौद्योगिकी नैनो-स्केल आयरन ऑक्सी-हाइड्रॉक्साइड का उपयोग करती है , जो पानी से गुजरने पर आर्सेनिक को चुनिंदा रूप से हटा देती है ।
- यह जल शोधक घरेलू और सामुदायिक दोनों स्तरों के लिए विकसित किया गया है ।
- यह तकनीक जल जीवन मिशन के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है , जिसका उद्देश्य भारत में ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराना है।
- इसके अलावा, पानी और स्वच्छता से संबंधित सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों की जांच के लिए पेयजल और स्वच्छता विभाग की पूर्ववर्ती 'स्थायी समिति' द्वारा प्रौद्योगिकी की सिफारिश की गई है।

आर्सेनिक प्रदूषण

- आर्सेनिक पृथ्वी की पर्पटी का एक प्राकृतिक घटक है और हवा,पानी और भूमि में पूरे पर्यावरण में व्यापक रूप से वितरित है ।
- यह अपने अकार्बनिक रूप में अत्यधिक विषैला होता है।
- पीने के पानी और भोजन से लंबे समय तक आर्सेनिक के संपर्क में रहने से कैंसर और त्वचा पर घाव हो सकते हैं ।
  - ✓ क्रोनिक विषाक्तता से ब्लैकफुट रोग (बीएफडी) हो सकता है, जो निचले अंगों में रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है।

5.5. व्योममित्र

- भारत **महत्वाकांक्षी गगनयान परियोजना के हिस्से के रूप में** एक **महिला रोबोट अंतरिक्ष यात्री व्योममित्र को अंतरिक्ष** में लॉन्च करने के लिए तैयार है ।
- **मानवयुक्त मिशन** से पहले , **व्योममित्र के साथ** एक **परीक्षण उड़ान अगले वर्ष के लिए निर्धारित है** ।
  - ✓ गगनयान परियोजना **का उद्देश्य मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।**

व्योममित्रा के बारे में

- व्योममित्र एक **अर्ध-ह्यूमनॉइड रोबोट है जिसे जनवरी 2020 में "ह्यूमन स्पेसफ्लाइट एंड एक्सप्लोरेशन - वर्तमान चुनौतियां और भविष्य के रुझान" कार्यक्रम** में पेश किया गया था।
- यह **संस्कृत शब्दों- व्योम (अंतरिक्ष) और मित्र (मित्र) के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है।**
- इसरो **इनर्शियल सिस्टम्स यूनिट (आईआईएसयू) ने डिजाइन का** नेतृत्व किया , जबकि **विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) ने इसमें योगदान दिया** ।
- रोबोट की **एआई-सक्षम विशेषताएं** इसे बोलने , **देखने, चेहरे की भावनाओं को व्यक्त करने और अंतरिक्ष यात्रा की कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम बनाती हैं।**
- व्योममित्र का **भूमिका मानवरहित और मानवयुक्त दोनों मिशनों तक फैली हुई है** , जहां वह अंतरिक्ष यात्रियों के **व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए उनके कार्यों की नकल करेगी** ।
- **विभिन्न प्रक्रियाओं को क्रियान्वित करने और अंतरिक्ष में मानवीय क्रियाओं का अनुकरण करने** में सक्षम , व्योममित्र **मॉड्यूल मापदंडों की निगरानी करने, अलर्ट देने, जीवन समर्थन का प्रबंधन करने और चालक रहित उड़ानों के दौरान स्विच पैनल संचालित करने के लिए तैयार** है ।

5.6. क्रुत्रिम

- ओला सीईओ के नेतृत्व में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उद्यम **क्रुट्रिम सी डिज़ाइन्स ने ' क्रुट्रिम ' का खुलासा किया, जिसे स्टार्टअप ने 'भारत का अपना एआई' मॉडल बताया है।**
- यह **भारत का पहला पूर्ण-स्टैक कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधान है** , जिसे **भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- क्रुट्रिम एक **बड़ा भाषा मॉडल (एलएलएम) है जो दो वर्गीकरणों में उपलब्ध** होगा
  - ✓ बेस क्रुट्रिम मॉडल, और
  - ✓ क्रुट्रिम प्रो, अधिक शक्तिशाली।
- ऐसे नाम के साथ जिसका **संस्कृत में अर्थ 'कृत्रिम' होता है** , यह **एक बड़ा भाषा मॉडल (एलएलएम) है** जिसे **2 ट्रिलियन से अधिक ' टोकन' पर प्रशिक्षित किया गया है** ;
  - ✓ ये **टोकन बातचीत में उपयोग किए जाने वाले उप-शब्द हैं।**
- विशेषताएँ
  - ✓ यह मॉडल **20 भारतीय भाषाओं को समझता है** और **इनमें से दस में सामग्री तैयार कर सकता है।**
  - ✓ **हिंदी, कन्नड़, मराठी, उड़िया, तेलुगु** ये उन भाषाओं में से हैं **जिनमें यह सामग्री उत्पन्न कर सकता है।**
  - ✓ क्रूट्रिम **इंडिक भाषा समर्थन में जीपीटी-4 से भी बड़ा** है ।
  - ✓ यह एलएलएम **भाषाओं और लिपियों की व्याख्या करने के लिए एक कस्टम टोकनाइज़र का उपयोग करता है।**
  - ✓ क्रुत्रिम **ध्वनि इनपुट पर भी प्रतिक्रिया करता है** , **उपयोगकर्ता संपर्क और पहुंच को बढ़ाता है** ।
  - ✓ मॉडल **लिखित और मौखिक संचार के बीच सहजता से स्विच कर सकता है।**

5.7. काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना

- **गुजरात** में **काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना (KAPP-4) की 700 मेगावाट क्षमता** वाली चौथी **इकाई ने नियंत्रित विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया** शुरू कर दी और **इसलिए यह गंभीर हो गई।**
  - ✓ काकरापार **सूरत से लगभग 80 किमी दूर स्थित** है ।
  - ✓ **भारत के परमाणु सुरक्षा प्रहरी, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी)** द्वारा निर्धारित **सभी शर्तों को पूरा करने** के बाद रिएक्टर **की पहली गंभीरता का पता लगाया गया था ।**
- 700 **मेगावाट की इकाइयां न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा निर्मित** सबसे **बड़े स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर** हैं ।
- ये **रिएक्टर दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) हैं** , जो **ईंधन के रूप में प्राकृतिक यूरेनियम** और **शीतलक और मॉडरेटर के रूप में भारी पानी का उपयोग करते हैं।**

काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन में पहले से ही 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो ऑपरेटिंग PHWR हैं, जिन्हें KAPS-1 और -2 कहा जाता है।

केएपीपी की 700 मेगावाट इकाई-3 ने 30 अगस्त से वाणिज्यिक बिजली का उत्पादन शुरू कर दिया।

NPCIL के बारे में

- यह **परमाणु ऊर्जा विभाग का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है** ।
- एनपीसीआईएल वर्तमान में **7,480 मेगावाट की कुल क्षमता वाले** 23 **परमाणु बिजली रिएक्टर संचालित करता है** ।

- इसमें **KAPP-4 सहित नौ इकाइयां निर्माणाधीन हैं, जबकि 7,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 10 और रिएक्टर** प्री - **प्रोजेक्ट चरण में हैं।**

5.8. शून्य विश्वास प्रमाणीकरण

- केंद्र सरकार ने **महत्वपूर्ण मंत्रालयों में 10,000 उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित ई-मेल की स्थापना की है।**
- साइबर हमलों के मद्देनजर, **केंद्र ने महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में 10,000 उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित ई-मेल सेट-अप स्थापित किया है** ।
- **जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA) पर काम करने वाली ई-मेल प्रणाली को** राष्ट्रीय **सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) द्वारा डिजाइन किया गया** है ।
    - **एनआईसी** के दायरे में काम करता है **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ।**
- **10,000 ईमेल 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में फैले हुए हैं।**

ZTA के बारे में

- ZTA एक **सुरक्षा अवधारणा और ढांचा है** जो **"कभी भरोसा न करें, हमेशा सत्यापित करें" के सिद्धांत पर काम करता है।**
- के प्रति यह दृष्टिकोण **पारंपरिक सुरक्षा मॉडल से एक महत्वपूर्ण बदलाव है** जो **इस धारणा के तहत संचालित होता है कि किसी संगठन के नेटवर्क के अंदर हर चीज पर भरोसा किया जाना चाहिए।**
- इसके विपरीत, **ज़ीरो ट्रस्ट मानता है कि विश्वास कभी भी परोक्ष रूप से प्रदान नहीं किया जाता है,** बल्कि **उपयोगकर्ता के स्थान या नेटवर्क की परिधि की परवाह किए बिना, लगातार मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाना चाहिए।**
- जीरो ट्रस्ट के कार्यान्वयन के लिए **पहचान और पहुंच प्रबंधन (आईएएम), डेटा एन्क्रिप्शन, एंडपॉइंट सुरक्षा और नेटवर्क विभाजन उपकरण जैसी तकनीकों की आवश्यकता होती है।**

5.9. ई-मिट्टी E-SOIL

- अध्ययन के अनुसार, हाइड्रोपोनिक वातावरण में, ईसॉइल **एक कम शक्ति वाला बायोइलेक्ट्रॉनिक विकास सब्सट्रेट** है जो **पौधों की जड़ प्रणाली और विकास वातावरण को विद्युत रूप से उत्तेजित कर सकता है** ।
- यह नया सब्सट्रेट **पर्यावरण के अनुकूल है** , **जो सेलूलोज़ और पेडॉट नामक एक प्रवाहकीय पॉलिमर से प्राप्त होता है** , जो **कम ऊर्जा प्रदान करता है,** पिछले तरीकों के लिए सुरक्षित विकल्प प्रदान करता है जिसके लिए उच्च वोल्टेज और गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री की आवश्यकता होती है।
- ई-मिट्टी **कम ऊर्जा का उपयोग करता है और संसाधन की खपत को कम करता है** ।
    - ✓ इसका **सक्रिय पदार्थ** एक **कार्बनिक मिश्रित-आयनिक इलेक्ट्रॉनिक कंडक्टर है।**

हाइड्रोपोनिक्स के बारे में

- **हाइड्रोपोनिक खेती का** मतलब है कि **पौधे बिना मिट्टी के उगते हैं, उन्हें केवल पानी, पोषक तत्वों और किसी ऐसी चीज की आवश्यकता होती है जिससे उनकी जड़ें जुड़ सकें - एक सब्सट्रेट।**
- यह **एक बंद प्रणाली है जो पानी के पुनर्चक्रण को सक्षम बनाती है** ताकि प्रत्येक अंकुर को ठीक वही पोषक तत्व मिलें जिनकी उसे आवश्यकता है।
- इसलिए, **बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है और सभी पोषक तत्व प्रणाली में बने रहते हैं, जो पारंपरिक खेती में संभव नहीं है।**
- **हाइड्रोपोनिक्स अंतरिक्ष दक्षता को अधिकतम करने के लिए बड़े टावरों में ऊर्ध्वाधर खेती को** भी सक्षम बनाता है।

- इस तरीके से पहले से ही खेती की जा रही **फसलों में सलाद, जड़ी-बूटियाँ और कुछ सब्जियाँ शामिल हैं।**

5.10. भारत का पहला AI शहर

- भारत का सबसे बड़ा राज्य, उत्तर प्रदेश, **एआई पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित करने और बढ़ावा देने के लिए लखनऊ में भारत का पहला एआई शहर बनाने की योजना पर आगे बढ़ गया है।**
- **लखनऊ में एआई और मेडटेक** (व्यापक एआई एकीकरण के साथ) **जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र** हैं ।
- एआई **सीओई (आईआईआईटी लखनऊ में केंद्र) अकेले 15 से अधिक एआई/एमएल स्टार्ट-अप का समर्थन करता है, जो रचनात्मकता और उद्यमिता की संस्कृति का पोषण करता है।**
- **यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड** इस परियोजना के लिए **नोडल एजेंसी** है ।
- **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, अनुसंधान केंद्रों और शैक्षणिक संस्थानों** को एकीकृत करके , **एआई शहर एक ऐसा केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है जहां विचार पनपते हैं और कल के कार्यबल का पोषण होता है।**

5.11. गिरगिट ट्रोजन

- **कुख्यात 'गिरगिट ट्रोजन' मैलवेयर के** एक शक्तिशाली संस्करण की पहचान की है , जो **एंड्रॉइड डिवाइस उपयोगकर्ताओं के लिए एक बड़ा खतरा है** ।
- यह **उन्नत संस्करण संवेदनशील जानकारी तक गुप्त रूप से पहुंचने के लिए फिंगरप्रिंट और फेस अनलॉक** सहित **बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विधियों को अक्षम करने की खतरनाक क्षमता** प्रदर्शित करता है ।
- मैलवेयर **रणनीतिक रूप से खुद को वैध एंड्रॉइड एप्लिकेशन से जोड़ता है** , जैसे कि व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला Google Chrome, जो **प्रभावी रूप से तत्काल पहचान से बचता है** ।
- पृष्ठभूमि में **गुप्त रूप से** काम करते हुए , **गिरगिट ट्रोजन बायोमेट्रिक सुरक्षा उपायों को अक्षम कर सकता है, विशेष रूप से पिन को लक्षित कर सकता है।**

6. रक्षा

6.1. ट्राइटोनल

- कथित तौर पर इजराइल गाजा पट्टी पर **एमके-84 बमों से बार-बार बमबारी कर रहा है** ।
- एमके**-84 बम आम तौर पर ट्राइटोनल से भरे होते** हैं - **एक भाग एल्यूमीनियम** और **तीन भाग ट्रिनिट्रोटोलुइन या टीएनटी का मिश्रण** ।
- **ट्राइटोनल की** विस्फोटक विशेषताओं के कारण **विमान या रेलवे** द्वारा इसका परिवहन निषिद्ध है।
- जब यह **विस्फोट होता है** , तो **विस्फोट त्रिज्या में मिट्टी, पानी और हवा सभी इन पदार्थों के संपर्क में आ जाते हैं।**
- हथियारों ने **काफी मात्रा में पर्यावरणीय क्षति पहुंचाई है, जिसका प्रभाव आंखों से परे होता है।**
- घटक **मिट्टी में समा जाते हैं या समुद्र में बह जाते हैं** , जो खतरनाक बाह्यता बन जाते हैं।
- यहां तक कि **टूटी हुई इमारतें - जो सभी आधुनिक युद्धों की खासियत हैं - प्रदूषक हैं।**

6.2. महासागर पहल

- **उच्च स्तरीय वर्चुअल इंटरेक्शन महासागर का** पहला **संस्करण** हाल ही में भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित किया गया था।
- **महासागर** विशाल महासागर के लिए भी एक अन्य शब्द है, यह **क्षेत्र में सभी के लिए सक्रिय सुरक्षा और विकास के लिए समुद्री प्रमुखों के** बीच **उच्च स्तरीय आभासी बातचीत के लिए भारतीय नौसेना की आउटरीच पहल है।**
- **नौसेना प्रमुख से** बातचीत की **नौसेनाओं/समुद्री एजेंसियों के प्रमुख और बांग्लादेश, कोमोरोस, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोज़ाम्बिक, सेशेल्स, श्रीलंका और तंजानिया** जैसे **आईओआर तटीय क्षेत्रों** के वरिष्ठ नेतृत्व।
- बातचीत का **विषय 'आम चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सामूहिक समुद्री दृष्टिकोण' था,** जो हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में **क्षमताओं और क्षमताओं के सामंजस्य और सहयोग के लिए वर्तमान और आवश्यक अनिवार्यता पर प्रकाश डालता** है, जो भारत सरकार के सागर के दृष्टिकोण के अनुरूप है। **' क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास'।**

सागर के बारे में

- भारत का **SAGAR (2015 में घोषित), जिसका अर्थ है 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास', हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में समुद्री सहयोग और सुरक्षा को बढ़ाने** के लिए डिज़ाइन किया गया एक **दृष्टिकोण और नीति ढांचा है।**
- **क्षेत्र के सभी देशों के लाभ के लिए सामूहिक सुरक्षा** और सतत विकास को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देती है ।
- इसके लिए भारत **सूचनाओं के आदान-प्रदान, तटीय निगरानी, बुनियादी ढांचे के निर्माण और उनकी क्षमताओं को मजबूत करने में सहयोग करेगा।**

6.3. आईएनएस संधायक

- **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने नौसेना दिवस के अवसर पर भारतीय नौसेना को भारत में अब तक का सबसे बड़ा सर्वेक्षण जहाज** और इसके द्वारा बनाए जा रहे **चार सर्वेक्षण जहाजों (बड़े) या एसवीएल की श्रृंखला में पहला आईएनएस संध्याक** सौंपा । **.**
- 110 **मीटर लंबा युद्धपोत चार एसवीएल की श्रृंखला में प्रमुख जहाज** है और **इसी नाम से एक अन्य जहाज का पुनर्जन्म है** ।
  - ✓ पिछला **युद्धपोत** , जो एक सर्वेक्षण पोत भी था, **1981 में नौसेना में शामिल किया गया था और 2021 में सेवामुक्त कर दिया गया था।**
- ये युद्धपोत बंदरगाह और **बंदरगाह के दृष्टिकोण के पूर्ण पैमाने पर तटीय और गहरे पानी के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और नेविगेशन चैनलों और मार्गों के निर्धारण में सक्षम हैं।**
- वे **समुद्री सीमाओं का सर्वेक्षण और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए समुद्र विज्ञान और भौगोलिक डेटा का संग्रह भी कर सकते हैं** और **एक-एक हेलीकॉप्टर ले जा सकते हैं, कम तीव्रता वाले युद्ध में भाग ले सकते हैं और अस्पताल जहाजों के रूप में कार्य कर सकते हैं।**
- इनका **उपयोग मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के लिए भी किया जा सकता है।**

6.4. राष्ट्रीय स्वचालित फ़िंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS)

- नवंबर 2023 तक **देश भर में 1022 स्थानों** पर **राष्ट्रीय स्वचालित फ़िंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS) स्थापित की गई है** ।

- **एनएएफआईएस एप्लिकेशन तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वीपीएन आईडी सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ बनाई** और साझा की गई हैं।

नफ़ीस के बारे में

- **नई दिल्ली में केंद्रीय फिंगरप्रिंट ब्यूरो (सीएफपीबी) में** एनसीआरबी **द्वारा संकल्पित और प्रबंधित , राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) परियोजना अपराध और आपराधिक-संबंधित फिंगरप्रिंट का एक देशव्यापी खोज योग्य डेटाबेस है** ।

> मध्य प्रदेश **2022** में **NAFIS** के माध्यम से मृत व्यक्ति की पहचान करने वाला देश का पहला राज्य बन गया।

- वेब **-आधारित एप्लिकेशन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से फिंगरप्रिंट डेटा को समेकित करके** एक केंद्रीय सूचना भंडार के रूप में कार्य करता है ।
- यह **कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 24×7 आधार पर वास्तविक समय में डेटाबेस से डेटा अपलोड करने, ट्रेस करने और पुनर्प्राप्त करने में** सक्षम बनाता है।
- **एनएएफआईएस किसी अपराध के लिए गिरफ्तार किए गए प्रत्येक व्यक्ति को** एक अद्वितीय **10-अंकीय राष्ट्रीय फ़िंगरप्रिंट नंबर (एनएफएन) प्रदान करता है** ।
  - ✓ इस **अद्वितीय आईडी का उपयोग व्यक्ति के जीवनकाल के लिए किया जाएगा, और विभिन्न एफआईआर के तहत दर्ज विभिन्न अपराधों को एक ही एनएफएन से जोड़ा जाएगा** ।
- **आईडी के पहले दो अंक उस राज्य कोड के होंगे जिसमें किसी अपराध के लिए गिरफ्तार व्यक्ति पंजीकृत है** , उसके बाद **एक क्रम संख्या होगी।**

6.5. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)

- **साइबर अपराध के खिलाफ भारत की लड़ाई में नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के साथ एक महत्वपूर्ण सफलता देखी गई है।**।
- भारतीय **साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा स्थापित** यह पहल , वित्तीय **धोखाधड़ी को रोकने और साइबर अपराधियों द्वारा धन के गैरकानूनी मोड़ को रोकने में महत्वपूर्ण** साबित हुई है ।
- सिस्टम ने **अपनी स्थापना के बाद से 12.8 लाख साइबर अपराध की चौंका देने वाली शिकायतें दर्ज की हैं** ।
- उल्लेखनीय रूप से, इसने **3.8 लाख से अधिक शिकायतों में 930 करोड़ रुपये से अधिक की सफलतापूर्वक सुरक्षा की है।**

I4C के बारे में

- **समन्वित और व्यापक तरीके से साइबर अपराध से निपटने** के लिए **कानून प्रवर्तन एजेंसियों (LEA) के लिए एक रूपरेखा और इको-सिस्टम** प्रदान करने के लिए **नई दिल्ली में MHA द्वारा भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) की स्थापना की गई** थी ।
- I4C को **देश में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने** के लिए **नोडल बिंदु** के रूप में **कार्य करने की परिकल्पना की गई है।**
- I4C **में केंद्रीय जांच ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम** जैसी **एजेंसियां शामिल हैं** ।

- इसका उद्देश्य **साइबर अपराध जांच और डिजिटल फोरेंसिक से संबंधित विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक प्रणाली बनाना है** ।
- इसका उद्देश्य गृह मंत्रालय में संबंधित नोडल प्राधिकारी के परामर्श से साइबर अपराध से संबंधित **अन्य देशों के साथ पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों (एमएलएटी) के कार्यान्वयन से संबंधित सभी गतिविधियों का समन्वय करना है।**
- I4C के पास **सूचना, खुफिया जानकारी साझा करने और उस तक पहुंचने और साइबर अपराध जांच में सहयोग करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट है।**

6.6. टेबल-टॉप अभ्यास

- **शांति अभियानों** में **महिला सैन्य कर्मियों के कौशल को मजबूत करने के प्रयास** में , **भारतीय सेना ने नई दिल्ली के मानेकशॉ केंद्र में एक टेबल-टॉप अभ्यास (TTEx) आयोजित किया।**
- यह **अभ्यास विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की महिला अधिकारियों** के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- इसका **आयोजन संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (CUNPK) द्वारा किया गया था** , **जो भारतीय सेना की एक प्रमुख संस्था है जो शांति स्थापना अभियानों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समर्पित है।**
- **TTEx शांति मिशनों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए सीयूएनपीके की चल रही प्रतिबद्धता के साथ संरेखित है, जिसमें क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।**
- टेबलटॉप अभ्यास **भारत और आसियान सदस्य देशों के बीच संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण के अनुवर्ती के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विक शांति, स्थिरता और लैंगिक समानता के प्रति भारत के समर्पण को उजागर करता है।**

6.7. अग्नि 1 मिसाइल

- **'अग्नि-1' मिसाइल** का प्रशिक्षण प्रक्षेपण ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सफलतापूर्वक किया गया।
- अग्नि-1 एक **अत्यंत उच्च परिशुद्धता सिद्ध मिसाइल प्रणाली है** ।
- **स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तत्वावधान में किए गए उपयोगकर्ता प्रशिक्षण लॉन्च ने** सभी **परिचालन और तकनीकी मापदंडों को** सफलतापूर्वक मान्य किया ।

अग्नि 1 के बारे में

- **यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है** जिसकी **रेंज 700-900 किमी है।**
- यह **एक एकल-चरण, ठोस-ईंधन मिसाइल है।**
- यह **अनुमानित 1,000 किलोग्राम भार वाले परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम** है ।
- यह **रोड -मोबाइल है** , जो **इसे उच्च स्तर की गतिशीलता प्रदान करता है और दुश्मन के लिए इसे निशाना बनाना मुश्किल बना देता है।**
- इसका **पहली बार परीक्षण 2002 में किया गया था** और **पहली बार 2007 में भारतीय सेना की सामरिक बल कमान द्वारा तैनात किया गया था।**
- इसकी **उत्पत्ति भारत के 1983 इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP) से हुई।**
- **अग्नि-1 से 5 मिसाइलें** हैं **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया ।**

6.8. विनबैक्स 2023

- संयुक्त सैन्य अभ्यास VINBAX-2023 के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए 45 कर्मियों वाली भारतीय सशस्त्र बल की टुकड़ी हनोई, वियतनाम पहुंची ।
- यह अभ्यास वियतनाम के हनोई में आयोजित किया जाएगा।
- भारतीय दल में बंगाल इंजीनियर ग्रुप की इंजीनियर रेजिमेंट के 39 कर्मी और आर्मी मेडिकल कोर के छह कर्मी शामिल हैं ।
- VINBAX अभ्यास 2018 में शुरू किया गया था और पहला संस्करण जबलपुर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था ।
- यह भारत और वियतनाम में वैकल्पिक रूप से आयोजित एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है ।
- अंतिम संस्करण अगस्त 2022 में चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में आयोजित किया गया था।
- अभ्यास का उद्देश्य सहयोगात्मक साझेदारी को बढ़ावा देना, अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना और शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत दोनों पक्षों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है।

6.9. पिनाका हथियार प्रणाली

- भारतीय सेना के लिए एक बड़े प्रोत्साहन में, **रक्षा मंत्रालय ने पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के लिए लगभग 6,400 रॉकेट खरीदने के लिए 2,800 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।**
- रक्षा मंत्रालय की रक्षा अधिग्रहण परिषद ने दो प्रकार के इन रॉकेटों के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है , **जिन्हें एरिया डेनियल म्यूनिशन टाइप 2 और टाइप-3 के नाम से जाना जाता है।**
- **भारतीय सेना द्वारा** रॉकेटों की खरीद स्वदेशी स्रोतों से ही की जाएगी।
- रॉकेट आपूर्ति अनुबंध के लिए **दो प्रमुख दावेदार सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड और म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड हैं।**
- इसका **नाम भगवान शिव के धनुष के नाम पर रखा गया है।**
- इसे **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया है ।**
- हथियार प्रणाली **उन पहले कुछ भारतीय सैन्य उपकरणों में से एक है जिन्हें आर्मेनिया सहित विदेशी देशों में निर्यात किया गया है।**
- **बड़े तोपखाने आधुनिकीकरण योजनाओं** के हिस्से के रूप में , **सेना को पिनाका एमबीआरएल की 22 रेजिमेंटों की आवश्यकता है।**
  - ✓ **भारतीय सेना** की **पिनाका रेजिमेंट में स्वचालित बंदूक लक्ष्यीकरण और पोजिशनिंग सिस्टम और कमांड पोस्ट वाले लॉन्चर** शामिल हैं ।

6.10. आईएनएस तारमुगली

- **आईएनएस तारमुगली**, एक **फास्ट अटैक क्राफ्ट को नौसेना में शामिल किया गया** है ।
- जहाज को मूल रूप से कोलकाता स्थित **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया था** और **17 मार्च 2001 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।**
- ट्रिंकट **क्लास FAC** जिसे **2006 में भारत द्वारा मालदीवियन नेवल डिफेंस फोर्सेज (MNDF) को उपहार में दिया गया था** ।
- जहाज को मई 2023 में वापस कर दिया गया था और **नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम द्वारा व्यापक बहाली कार्य के बाद, इसे अपने वर्तमान अवतार में पुनर्जन्म दिया गया था।**

- युद्धपोत **उन्नत एमटीयू इंजन, जल जेट प्रणोदन, नवीनतम संचार उपकरण, एक 30 मिमी बंदूक** और एक **उन्नत रडार प्रणाली से सुसज्जित है।**
- इसका **उपयोग केजी बेसिन क्षेत्र** और **भारत के पूर्वी तट पर तटीय निगरानी और हमारे ओडीए की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर किया जाएगा।**
- आईएनएस तरमुगली **नौसेना प्रभारी अधिकारी (आंध्र प्रदेश) के अधीन** संचालित होगा ।
- इसका नाम **अंडमान समूह के एक सुरम्य द्वीप के नाम पर रखा गया है।**
- 320 **टन वजनी आईएनएस तारमुगली , जिसकी लंबाई 48 मीटर** है , **30 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त कर सकता है।**

6.11. स्वायत्त फ्लाइंग विंग प्रौद्योगिकी प्रदर्शक

- भारत ने हाल ही में अपने **स्वदेशी हाई-स्पीड फ्लाइंग विंग यूएवी का एक महत्वपूर्ण उड़ान परीक्षण किया** , जिसे **ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर कहा जाता है।**
- सफल **उड़ान देश को** उन विशिष्ट राष्ट्रों की लीग में शामिल कर देती है **जिन्होंने उड़ान विंग विन्यास के नियंत्रण में महारत हासिल कर ली है** ।
- यह **यूएवी** है **बेंगलुरु में DRDO के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया** ।
- **इस विमान की पहली उड़ान जुलाई 2022 में प्रदर्शित की गई थी** , इसके बाद **दो इन-हाउस निर्मित प्रोटोटाइप का उपयोग करके विभिन्न विकासात्मक विन्यासों में छह उड़ान परीक्षण किए गए** ।
- एक जटिल एरोहेड विंग प्लेटफॉर्म के साथ विमान प्रोटोटाइप को **स्वदेशी रूप से विकसित हल्के वजन वाले कार्बन प्रीप्रेग मिश्रित सामग्री के साथ डिजाइन और निर्मित किया गया है** ।
- आवश्यकता **के बिना** , इस **हाई-स्पीड यूएवी की** स्वायत्त **लैंडिंग ने एक अद्वितीय क्षमता का प्रदर्शन किया** , जो **सर्वेक्षण किए गए निर्देशांक के साथ किसी भी रनवे से टेक-ऑफ और लैंडिंग की अनुमति देता है** ।
    - ✓ जीपीएस नेविगेशन की सटीकता और अखंडता में सुधार के लिए **जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन (जीएजीएएन) रिसीवर का उपयोग करके स्वदेशी उपग्रह-आधारित संवर्द्धन के साथ ऑनबोर्ड सेंसर डेटा फ़्यूज़न का** उपयोग करना संभव था ।

6.12. आकाश मिसाइल

- **भारत ने अपनी सतह से हवा में मार करने वाली (SAM) हथियार प्रणाली आकाश की मारक क्षमता का जोरदार प्रदर्शन किया है, जहां हाल ही में अभ्यास अस्त्रशक्ति 2023 के दौरान एक एकल फायरिंग इकाई ने एक साथ चार मानव रहित लक्ष्यों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया।।**
- **भारत एकल फायरिंग यूनिट का उपयोग करके कमांड मार्गदर्शन द्वारा 25 किमी की दूरी** पर **एक साथ 4 हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश** बन गया ।
- आकाश फायरिंग यूनिट को **फायरिंग लेवल रडार (FLR), फायरिंग कंट्रोल सेंटर (FCC), और दो आकाश वायु सेना लॉन्चर (AAFL) लॉन्चरों के साथ पांच सशस्त्र मिसाइलों के साथ तैनात किया गया था।**

आकाश के बारे में

- आकाश **असुरक्षित क्षेत्रों और बिंदुओं को हवाई हमलों से बचाने** के लिए एक **कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है** ।
- यह **ग्रुप मोड या ऑटोनॉमस मोड में एक साथ कई लक्ष्यों को शामिल कर सकता है** ।
- इसमें **बिल्ट-इन इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेज़र्स (ईसीसीएम) विशेषताएं हैं।**
- संपूर्ण **हथियार प्रणाली को मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म पर कॉन्फ़िगर किया गया है।**
- आकाश **हथियार प्रणाली को** स्वदेशी रूप से **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है** और **अन्य उद्योगों के साथ रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों द्वारा निर्मित किया गया है।**
- आकाश को **पिछले एक दशक से भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना द्वारा तैनात किया गया है।**
- आकाश हथियार प्रणाली भी स्वदेशी रक्षा प्रणालियों में से एक है जिसे **अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से ऑर्डर मिले हैं।**
- विशेषताएँ-
  - ✓ संचालन की सीमा : **4.5 किमी से 25 किमी**
  - ✓ ऑपरेशन की ऊंचाई : **100 मीटर से 20 किमी तक**
  - ✓ गायडेंस प्रणाली : **कमांड** गायडेंस
  - ✓ लक्ष्य प्रकार : **हेलीकॉप्टर, लड़ाकू विमान, यूएवी आदि।**
  - ✓ लक्ष्य का पता लगाने से लेकर मारने तक त्वरित प्रतिक्रिया समय के साथ पूरी तरह से स्वचालित।
  - ✓ **ओपन सिस्टम आर्किटेक्चर** मौजूदा और भविष्य के वायु रक्षा वातावरण के लिए अनुकूलनशीलता सुनिश्चित करता है।
  - ✓ सक्रिय और निष्क्रिय जामिंग के खिलाफ **उच्च प्रतिरक्षा ।**
  - ✓ त्वरित गतिशीलता और तैनाती क्षमताओं के साथ **सड़क और रेल परिवहन योग्य ।**

6.13. समर वायु रक्षा प्रणाली

- भारतीय **वायु सेना ने** अपनी **SAMAR वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का** सफलतापूर्वक परीक्षण किया ।

समर रक्षा प्रणाली के बारे में

- SAMAR **एक छोटी दूरी की वायु- रक्षा प्रणाली है जिसे भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों सिमरन फ़्लोटेक इंडस्ट्रीज और यामाज़ुकी डेन्की** के सहयोग से **IAF के 7 बेस रिपेयर डिपो (BRD)** और **11 BRD द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।**
- यह प्रणाली **12 किमी की अधिकतम मारक क्षमता के साथ कम उड़ान वाले हवाई लक्ष्यों के खिलाफ हवाई सुरक्षा प्रदान करती है।**
- यह **2 से 2.5 मैक की गति सीमा पर चलने वाली मिसाइलों** के साथ **हवाई खतरों का मुकाबला कर सकता है ।**
- SAMAR **IAF की शेल्फ-लाइफ समाप्त हो चुकी रूसी Vympel R-73E इन्फ्रारेड-निर्देशित हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (AAMs) का उपयोग करता है।**
- एएएम **को सतह से हवा में मार करने वाली भूमिका निभाने के लिए नवीनीकृत और उन्नत किया गया है** और **मिसाइलों को सिंगल और सैल्वो दोनों मोड में लॉन्च किया** जा सकता है ।
- प्रणाली **में लॉन्च बीम, एक अग्नि-नियंत्रण इकाई, एक इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण इकाई और एक स्व-लोडिंग नकल क्रेन, एक बिजली आपूर्ति प्रणाली और एक सर्वो तंत्र फीडबैक इकाई** सहित सहायक इकाइयाँ शामिल हैं।
- SAMAR का **उद्देश्य IAF के पिकोरा सिस्टम को प्रतिस्थापित करना है** , जो **1970 के दशक से सेवा में हैं** ।

6.14. ऑपरेशन समृद्धि संरक्षक

- अमेरिका ने **व्यापारी जहाजरानी पर यमन के विद्रोही हौथिस के बढ़ते हमलों को रोकने के प्रयास में दक्षिणी लाल सागर** में सक्रिय **एक उन्नत नौसैनिक सुरक्षा बल के निर्माण की घोषणा की है।**
  - ✓ **लाल सागर** , जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शिपिंग मार्गों में से एक है, में **चल रहे इज़राइल-हमास संघर्ष के परिणामस्वरूप तनाव बढ़ रहा है।**
- इस प्रयास में अन्य प्रतिभागियों में **ब्रिटेन, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन शामिल थे।**
- नए **प्रयास को ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन कहा** जाएगा ।

6.15. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने **संसद परिसर** में **केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती को मंजूरी दे दी है ।**

सीआईएसएफ के बारे में

- सीआईएसएफ **न्यायमूर्ति मुखर्जी आयोग की सिफारिश** के बाद **केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत स्थापित संघ का एक सशस्त्र बल है।**
- सीआईएसएफ के पास **12 रिजर्व बटालियन और 08 प्रशिक्षण संस्थानों सहित 74 अन्य संरचनाएं हैं।**
- सीआईएसएफ **संपत्ति और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के साथ-साथ परिसर के कर्मचारियों को भी सुरक्षा प्रदान करता है ।**
- सीआईएसएफ **अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, हवाई अड्डों, दिल्ली मेट्रो, बंदरगाहों, ऐतिहासिक स्मारकों** और भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी क्षेत्रों जैसे **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, सहित रणनीतिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। कोयला, इस्पात और खनन** ।
- वर्तमान में, सीआईएसएफ **जेड प्लस, जेड, एक्स, वाई के रूप में वर्गीकृत संरक्षित व्यक्तियों को भी सुरक्षा प्रदान कर रहा है।**
- सीआईएसएफ **एकमात्र ऐसा बल है जिसके पास अनुकूलित और समर्पित फायर विंग है।**

6.16. आईएनएस इम्फाल

- भारतीय नौसेना ने **मुंबई में अपने नवीनतम स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस इम्फाल का जलावतरण किया** ।
- आईएनएस इंफाल **पश्चिमी नौसेना कमान में शामिल हो गया है।**

आईएनएस इंफाल के बारे में

- इंफाल पहला युद्धपोत है जिसका नाम **उत्तर पूर्व के एक शहर के नाम पर रखा गया है** ।
- आईएनएस इम्फाल **एक शक्तिशाली और बहुमुखी मंच है जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज-रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो** सहित **अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों** से सुसज्जित है ।
- इसका निर्माण **मझगांव डॉक लिमिटेड, मुंबई द्वारा किया गया है।**
- जहाज एक **आधुनिक निगरानी रडार से सुसज्जित है** जो जहाज के तोपखाने हथियार प्रणालियों को लक्ष्य डेटा प्रदान करता है।
- आईएनएस इंफाल **सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस है** , जिसकी **क्षमता 7,400 टन और कुल लंबाई 164 मीटर है।**

- आईएनएस इंफाल **संयुक्त गैस और गैस (सीओजीएजी) प्रणोदन द्वारा संचालित है।**
- यह हासिल करने में **सक्षम** है **30 समुद्री मील (56 किमी/घंटा) से अधिक गति।**
- आईएनएस इंफाल **मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट की उच्च स्वदेशी सामग्री का दावा करता है।**
- जहाज की **पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताएं स्वदेशी रूप से विकसित रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर और पनडुब्बी रोधी युद्ध हेलीकॉप्टरों द्वारा प्रदान की जाती हैं।**

6.17. हिंद महासागर क्षेत्र के लिए भारतीय नौसेना का सूचना संलयन केंद्र (आईएफसी-आईओआर)

- भारतीय **नौसेना के हिंद महासागर क्षेत्र के लिए सूचना संलयन केंद्र (आईएफसी-आईओआर) जो कि (मर्चेंट वेसल) एमवी रुएन के अपहरण की घटना सामने आई थी, उसमें नौसेना और जहाज मालिक के बीच समन्वय स्थापित करके गुरुग्राम** में स्थित भारतीय नौसेना के सूचना संलयन केंद्र (आईएफसी-आईओआर) ने बैकएंड में एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईएफसी-आईओआर के बारे में

- IFC **-IOR का उद्घाटन दिसंबर 2018 को हुआ** था ।
- IFC-IOR **सूचना प्रबंधन और विश्लेषण केंद्र (IMAC) के परिसर में स्थित है** , **जो 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद स्थापित समुद्री डेटा फ़्यूज़न के लिए नोडल एजेंसी है,** जिसे स्वयं राष्ट्रीय समुद्री डोमेन जागरूकता में अपग्रेड किया जाना तय है। (एनडीएमए) केंद्र निकट भविष्य में ।
  - ✓ आईएमएसी को **नौसेना और तटरक्षक बल द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाता है।**
  - ✓ यह **नेशनल कमांड कंट्रोल कम्युनिकेशन एंड इंटेलिजेंस सिस्टम (NC3I)** का **मुख्य केंद्र है।**
- केंद्र _ इसका उद्देश्य एक **सामान्य सुसंगत समुद्री स्थितिजन्य तस्वीर का** निर्माण करके और क्षेत्र के लिए समुद्री सुरक्षा सूचना साझाकरण केंद्र के रूप में कार्य करके **क्षेत्र और उससे परे समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है ।**
- केंद्र वर्तमान में **ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, जापान, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, यूके और यूएस** के **12 अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारियों (आईएलओ) की मेजबानी करता है और** 43 **बहुराष्ट्रीय निर्माणों और 25 से अधिक भागीदार देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है।**

6.18. प्रथम महिला सीआईएसएफ प्रमुख

- केंद्र सरकार हाल ही में श्रीमती **नीना सिंह को CISF का महानिदेशक नियुक्त किया गया।**
- वह **इस बल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं।**
- **राजस्थान कैडर के 1989 बैच की आईपीएस अधिकारी श्रीमती नीना सिंह** सिंह **वर्तमान में सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक के रूप में कार्यरत** हैं ।
- उन्हें **31 जुलाई, 2024 को उनकी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर नियुक्त किया गया है।**

7. अंतरिक्ष

7.1. धूमकेतु P12/ पोंस-ब्रूक

- **भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए)** के खगोलविदों ने **धूमकेतु पी12/पोंस-ब्रूक्स की तस्वीर लेने** के लिए **हानले, लद्दाख में हिमालय चंद्र टेलीस्कोप (एचसीटी) का** उपयोग **किया है** ।
- आईआईए के अनुसार, इस धूमकेतु ने **गैस और धूल के कई विस्फोटों का खुलासा किया है** और **इसकी उपस्थिति के कारण इसे डेविल धूमकेतु या मिलेनियम फाल्कन करार दिया गया है।**
  - ✓ धूमकेतु **अधिक चमकीला हो जाएगा और यहां तक कि नग्न आंखों वाला धूमकेतु भी बन सकता है।**
- धूमकेतु पी12/पोंस-ब्रूक्स की **खोज 1812 में हुई थी और यह 71 वर्षों की अवधि में सूर्य की परिक्रमा करता है** ।
- **सूर्य** के पहले के दृष्टिकोण के दौरान , **खगोलविदों ने इसके नाभिक से गैस और धूल के कई उत्सर्जन को देखा था, जो आमतौर पर इसे सींग वाले जैसा दिखता था।**
- यह **धूमकेतु 21 अप्रैल, 2024 को सूर्य के सबसे करीब से गुजरेगा** , और **2 जून, 2024 को पृथ्वी के सबसे करीब होगा (जब यह हमसे पृथ्वी-सूर्य की दूरी से 1.5 गुना दूर होगा)।**
  - ✓ **उम्मीद है कि उस समय इस धूमकेतु को छोटी दूरबीनों या दूरबीन से या यहां तक कि नंगी आंखों से भी आसानी से देखा जा सकेगा।**

> हानले, लद्दाख में हिमालयन चंद्र टेलीस्कोप, IIA के भारतीय खगोलीय वेधशाला का एक हिस्सा है, और कर्नाटक के होसकोटे में IIA CREST परिसर से दूरस्थ रूप से संचालित होता है।

7.2. उप - नेपच्यून

- खगोलविदों ने **छह उप-नेप्च्यून ग्रहों की पहचान की है जो एक दूर के तारे के चारों ओर एक दुर्लभ समकालिक नृत्य** में परिक्रमा कर रहे हैं।
- **HD110067** के नाम से जाना जाने वाला **तारा** , **कोमा बेरेनिस तारामंडल में लगभग 100 प्रकाश वर्ष दूर** स्थित है और **हमारे सूर्य से लगभग 20% कम विशाल है** ।
- छह **ग्रहों का पता पृथ्वी पर हमारे दृष्टिकोण से तारे के पारगमन या उसके सामने से गुजरने के दौरान तारे की चमक में थोड़ी सी कमी को** देखकर किया गया ।
- नए खोजे गए उप- नेपच्यून इनका व्यास पृथ्वी के **व्यास से 1.9 से 2.9 गुना तक है और सभी में पर्याप्त वायुमंडल प्रतीत होता है।**
  - ✓ **छह ग्रहों में से कोई भी पारंपरिक रहने योग्य क्षेत्र में नहीं है** - एक तारे के आसपास का क्षेत्र जहां तरल पानी और संभावित जीवन के लिए स्थितियां सही हो सकती हैं।
  - ✓ हालाँकि , उनके **पास ऐसे वायुमंडल हैं जो उनकी सतह के तापमान को संशोधित कर सकते हैं, जिससे ऐसे ग्रहों के लिए संभावित रहने योग्य क्षेत्र का विस्तार हो सकता है।**
- **इन ग्रहों की कक्षीय प्रतिध्वनि** दिलचस्प है, जिसका अर्थ है कि **उनकी कक्षाएँ** इस तरह से **समकालिक हैं कि वे लगभग 4 अरब वर्षों से स्थिर हैं।**

> एक कक्षीय प्रतिध्वनि तब होती है जब दो उपग्रहों की कक्षीय अवधि पूर्णांक संबंधों से संबंधित होती है, जो उन्हें एक-दूसरे पर गुरुत्वाकर्षण प्रभाव डालने और उनकी कक्षाओं की विलक्षणता को प्रभावित करने की अनुमति देती है।

- ✓ इससे पता चलता है कि **उनके गठन के बाद से किसी भी बड़े व्यवधान, जैसे भारी प्रभाव, ने उनके मार्ग को बाधित नहीं किया है।**

उप-नेपच्यून के बारे में

- **पृथ्वी और नेपच्यून के बीच त्रिज्या** वाले ग्रहों को **'उप- नेपच्यून** ' कहा जाता है ।
- **उप- नेप्च्यून हमारी आकाशगंगा में सबसे अधिक देखे जाने वाले प्रकार के ग्रह हैं** , फिर भी उनकी मौलिक प्रकृति एक पहेली बनी हुई है।
- वे **हाइड्रोजन और हीलियम गैस के घने वातावरण के साथ चट्टानी दुनिया हो सकते हैं** , **या** शायद **गर्म, पानी से समृद्ध वातावरण के साथ चट्टान और बर्फ से बने हो सकते हैं।**

7.3. आदित्य एल1

- भारतीय **अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** ने बताया कि **सौर पवन आयन स्पेक्ट्रोमीटर (SWIS)** , **अपने उद्घाटन सौर मिशन, आदित्य L1 के भीतर आदित्य सौर पवन कण प्रयोग (ASPEX) का दूसरा घटक,** चालू **हो गया है।**
- इसरो द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, **भारत के आदित्य-एल1 उपग्रह पर आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (ASPEX) पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहा है।**
- **ASPEX में** दो अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं - **सौर पवन आयन स्पेक्ट्रोमीटर (SWIS)** और **STEPS (सुप्राथर्मल और ऊर्जावान कण स्पेक्ट्रोमीटर)।**

आदित्य एल1 के बारे में

- इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी57) ने 2 सितंबर को **श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड** से **आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था ।**
- आदित्य-एल1 **पहली भारतीय अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है जो पहले सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा से सूर्य का अध्ययन करती है** , जो **पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर स्थित है।**
- **उद्देश्य:**
  - **सौर ऊपरी वायुमंडलीय (क्रोमोस्फीयर और कोरोना)** गतिशीलता का अध्ययन।
  - **क्रोमोस्फेरिक और कोरोनल हीटिंग** का अध्ययन**, आंशिक रूप से आयनित प्लाज्मा की भौतिकी** , कोरोनल द्रव्यमान इजेक्शन की शुरुआत, और फ्लेयर्स
  - सूर्य से कण गतिशीलता के अध्ययन के लिए डेटा प्रदान करने वाले **इन-सीटू कण और प्लाज्मा वातावरण का** निरीक्षण करें ।
  - का भौतिकी **और इसका तापन तंत्र** ।
  - **कोरोनल और कोरोनल लूप प्लाज्मा** का निदान : तापमान, वेग और घनत्व।
  - **विकास, गतिशीलता और उत्पत्ति आदि।**
- **पेलोड- जहाज पर कुल सात पेलोड** हैं जिनमें से चार सूर्य की **रिमोट सेंसिंग करते हैं और तीन इन-सीटू अवलोकन करते हैं।**

Type	Sl. No.	Payload	Capability
Remote Sensing Payloads	1	Visible Emission Line Coronagraph(VELC)	Corona/Imaging & Spectroscopy
	2	Solar Ultraviolet Imaging Telescope (SUIT)	Photosphere and Chromosphere Imaging- Narrow & Broadband
	3	Solar Low Energy X-ray Spectrometer (SoLEXS)	Soft X-ray spectrometer: Sun-as-a-star observation
	4	High Energy L1 Orbiting X-ray Spectrometer(HEL1OS)	Hard X-ray spectrometer: Sun-as-a-star observation
In-situ Payloads	5	Aditya Solar wind Particle Experiment(ASPEX)	Solar wind/Particle Analyzer Protons & Heavier Ions with directions
	6	Plasma Analyser Package For Aditya (PAPA)	Solar wind/Particle Analyzer Electrons & Heavier Ions with directions
	7	Advanced Tri-axial High Resolution Digital Magnetometers	In-situ magnetic field (Bx, By and Bz).

लैगरेंज पॉइंट

- इनका नाम **इतालवी-फ्रांसीसी गणितज्ञ जोसेफ-लुई लैग्रेंज के नाम पर रखा गया है ।**
- **किसी भी दो-आकाशीय पिंड प्रणाली** के बीच **पांच लैग्रेंज बिंदु, L1 से L5 होते** हैं ।
- इन **स्थितियों में** , **आकाशीय पिंडों का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव अभिकेन्द्रीय बल के बराबर होता है** , इस प्रकार **तीसरे पिंड पर कार्य करने वाले बल एक दूसरे को रद्द कर देते हैं।**

7.4. लाल स्प्राइट

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक अंतरिक्ष यात्री ने हाल ही में एक असामान्य घटना की तस्वीर खींची जिसे लाल स्प्राइट कहा जाता है।
- वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष यात्री की छवि में लाल स्प्राइट का आयाम लगभग 14 गुणा 26 किलोमीटर (8.7 गुणा 16.2 मील) होने का अनुमान लगाया।

रेड स्प्राइट के बारे में

- एक लाल स्प्राइट एक असाधारण मौसम संबंधी घटना का प्रतिनिधित्व करता है जिसे क्षणिक चमकदार घटना **(टीएलई)** के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।
- कभी-कभी इसे लाल बिजली भी कहा जाता है**,** यह पृथ्वी की सतह से **40** से **80** किलोमीटर **(25 - 50** मील**)** की ऊंचाई पर गरज वाले बादलों के ऊपर घटित होती है ।

ब्लू जेट क्षणिक चमकदार घटना का एक और उदाहरण हैं।

- बादलों से जमीन पर उतरने वाले सामान्य बिजली के बोल्टों के विपरीत , एक स्प्राइट विपरीत तरीके से व्यवहार करता है, वायुमंडल में चढ़ता है, रिवर्स लाइटनिंग के एक रूप जैसा दिखता है।

7.5. प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, महासागर पारिस्थितिकी तंत्र (पेस) मिशन

- **पृथ्वी के वायुमंडल के बारे में हमारी समझ को बढ़ाने** के उद्देश्य **से, नासा 2024 में प्लैंकटन, एरोसोल, क्लाउड, महासागर पारिस्थितिकी तंत्र (पीएसीई) मिशन** लॉन्च करने के लिए तैयार है ।
- **प्रकाश, एरोसोल और बादलों की परस्पर क्रिया का अध्ययन करने के लिए उन्नत पोलीमीटर का उपयोग किया** जाएगा , जिससे **वायु गुणवत्ता और जलवायु पर उनके प्रभाव की गहरी समझ में योगदान मिलेगा।**
- PACE **हर दो दिन में पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।**
- मिशन **के डेटा में व्यावहारिक अनुप्रयोग** होंगे **, जैसे वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान में सुधार और नीतिगत निर्णयों को सूचित करना।**

पेलोड

- महासागर **रंग उपकरण (ओसीआई)** , **पेस के लिए प्राथमिक विज्ञान उपकरण** , **पराबैंगनी से शॉर्टवेव अवरक्त तक एक स्पेक्ट्रम में समुद्र के रंग को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- इसके अलावा, PACE में **दो पोलरिमीटर होंगे - प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन के लिए स्पेक्ट्रो-पोलरिमीटर (SPEXone)** और **हाइपर एंगुलर रिसर्च पोलारिमीटर (HARP2)।**
  - ✓ नासा ने बताया कि **SPEXone और HARP2 के बीच सहयोग पूरक वर्णक्रमीय और कोणीय नमूनाकरण, पोलारिमेट्रिक सटीकता और स्थानिक कवरेज**
    प्रदान करेगा ।

एरोसोल के बारे में

- एरोसोल - छोटे वायुजनित कण जैसे समुद्री नमक, धुआं, धूल और प्रदूषक - **हमारे ग्रह की जलवायु को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं** ।
- वे **सूर्य के प्रकाश को बिखेरते और अवशोषित करते हैं** , **जिससे यह प्रभावित होता है कि पृथ्वी की सतह पर कितनी सौर ऊर्जा पहुँचती है।**
- इसके अलावा, ये कण **बादल निर्माण के केंद्र में हैं, जो मौसम के पैटर्न और जलवायु की गतिशीलता को प्रभावित करते हैं।**

7.6. पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस)

- हाल ही में, इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि इसरो **गगनयान मिशन के लिए स्वतंत्र रूप से पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस)** विकसित **करेगा** ।
- **पृथ्वी की सीमा से परे मानव जीवन को बनाए रखने** के लिए इस **प्रणाली को महत्वपूर्ण बताया जा रहा है** ।

पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस) के बारे में

- ECLSS, एक तकनीकी आधारशिला है, **जो** अंतरिक्ष के चुनौतीपूर्ण वातावरण में अंतरिक्ष यात्री के अस्तित्व के लिए आवश्यक **वायु गुणवत्ता और जल आपूर्ति का जटिल प्रबंधन करती है ।**
- **सक्रिय चारकोल बेड, उत्प्रेरक ऑक्सीडाइज़र और आणविक छलनी को शामिल करने वाले** तंत्र का उपयोग करते हुए , यह **प्रणाली केबिन वायु गुणवत्ता को त्रुटिहीन रूप से नियंत्रित करती है, जिससे चालक दल के लिए सांस लेने योग्य वातावरण सुनिश्चित होता है** ।

- ऑक्सीजन **उत्पादन प्रणाली** , **अत्याधुनिक इलेक्ट्रोलिसिस का उपयोग करके** , **पानी के अणुओं को ऑक्सीजन और हाइड्रोजन गैस में अलग करती है** ।
  - ✓ यह बंद-लूप प्रक्रिया पानी उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन उपोत्पादों का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए सांस लेने के लिए निरंतर ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।
- इसके अतिरिक्त, **वाटर रिकवरी सिस्टम** चालक दल के सदस्यों के मूत्र और केबिन की नमी सहित विभिन्न स्रोतों से पानी को पुनः प्राप्त और शुद्ध करता है।
- **एयर रिवाइटलाइज़ेशन सिस्टम केबिन की हवा को साफ करने** के लिए समर्पित है ।

गगनयान के बारे में

- गगनयान **परियोजना में 3** सदस्यीय दल को **3 दिनों** के लिए **400 किमी की कक्षा में लॉन्च करके** और **भारतीय समुद्री जल में उतरकर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करने की** परिकल्पना की गई है ।
- प्रक्षेपण यान - **LVM3 (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एमके III)।**
- इसमें **ठोस चरण, तरल चरण और क्रायोजेनिक चरण शामिल हैं।**

7.7. कैसिनी मिशन

- कैसिनी मिशन के डेटा के पुन: विश्लेषण से पता चलता है कि **शनि के चंद्रमा एन्सेलाडस से उत्सर्जित गैसीय प्लम में मेथनॉल, ईथेन और ऑक्सीजन** सहित **अणु मौजूद हैं।**
- वैज्ञानिकों ने **हाइड्रोजन साइनाइड (HCN), एसिटिलीन (C2H2), प्रोपलीन (C3H6), और इथेन (C2H6) की उपस्थिति** और **अल्कोहल (मेथनॉल) और आणविक ऑक्सीजन के अंश की पहचान की है।**
- कैसिनी अंतरिक्ष यान ने पहली बार **2005 में एन्सेलेडस के दक्षिणी गोलार्ध** से **अंतरिक्ष में भागने वाली सामग्री के बड़े ढेर की खोज की थी** ।

कैसिनी मिशन के बारे में

- इसे **1997** में लॉन्च किया गया.
- नासा का कैसिनी अंतरिक्ष यान **2004** से **2017** तक गैसीय विशाल ग्रह, उसके छल्लों और उसके चंद्रमाओं की **13** साल की ऐतिहासिक खोज के दौरान शनि की कक्षा में जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान **था।**
- **इसे शनि के सबसे बड़े चंद्रमा टाइटन पर विशेष ध्यान देने के साथ, इसके छल्लों और चंद्रमाओं सहित शनि प्रणाली का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।**
- यह **ह्यूजेंस लैंडर को ले गया** , जो **उतरा 2005 में टाइटन** ।
- यह **NASA, ESA (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी) और इतालवी अंतरिक्ष एजेंसी (ASI) का संयुक्त प्रयास था।**

7.8. टेम्पो उपग्रह(सेटेलाईट)

- टेम्पो **भूस्थैतिक कक्षा में नासा का पहला पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह है** और यह **पिछले ध्रुवीय-परिक्रमा उपग्रहों से आगे विकसित हुआ है जो 10 से 12 दैनिक स्कैन प्रदान करने के लिए दैनिक अवलोकन प्रदान करते हैं।**
- **इसका अर्थ है - ट्रोपोस्फेरिक उत्सर्जन: प्रदूषण की निगरानी या व्यापक रूप से TEMPO के रूप में जाना जाता है।**

- इसका उद्देश्य **कनाडा के तेल रेत से युकाटन प्रायद्वीप तक वायुमंडलीय प्रदूषण को मापना है** ।
- इसे **अटलांटिक महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक का डेटा भी मिलता है।**
- TEMPO उपकरण **एक यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोमीटर है** , और **दिन के दौरान उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में प्रति घंटे वायु प्रदूषकों की निगरानी करने वाला पहला अंतरिक्ष-आधारित उपकरण है** ।
- यह **ओजोन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और अन्य प्रदूषकों के उच्च-रिज़ॉल्यूशन माप डेटा एकत्र करता है जो वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।**
- **TEMPO द्वारा एकत्र किए गए** डेटा को **राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) के साथ साझा किया जाएगा** ।
- NASA और Intelsat **TEMPO की कार्यक्षमता को 10-15 वर्षों तक बढ़ाने की आशा रख रहे हैं।**

7.9. इसरो ने लीफ एरिकसन पुरस्कार जीता

- इसरो को उसके **सफल चंद्रयान-3 मिशन के लिए आइसलैंड के हुसाविक में अन्वेषण संग्रहालय** द्वारा **2023 लीफ एरिकसन चंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।**
- यह पुरस्कार **चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान की पहली सॉफ्ट-लैंडिंग** और **"चंद्र अन्वेषण को आगे बढ़ाने और आकाशीय रहस्यों को समझने में योगदान देने में इसरो की अदम्य भावना" का जश्न मनाता है।**

लीफ़ एरिकसन पुरस्कार के बारे में

- लीफ़ **एरिक्सन पुरस्कार 2015 से अन्वेषण संग्रहालय द्वारा दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार** है ।
- इसका **नाम लीफ़ एरिकसन के नाम पर रखा गया है** - एक नॉर्स खोजकर्ता जिसे **क्रिस्टोफर कोलंबस के अभियान से** लगभग चार शताब्दी पहले **महाद्वीपीय अमेरिका पर पैर रखने वाला पहला यूरोपीय माना जाता था ।**

इसरो के बारे में

- **इसरो** , पहले **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR) की स्थापना 1962 में की गई** थी ।
- बाद में, **15 अगस्त 1969 को, इसरो ने INCOSPAR को हटा दिया** और **बाद में 1972 में इसे अंतरिक्ष विभाग के अधीन लाया गया।**
- यह **भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है।**
- यह **अंतरिक्ष विभाग की प्राथमिक अनुसंधान और विकास शाखा के रूप में कार्य करता है** , जिसकी **देखरेख सीधे भारत के प्रधान मंत्री करते हैं** जबकि **इसरो के अध्यक्ष के कार्यकारी के रूप में भी कार्य करते हैं।**
- **मुख्यालय- बेंगलुरु**

चंद्रयान-3 के बारे में

- चंद्रयान-3 **चंद्रमा पर भारत का तीसरा मिशन था** , और **चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग करने का दूसरा प्रयास था** ।
- **विक्रम लैंडर को चंद्रमा की सतह पर** रखने और **रोबोटिक रोवर, प्रज्ञान को उतारने में कामयाब रहा।**
- दोनों उपकरणों ने **डेटा एकत्र किया और इसे 15 दिनों के लिए पृथ्वी पर वापस भेज दिया** - **चंद्र रात की शुरुआत** के रूप में सोने **से पहले ।**
- इसके अतिरिक्त, **रहने योग्य ग्रह पृथ्वी (SHAPE) पेलोड का स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री** - जिसका उद्देश्य पृथ्वी का निरीक्षण करना है - **अंतरिक्ष यान के प्रणोदन मॉड्यूल के भीतर से संचालित होता है।**

7.10. एस्ट्रोसैट

- भारत की पहली बहु-तरंग दैर्ध्य अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला, एस्ट्रोसैट ने एक अल्ट्राहाई चुंबकीय क्षेत्र, जिसे मैग्नेटर के रूप में जाना जाता है, के साथ न्यूट्रॉन तारे से निकलने वाले तीव्र उप-सेकंड एक्स-रे विस्फोट का पता लगाया है।

एस्ट्रोसैट के बारे में

- **2015 में PSLV-C30** द्वारा **भूमध्य रेखा से 6 डिग्री के कोण पर झुकी 650 किमी की कक्षा** में लॉन्च किया गया।
- एस्ट्रोसैट **पहला समर्पित भारतीय खगोल विज्ञान मिशन** है जिसका उद्देश्य **एक्स-रे, ऑप्टिकल और यूवी स्पेक्ट्रल बैंड में एक साथ आकाशीय स्रोतों का अध्ययन करना है** ।
- पेलोड पराबैंगनी (निकट और दूर), सीमित ऑप्टिकल और एक्स-रे शासन (0.3 केवी से 100 केवी) के ऊर्जा बैंड को कवर करते हैं।
- एस्ट्रोसैट मिशन की अनूठी विशेषताओं में से एक यह है कि **यह एक ही उपग्रह के साथ विभिन्न खगोलीय पिंडों के एक साथ बहु-तरंगदैर्ध्य अवलोकन को सक्षम बनाता है।**
- **इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (ISTRAC), बेंगलुरु के मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (MOX)** में अंतरिक्ष यान नियंत्रण केंद्र अपने पूरे मिशन जीवन के दौरान उपग्रह का प्रबंधन करता है।

मेगनेटार के बारे में

- **मेगनेटार न्यूट्रॉन तारे** हैं **जो एक अतिउच्च चुंबकीय क्षेत्र द्वारा प्रतिष्ठित होते हैं** , जो **पृथ्वी से एक चौथाई गुना अधिक होता है** ।
- इन आकाशीय पिंडों में **उच्च-ऊर्जा विद्युत चुम्बकीय विकिरण का उत्सर्जन** उनके **चुंबकीय क्षेत्र के क्षय के परिणामस्वरूप होता है** ।
- इसके अतिरिक्त, **मेगनेटार उल्लेखनीय अस्थायी परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करते हैं** , जिसमें **धीमी गति से घूमना, तेजी से घूमना और संक्षिप्त लेकिन तीव्र विस्फोट शामिल हैं** , **जो महीनों तक चलने वाले विस्फोटों तक फैलते हैं** ।

7.11. ओसिरिस-एपेक्स OSIRIS-APEX

- अपने खगोलीय कर्तव्यों के अभूतपूर्व विस्तार में, **बेन्नु, ओसिरिस-रेक्स(**OSIRIS-REX) **से क्षुद्रग्रह नमूने लाने वाला अंतरिक्ष यान** एक नए मिशन पर निकल पड़ा है, और नासा ने इसका नाम बदल दिया है।
- मिशन को **अब OSIRIS-APEX कहा जाएगा (उत्पत्ति, वर्णक्रमीय व्याख्या, संसाधन पहचान, और सुरक्षा-एपोफिस एक्सप्लोरर)** क्योंकि यह **निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह एपोफिस का अध्ययन करने जा रहा है।**

ओसिरिस-एपेक्स के बारे में

- **एपोफिस**:
  - ✓ क्षुद्रग्रह 99942 एपोफिस एक **निकट-पृथ्वी वस्तु (NEO) है** जिसका व्यास **लगभग 1,100 फीट (340 मीटर) है।**
  - ✓ **एपोफिस ,सिलिकेट सामग्री और निकल-लोहे से बना एक पत्थर "एस-प्रकार" क्षुद्रग्रह, कार्बन-समृद्ध "सी-प्रकार" बेन्नू से काफी अलग है।**
  - ✓ इसे 2004 मेंखोजा गया
  - ✓ **मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट** में हुई थी ।
- आगामी **मुठभेड़, एपोफिस को हमारे ग्रह के 20,000 मील (32,000 किलोमीटर) के भीतर ले आएगी।**

- इसका उद्देश्य **एपोफिस के उड़ने के दौरान पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव से प्रेरित भौतिक परिवर्तनों का निरीक्षण करना है** ।
  - ✓ इन **परिवर्तनों में** क्षुद्रग्रह की कक्षा, घूर्णन गति और भूकंप या भूस्खलन जैसी सतह की विशेषताओं में परिवर्तन शामिल हो सकते हैं।

ओसिरिस-रेक्स मिशन के बारे में

- **ओसिरिस-रेक्स** मिशन ने तब सुर्खियां बटोरीं जब इसने **24 सितंबर को क्षुद्रग्रह बेन्नु से एक नमूना सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटाया।**
- **सात साल, 4 अरब मील की यात्रा** के बाद , **अंतरिक्ष यान में अभी भी पर्याप्त ईंधन और पूरी तरह कार्यात्मक उपकरण थे।**

7.12. फीस्ट-संरचना सॉफ्टवेयर का परिमित तत्व विश्लेषण FEAST- Finite Element Analysis of Structures Software

- इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) ने एक विश्लेषण सॉफ्टवेयर फिनाईट एलीमेंट एनालिसिस ऑफ स्ट्रक्चर्स सॉफ्टवेयर (FEAST) विकसित किया **है ।**
- इसका उपयोग **रॉकेट, विमान, उपग्रह, भवन आदि** सहित **विभिन्न प्रकार की संरचनाओं का परिमित तत्व विश्लेषण (एफईए) करने के लिए किया जाता है।**
- **विंडोज और लिनक्स दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम** में संचालित होने वाला यह सॉफ्टवेयर न्यूनतम हार्डवेयर कॉन्फ़िगरेशन वाले सिस्टम पर चलने में सक्षम है ।
- **उपयोगकर्ताओं की व्यापक श्रेणी के परिष्कृत स्तरों और आवश्यकताओं के** आधार पर, FEAST **तीन संस्करणों में उपलब्ध है** -
  - ✓ **शैक्षणिक** (छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए),
  - ✓ **प्रीमियम** (लघु और मध्यम उद्योगों के लिए) और
  - ✓ **पेशेवर** (सामान्य बड़े पैमाने पर अनुप्रयोगों के लिए)।

FEA यानि फिनाईट एलीमेंट एनालिसिस के बारे में

- एफईए यह अनुमान लगाने के लिए एक **कम्प्यूटरीकृत तरीका है कि एक घटक या संरचना वास्तविक दुनिया की ताकतों पर कैसे प्रतिक्रिया करती है** - जैसे विभिन्न प्रकार के **संरचनात्मक भार, थर्मल स्थितियां और अन्य भौतिक प्रभाव** जो एक संरचना संचालन के दौरान अनुभव करती है।

7.13. अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

- **रूसी और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसियां कम से कम 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में संयुक्त रूप से दल भेजने पर सहयोग करने पर सहमत हुई हैं ।**
- **तथाकथित क्रॉस-फ़्लाइट - जिसमें एक रूसी अंतरिक्ष यान के चालक दल के हिस्से के रूप में एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और अमेरिकी चालक दल के हिस्से के रूप में एक रूसी अंतरिक्ष यात्री को भेजना शामिल है - को "आईएसएस ऑपरेशन की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए" बढ़ाया गया था ।**

आईएसएस के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) **पृथ्वी के चारों ओर एक बड़ा अंतरिक्ष यान है** जो **अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष यात्रियों के दल के लिए एक घर के रूप में कार्य करता है** ।
- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, संयुक्त राज्य अमेरिका (NASA), जापान (JAXA), कनाडा (CSA) और रूस (ROSCOSMOS) ISS के प्रमुख भागीदार हैं।
- आईएसएस को **टुकड़े-टुकड़े करके अंतरिक्ष में ले जाया गया और धीरे-धीरे कक्षा में स्थापित किया गया।**
- पहला मॉड्यूल जिसका नाम **ज़रिया (अनुवाद "सूर्योदय") है, 1998 में लॉन्च किया गया था।**
- **आईएसएस को माइक्रोग्रैविटी और अंतरिक्ष पर्यावरण प्रयोगों को करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।**
- **यह 400 किलोमीटर (250 मील) की औसत ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करता है ।**
- **इसे विश्व का चक्कर लगाने में मात्र 93 मिनट लगते हैं और यह प्रतिदिन 15.5 परिक्रमाएँ पूरी करता है ।**
- यह **तरल पदार्थ, दहन, जीवन समर्थन प्रणालियों** और **विकिरण पर्यावरण में महत्वपूर्ण अनुसंधान में मदद करता है** जो **कहीं और नहीं किया जा सकता है।**

7.14. स्लिम(SLIM) अंतरिक्ष यान

- जापान का **स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (SLIM) अंतरिक्ष यान** एक महीने की लंबी यात्रा के बाद और जनवरी 2024 में अपने नियोजित चंद्रमा-लैंडिंग प्रयास से पहले **चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया।**
- इसका **अपोजी (सबसे दूर का बिंदु) 4,000 किमी है** और **पेरिजी (निकटतम बिंदु) चंद्र सतह से 600 किमी ऊपर है ।**
- यदि **प्रयास सफल होता है** , तो अगस्त में भारत के चंद्रयान 3 मिशन में सफलता मिलने के कुछ महीने बाद, **जापान प्राकृतिक उपग्रह पर रोबोटिक यान को सॉफ्ट-लैंड करने वाला केवल पांचवां देश बन जाएगा।**

SLIM के बारे में

- SLIM **जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) द्वारा** 7 सितंबर, 2023 को **तनेगाशिमा स्पेसपोर्ट से निर्मित और लॉन्च किया गया एक अंतरिक्ष यान है।**
- इसका वजन **केवल 590 किलोग्राम था।**
- **H-2A रॉकेट** पर अगली पीढ़ी के **एक्स-रे अंतरिक्ष दूरबीन XRISM** के साथ लॉन्च किया गया था ।
  - ✓ एक्स **-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (XRISM) JAXA और NASA** का एक **संयुक्त मिशन है, जिसमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी का** भी योगदान है ।
  - ✓ इसका उद्देश्य **गहरे अंतरिक्ष से आने वाली एक्स-रे का निरीक्षण करना और अभूतपूर्व सटीकता के साथ उनकी तरंग दैर्ध्य की पहचान करना है।**

7.15. किलोनोवा विस्फोट

- शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने **दो परिक्रमा करने वाले न्यूट्रॉन सितारों के विस्फोटक विलय** से एक **किलोनोवा विस्फोट के अवलोकन योग्य संकेतों को मॉडल करने के लिए एक विधि विकसित की है** ।
- न्यूट्रॉन तारे **सुपर सघन खगोलीय पिंड हैं जो एक सुपरनोवा विस्फोट में एक विशाल तारे के जीवन के अंत** में बनते हैं ।
  - ✓ कभी-कभी, **न्यूट्रॉन तारे बाइनरी सिस्टम में एक दूसरे की परिक्रमा करते हैं** ।

- ✓ ये प्रणालियाँ **गुरुत्वाकर्षण तरंगों का उत्सर्जन करके लगातार ऊर्जा खोती रहती हैं** जब तक कि **वे अंततः टकराकर विलीन नहीं हो जातीं।**
- ✓ इस तरह के विलय से शोधकर्ताओं को ब्रह्मांड की सबसे चरम स्थितियों के भौतिक गुणों का अध्ययन करने में मदद मिलती है।
- ✓ उदाहरण के लिए, **इन उच्च-ऊर्जा टकरावों की स्थितियों से सोने जैसे भारी तत्वों का निर्माण होता है।**

8. पर्यावरण

8.1. यूनेस्को की रिपोर्ट जलवायु इंजीनियरिंग के नैतिक जोखिमों के बारे में चेतावनी देती है

- ❖ **वैज्ञानिक ज्ञान और प्रौद्योगिकी की नैतिकता पर यूनेस्को के विश्व आयोग (COMEST) ने जलवायु इंजीनियरिंग की नैतिकता पर** अपनी पहली रिपोर्ट प्रकाशित की है ।
- ❖ यह जलवायु इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों पर **एक व्यापक वैश्विक नैतिक परिप्रेक्ष्य का प्रस्ताव करता है और उनके संभावित उपयोग के लिए विशिष्ट सिफारिशों को सूचीबद्ध करता है।**

जलवायु इंजीनियरिंग के बारे में

- ❖ **जलवायु इंजीनियरिंग , जिसे "जियोइंजीनियरिंग" के रूप में** भी जाना जाता है, **जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में जानबूझकर बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप** है ।
- ❖ **जलवायु इंजीनियरिंग को तकनीकों के दो समूहों में वर्गीकृत किया गया है-**
  - ✓ **कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन (सीडीआर)** , जो वायुमंडल से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड को हटाता है और संग्रहीत करता है। सीडीआर **महंगा है** , इसमें **पांच दृष्टिकोण शामिल हैं** । **इसमे शामिल है**
    - ➢ **सीधे हवा पर कब्जा** ,
    - ➢ वनरोपण/पुनर्वीकरण के माध्यम से **भूमि-उपयोग प्रबंधन ,**
    - ➢ **बायोमास द्वारा उत्पादित कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) को अलग करना,** जिसका उपयोग ऊर्जा स्रोत के रूप में भी किया जा सकता है,
    - ➢ **समुद्र द्वारा CO2 का ग्रहण बढ़ाना** और
    - ➢ **प्राकृतिक अपक्षय प्रक्रियाओं को बढ़ाना जो वायुमंडल से CO2 को हटाती है।**
  - ✓ **सौर विकिरण संशोधन (एसआरएम)** , जो सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित करता है। इस दृष्टिकोण में शामिल हैं
    - ➢ **संरचनाओं को परावर्तक रंगों से रंगकर ग्रह की सतह की परावर्तनशीलता को बढ़ाना** ,
    - ➢ **उच्च परावर्तनशीलता वाली फसलें लगाना , सतह तक पहुँचने वाली सौर ऊर्जा की मात्रा को कम करने के लिए समुद्री बादलों की परावर्तनशीलता को बढ़ाना** ,
    - ➢ **फँसी हुई गर्मी को कम करने के लिए वातावरण से अवरक्त-अवशोषित बादलों को हटाना,**
    - ➢ **ठंडक की नकल करने के लिए निचले समताप मंडल में एरोसोल इंजेक्ट करना** और
    - ➢ अंतरिक्ष में **परावर्तक या ढाल लगाकर पृथ्वी तक पहुंचने वाले सौर विकिरण को कम करना ।**

नैतिक चिंताएं

- ❖ जलवायु इंजीनियरिंग **मौजूदा जलवायु नीतियों को कमजोर कर सकती है** और **महत्वपूर्ण उत्सर्जन में कमी और अनुकूलन प्रयासों से धन को हटा सकती है** ।

- अज्ञात **और अनपेक्षित परिणामों के जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन की** आवश्यकता है ।
- उच्च **लागत भी विभिन्न आर्थिक भार वाले देशों के बीच वैश्विक असमानताओं को बढ़ा सकती है** , खासकर जोखिमों के वितरण के संदर्भ में।
- जियोइंजीनियरिंग उपकरणों में **सैन्य या भू-राजनीतिक उपयोग की भी संभावना हो सकती है।**

सिफारिशों

- यूनेस्को ने अपने सदस्य राज्यों को **ऐसे कानून पेश करने की सिफारिश की जो जलवायु कार्रवाई को नियंत्रित करते हैं** और साथ ही **सभी मनुष्यों और पारिस्थितिक तंत्रों पर उनके निर्णयों के सीमा पार प्रभाव पर भी विचार करते हैं।**
- रिपोर्ट में **भौगोलिक क्षेत्र से संबंधित देशों से प्रभावों के असमान स्थानिक वितरण के जोखिमों से बचने के लिए क्षेत्रीय समझौते करने का भी आग्रह किया गया है।**
- इसने **जलवायु इंजीनियरिंग तकनीकों को एक हथियार (हथियारीकरण) के रूप में उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया** ।
- साथ ही, इसमें यह भी कहा गया कि **राजनीतिक या आर्थिक हितों को जलवायु इंजीनियरिंग पर वैज्ञानिक अनुसंधान में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।**

8.2. शेट्टीहल्ली वन्यजीव अभयारण्य

- नेशनल **ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने राज्य सरकार से** उन मुद्दों को **छह महीने के भीतर हल करने को** कहा है, जिनके कारण **शेट्टीहल्ली वन्यजीव अभयारण्य के लिए पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) की स्थिति की अधिसूचना में देरी हुई है** ।
- के लिए मसौदा **अधिसूचना 1974 में जारी की गई थी** और **अंतिम अधिसूचना 1977 में आई थी** । हालाँकि, **अभयारण्य की सीमाओं पर भ्रम के कारण ईएसजेड की पहचान में देरी हुई है।**
  - ✓ ईएसजेड एक **संरक्षित क्षेत्र के आसपास एक निर्दिष्ट क्षेत्र है** जहां मानव प्रभाव को कम करने और **आसपास के पर्यावरण की रक्षा के लिए कुछ गतिविधियों को विनियमित किया जाता है ।**
- देरी के **कारण भूमि उपयोग में बदलाव में वृद्धि हुई है और अतिक्रमण के तहत क्षेत्र 616.18 हेक्टेयर से बढ़कर 2,000 हेक्टेयर हो गया है।**

शेट्टीहल्ली वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- यह उसमें मौजूद है **शिवमोग्गा, कर्नाटक।**
- **क्षेत्रफल- 395 वर्ग किमी**
- **मंदागड्डे प्राकृतिक पक्षी अभयारण्य भी** इसी अभयारण्य का एक हिस्सा है ।
- **तुंगा एनीकट बांध अभयारण्य** के भीतर स्थित है और ऊदबिलाव और जल पक्षियों को आश्रय प्रदान करता है।
- **भू-भाग- यह क्षेत्र समतल से लेकर लहरदार है , जिसमें कुछ हिस्से बहुत ही खड़ी और लहरदार भूभाग और पहाड़ियों के साथ-साथ बारहमासी नालों और कई छोटी नदियों से युक्त हैं।**
- **वनस्पति पश्चिमी भाग में उष्णकटिबंधीय सदाबहार** और अर्ध-सदाबहार वनों से लेकर **पूर्वी और मध्य भागों तक फैली हुई है, जो ज्यादातर शुष्क और नम पर्णपाती वनों से आच्छादित** हैं ।
  - ✓ **सिल्वर ओक, सागौन, भारतीय कांटेदार बांस, चंदन, रोज़वुड, होन और नंदी** सहित **वृक्ष प्रजातियाँ पाई जाती हैं।**
- **जीव-जंतुओं में शामिल हैं- बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, सियार, गौर, हाथी, सुस्त भालू सांभर आदि।**

8.3. बांदीपुर टाइगर रिजर्व

- जिस **बाघ ने बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के हेडियाला रेंज के करीब बल्लुरुहुंडी** में एक महिला को मार डाला था , उसे हाल ही में खदेड़ कर पकड़ लिया गया।
- **200 से अधिक वन विभाग कर्मियों और** स्थानीय गांवों के आदिवासियों को शामिल करते हुए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

बांदीपुर टाइगर रिजर्व के बारे में

- यह **कर्नाटक के दो निकटवर्ती जिलों (मैसूर और चामराजनगर) में स्थित है** और कर्नाटक, **तमिलनाडु और केरल राज्यों के त्रि-जंक्शन क्षेत्र में स्थित है ।**
- जब **1973 में प्रोजेक्ट टाइगर लॉन्च किया गया था** , **तो बांदीपुर प्रमुख कार्यक्रम ' प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत लाए जाने वाले पहले नौ रिजर्व में से एक था** और इसमें अधिकांश क्षेत्र शामिल थे जो पहले से ही **वेणुगोपाल वन्यजीव पार्क के रूप में संरक्षित क्षेत्र थे।**
- इसे **एक राष्ट्रीय उद्यान में उन्नत किया गया** और **इसका नाम बदल दिया गया इसके क्षेत्रफल को 874.20 वर्ग किमी तक बढ़ाने के लिए बांदीपुर और निकटवर्ती आरक्षित वनों को इसके अंतर्गत शामिल किया गया** ।
- वर्तमान में, **इसका क्षेत्रफल 912.04 वर्ग किमी है, जबकि निकटवर्ती नुगु वन्यजीव अभयारण्य को भी बांदीपुर के अंतर्गत शामिल किया गया है , जिसे दुनिया में प्रमुख बाघ आवासों में से एक माना जाता है।**
- **वनस्पतियों में शुष्क पर्णपाती से लेकर उष्णकटिबंधीय मिश्रित पर्णपाती तक की विविध वनस्पतियाँ** शामिल हैं ।
  - ✓ यहां शीशम, भारतीय कीनो वृक्ष, चंदन, भारतीय लॉरेल, क्लंपिंग बांस आदि प्रजातियां पाई जाती **हैं ।**
- बांदीपुर **टाइगर रिजर्व देश के पहले बायोस्फीयर रिजर्व** - **नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व का** एक महत्वपूर्ण घटक है और **बांदीपुर , नागरहोल , मुदुमलाई और वायनाड परिसर में फैला परिदृश्य** न केवल **देश में बाघों की सबसे अधिक संख्या - लगभग 724 -** का **घर** है । **सबसे बड़ी एशियाई हाथियों की आबादी भी।**
  - ✓ **गौर, स्लॉथ भालू, गोल्डन सियार, ढोले और चार सींग वाले मृग आदि** भी शामिल हैं ।

8.4. उष्णकटिबंधीयकरण

- **जलवायु परिवर्तन** के कारण **समुद्र का तापमान बढ़ने से उष्णकटिबंधीय समुद्री प्रजातियाँ भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर बढ़ रही** हैं ।
- शोध से यह भी पता चलता है कि **शीतोष्ण प्रजातियाँ कम हो रही हैं क्योंकि यह बहुत अधिक गर्म हो गई है** , उन्हें **आवास के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है** , और **नए शिकारी दृश्य पर आते हैं।**
- **समुद्री जीवन का** यह व्यापक आंदोलन, जिसे **उष्णकटिबंधीयकरण कहा जाता है** , **महासागरों के पारिस्थितिक परिदृश्य को बदल रहा है और पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और संभावित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए परिणामों का एक बड़ा कारण बन रहा है।**
- गर्म पानी की सीमा धाराएं वैश्विक समुद्री जल औसत की तुलना में **तेजी से गर्म हो रही हैं , जिससे प्रजातियों के ध्रुवीय आंदोलन की सुविधा मिल रही है** , और **समशीतोष्ण प्रजातियों की वापसी को बढ़ावा मिल रहा है** ।
- पहला **उदाहरण भूमध्य सागर में पहचाना गया था** , जिसे अब **उष्णकटिबंधीय प्रजातियों में वृद्धि** के कारण **" उष्णकटिबंधीय हॉटस्पॉट" माना जाता है।**

8.5. हानि एवं क्षति निधि Loss and Damage fund

- **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के सीओपी28 शिखर सम्मेलन** के उद्घाटन दिवस पर **दुबई में , कमजोर देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने में मदद करने के लिए** एक हानि और क्षति कोष **आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया है** ।

हानि एवं क्षति निधि के बारे में

- हानि और क्षति निधि **जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का सामना करने वाले देशों के बचाव और पुनर्वास को सुनिश्चित करने** के लिए **एक वैश्विक वित्तीय पैकेज है** ।
- यह शब्द उस मुआवजे को **संदर्भित करता है जो अमीर राष्ट्र, जिनके औद्योगिक विकास के कारण ग्लोबल वार्मिंग हुई है और ग्रह को जलवायु संकट में डाल दिया है** , **को उन गरीब देशों को भुगतान करना होगा, जिनका कार्बन पदचिह्न कम है, लेकिन समुद्र के बढ़ते स्तर, बाढ़ का खामियाजा भुगत रहे हैं। विनाशकारी सूखा, और तीव्र चक्रवात, आदि** ।
  - ✓ बदलती जलवायु ने **जीवन, आजीविका, जैव विविधता, सांस्कृतिक परंपराओं और पहचान को प्रभावित किया है।**
- इसकी घोषणा पहली बार 2022 में **मिस्र के शर्म अल-शेख में COP27 के दौरान की गई थी ।**
- विश्व **बैंक शुरुआत में हानि और क्षति निधि की देखरेख** करेगा , धन का स्रोत अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे समृद्ध देशों के साथ-साथ कुछ विकासशील देश भी होंगे।
- शुरुआती फंडिंग **475 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है – मेजबान UAE ने 100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया, यूरोपीय संघ ने 275 मिलियन डॉलर, अमेरिका से 17.5 मिलियन डॉलर और जापान से 10 मिलियन डॉलर देने का वादा किया।**

8.6. जलवायु क्लब

- संयुक्त **राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़ (COP28)** में क्लाइमेट क्लब लॉन्च किया गया था ।

क्लाइमेट क्लब के बारे में

- यह एक पहल है जिसका उद्देश्य **औद्योगिक क्षेत्र को डीकार्बोनाइजिंग करने** में **देशों के बीच सहयोग करना है ।**
- इसे **पहली बार जर्मनी द्वारा G7 शिखर बैठक के दौरान प्रस्तावित किया गया था।**
- **जर्मनी और चिली** के नेतृत्व में , क्लब ने **केन्या, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड और अन्य सहित 36 सदस्य देशों से समर्थन प्राप्त किया है।**
  - ✓ **भारत** सदस्य **नहीं** है .
- क्लब यह दावा करता है की वह **वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था का 55 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है।**
- क्लाइमेट क्लब का **लक्ष्य महत्वाकांक्षी नीतियों, कार्यप्रणाली** और **मानकों के संरेखण** और **उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए वित्त और सहायता में सुधार के** माध्यम से **जलवायु और व्यवसायों के** लिए **उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन को सफल बनाना है** ।
- क्लब का **मुख्य विचार इस तथ्य पर आधारित है** कि स्टील, सीमेंट और रसायन सहित **कठिन-से-उन्मूलन वाले क्षेत्र, उद्योग से लगभग 70 प्रतिशत वैश्विक CO2 उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं** , और **विकसित देश इनमें एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के लिए जिम्मेदार हैं।**
- COP28 में **क्लब** के लॉन्च पर, **जलवायु परिवर्तन कार्य कार्यक्रम 2024 को सामने रखा गया,** जिसमें क्लब की कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों का विवरण दिया गया है। गतिविधियों **को तीन प्रमुख स्तंभों में विभाजित किया गया है** :

- ✓ **स्तंभ 1** : महत्वाकांक्षी और पारदर्शी जलवायु परिवर्तन शमन नीतियों को आगे बढ़ाना।
- ✓ **स्तंभ 2** : उद्योगों का परिवर्तन
- ✓ **स्तंभ 3** : अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना

8.7. मियावाकी वृक्षारोपण

- **छत्तीसगढ़ के कोयला बेल्ट क्षेत्र में वन आवरण को बढ़ावा देने के लिए** , कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी, **साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) अपने परिचालन क्षेत्रों में पहली बार** मियावाकी **पद्धति का उपयोग करके वृक्षारोपण करेगी** ।
- मियावाकी तकनीक का उपयोग करके वृक्षारोपण **दो वर्षों की अवधि में किया जाएगा जिसमें लगभग 20,000 पौधे लगाए जाएंगे** ।
- वृक्षारोपण में **बड़े पौधे जैसे बरगद , पीपल , आम, जामुन आदि** , **मध्यम पौधे जैसे करंज , आंवला, अशोक आदि और छोटे पौधे जैसे कनेर, गुड़हल , त्रिकोमा , बेर, अंजीर , निम्बू आदि शामिल होंगे** ।

मियावाकी विधि के बारे में

- इसका **नाम जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी के नाम पर रखा गया था**
- इसमें **छोटे भूमि पार्सल में ऊंचे पेड़ों की घनी छतरी परत** बनाने के लिए **प्रत्येक वर्ग मीटर के भीतर देशी पेड़, झाड़ियाँ और ग्राउंडकवर पौधे लगाना शामिल है।**
- पौधे **अधिकतर आत्मनिर्भर होते हैं** और **उन्हें खाद और पानी जैसे नियमित रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है।**
- इस विधि से **पेड़ आत्मनिर्भर हो जाते हैं और तीन साल के भीतर अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं।**
- लाभ- **जंगल तेजी से बढ़ते हैं; शहरी वानिकी में उपयोगिता; कार्बन पृथक्करण में वृद्धि, वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करना और स्थानीय पक्षियों और कीड़ों को आकर्षित करना।**

8.8. डायल वर्टिकल माइग्रेशन (डीवीएम)

- की प्रजातियाँ किसी दूसरे **ग्रह से आए एलियंस जितनी ही अजीब लग सकती हैं** लेकिन ये **जीव उसी जैव रसायन के उत्पाद हैं जो अन्य जानवरों को प्रेरित करते हैं** ।
- से प्रेरित होकर **और शिकारियों से बचने के लिए, गहरे समुद्र के समुद्री जानवर** - विशेष रूप से **छोटे मुक्त-तैरते ज़ोप्लांकटन - रात में सतह पर तैरते हैं** ।
- खुले समुद्र की सतह और गहरी परतों के बीच समुद्री जानवरों की दैनिक, समकालिक आवाजाही को **डायल वर्टिकल माइग्रेशन (डीवीएम) कहा जाता है।**
- इसे **दैनिक ऊर्ध्वाधर प्रवासन के रूप में भी जाना जाता है** ।
- इस प्रवास का समय **सूर्योदय और सूर्यास्त की प्राकृतिक लय के अनुरूप है ।**
- इस **प्रकार का प्रवासन ग्रह पर सबसे बड़ा पशु प्रवासन है** और **हर महासागर में हर दिन खरबों जानवरों द्वारा किया जाता है।**
- यह **प्रकृति की सरलता का मनोरम प्रदर्शन करता है** ।
- यह **पृथ्वी के कार्बन चक्र में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है ।**

- ✓ **मेसोपेलैजिक परत** (समुद्र की सतह से 200 से 1,000 मीटर नीचे तक फैली परत) में रहने वाले जानवर **सक्रिय रूप से ऊपरी महासागर से पर्याप्त मात्रा में कार्बन हटाते हैं क्योंकि वे सतह पर रहने वाले प्लवक पर भोजन करते हैं।**
- ✓ जब ये **जीव गहरे पानी में लौटते हैं** , तो वे **अपने साथ कार्बन ले जाते हैं।**
- ✓ **मेसोपेलैजिक परत या गोधूलि क्षेत्र** के भीतर भी , कुछ **प्रवासी जानवर खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन जाते हैं** , और **जो कार्बन वे उपभोग करते हैं उसे अपने शिकारियों तक पहुंचाते हैं।**
- ✓ **शिकारियों द्वारा उत्पन्न कार्बन युक्त कचरा फिर समुद्र तल में डूब जाता है** , जहां यह **सहस्राब्दियों तक फंसा रहता है।**

8.9. डोडो प्रजाति पुनरुत्थान परियोजना

- ❖ एक **महत्वाकांक्षी नई परियोजना - जेनेटिक इंजीनियरिंग कंपनी कोलोसल बायोसाइंसेज** और **मॉरीशस वाइल्डलाइफ फाउंडेशन** के बीच एक सहयोग - **डोडो को वापस जीवन में लाने** का वादा करता है , और **इसे मॉरीशस में अपने मूल निवास स्थान में फिर से पेश करने का भी वादा करता है।**

डोडो (रैफस क्यूकुलैटस) के बारे में

- ❖ ये **उड़ने में असमर्थ पक्षी थे** जो **मॉरीशस द्वीप के स्थानिक निवासी थे।**
- ❖ अंतिम **प्रजाति 17वीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में किसी समय मर गई।**
  - ✓ टब्बी **उड़ानहीन पक्षी कुछ हद तक 'विलुप्त होने का प्रतीक' बन गया है।**
- ❖ **भोजन की प्रचुर आपूर्ति और प्रमुख शिकारियों की कमी के** कारण, डोडो **जिस पारिस्थितिकी तंत्र में रहते थे, उसके लिए उल्लेखनीय रूप से अच्छी तरह से अनुकूलित थे** ।
- ❖ **विलुप्त होने**
  - ✓ **मनुष्यों के घटनास्थल पर आने के साथ ही उनका विलुप्त होना अपरिहार्य** हो गया ।
  - ✓ **डच उपनिवेशवादी** पहली बार **1598 में मॉरीशस में उतरे** ।
    - ➢ **लगभग 80 साल बाद** डोडो गायब हो गए ।
  - ✓ न **केवल मांसल पक्षी का शिकार किया, बल्कि वे अपने साथ लाए जानवरों - कुत्तों, बिल्लियों, चूहों - ने असहाय डोडो और उनके अंडों पर कहर बरपाया।**

उनके पुनरुत्पादन के बारे में

- ❖ **किसी प्रजाति को विलुप्त करने** के लिए सबसे **पहली चीज़ सटीक और संपूर्ण आनुवंशिक जानकारी की आवश्यकता होती है** ।
  - ✓ इसे एक **प्रजाति के जीनोम के रूप में जाना जाता है - प्रत्येक जीनोम में उस जीव के निर्माण और उसे बढ़ने और विकसित होने की अनुमति देने के लिए आवश्यक सभी जानकारी होती है।**
- ❖ कंपनी ने **डेनमार्क के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के संग्रह में एक खोपड़ी से निकाले गए डीएनए का उपयोग करके डोडो के पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया है** ।
- ❖ इसकी **तुलना अब रोड्रिग्स सॉलिटेयर के जीनोम से की जा रही है** , जो **डोडो के सबसे करीबी (विलुप्त भी) रिश्तेदार है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि डोडो, डोडो क्या बनाता है।**

- इसने डोडो के निकटतम रिश्तेदार निकोबार कबूतर के जीनोम को भी अनुक्रमित किया है , **और इसकी प्राइमर्डियल जर्म कोशिकाएं (पीजीसी) पाई हैं** ।
  - ✓ **पीजीसी मूलतः किसी प्रजाति के शुक्राणु और अंडे के भ्रूणीय पूर्ववर्ती होते** हैं ।
- निकोबार कबूतर के पीजीसी को अब **तीनों पक्षियों के जीनोम की तुलना से प्राप्त जानकारी की मदद से** डोडो **के भौतिक लक्षणों को व्यक्त करने के लिए संपादित किया जाएगा** ।
- इन संपादित पीजीसी को फिर एक बाँझ मुर्गी और मुर्गे के भ्रूण में डाला जाएगा, जो **'अंतरप्रजाति सरोगेट्स' के रूप में कार्य करेंगे ।** सिद्धांत रूप में, जब मुर्गी और मुर्गा प्रजनन करते हैं, तो वे डोडो संतान को जन्म देंगे।

8.10. बन्नी घास के मैदान

- गुजरात सरकार ने कहा कि **केंद्र सरकार ने बन्नी ग्रासलैंड में चीता प्रजनन और संरक्षण केंद्र स्थापित करने की मंजूरी दे दी है**
- सरकार ने कहा कि **केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है.**
- बन्नी ग्रासलैंड **चीतों का निवास स्थान हुआ करता था, जो समय के साथ विलुप्त हो गया** ।

बन्नी घास के मैदान के बारे में

- बन्नी ग्रासलैंड, जिसे **बेहतरीन में से एक माना जाता है** , **2,618 वर्ग किमी में फैला है और कच्छ की उत्तरी सीमा पर स्थित है।**
- यह **40,000 मालधारी लोगों का भी घर है** , जो एक **देहाती समुदाय है जो अधिक दूध देने वाली भैंसों और गायों को पालने के लिए जाना जाता है।**
- बन्नी में **समृद्ध वनस्पतियों और जीवों** के साथ **घास के मैदान और आर्द्रभूमि शामिल हैं** ।
- कच्छ **रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य** जो **380 वर्ग के क्षेत्र में फैला हुआ है। किमी** और **हाल ही में अधिसूचित 227 वर्ग किमी. किमी छारी ढांड संरक्षण रिजर्व बन्नी घास के मैदान का हिस्सा** हैं ।
- शोध अनुमान **पौधों की लगभग 200 प्रजातियों, पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों की 250 प्रजातियों का संकेत देते हैं।**
  - ✓ **वनस्पति - प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा , क्रेसा क्रिटिका , साइपरस एसपीपी , स्पोरोबोलस, डिकैन्थियम और एरिस्टिडा।**
  - ✓ **जीव- नीलगाय, चिंकारा, काला हिरण, जंगली सूअर, गोल्डन जैकाल, भारतीय खरगोश, भारतीय भेड़िया, कैराकल, एशियाई जंगली बिल्ली और रेगिस्तानी लोमड़ी, बन्नी भैंस और कांकरेज गाय आदि।**
- **बढ़ती कृषि गतिविधियों के कारण चरागाह को अतिक्रमण का सामना करना** पड़ **रहा** है ।

8.11. हरित उत्थान पहल

- यूनिसेफ की **जेनरेशन अनलिमिटेड ने भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के** सहयोग से **दुबई में COP28 में "ग्रीन राइजिंग" पहल का** अनावरण किया ।
- वैश्विक **"ग्रीन राइजिंग" पहल** और **"ग्रीन राइजिंग इंडिया एलायंस" यूनिसेफ, जेनरेशन अनलिमिटेड और सार्वजनिक, निजी और युवा भागीदारों के विविध नेटवर्क से** जुड़े एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतीक है ।
- मुख्य **लक्ष्य दुनिया भर में लाखों युवाओं को संगठित करना** , हरित **पहलों** में **उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उनके समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों को** अपनाना है ।

- **"ग्रीन राइजिंग" पहल** जलवायु **परिवर्तन के गंभीर प्रभावों को संबोधित करने के** वैश्विक **प्रयास के साथ संरेखित करते हुए** , **जमीनी स्तर** पर **प्रभावशाली पर्यावरणीय कार्यों के लिए युवाओं को शामिल करने** पर केंद्रित है ।
- भारत में **युवावाह अभियान** के माध्यम से , **मिशन लाइफ आंदोलन** से प्रेरित होकर, **जमीनी स्तर पर प्रभावशाली पर्यावरणीय कार्यों को चलाने के लिए युवाओं को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है** ।

जनरेशन अनलिमिटेड के बारे में

- **2018** में **लॉन्च किया गया ।**
- यह **एक वैश्विक सार्वजनिक-निजी-युवा साझेदारी है** जिसका उद्देश्य **वैश्विक स्तर पर नवीन समाधानों का सह-निर्माण और वितरण करना है** ।

8.12. भारतीय बाइसन और कोया जनजाति

- आंध्र प्रदेश में गोदावरी और सबरी नदियों के किनारे पापिकोंडा पहाड़ी श्रृंखला में रहने वाली स्वदेशी कोया जनजाति ने भारतीय बाइसन (बोस गौरस) के संरक्षण के प्रयास में सहस्राब्दी पुरानी परंपराओं को खत्म करने का फैसला किया है ।
- पापिकोंडालु पहाड़ी श्रृंखला या 'बाइसन पहाड़ी श्रृंखला ', भारतीय बाइसन का घर है ।
  - ✓ 1978 में,पहाड़ी श्रृंखला के एक हिस्से को अभयारण्य घोषित किया गया था , जिसमें भारतीय बाइसन को इसकी मेगाफौना प्रजाति के रूप में शामिल किया गया था।
  - ✓ अभयारण्य को **2008 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।**

कोया जनजाति के बारे में

- **अपनी बोली में कोया, कोइतूर** के नाम से जाना जाता है ।
- **जनसंख्या मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश , ओडिशा और छत्तीसगढ़** के पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों में पाई जाती है ।
- बोलें **, जो गोंडी से संबंधित एक द्रविड़ भाषा है।**
  - ✓ वे **उड़िया और तेलुगु भाषा भी बोलते हैं।**
- परंपरागत रूप से वे **चरवाहे** और **स्थानांतरित कृषक हैं**। कुछ **बांस के फर्नीचर और शिल्प में विशेषज्ञता रखने वाले कारीगर हैं।**
- पेंडुल **आमतौर पर विवाह का प्रचलित रूप** है ।
- **कोयास अपने दो सांस्कृतिक रूपों की खोज के लिए बाइसन हॉर्न को अपनाया** :
  - ✓ कोम्मू **कोया नृत्य , जिसके दौरान पोशाक के** हिस्से के रूप में दो बाइसन सींग सिर पर सुशोभित होते हैं, और
  - ✓ पर्माकोर **बांसुरी** , जो एक ही सींग से बनी होती है **।**
    - ➢ कोया **अपनी पारंपरिक बांसुरी, पर्माकोर को तैयार करने के लिए पारंपरिक भारतीय बाइसन सींगों से लेकर ताड़ के पत्तों तक का उपयोग करने** लगे हैं **।**
    - ➢ कोया भाषा में, **' परम ' का अर्थ भारतीय बाइसन या ग्वार है** , और **'कोरे' का अर्थ 'सींग' है** , और इस प्रकार, बाइसन सींग से बनी बांसुरी को पर्माकोर कहा जाता है ।
    - ➢ **हॉर्न के एक कोने** पर एक बांस का पाइप लगा होता है , जहां से **ध्वनि पैदा करने के लिए हॉर्न में हवा डाली जाती है।**
    - ➢ **पूरे गांव को जंगल में शिकार के लिए जाने का आह्वान** करने के लिए **एक निर्दिष्ट समय और स्थान पर पर्माकोर बजाया जाता है** ।

इंडिया बाइसन या गौर (बोस गौरस) के बारे में

- इंडियन बाइसन भारत में पाए जाने वाले जंगली मवेशियों की सबसे लंबी प्रजाति और सबसे बड़ा मौजूदा गोजातीय है।
- लगभग 13,000 से 30,000 गौर हैं जिनमें से लगभग 85% आबादी भारत में मौजूद है।
- वे सदाबहार वन और नम पर्णपाती वन पसंद करते हैं लेकिन शुष्क पर्णपाती वनों में भी जीवित रह सकते हैं ।
- भारतीय बाइसन स्वभाव से शाकाहारी है, समूहों में चलता है और मुख्य रूप से बांस की पत्तियों का शिकार करता है।
- यह गोवा और बिहार का राज्य पशु भी है।
- सुरक्षा की स्थिति
  - ✓ IUCN लाल सूची- संवेदनशील
  - ✓ वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972- अनुसूची।

8.13. इम्पेतिएन्स करुप्पुसाम्यि (IMPATIENS KARUPPUSAMYI)

- **भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई)** के शोधकर्ताओं ने **कालाकड़ से पौधे की एक नई प्रजाति की** खोज की है **मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व, तमिलनाडु** ।
- इस **पौधे का नाम 'इम्पेतिएन्स करुप्पुसाम्यि ' रखा गया है।**
- **अद्वितीय विशेषतायें**
  - ✓ **क्षैतिज रूप से सीधे, टेढ़े सिरे के साथ शंक्वाकार स्पर।**
  - ✓ **दो बैंगनी, मांसल और उभरे हुए श्रवण प्रक्षेपण के साथ पूर्वकाल लोब** का आधार ।
  - ✓ **मुँह के सामने** मोटे, बैंगनी-नीले रंग के बाल।
  - ✓ **नारंगी-गुलाबी रंग के परागकण** .
- **दुनिया भर में इम्पेतिन्स की 1000 से अधिक प्रजातियाँ** हैं , जिनमें से **280 से अधिक भारत में पाई जाती हैं** ।
- यह **उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, मेडागास्कर, भारत, श्रीलंका और चीन में व्यापक रूप से वितरित किया जाता है ।**

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के बारे में

- बीएसआई **देश के जंगली पौधों के संसाधनों पर वर्गीकरण और पुष्प संबंधी अध्ययन करने वाला शीर्ष अनुसंधान संगठन है।**
- स्थापना- **1890**
- **पर्यावरण और वन मंत्रालय (एमओईएफसीसी)** के दायरे में
- इसके **नौ क्षेत्रीय मंडल देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं** ।
- मुख्यालय- **कोलकाता, पश्चिम बंगाल**

कलाकाड मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व के बारे में

- **तमिलनाडु के तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी जिले** में स्थित है ।
- **"तमिलनाडु का पहला टाइगर रिजर्व"** और **देश का 17वां टाइगर रिजर्व** घोषित किया गया था ।
- इसमें **दक्षिण में कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य** और **उत्तर में नेल्लई वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।**
- यह **अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व का भी हिस्सा है।**
- इसे **"नदी अभयारण्य" के रूप में भी जाना जाता है , इस टाइगर रिजर्व से 14 नदियाँ निकलती हैं** ।

- **वनस्पति** - वनस्पति **सूखे कांटेदार जंगल से लेकर शुष्क पर्णपाती, नम पर्णपाती और रिजर्व के ऊंचे इलाकों पर पश्चिमी तट के गीले सदाबहार जंगलों के एक टुकड़े तक भिन्न होती है।**
- **जीव-जंतुओं में बाघ, सांभर, चित्तीदार हिरण, हाथी, शामिल हैं। शेर की पूंछ वाले मकाक, नीलगिरि तहर, तेंदुए, जंगली कुत्ते** , आदि और बड़ी **संख्या में पक्षी प्रजातियाँ, सरीसृप आदि।**

8.14. वैश्विक नदी शहर गठबंधन GLOBAL RIVER CITIES ALLIANCE

- भारत के रिवर सिटीज़ एलायंस से प्रेरित एक 'ग्लोबल रिवर सिटीज़ एलायंस' (GRCA) को COP28, दुबई में लॉन्च किया गया था ।
- GRCA एक अनूठा गठबंधन है जो 11 देशों के 275+ वैश्विक नदी-शहरों , अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों और ज्ञान प्रबंधन भागीदारों को कवर करता है और यह दुनिया में अपनी तरह का पहला गठबंधन है।
- अन्य राष्ट्र हैं डेनमार्क, कंबोडिया, जापान, भूटान, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, मिस्र और घाना और नीदरलैंड से हेग (डेन हाग), ऑस्ट्रेलिया से एडिलेड और हंगरी के स्ज़ोलनोक के नदी-शहर।
- जल शक्ति मंत्रालय और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (एनआईयूए) के तहत स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन , गठबंधन गतिविधियों की प्रारंभिक गति उत्पन्न करने के लिए जीआरसीए के सचिवालय की भूमिका निभाएगा ।
- इन गतिविधियों में सदस्य शहरों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान, क्षमता विकास, उच्च स्तरीय वकालत और द्विपक्षीय बातचीत शामिल होगी ।

अन्य समाचार

- इससे पहले, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने मिसिसिपी रिवर सिटीज एंड टाउन्स इनिशिएटिव (एमआरसीटीआई) के साथ सामान्य प्रयोजन के एक ज्ञापन (एमओसीपी) पर हस्ताक्षर किए थे , जिसमें सीओपी28 के मौके पर अमेरिका के मिसिसिपी नदी के किनारे स्थित 124 शहरों/कस्बों का प्रतिनिधित्व किया गया था।

रिवर सिटीज़ एलायंस के बारे में

- इसकी स्थापना 2021 में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा की गई थी।
  - ✓ एनएमसीजी को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत 2011 में एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था ।
  - ✓ एनएमसीजी राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (एनजीआरबीए) की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है।
- यह नदी शहरों को जोड़ने और सतत नदी केंद्रित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए MoJS और MoHUA की एक संयुक्त पहल है।
- रिवर सिटीज एलायंस के पास वर्तमान में भारत में 142 नदी शहर हैं और यह सदस्यों के लिए उनकी प्रशासनिक सीमाओं के भीतर शहरी नदियों की स्थिति को बढ़ाने से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करता है।

8.15. डेमोर्चेस्टिया एलानेंसिस

- बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के शोधकर्ताओं ने चिल्का झील में समुद्री एम्फिपोड की एक नई प्रजाति की खोज की है, जो जीनस डेमोरचेस्टिया का झींगा जैसा क्रस्टेशिया है।।

- नई प्रजाति का **नाम डेमोरचेस्टिया एलानेंसिस रखा गया है ।**
- वर्तमान योगदान ने **जीनस डेमोरचेस्टिया में एक और प्रजाति जोड़ दी है** , जिससे समूह में वैश्विक प्रजातियों की संख्या छह हो गई है।
- विशेषताएँ
  - ✓ नई प्रजाति का **रंग सफेद** और **लंबाई 15 मिलीमीटर से कम है।**
  - ✓ इसके **13 जोड़े पैर हैं** ।
    - ➢ जहां **तीन जोड़े** पानी में तैरने के लिए उपयोग किए जाते हैं, वहीं **आठ जोड़े जमीन पर चलने के लिए उपयोग किए जाते हैं।**
    - ➢ अन्य **दो जोड़ियों का उपयोग शिकार को पकड़ने और खिलाने के लिए किया जाता है।**
  - ✓ प्रजाति को जीनस के **अन्य सदस्यों से दो से तीन मजबूत, बाल जैसी संरचनाओं या ग्नथोपोड (अंग) के प्रोपोडस के पूर्वकाल मार्जिन** पर सेटे द्वारा अलग किया जा सकता है।

उभयचरों के बारे में

- एम्फिपोड **अकशेरुकी क्रम एम्फिपोडा** (क्लास क्रस्टेशिया) का कोई भी सदस्य है **जो समुद्र के सभी हिस्सों, झीलों, नदियों, रेत के तटों, गुफाओं और** कई उष्णकटिबंधीय द्वीपों पर नम (गर्म) आवासों में निवास करता है।
- वे **सभी समुद्री आवासों में पाए जा सकते हैं** (यहां तक कि सबसे गहरी समुद्री खाइयों में भी, उदाहरण के लिए, हिरोनडेलिया) । दुबिया), और **मीठे पानी और स्थलीय आवासों पर भी उपनिवेश स्थापित किया है।**
- **एम्फ़िपोड समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में** एक महत्वपूर्ण समूह हैं और **समुद्री खाद्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं** ।
- वे **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और तटीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य का अध्ययन करने के लिए संकेतक के रूप में भी काम करते हैं।**

चिल्का झील के बारे में

- यह **एशिया का सबसे बड़ा खारा पानी** और **दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तटीय लैगून है।**
- 1981 में, **चिल्का झील को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की पहली भारतीय आर्द्रभूमि** नामित किया गया था ।
- यह एशिया की **पहली साइट थी जिसे 2002 में मॉन्ट्रो रिकॉर्ड (एमआर) से हटा दिया गया था।**
- यह **भारतीय उपमहाद्वीप** पर **प्रवासी पक्षियों** के लिए **सबसे बड़ा शीतकालीन प्रवास स्थल है।**
- **नलबाना पक्षी अभयारण्य** और **इरावदी डॉल्फिन (आईयूसीएन-गंभीर रूप से लुप्तप्राय)** के लिए प्रसिद्ध है ।

8.16. पंगोलाखा वन्यजीव अभयारण्य

- एक वन्यजीव अभ्यारण्य में लगाए गए **कैमरा ट्रैप ने 3640 मीटर की ऊंचाई पर एक रॉयल बंगाल टाइगर (IUCN- लुप्तप्राय) को कैद किया है ।**
- यह **भारत की सबसे ऊँची जगह है जहाँ बाघ देखे गए हैं।**
- यह तस्वीर **पंगोलाखा वन्यजीव अभयारण्य के अंदर खींची गई थी।**
- अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले **भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई जहां बाघ देखे गए हैं, वह अरुणाचल प्रदेश में 3,630 मीटर की ऊंचाई पर था।**

पंगोलाखा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **यह सिक्किम के पाकयोंग जिले में स्थित है ।**
- **सिक्किम, बंगाल और भूटान के त्रि-जंक्शन पर पंगालोखा** वन्यजीव अभयारण्य **, 128 वर्ग किलोमीटर में** फैला हुआ है ।
- यह **सिक्किम का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है** ।
- अभयारण्य में वनस्पति **आमतौर पर अल्पाइन-समशीतोष्ण-उपोष्णकटिबंधीय** है **।** प्रजातियों में **रोडोडेंड्रोन, सिल्वर फ़िर, जुनिपर और काई से ढके ओक शामिल हैं।**
- जैव विविधता से समृद्ध पंगालोका वन्यजीव अभयारण्य, **लाल पांडा, हिम तेंदुए, हिमालयी कस्तूरी मृग, हिमालयी गोरल और हिमालयी काले भालू सहित विभिन्न प्रजातियों का घर है।**

8.17. संयुक्त राष्ट्र ऊँट(कैमलिड्स)वर्ष

- संयुक्त **राष्ट्र ने दुनिया भर के लोगों के जीवन में ऊंटों के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर** करने के लिए **2024 को अंतर्राष्ट्रीय ऊंट वर्ष घोषित** किया है ।
- **खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ)** के अनुसार, ऊँट **90 से अधिक देशों में लाखों घरों के जीवन को प्रभावित करते हैं** ।
- एक **समूह के रूप में ऊँटो में अल्पाका, बैक्ट्रियन ऊंट, ड्रोमेडरीज़, गुआनाकोस, लामा, विकुना शामिल हैं** जो **विशेष रूप से स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों के लिए खाद्य सुरक्षा, पोषण और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।**
- ऊँट **दूध और मांस का एक स्रोत हैं जो लोगों को भूख से लड़ने में मदद करता है** ।
- वे **फाइबर भी प्रदान करते हैं जिसका उपयोग कपड़े और आश्रय के लिए किया जा सकता है।**
- कैमलिड्स **का उपयोग लोग परिवहन के साधन के रूप में भी करते हैं** ।
- ऊँटों को **कठोर परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए जाना जाता है।**

8.18. कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा (KMGBF)

- KMGBF को **गोद लिए हुए एक वर्ष पूरा हो गया है।**
- **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (KMGBF) को मॉन्ट्रियल में जैविक विविधता सम्मेलन (CBD) के 15वें** कोप **पार्टियों के सम्मेलन (CoP15) में** अपनाया गया था।
- फ्रेमवर्क **सीबीडी के समग्र एजेंडे को आगे बढ़ाता है** जो **यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि जैव विविधता की रक्षा की जाए, इसका सतत उपयोग किया जाए और इसके उपयोग से प्राप्त लाभों को** उन **समुदायों के साथ समान रूप से साझा किया जाए जिन्होंने इसे सदियों से संरक्षित किया है।**
- **2050 तक हासिल किए जाने वाले चार व्यापक लक्ष्य पारिस्थितिकी तंत्र और प्रजातियों के स्वास्थ्य** पर ध्यान केंद्रित करते हैं शामिल
  - ✓ **मानव-प्रेरित प्रजातियों के विलुप्त होने को रोकने** के लिए ,
  - ✓ **जैव विविधता का सतत** उपयोग ,
  - ✓ **लाभों का न्यायसंगत बंटवारा** , और
  - ✓ **प्रति वर्ष $700 बिलियन के जैव विविधता वित्त अंतर को पाटना** शामिल है ।

> कोलंबिया अगले संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन- सीओपी **16** की मेजबानी करेगा।

- **2030 तक हासिल किये जाने वाले तेईस लक्ष्यों** में शामिल हैं
  - ✓ **समुद्र और अंतर्देशीय जल का 30 प्रतिशत संरक्षण** ,
  - ✓ **ख़राब पारिस्थितिकी तंत्र की 30 प्रतिशत बहाली** ,
  - ✓ **आक्रामक प्रजातियों का परिचय आधा करना** ,
  - ✓ **हानिकारक सब्सिडी में $500 बिलियन प्रति वर्ष की कटौती,**
  - ✓ **कीटनाशकों से जोखिम को कम से कम 50% कम** करें **,**
  - ✓ **2030 तक पर्यावरण में नष्ट होने वाले पोषक तत्वों को कम से कम 50% तक कम करना आदि।**

सीबीडी के बारे में

- सीबीडी जैव **विविधता के संरक्षण के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है** जिसे **भारत सहित 196 देशों द्वारा अनुमोदित किया गया है।**
- **1992 में रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन** में अपनाया गया (1993 में लागू)।
- इसका उद्देश्य **जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते के अनुरूप जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उलटने के लिए एक ऐतिहासिक सौदा हासिल करना है।**
- **सीबीडी सचिवालय - मॉन्ट्रियल, कनाडा।**
- **सीबीडी के तहत** पार्टियां **(देश) नियमित अंतराल पर मिलती हैं और इन बैठकों को पार्टियों का सम्मेलन (सीओपी) कहा जाता है।**
- **मुख्य प्रोटोकॉल**
  - ✓ **सामान्य संसाधनों तक पहुंच** और **उनके उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत बंटवारे पर नागोया प्रोटोकॉल।**
  - ✓ जैव विविधता पर कन्वेंशन के लिए **जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल ।**

8.19. समुद्री घास

- सेंट्रल **मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमएफआरआई) ने दो समुद्री शैवाल-आधारित न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों** की पेटेंट-संरक्षित प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण किया है - एक **एंटी-वायरल प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए** और **दूसरा उच्च कोलेस्ट्रॉल या डिस्लिपिडेमिया से निपटने के लिए** ।
- न्यूट्रास्यूटिकल्स **पर्यावरण-अनुकूल 'हरित' तकनीक से निकाले गए अत्यधिक पौष्टिक बायोएक्टिव अवयवों का 100% प्राकृतिक मिश्रण हैं।**
- न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों में **चयनित समुद्री शैवाल से 100% प्राकृतिक समुद्री बायोएक्टिव तत्व होते हैं** , जो **आमतौर पर भारतीय तटीय जल में उपलब्ध होते हैं।**

समुद्री शैवाल के बारे में

- समुद्री शैवाल **समुद्री पौधों और शैवाल की अनगिनत प्रजातियों का सामान्य नाम है जो समुद्र के साथ-साथ नदियों, झीलों और अन्य जल निकायों में** उगते हैं ।
- वे आदिम **, समुद्री गैर-फूल वाले समुद्री शैवाल हैं बिना जड़, तना और पत्तियों के।**
- इनका **रंग लाल, हरा, भूरा और काला होता है।**
- **आकार** भी भिन्न-भिन्न होता है, **सूक्ष्मदर्शी से लेकर बड़े पानी के नीचे के जंगलों (जिन्हें केल्प वन कहा जाता है) तक।**

- इनमें **आयरन, जिंक, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, थायमिन, विटामिन ए, बी, सी और के जैसे पोषक तत्व होते हैं।**
- कई समुद्री शैवालों **में सूजनरोधी और रोगाणुरोधी एजेंट होते हैं** ।

सीएमएफआरआई के बारे में

- आईसीएआर **-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान की स्थापना** भारत सरकार द्वारा **3 फरवरी 1947 को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** के तहत की गई थी ।
- बाद में यह **1967 में आईसीएआर परिवार में शामिल हो गया** ।
- मुख्यालय - **कोच्चि, केरल।**

8.20. सिमलीपाल टाइगर रिजर्व

- **भारत में कुल 10 "काले बाघ"** हैं , **जो विशेष रूप से ओडिशा के सिमिलिपाल टीआर में पाए जाते हैं।**
- इन **"मेलेनिस्टिक बाघों" को केवल ओडिशा के सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में प्रलेखित किया गया है।**
- **अखिल भारतीय बाघ आकलन अभ्यास के 2022 चक्र** के अनुसार , **सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में 16 बाघ हैं, जिनमें से 10 में मेलानिज्म प्रदर्शित होता है।**
- कोट **के रंग और पैटर्न के कारण जंगली बिल्लियाँ गहरे रंग की दिखाई देती हैं, जो ट्रांसमेम्ब्रेन एमिनोपेप्टिडेज़ क्यू (टैकपेप) जीन में एक उत्परिवर्तन** से उत्पन्न होती हैं।
- **सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व** में बाघ **पूर्वी भारत में एक अलग आबादी बनाते हैं** , **उनके और अन्य बाघ आबादी के बीच बहुत सीमित जीन प्रवाह होता है।**
- ऐसी **अलग-थलग और जन्मजात आबादी विलुप्त होने के प्रति** अत्यधिक **संवेदनशील होती है, यहां तक कि छोटी अवधि में भी।**

सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के बारे में

- **ओडिशा के मयूरभंज जिले** के भीतर स्थित है ।
- **वर्ष 1956 में** इसे 'टाइगर रिजर्व' घोषित किया गया और 1973 में **राष्ट्रीय संरक्षण कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत शामिल किया गया।**
- **सिमिलिपाल टाइगर रिज़र्व** को **वर्ष 2009 में यूनेस्को द्वारा बायोस्फीयर रिजर्व के विश्व नेटवर्क के एक भाग के रूप में शामिल किया गया था।**
- **वनस्पति** - कुछ अर्ध-सदाबहार पैच के साथ उत्तरी **उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती।** के बारे में ऑर्किड की 94 प्रजातियों सहित पौधों की 1078 प्रजातियाँ यहाँ पाई जाती हैं।
- जनजातियाँ- **कोल्हा , संथाला , भूमिजा, भटुडी , गोंडा , खड़िया , मांकड़िया और सहारा।**
- **जीव-जंतु** : तेंदुआ, गौर, हाथी, लंगूर, भौंकने वाला और चित्तीदार हिरण, सुस्त भालू, नेवला, उड़ने वाली गिलहरी, साही, कछुआ, मॉनिटर छिपकली, अजगर, सांभर, पैंगोलिन आदि।
- यह **दुनिया का एकमात्र परिदृश्य है जो मेलानिस्टिक बाघों का घर है।**
- सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व को इसकी आनुवंशिक संरचना के कारण एक विशिष्ट संरक्षण क्लस्टर के रूप में पहचाना गया है और वन्यजीव आवासों के एकीकृत विकास की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत वन्यजीव संरक्षण, आवास प्रबंधन, मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ₹ 32.75 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

8.21. सफेद पेट वाला समुद्री चील

- एक असामान्य दृश्य में, सफेद पेट वाला समुद्री ईगल, तटीय निवासों में आम तौर पर पाया जाने वाला एक विशाल शिकारी पक्षी, **मुक्कोम्बु , तिरुचि , तमिलनाडु में देखा गया** ।

सफ़ेद पेट वाले समुद्री ईगल (आईसीथियोफ़ागा ल्यूकोगास्टर) के बारे में

- **सफ़ेद पेट वाला समुद्री चील** एक **बड़ा दैनिक शिकारी पक्षी** है ।
- इसके **शरीर की लंबाई 75-85 सेमी (29.5-33 इंच) और पंखों का फैलाव 178-218 सेमी (70-85.8 इंच) है।**
- रैप्टर **भारत, श्रीलंका, अंडमान द्वीप समूह, दक्षिणी चीन, फिलीपींस, न्यू गिनी, ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया सहित अन्य देशों में पाया जाता है।**
- वे **मुख्य रूप से समुद्र के पास स्थलीय आवासों में रहते हैं**, विशेष रूप से तटों, द्वीपों और मुहल्लों में, लेकिन वे **झीलों, तालाबों और नदियों जैसे पानी के छोटे निकायों तक पहुंच वाले वन क्षेत्रों में भी रहते हैं।**
- जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, **शिकार का पक्षी शायद ही कभी समुद्र के किनारे से दूर देखा जाता है** , और परिणामस्वरूप, मछली, ईल, **क्रस्टेशियंस और समुद्री सांप जैसी जलीय प्रजातियों का आहार होता है** ।
- यह **अन्य शिकारियों से भोजन चुराने या चुराने के लिए भी जाना जाता है, और कभी-कभी मांस भी खाता है।**
- IUCN लाल सूची स्थिति- **'कम से कम चिंता'**

8.22. नामदाफा उड़ने वाली गिलहरी

- **42 साल तक लापता रहने** के बाद नामदाफा उड़ने वाली **गिलहरी अरुणाचल प्रदेश में फिर से सामने आई** है ।
- इसका अंतिम बार वर्णन 1981 में अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में नामदाफा टाइगर रिजर्व में 1,985 वर्ग किमी के दायरे में पाए गए एक एकल प्रजाति के आधार पर किया गया था। ।

नामदाफा उड़ने वाली गिलहरी के बारे में

- वैज्ञानिक नाम- **बिस्वामायोप्टेरस बिस्वासी**
- यह **एक वृक्षीय, रात्रिकालीन उड़ने वाली गिलहरी है जो अरुणाचल प्रदेश में पाई जाती है।**
- यह **दुनिया में उड़ने वाली गिलहरी की 43 ज्ञात प्रजातियों में से एक है।**
- ये गिलहरियाँ **पेड़ों के बीच उड़ती रहती हैं** और **पक्षियों या चमगादड़ों की तरह उड़ान नहीं भर सकतीं।**
- ये **फल, मेवे, बीज, कवक, फूल और पेड़ के रस** पर पनपने वाले **शाकाहारी जानवर हैं।**
- **सुरक्षा की स्थिति**
  - ✓ IUCN लाल सूची- **गंभीर रूप से लुप्तप्राय (सीआर)**
  - ✓ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम- **अनुसूची II**
- **वैश्विक वन्यजीव संरक्षण की "खोई हुई प्रजातियों की खोज" पहल द्वारा लक्षित 25 "सर्वाधिक वांछित लुप्त" प्रजातियों में** से एक है ।

8.23. पोंग बांध वन्यजीव अभयारण्य

- **पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने एक मसौदा अधिसूचना जारी कर कांगड़ा जिले में पोंग बांध वन्यजीव अभयारण्य की सीमाओं से एक किलोमीटर के क्षेत्र को पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया है।**

संभावित प्रभाव

- पौंग बांध अभयारण्य के आसपास पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में होटल, रिसॉर्ट या किसी भी प्रकार के प्रदूषणकारी उद्योग के निर्माण जैसी व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी ।
- अधिसूचना पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में ओवरहेड इलेक्ट्रिक या संचार टावर लगाने पर भी रोक लगाती है ।
- क्षेत्र में आरा मिलों , ईंट-भट्ठों की स्थापना या जलाऊ लकड़ी के व्यावसायिक उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाएगा ।

पोंग बांध झील वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- पोंग बांध झील (महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है) एक मानव निर्मित जलाशय है जो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में शिवालिक पहाड़ियों के आर्द्रभूमि क्षेत्र में ब्यास नदी पर पोंग बांध के निर्माण के कारण बना है ।
- यह लगभग 307 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करता है।
- पोंग बांध भारत का सबसे ऊंचा मिट्टी भरने वाला बांध है और इसका निर्माण 1975 में किया गया था ।
- 1983 में , पूरे जलाशय को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
- पोंग बांध झील को 2002 में रामसर साइट नामित किया गया था।
- वनस्पति - बबूल, जामुन, शीशम , आम, शहतूत, फाइकस कचनार , आंवला और प्रूनस।
- जीव-जंतु - सांभर, भौंकने वाला हिरण, जंगली भालू, नीलगाय, पंजे रहित ऊदबिलाव और तेंदुए आदि।
    - ✓ झील में 56 परिवारों की 420 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं।

8.24. पैन्टोइया टैगोरी

- विश्वभारती विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं के एक समूह ने पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने में सक्षम बैक्टीरिया की खोज की है और इसे ' पेंटोआ ' नाम दिया है। टैगोरी ' नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर लिया गया है।
- इसकी खोज झरिया कोयला खदानों में एकत्र मिट्टी के नमूनों से की गई थी।
- यह पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाला बैक्टीरिया है जिसने धान, मटर और मिर्च की खेती को बढ़ावा देने की अपार क्षमता दिखाई है ।
- ' पैन्टोइया टैगोरी ' मिट्टी से कुशलतापूर्वक पोटेशियम निकालती है जो पौधों की वृद्धि को बढ़ाती है ।
- यह पोटेशियम और फास्फोरस को घुलनशील बनाता है और नाइट्रोजन को स्थिर करता है जो पौधों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है ।
- यह बैक्टीरिया यह पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

8.25. लैंटाना कैमारा

- लैंटाना (लैंटाना कैमारा) , दुनिया की 10 सबसे खराब आक्रामक प्रजातियों में से एक है ।
- लैंटाना भारत का मूल निवासी नहीं है ।
    - ✓ यह अमेरिकी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र का मूल निवासी एक बारहमासी झाड़ी है और वर्बेनेसी परिवार से संबंधित है ।
    - ✓ इसे 1800 के दशक में अंग्रेजों द्वारा एक सजावटी पौधे के रूप में देश में पेश किया गया था।

- झाड़ी **जंगल की जमीन पर फैल सकती है, पेड़ों पर चढ़ सकती है और आसानी से अन्य देशी पौधों के साथ उलझ सकती है।**
- यह **एक बहुत ही अनुकूलनीय प्रजाति है** , जो **विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्रों में निवास कर सकती है** ।
- **लैंटाना कैमारा के आक्रमण के कारण पश्चिमी घाट** में **नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व सबसे अधिक प्रभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों** में से एक है ।
- **चुनौती**
  - ✓ लैंटाना को नष्ट करना मुश्किल है "इसके **तेजी से फैलने, संक्रमण की तीव्रता** , **एलेलोपैथी** [देशी पौधों के विकास को हतोत्साहित करने के लिए जारी रसायन], **अवसरवादी विकास व्यवहार** , **प्रजनन जीवविज्ञान लक्षण** और **काटने और जलाने के प्रति दृढ़ प्रतिरोध के कारण।**
  - ✓ यदि **जड़ें ठीक से नहीं निकाली गईं, तो झाड़ी फिर से उगना शुरू कर सकती है** ।
  - ✓ इसके **बीज भी इतने हल्के होते हैं कि हवा से आसानी से बिखर जाते हैं।**

8.26. नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान

- **न्यू रॉयल बंगाल टाइगर की तस्वीरें नेओरा वैली नेशनल पार्क में लगाए गए ट्रैप कैमरों द्वारा क्लिक की गई हैं** ।

नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- नेओरा वैली नेशनल पार्क (एनवीएनपी) पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में स्थित है , जिसका **कुल क्षेत्रफल 88 वर्ग किमी है।**
- एनवीएनपी **पूर्वी हिमालय में स्थित जैव विविधता से समृद्ध कुंवारी जंगल का एक कॉम्पैक्ट पैच है** , जो एक वैश्विक **'जैव विविधता हॉटस्पॉट' है।**
- यह **क्रमशः अपनी उत्तरी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सिक्किम और भूटान से सटा हुआ है** और सिक्किम में **पंगोलाखा वन्यजीव अभयारण्य और भूटान के तोरसा स्ट्रिक्ट रिजर्व को जोड़ता है** ।
- इसे **1992** में **राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया था** ।
- यह **कंचनजंगा परिदृश्य का भी एक अभिन्न अंग है।**
- यह **अद्वितीय और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है** क्योंकि इसमें देर से आने वाले **जंगलों का अपेक्षाकृत दुर्गम क्षेत्र** और समृद्ध **विविधता और पर्यावरण ढाल की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।**
- **वनस्पति में शामिल हैं -** उपोष्णकटिबंधीय मिश्रित चौड़ी पत्ती वाले वन, निचले शीतोष्ण सदाबहार वन, ऊपरी शीतोष्ण मिश्रित चौड़ी पत्ती वाले वन और रोडोडेंड्रोन वन।
- **वनस्पति-** रोडोडेंड्रोन, बांज, बांस, फ़र्न और औषधीय पौधे।
- **जीव-जंतु** - लाल पांडा, हिमालयन तहर, हिमालयी काला भालू, क्लाउडेड तेंदुआ, बार्किंग हिरण, सांभर हिरण आदि।

9. नीति और कार्यक्रम

9.1. पीएम-जनमन

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **₹24,000 करोड़ के बजट के साथ आदिवासी समुदायों को सहायता प्रदान करने** के लिए डिज़ाइन किए गए **प्रधान मंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) को मंजूरी दे दी है।**
- योजना के लिए ₹24,100 करोड़ के बजट में से **₹15,336 करोड़ केंद्र सरकार से आएंगे** जबकि **₹8,768 करोड़ राज्यों से आएंगे।**
- इसका लक्ष्य 18 राज्यों , **1 केंद्र शासित प्रदेश** , **220 जिलों और 22,000 गांवों में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी)** के रूप में पहचाने गए **75 जनजातीय समुदायों का उत्थान करना है** ।
  - ✓ इस **पहल से लगभग 28,16,000 जनजातीय व्यक्तियों को लाभ होने का अनुमान है।**

> **2011** की जनगणना के अनुसार भारत की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आबादी **10.45** करोड़ है, जिसमें **18** राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में **75** समुदायों को पीवीटीजी के रूप में वर्गीकृत किया गया

- इस **योजना** का लक्ष्य **स्थायी आवास, सड़क कनेक्टिविटी, पाइप जलापूर्ति, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, छात्रावास निर्माण, 'आंगनवाड़ी' सुविधाएं, कौशल विकास केंद्र , बिजली कनेक्शन, सौर स्ट्रीट लाइटिंग, बंधन विकास केंद्र और मोबाइल टावर** जैसे **महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रदान करना है** ।
- **पीएम आवास योजना (पीएमएवाई), ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और स्वास्थ्य मिशन जैसी मौजूदा योजनाओं को संरेखित करने का लक्ष्य सभी पात्र लाभार्थियों को शामिल करना है** ।
- ये हस्तक्षेप **स्वास्थ्य, आजीविका, आदिवासी मामलों और दूरसंचार सहित अन्य** के लिए जिम्मेदार **नौ प्रमुख मंत्रालयों के दायरे में आते हैं ।**
- इसके अलावा, **आयुष और कौशल विकास और उद्यमिता जैसे मंत्रालय अतिरिक्त सहायता प्रदान** करेंगे ।
  - ✓ **आयुष मंत्रालय का** इरादा आयुष **कल्याण केंद्र स्थापित करने और मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से आयुष सुविधाओं का विस्तार करने का है।**
  - ✓ समवर्ती रूप से, **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय पीवीटीजी बस्तियों और छात्रावासों** में कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बना रहा है।

9.2. महिला स्वयं सहायता समूह(SHG) को ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा

- केंद्र सरकार **15,000 प्रगतिशील महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को किराए पर** ड्रोन प्रदान करेगी ।
- ड्रोन **सेवाओं का उपयोग किसानों द्वारा नैनो उर्वरक और कीटनाशक अनुप्रयोगों के लिए किए जाने की परिकल्पना की गई है।**
- इस **योजना का 2024-25 से शुरू होने वाले दो वर्षों के लिए ₹1,261 करोड़ का वित्तीय परिव्यय होगा।**
- **दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत गठित कुल 89 लाख एसएचजी में से** स्वयं **सहायता समूहों की पहचान की जाएगी।**
  - ✓ **उपयुक्त समूहों की पहचान की** जाएगी जहां **ड्रोन का उपयोग आर्थिक रूप से संभव है, जिसके बाद ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए एसएचजी का चयन किया जाएगा।**

- लगभग **500 ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे** । शेष **14,500 ड्रोन अगले दो वर्षों में केंद्रीय सहायता से उपलब्ध कराये जायेंगे ।**
- **एक ड्रोन और उसके सामान की कुल लागत लगभग ₹10 लाख** है । **लागत का** लगभग **80% या ₹8 लाख तक, केंद्र द्वारा प्रदान किया जाएगा** ।
- ड्रोन **पायलट को ₹15,000 और सह-पायलट को लगभग ₹10,000 का मानदेय मिलेगा।**
- **18 वर्ष और उससे अधिक आयु के एसएचजी के** एक सुयोग्य सदस्य को 15-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा , जिसमें पांच दिवसीय अनिवार्य ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और पोषक तत्व और कीटनाशक अनुप्रयोग के कृषि उद्देश्य के लिए अतिरिक्त 10-दिवसीय प्रशिक्षण शामिल **होगा** , जबकि **एक अन्य सदस्य को 15-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा । समूह को तकनीशियन या सहायक के रूप में प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा।**
- यह योजना **किसानों के लाभ के लिए बेहतर दक्षता, फसल की पैदावार बढ़ाने और संचालन की लागत को कम करने के लिए कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी को शामिल करने में मदद करेगी।**
- योजना के अंतर्गत अनुमोदित पहल है **इससे 15,000 एसएचजी को स्थायी व्यवसाय और आजीविका सहायता प्रदान करने** और **उन्हें प्रति वर्ष कम से कम ₹1 लाख की अतिरिक्त आय अर्जित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।**

9.3. हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज योजना

- भारत ने **स्वदेशी रूप से विकसित की जा रही प्रौद्योगिकी के** आधार पर **देश में हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों के निर्माण के लिए वैश्विक खिलाड़ियों** से **रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने का प्रस्ताव रखा है** ।
- ऐसा **हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज योजना को लागू करने के लिए किया जा रहा है** ।

योजना के बारे में

- 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' योजना, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील चुनिंदा विरासत और **पहाड़ी मार्गों पर हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों को संचालित करने की योजना है।**
- इसकी **घोषणा केंद्रीय बजट 2023-24 में की गई थी** ।
- भारतीय रेलवे **एक ऐसी ट्रेन का प्रोटोटाइप विकसित कर रहा है जो हाइड्रोजन ईंधन कोशिकाओं द्वारा संचालित होगी** - जो पारंपरिक डीजल चालित लोकोमोटिव की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल लोकोमोटिव बनेगी।
  - ✓ वर्तमान में, **केवल जर्मनी व्यावसायिक रूप से हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों का संचालन करता है** , जबकि **अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान परीक्षण चरण में हैं।**
- **प्रौद्योगिकी विकसित करने** की भारत की योजना में **डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डीईएमयू) रेक** पर **हाइड्रोजन ईंधन कोशिकाओं का रेट्रोफिटमेंट शामिल है** । इस **प्रोटोटाइप के शुरुआत में हरियाणा में जिंद-सोनीपत खंड पर चलने की उम्मीद है।**
  - ✓ हाइड्रोजन ईंधन सेल **बिजली उत्पादन के लिए हाइड्रोजन की रासायनिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं।**
- भारतीय रेलवे ने **प्रति ट्रेन 80 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत** पर **35 हाइड्रोजन ट्रेनें चलाने का प्रस्ताव दिया है** , जिसमें **जमीनी बुनियादी ढांचे की लागत प्रति रूट 70 करोड़ रुपये होगी।**
- चालू वित्तीय वर्ष के लिए **आठ खंडों - माथेरान हिल रेलवे, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, कालका-शिमला रेलवे, कांगड़ा घाटी, बिलमोरा के लिए पैंतीस ट्रेन-सेट रेक (प्रत्येक छह कोच के साथ) स्वीकृत किए गए हैं। वाघई , पातालपानी कालाकुंड , नीलगिरि माउंटेन रेलवे और मारवाड़ -गोरम घाट।**

9.4. मेरा गांव, मेरी धरोहर का शुभारंभ हुआ

- **संस्कृति मंत्रालय के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के** साथ **साझेदारी** में विकसित यह पहल, जिसे **"मेरा गांव, मेरी धरोहर " के नाम से जाना जाता है** , **भारतीय गांवों के जीवन, इतिहास और लोकाचार का पता लगाने का प्रयास करती है** ।
- **सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन** के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में , यह **परियोजना देश भर के गांवों में निहित सांस्कृतिक विविधता का दस्तावेजीकरण और मानचित्रण करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।**
- परियोजना का मुख्य **उद्देश्य** एक **व्यापक आभासी मंच पर 29 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों** में फैले **भारत के 6.5 लाख गांवों का सांस्कृतिक मानचित्रण करना है** ।
- एमजीएमडी के माध्यम से **लोगों को भारत की विविध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत में डूबने का अवसर मिलेगा।**
- इस परियोजना के पीछे मुख्य **विचार भारत की संस्कृति और परंपराओं के प्रति सराहना को प्रोत्साहित करना, ग्रामीण समुदायों में आर्थिक विकास, सामाजिक सद्भाव और कलात्मक विकास का मार्ग प्रशस्त करना है।**
- एकत्रित जानकारी को **सात व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है** -
  - ✓ **कला एवं शिल्प ग्राम**
  - ✓ **पारिस्थितिक रूप से उन्मुख गांव**
  - ✓ **भारत की पाठ्य एवं शास्त्रीय परंपराओं से जुड़ा शैक्षिक गांव**
  - ✓ **महाकाव्य गांव रामायण, महाभारत, या पौराणिक किंवदंतियों और मौखिक महाकाव्यों से जुड़ा हुआ है**
  - ✓ **स्थानीय और राष्ट्रीय इतिहास से जुड़ा ऐतिहासिक गांव**
  - ✓ **वास्तुकला विरासत गांव**
  - ✓ **कोई अन्य विशेषता जिसे उजागर करने की आवश्यकता हो सकती है जैसे मछली पकड़ने वाला गाँव, बागवानी गाँव, चरवाहा गाँव, आदि।**

आईजीएनसीए के बारे में

- इंदिरा **गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए)** एक **अग्रणी राष्ट्रीय संस्थान है जो कला और संस्कृति में ज्ञान की उन्नति के** साथ-साथ **कला और संस्कृति और अध्ययन के अन्य क्षेत्रों और जीवन के तत्वों के बीच संबंधों के अध्ययन के लिए समर्पित है।**
- IGNCA की **स्थापना 1987 में संस्कृति मंत्रालय** के तहत एक **स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी।**

9.5. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA)

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने हाल ही में ओडिशा के मुख्यमंत्री से **प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA) को लागू करने का आग्रह किया।**
- **PM-USHA योजना के दिशानिर्देशों** के अनुसार , **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को इसके कार्यान्वयन के लिए योजना में शामिल होने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।**
- एमओयू **में योजना की उचित योजना, कार्यान्वयन और निगरानी से संबंधित खंड** शामिल हैं ।

पीएम-उषा के बारे में

- **प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA)** एक **केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है** , जिसका लक्ष्य **300 से अधिक राज्य विश्वविद्यालयों और उससे संबद्ध कॉलेजों के साथ काम करना है।**

- **2013** में लॉन्च किए गए , **पीएम-यूएसएचए का उद्देश्य पात्र राज्य उच्च शैक्षणिक संस्थानों को रणनीतिक फंडिंग प्रदान करना है** ।
- केंद्रीय **वित्त पोषण मानदंडों पर आधारित** है और परिणाम **पर निर्भर है** ।
- **चिन्हित संस्थानों तक पहुंचने से पहले केंद्रीय मंत्रालय से राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यम से धन** प्रवाहित होता है ।
- **राज्यों को फंडिंग की** जाएगी **राज्य उच्च शिक्षा योजनाओं के आलोचनात्मक मूल्यांकन के आधार** पर , जो उच्च शिक्षा में समानता, पहुंच और उत्कृष्टता के मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रत्येक राज्य की रणनीति को सूचीबद्ध करेगा।
- **राष्ट्रीय** योजना **की निरंतरता में 12926 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय** के साथ इस **योजना को 31 मार्च, 2026 तक मंजूरी दे दी गई है। उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा)।**

9.6. झील परियोजना और 3आई मॉडल का शहर

- दिल्ली सरकार के प्रतिनिधि ने **दुबई में COP28 में C40 द्वारा आयोजित चर्चा में राजधानी का** प्रतिनिधित्व करते हुए "शासन का केजरीवाल मॉडल" प्रस्तुत किया।
- जलवायु परिवर्तन से लड़ने में दिल्ली की "सफलताओं" का उल्लेख किया गया, जिनमें शामिल हैं-
  - ✓ **'झीलों का शहर' परियोजना** , जिसका **उद्देश्य शहर में जल निकायों को पुनर्जीवित करना है** , और
  - ✓ **इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए** दिल्ली का "3i मॉडल" , जो **"समावेश, प्रोत्साहन और नवाचार" पर केंद्रित है** ।

C40 के बारे में

- **दुनिया के प्रमुख शहरों के लगभग सौ मेयरों का** एक वैश्विक नेटवर्क है जो **जलवायु संकट का सामना करने के लिए एकजुट हैं।**

9.7. आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की डेल्टा रैंकिंग

- कुमुराम भीम आसिफाबाद (तेलंगाना) जिले का तरियानी ब्लॉक ने नीति आयोग द्वारा घोषित एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) की पहली डेल्टा रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया ।
  - ✓ उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के कौशांबी ब्लॉक ने दूसरा स्थान हासिल किया।
- डेल्टा रैंकिंग कैप्चर पांच विषयों में वर्गीकृत प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) के आधार पर रैंक किए गए ब्लॉकों में वृद्धिशील परिवर्तन ।
- ब्लॉकों को भौगोलिक दृष्टि से भी छह जोनों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक जोन से दो ब्लॉकों को रैंकिंग दी गई है ।
- विजेताओं को रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। शीर्ष रैंक के लिए 1.5 करोड़ और रु. सभी क्षेत्रीय श्रेणियों में दूसरे स्थान के लिए 1 करोड़ रुपये ।

एबीपी के बारे में

- एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम (एबीपी) 7 जनवरी, 2023 को लॉन्च किया गया था ।
- एबीपी भारत के सबसे कठिन और अपेक्षाकृत अविकसित ब्लॉकों में नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शासन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है ।
- भारत के 27 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 329 जिलों के 500 ब्लॉक इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

- कार्यक्रम की रणनीति मौजूदा योजनाओं के अभिसरण, परिणामों को परिभाषित करने और निरंतर आधार पर उनकी निगरानी पर आधारित है।
  जिन ब्लॉकों की प्रगति को मापने के लिए लगभग 40 प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI) चुने गए थे इसे 5 विषयों में बांटा गया है- स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और संबद्ध सेवाएं, बुनियादी ढांचा, सामाजिक विकास।

9.8. भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणीकरण योजना।

- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** ने भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना शुरू की है ।
- यह देश में स्थायी वन प्रबंधन और कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया स्वैच्छिक तृतीय-पक्ष प्रमाणीकरण प्रदान करता है ।
- योजना में शामिल है
  - ✓ **वन प्रबंधन प्रमाणीकरण ,**
  - ✓ **वन प्रबंधन प्रमाणन के बाहर वृक्ष , और**
  - ✓ **हिरासत प्रमाणन की श्रृंखला .**
- यह विभिन्न संस्थाओं जैसे राज्य वन विभाग, व्यक्तिगत किसानों या किसान उत्पादक संगठनों को बाजार प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है, जो अपने संचालन में जिम्मेदार वन प्रबंधन और कृषि वानिकी प्रथाओं का पालन करते हैं ।
- वन प्रबंधन प्रमाणन भारतीय वन प्रबंधन मानक पर आधारित है , जिसमें 8 मानदंड , 69 संकेतक और 254 सत्यापनकर्ता शामिल हैं , जो राष्ट्रीय कार्य योजना कोड 2023 का एक अभिन्न अंग है।
- वनों के बाहर एक अलग पेड़ मानक , अब नई लॉन्च की गई भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना के एक भाग के रूप में पेश किया गया है।
- भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना की देखरेख भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन परिषद द्वारा की जाएगी, जो एक बहुहितधारक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करेगी ।
  - ✓ इसका प्रतिनिधित्व भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जिसमें कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, राज्य वन विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। , वन विकास निगम, और लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधि।
- भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल योजना संचालन एजेंसी के रूप में कार्य करेगा और भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना के समग्र प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होगा।
- भारतीय गुणवत्ता परिषद के तहत प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड प्रमाणन निकायों को मान्यता देगा।
  - ✓ ये स्वतंत्र ऑडिट करेंगे और योजना के तहत निर्धारित मानकों पर विभिन्न संस्थाओं के पालन का आकलन करेंगे।

9.9. पीएम विश्वकर्मा योजना

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के अनुसार, पीएम **विश्वकर्मा योजना** को ढाई महीने में 21 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं ।
- सबसे अधिक **आवेदन कर्नाटक** से आए थे , उसके बाद पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश का स्थान था ।

पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में

- इसे 17 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया गया था।
- यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल-उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करना और समर्थन करना है।
- विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कौशल के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है ।
- यह भी ऑफर करता है की वित्तीय सहायता और 18 व्यापारों और शिल्पों में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए "बाज़ार लिंकेज" के रास्ते तैयार करता है ।
  - ✓ इनमें **बढ़ई, नाव बनाने वाला, कवच बनाने वाला, लोहार , हथौड़ा और टूल किट बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी बनाने वाला, गुड़िया और खिलौना बनाने वाला , नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी** और मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला शामिल हैं।
- आवेदकों की तीन स्तरों पर जांच की जाती है - ग्राम समितियों, जिला और राज्य स्तरों द्वारा।
- आवेदक प्रति दिन ₹500 के वजीफे के साथ पांच से सात दिनों के बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिनों के उन्नत प्रशिक्षण में भाग लेंगे जो उन्हें आधुनिक उपकरणों, नवीनतम प्रौद्योगिकियों, डिजाइन तत्वों और डिजिटल और वित्तीय कौशल से परिचित कराएगा।
- वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 तक योजना के लिए परिकल्पित बजट ₹ 13,000 करोड़ है।
- कारीगरों और शिल्पकारों के प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद ही उन्हें अपने व्यापार के लिए विशिष्ट आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए ₹15,000 का टूल किट प्रोत्साहन मिलेगा ।
- उन्हें अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए लगभग 8% की कम ब्याज दरों पर ₹1 लाख तक का संपार्श्विक-मुक्त ऋण और अतिरिक्त ₹2 लाख भी प्राप्त होंगे।

9.10. अटल पेंशन योजना

- इसके तहत कुल **नामांकन 6 करोड़ को पार कर गया है** , **चालू वित्तीय वर्ष में 79 लाख से अधिक नामांकन हुए हैं** ।

अटल पेंशन योजना के बारे में

- **2015 में लॉन्च की गई APY,** भारत सरकार की एक **प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना है।**
- इसका उद्देश्य **गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने** के साथ **भारतीय नागरिकों को वृद्धावस्था आय सुरक्षा प्रदान करना है ।**
- APY में शामिल होने की न्यूनतम **आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष है।**
- APY के तहत, **ग्राहक तीन गुना लाभ पाने के पात्र हैं-**
  - ✓ **60 वर्ष की आयु** से **1000 रुपये से 5000 रुपये तक की** आजीवन मासिक पेंशन , उनके योगदान पर निर्भर करती है, जो **एपीवाई में शामिल होने की आयु के आधार पर अलग-अलग होगी।**
    - ➢ तदनुसार, **प्रति माह सदस्यता राशि वर्तमान में चुने गए विकल्प के आधार पर 42 रुपये से 1,454 रुपये तक** भिन्न होती है।
  - ✓ **ग्राहक की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी को भी उतनी ही पेंशन का भुगतान किया जाएगा** ।
  - ✓ **ग्राहक और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु** पर , **ग्राहक की 60 वर्ष की आयु तक जमा की गई पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को वापस कर दी जाएगी।**

9.11. अटल पेंशन योजना

- इसके तहत कुल **नामांकन 6 करोड़ को पार कर गया है** , **चालू वित्तीय वर्ष में 79 लाख से अधिक नामांकन हुए हैं** ।

अटल पेंशन योजना के बारे में

- **2015 में लॉन्च की गई APY,** भारत सरकार की एक **प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना है।**
- इसका उद्देश्य **गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने** के साथ **भारतीय नागरिकों को वृद्धावस्था आय सुरक्षा प्रदान करना है ।**
- APY में शामिल होने की न्यूनतम **आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष है।**
- APY के तहत, **ग्राहक तीन गुना लाभ पाने के पात्र हैं-**
  - ✓ **60 वर्ष की आयु** से **1000 रुपये से 5000 रुपये तक की** आजीवन मासिक पेंशन , उनके योगदान पर निर्भर करती है, जो **एपीवाई में शामिल होने की आयु के आधार पर अलग-अलग होगी।**
    - ➢ तदनुसार, **प्रति माह सदस्यता राशि वर्तमान में चुने गए विकल्प के आधार पर 42 रुपये से 1,454 रुपये तक** भिन्न होती है।
  - ✓ **ग्राहक की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी को भी उतनी ही पेंशन का भुगतान किया जाएगा** ।
  - ✓ **ग्राहक और पति या पत्नी दोनों की मृत्यु** पर , **ग्राहक की 60 वर्ष की आयु तक जमा की गई पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को वापस कर दी जाएगी।**

9.12. RAMP के अंतर्गत नई उप-योजनाएँ

- केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय ने RAMP **कार्यक्रम के तत्वावधान में तीन उप-योजनाएँ** शुरू की हैं ।
- ये हैं-
  - ✓ पहली योजना - **एमएसएमई हरित निवेश और परिवर्तन के लिए वित्तपोषण योजना (एमएसएमई उपहार योजना) का** उद्देश्य **एमएसएमई को ब्याज छूट और क्रेडिट गारंटी समर्थन के साथ हरित प्रौद्योगिकी अपनाने में मदद करना है।**
  - ✓ **सर्कुलर इकोनॉमी में संवर्धन और निवेश के लिए एमएसई योजना (एमएसई स्पाइस स्कीम)** सर्कुलर **इकोनॉमी परियोजनाओं का समर्थन करने वाली सरकार की पहली योजना** है जो **क्रेडिट सब्सिडी के माध्यम से की जाएगी और 2070 तक शून्य उत्सर्जन की** दिशा में **एमएसएमई क्षेत्र के सपने को साकार करेगी । .**
  - ✓ **विलंबित भुगतान के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान पर एमएसई योजना** सूक्ष्म **और लघु उद्यमों के लिए विलंबित भुगतान की घटनाओं को** संबोधित करने के लिए **आधुनिक आईटी टूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कानूनी समर्थन को समन्वित करने वाली** अपनी तरह की पहली **योजना है** ।
- कार्यान्वयन एजेंसियां-
  - ✓ **सिडबी** (एमएसएमई गिफ्ट और एमएसएमई स्पाइस योजनाओं के लिए) और
  - ✓ एमएसई ओडीआर योजना के लिए **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सेवा इंक (एनआईसीएसआई के लिए) ।**

RAMP कार्यक्रम के बारे में

- **एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाना और तेज करना (RAMP)** कार्यक्रम **एमएसएमई के लिए एक विश्व बैंक समर्थित केंद्रीय क्षेत्र योजना है।**
- इसका लक्ष्य है

- ✓ **बाजार और ऋण तक पहुंच में सुधार** ,
- ✓ **केंद्र और राज्य में संस्थानों और शासन को मजबूत करना** ,
- ✓ **केंद्र-राज्य संबंधों और भागीदारी में** सुधार ,

9.13. प्रोजेक्ट प्रयास (PROJECT PRAYAS)

- अंतर्राष्ट्रीय **प्रवासन संगठन (आईओएम) ने भारतीय श्रमिकों और छात्रों के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन की सुविधा** के लिए **प्रोजेक्ट प्रयास** लॉन्च किया ।
- परियोजना, **प्रयास (युवा और कुशल पेशेवरों के लिए नियमित और सहायक प्रवासन को बढ़ावा देना)** , **विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में शुरू की गई थी** ।
- **परियोजना** का उद्देश्य **विदेश मंत्रालय (एमईए) और राज्य सरकारों के सहयोग से** नीतिगत सिफारिशों के माध्यम से **इच्छुक भारतीय प्रवासी श्रमिकों और छात्रों के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन की सुविधा प्रदान करना है , जिससे अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन प्रशासन को मजबूत किया जा सके।**

आईओएम के बारे में

- आईओएम एक **संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो मानवीय और व्यवस्थित प्रवासन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।**
- स्थापना- **1951**
- **मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड**
- आईओएम प्रवासन प्रबंधन के **चार व्यापक क्षेत्रों में काम करता है- प्रवासन और विकास, प्रवासन को सुविधाजनक बनाना, प्रवासन को विनियमित करना और जबरन प्रवासन।**
- भारत सहित इसके **175 सदस्य देश हैं।**

9.14. पालना योजना

- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का लक्ष्य देश भर के आंगनवाड़ी **केंद्रों में 17,000 शिशु गृह स्थापित करने का है, जिनमें से अब तक 5,222 को मंजूरी दी जा चुकी है।**
  - ✓ मंत्रालय **आंगनबाड़ियों में मौजूदा कर्मचारियों के साथ दो अतिरिक्त शिशु गृह कार्यकर्ताओं को तैनात करने की भी योजना बना रहा है ।**
- **ये पहल ' पालना ' योजना के तहत की जा रही है.**

पालना योजना के बारे में

- पूर्ववर्ती **राष्ट्रीय शिशु गृह योजना को पुनर्गठित किया** गया है **और 'मिशन शक्ति' की उपयोजना 'सामर्थ्य'** के तहत इसका नाम बदलकर **पालना योजना कर दिया गया है।**
- **योजना** का उद्देश्य बच्चों के पोषण, **स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक विकास के लिए एक सुरक्षित वातावरण** प्रदान करके कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए **गुणवत्तापूर्ण डे-केयर सुविधाओं/शिशु गृह की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करना है** ।
- इस प्रकार इसका उद्देश्य **संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में सभी सामाजिक-आर्थिक समूहों में अधिक महिलाओं को लाभकारी रोजगार लेने में सक्षम बनाना है** , भले ही उनकी रोजगार की स्थिति कुछ भी हो।

- **उद्देश्य**
  - ✓ समुदाय में कामकाजी माताओं के बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष) के लिए डे-केयर सुविधाएं प्रदान करना।
  - ✓ बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना।
  - ✓ विकास (समग्र विकास) को बढ़ावा देना ।
  - ✓ बच्चों की बेहतर देखभाल के लिए माता-पिता/देखभाल करने वालों को शिक्षित और सशक्त बनाना।
- यह योजना दो प्रकार के शिशु गृह पर केंद्रित है
  - ✓ **आंगनवाड़ी-सह-शिशु गृह केंद्र** : ये केंद्र **मौजूदा आंगनवाड़ी सेवाओं को समर्पित** शिशु गृह **सुविधाओं के साथ जोड़ते हैं** । इस दृष्टिकोण का उद्देश्य एक सुविधाजनक स्थान पर माताओं और बच्चों दोनों की जरूरतों को समग्र रूप से संबोधित करना है।
  - ✓ **स्टैंड-अलोन शिशु गृह** : जो शिशु गृह **पूर्ववर्ती राष्ट्रीय शिशु गृह योजना के तहत चल रहे थे** , उन्हें स्टैंड अलोन शिशु गृह के रूप में शामिल किया गया है।

9.15. पीएम-डिवाइन

- **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) ने उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम- डिवाइन)** के इष्टतम कार्यान्वयन के लिए **क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्रियों** के साथ एक बैठक बुलाई ।

पीएम-डिवाइन के बारे में

- इस योजना की **घोषणा 2022-23 के केंद्रीय बजट में ₹1,500 करोड़ के प्रारंभिक आवंटन** के साथ की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य " **राज्यों की महसूस की गई जरूरतों के आधार पर बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं को वित्तपोषित करके"** पूर्वोत्तर **क्षेत्र** का " **तेजी से और समग्र विकास करना" है ।**
- यह विभिन्न क्षेत्रों में अंतराल को भरने का प्रयास करेगा और **मौजूदा केंद्रीय और राज्य योजनाओं का विकल्प नहीं बनेगा।**
- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना है** , जिसमें **100% केंद्रीय वित्त पोषण है** ।
- **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर)** द्वारा **उत्तर पूर्वी परिषद या केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों या राज्य सरकार की एजेंसियों के** माध्यम से कार्यान्वित किया गया।
- **पीएम - डिवाइन योजना** परियोजनाओं के लिए परिभाषित समय **सीमा मंजूरी के लिए 2023-24 और पूरा होने के लिए 2025-26 है।**

9.16. FAME- II योजना

- संसदीय **स्थायी समिति ने** सिफारिश की है कि **केंद्र को इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (FAME) - II योजना की समय सीमा कम से कम तीन साल और बढ़ानी** चाहिए **।**

फेम II योजना के बारे में

- योजना का मुख्य **उद्देश्य इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों की खरीद पर अग्रिम प्रोत्साहन देना और अधिक चार्जिंग स्टेशन जोड़ना है।**
- कार्यान्वयन एजेंसी - भारी उद्योग **विभाग , भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय।**
- इसकी समय **सीमा 31 मार्च, 2024 है** , जिसका **बजट परिव्यय 10,000 करोड़ रुपये है** ।

- इस चरण का लक्ष्य **7000 इलेक्ट्रिक बसों, 5 लाख इलेक्ट्रिक 3 व्हीलर, 55000 इलेक्ट्रिक -4 व्हीलर यात्री कारों (मजबूत हाइब्रिड सहित)** और **10 लाख इलेक्ट्रिक -2 व्हीलर को समर्थन देकर मांग उत्पन्न करना है।**
- योजना मुख्य रूप से सार्वजनिक परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले या **इलेक्ट्रिक -3 व्हीलर इलेक्ट्रिक -4 व्हीलर और ई-बस खंडों** में **वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए पंजीकृत वाहनों पर** लागू होगी ।
  - ✓ हालाँकि, **निजी स्वामित्व वाली पंजीकृत इलेक्ट्रिक -2 व्हीलर भी एक बड़े खंड के रूप में योजना के अंतर्गत शामिल हैं।**

प्रसिद्धि के बारे में।

- के **चरण- I को मार्च 2015 में मंजूरी दी गई थी** ।
- कई बार विस्तार के बाद, **895 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ समय सीमा 31 मार्च, 2019 तक बढ़ा दी गई।**
- इस योजना के **चार फोकस क्षेत्र थे - प्रौद्योगिकी विकास, मांग निर्माण, पायलट परियोजना** और **चार्जिंग बुनियादी ढांचा।**

9.17. मिशन कर्मयोगी

- **कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने** मिशन कर्मयोगी का **विस्तारित संस्करण** लॉन्च किया है ।

मिशन कर्मयोगी के बारे में

- मिशन कर्मयोगी **(नेशनल प्रोग्राम फॉर सिविल सर्विसेज कैपेसिटी बिल्डिंग)** का उद्देश्य **नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप सही दृष्टिकोण** , **कौशल** (प्रौद्योगिकी सक्षम) और ज्ञान के साथ भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा का निर्माण करना है।
- **"ऑफ-साइट लर्निंग" के पूरक में 'ऑन-साइट लर्निंग' पर अधिक ध्यान दिया** जाएगा ।
- छह प्रमुख स्तंभ
  - ✓ **नीतिगत ढांचा,**
  - ✓ **संस्थागत ढांचा,**
  - ✓ **योग्यता ढांचा,**
  - ✓ **डिजिटल लर्निंग फ्रेमवर्क (आईजीओटी-कर्मयोगी),**
  - ✓ **इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (ई-एचआरएमएस)** और
  - ✓ **निगरानी और मूल्यांकन ढांचा।**
- कर्मयोगी प्लैटफ़ॉर्म पर नई सुविधाएँ लॉन्च की गईं
- **My iGOT व्यक्तिगत अधिकारी के होम पेज पर लक्षित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** प्रदान करता है जो सीधे **उनके मंत्रालयों/विभागों के लिए क्षमता-निर्माण योजना में पहचाने गए अधिकारी की** अद्वितीय **क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को संबोधित करता है।**
- आईजीओटी-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर **मिश्रित कार्यक्रम** अधिकारियों की गतिशील प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए **सभी स्तरों पर प्रशिक्षण पद्धतियों तक समान पहुंच की सुविधा प्रदान करेंगे।**
- **iGOT पर क्यूरेटेड प्रोग्राम कर्मयोगी को मंत्रालयों/विभागों और प्रशिक्षण संस्थानों की विविध शिक्षण आवश्यकताओं को** पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।
- **12 डोमेन विशिष्ट क्षमता निर्माण ई-लर्निंग पाठ्यक्रम** विकसित किए गए हैं
- **विकास (वेरिएबल एंड इमर्सिव कर्मयोगी एडवांस्ड सपोर्ट)** एक नया मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम है जो केंद्रीय सचिवालय में मध्य प्रबंधन सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण के लिए है।

9.18. पीएम-जनमन

- **जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने प्रधान मंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)** के लिए एक **सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान शुरू किया है।**
- व्यापक **आईईसी अभियान शुरू में 100 जिलों में** शुरू हुआ है , जिसमें **18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लगभग 500 ब्लॉक और 15,000 पीवीटीजी बस्तियां शामिल हैं।**
- अभियान अवधि के दौरान, **आधार कार्ड, सामुदायिक प्रमाण पत्र और जन धन खाते** प्रदान किए जाएंगे क्योंकि ये अन्य योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड आदि जारी करने **के लिए बुनियादी आवश्यकताएं हैं।**

PVTGs के बारे में

- 1960-61 में, **ढेबर आयोग ने अनुसूचित जनजातियों के बीच असमानताओं** की पहचान की , जिसके परिणामस्वरूप **1973 में "आदिम जनजातीय समूह" (पीटीजी) श्रेणी का निर्माण हुआ** ।
  - ✓ **2006** में , इस **श्रेणी का नाम बदलकर विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) कर दिया गया।**
- शुरुआत में **52 समूहों की पहचान करते हुए** , **श्रेणी का विस्तार किया गया और इसमें भारत के 18 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 22,544 गांवों के 75 समूहों को शामिल किया गया** , जिसमें कुल मिलाकर लगभग **28 लाख लोग शामिल थे** ।
- **मुख्य रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में** रहने वाले इन समूहों की विशेषता **कृषि -पूर्व जीवनशैली, कम साक्षरता, छोटी या स्थिर आबादी और निर्वाह अर्थव्यवस्थाएं हैं।**
- पीवीटीजी अपने **अलगाव, कम जनसंख्या और विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के** कारण **गंभीर रूप से हाशिए पर हैं।**

पीएम-जनमन के बारे में

- पीएम जनमन का **उद्देश्य पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी** बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है।
- इसके अलावा, **प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई), सिकल सेल रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, 100% टीकाकरण , पीएम पोषण, पीएम जन धन योजना आदि जैसी योजनाओं के लिए भी संतृप्ति** सुनिश्चित की जाएगी ।
- यह पहल **भारत के 2022-23 के केंद्रीय बजट में घोषित प्रधान मंत्री-पीवीटीजी विकास मिशन का हिस्सा है, जिसमें उन्हें विकसित करने के लिए तीन वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।**
- **यह** योजना 9 मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित की **जाएगी जिसमें जनजातीय मामलों का मंत्रालय प्रमुख भूमिका निभाएगा**

9.19. भारतमाला

- सरकार **ने प्रमुख राजमार्ग विकास परियोजना भारतमाला चरण- I को पूरा करने की समय सीमा मूल अनुसूची से पूरे छह साल** बढ़ाकर 2027-28 **तक** कर दी है।
- यह **कदम मेगा परियोजना की अनुमानित लागत में 100%** से अधिक की वृद्धि के बाद लगभग 11 ट्रिलियन रुपये है, और कार्यान्वयन की धीमी गति और वित्तीय बाधाओं को दर्शाता है।
- अब तक लगभग **26,418 किमी राजमार्ग खंड - 34,800 किमी की कुल लंबाई का 76% - आवंटित किया जा चुका है।**

- नवंबर के अंत तक **15,045 किमी या 42% परियोजना पूरी हो चुकी है।**

विवरण

- भारतमाला परियोजना **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा परिकल्पित राजमार्ग क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्यक्रम** है ।
- भारतमाला के पहले चरण की **घोषणा 2017 में की गई** थी और **इसे 2022 तक पूरा किया जाना था।**
- **पहले चरण** में **34,800 किमी हाईवे बनाने की योजना है** ।

भारतमाला परियोजना के घटक:

- **आर्थिक गलियारा** - केंद्र सरकार की सड़क निर्माण परियोजना के दिशानिर्देशों के अनुसार 9000 किमी लंबे आर्थिक गलियारे बनाने की योजना है।
- **फीडर रूट या इंटर कॉरिडोर** - 6000 किमी लंबी सड़कें फीडर रूट या इंटर कॉरिडोर श्रेणी में आती हैं।
- **राष्ट्रीय गलियारा दक्षता में सुधार** - यह योजना सड़कों के बीच बेहतर अंतर-संपर्क के लिए राष्ट्रीय गलियारे की श्रेणी के तहत 5000 किमी सड़कों के निर्माण की कल्पना करती है।
- **सीमा सड़क और अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी** - इस परियोजना का लक्ष्य सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए सीमा सड़क या अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी श्रेणी में आने वाली 2000 किमी सड़कों का निर्माण करना है।
- **बंदरगाह कनेक्टिविटी और तटीय सड़क** - केंद्र सरकार ने तटरेखाओं और महत्वपूर्ण बंदरगाहों के साथ क्षेत्रों को जोड़ने के लिए 2000 किमी सड़कों का निर्माण अनिवार्य किया है।
- **ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे** - यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण और विकास पर प्रमुख जोर देती है।
- **शेष एनएचडीपी कार्य** - परियोजना के अंतिम खंड के तहत लगभग 10,000 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण और रखरखाव किया जाएगा।

9.20. 6 नए समर्थ कार्यक्रम SAMARTH PROGRAMS

- **कर्मयोगी भारत ने नीति आयोग** के सहयोग से **आईजीओटी पर 6 समर्थ क्यूरेटेड प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं** । **राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए कर्मयोगी मंच।**
- **ये कार्यक्रम हैं** - 1) समर्थ ब्लॉक, 2) समर्थ जिला, 3) समर्थ राज्य, 4) समर्थ राज्य सचिव, 5) समर्थ नीति, और 6) समर्थ खरीद।
- इन कार्यक्रमों का **उद्देश्य सरकारी अधिकारियों के कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना है** , यह सुनिश्चित करना है कि वे **शासन की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।**

IGOT कर्मयोगी के बारे में

- यह **सरकारी अधिकारियों को उनकी क्षमता-निर्माण यात्रा में मार्गदर्शन करने** के लिए **एक व्यापक ऑनलाइन शिक्षण मंच है** ।
- पोर्टल **ऑनलाइन शिक्षण, योग्यता प्रबंधन, कैरियर प्रबंधन, चर्चा, कार्यक्रम और नेटवर्किंग के लिए छह कार्यात्मक केंद्रों को जोड़ता है** ।
- सरकारी स्पेक्ट्रम से **28 लाख से अधिक शिक्षार्थी 840 से अधिक पाठ्यक्रमों तक पहुंच के साथ आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं ।**

10. सूचकांक और रिपोर्ट

10.1. 'सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण के लिए एक आह्वान' रिपोर्ट

- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO**) द्वारा हाल ही में **'सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण के लिए एक कॉल' रिपोर्ट जारी की गई।**
- **सिडनी, ऑस्ट्रेलिया** में **कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य पर 23** वी विश्व कांग्रेस इस पर चर्चा की गई ।

प्रमुख निष्कर्ष

- **काम से संबंधित दुर्घटनाओं और बीमारियों के कारण हर साल विश्व स्तर पर** लगभग 30 लाख श्रमिकों की मृत्यु हो जाती है।
- इनमे से 63 % अधिक **मौतें एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दर्ज की गई हैं।**
- **2019** में , **काम से संबंधित मौतें बढ़कर 2.93 मिलियन हो गईं, जो 2000 से 12% अधिक है।**
- **काम से संबंधित** अधिकांश मौतें काम से संबंधित बीमारियों जैसे **संचार और श्वसन संबंधी बीमारियों के कारण** होती हैं।
- **लंबे समय तक काम करने के घंटे (प्रति सप्ताह 55 घंटे या उससे अधिक) का जोखिम** जो **सबसे बड़ा "हत्यारा" था,** 2016 में लगभग 7.45 लाख लोग इस जोखिम से मर गए, **इसके बाद व्यावसायिक कणों, गैसों और धुएं** (4.5 लाख मौतें) और **व्यावसायिक के संपर्क में आए चोटें** (3.63 लाख मौतें)।

चुनौतियाँ शामिल हैं

- **श्रमिकों की जनसांख्यिकी में परिवर्तन** , जैसे कि **उम्र, लिंग और प्रवासन, व्यावसायिक सुरक्षा को प्रभावित करते हैं।**
- **अनौपचारिक अर्थव्यवस्था** में श्रमिकों को **पर्याप्त कानूनी और सामाजिक सुरक्षा का** अभाव है ।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **अब तक 187 सदस्य देशों में से 79 देशों ने ILO व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कन्वेंशन (नंबर 155) को मंजूरी दे दी है** , **जबकि** 62 **देशों ने व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कन्वेंशन, 2006 (नंबर 187) के लिए प्रमोशनल फ्रेमवर्क की पुष्टि की है** ।
    a. **भारत ने दोनों सम्मेलनों का अनुमोदन नहीं किया है** ।

सिफारिशों

- रिपोर्ट में **कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए "कार्यस्थल पर मौलिक सिद्धांत और अधिकार" की पांच श्रेणियों की सिफारिश की गई है।**
- ये हैं
    - **संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार की प्रभावी मान्यता,**
    - **सभी प्रकार के जबरन या अनिवार्य श्रम का उन्मूलन ,**
    - **श्रम का उन्मूलन ,**
    - **रोजगार और व्यवसाय के संबंध में भेदभाव का उन्मूलन, और**
    - **एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण।**

ILO के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) **सरकार, नियोक्ता और श्रमिक प्रतिनिधियों वाली एकमात्र त्रिपक्षीय संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है।**
- इसकी **स्थापना 1919 में वर्साय की संधि** द्वारा **राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में की गई थी।**
- यह **1946 में संयुक्त राष्ट्र की पहली संबद्ध विशेष एजेंसी बन गई।**
- यह **अच्छे रोजगार के अवसरों और काम से संबंधित मुद्दों को प्रोत्साहित करता है।**

- **मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड।**
- **1969 में नोबेल शांति पुरस्कार** भी मिला।

10.2. वैश्विक सूखा स्नैपशॉट 2023

- **मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीसीडी) ने दुबई** में **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के लिए पार्टियों के** 28 वे सम्मलेन की शुरुआत में **वैश्विक सूखा स्नैपशॉट** जारी किया है ।
- यह **यूएनसीसीडी की 101 पार्टियों की रिपोर्टिंग के आधार पर जीवन, अर्थव्यवस्था और विभिन्न क्षेत्रों पर सूखे के विनाशकारी परिणामों को उजागर करता है।**

प्रमुख निष्कर्ष

- इससे पता चलता है कि **केवल कुछ ही खतरे अधिक जिंदगियों का दावा करते हैं, अधिक आर्थिक नुकसान का कारण बनते हैं, और सूखे की तुलना में** समाज के अधिक क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं ।
- **1.84 अरब लोग सूखे से पीड़ित हैं** और विश्व बैंक के अनुसार , **उनमें से 85% निम्न या मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं।**
  - ✓ **इस आबादी का 4.7 प्रतिशत हिस्सा गंभीर या अत्यधिक सूखे** की चपेट में था ।
- पुरुषों की तुलना में **महिलाओं और बच्चों की जलवायु जनित आपदाओं से मरने की संभावना 14 गुना अधिक है।**
- सूखे की गंभीरता के कारण **23 देशों (भारत सहित) में राष्ट्रीय या उप-राष्ट्रीय स्तर पर आपातकालीन घोषणाएँ की गईं।**
  - ✓ **यूरोप को सबसे अधिक संख्या में घोषणाओं का** सामना करना पड़ा , स्पेन, इटली और यूनाइटेड किंगडम ने 2023 में आपात स्थिति की घोषणा की।
- **मानवजनित कारक लगातार और अत्यधिक सूखे का कारण बन रहे हैं** ।
- **2023 ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है जब 17 नवंबर, 2023 को दुनिया ने 2 डिग्री सेल्सियस तापमान को पार कर लिया था।**

यूएनसीसीडी के बारे में

- यूएनसीसीडी **1992 में रियो डी जनेरियो में हुए पृथ्वी शिखर सम्मेलन** में **शुरू किए गए तीन सम्मेलनों में से एक है।**
- यूएनसीसीडी **भूमि, जलवायु और जैव विविधता की परस्पर जुड़ी चुनौतियों का** समाधान करने के लिए **अन्य दो रियो सम्मेलनों के साथ काम करता है ।**
- **ये हैं-**
  - ✓ **जैविक विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी)**
  - ✓ **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी)**

> **2006** को "अंतर्राष्ट्रीय रेगिस्तान और मरुस्थलीकरण वर्ष" घोषित किया गया था।

- इसकी **स्थापना 1994 में हुई थी.**
- यह **पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से** जोड़ने **वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।**
- यह **राष्ट्रीय सरकारों को मरुस्थलीकरण के मुद्दे से निपटने के लिए उपाय** करने के लिए बाध्य करता है ।
- यह **विशेष रूप से शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों को संबोधित करता है** , जिन्हें **शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है** , जो कुछ **सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र और आबादी को आश्रय देते हैं** ।

- यह **स्थानीय समुदायों को शामिल करके अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नीचे से ऊपर की ओर दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।**

10.3. गतिशील भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट 2023

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2023 के लिए पूरे देश के लिए गतिशील **भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट जारी की।**
- मूल्यांकन **केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था , जिसका उपयोग विभिन्न** हितधारकों द्वारा उपयुक्त हस्तक्षेप करने के लिए किया जा सकता है ।
  - ✓ **पिछले ऐसे आकलन 1980, 1995, 2004, 2009, 2011, 2013, 2017, 2020 और 2022** में किए गए थे , **जिसमें देश के जल संसाधनों की नियमित निगरानी और प्रबंधन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर** जोर दिया गया था ।

प्रमुख निष्कर्ष

- 2023 की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, **पूरे देश में कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 449.08 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है** , जो **पिछले वर्ष (2022) की तुलना में 11.48 बीसीएम की वृद्धि दर्शाता है।**
  - ✓ इस **वृद्धि को मुख्य रूप से नहर के रिसाव** , **सिंचाई जल के वापसी प्रवाह** और **जल निकायों/टैंकों** और **जल संरक्षण संरचनाओं से पुनर्भरण में वृद्धि** के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है ।
- **पूरे देश में वार्षिक भूजल दोहन 241.34 बीसीएम है** ।
- **भूजल दोहन का स्तर 59.23%** है ।
- **कुल 6553 मूल्यांकन इकाइयों में से 4793 इकाइयों को 'सुरक्षित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
- इसके अलावा, **देश की कुल 6553 मूल्यांकन इकाइयों में से** 736 **इकाइयों को 'अति-शोषित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
  - ✓ रिपोर्ट **'अति-शोषित' इकाइयों की संख्या में कमी पर प्रकाश डालती है** , जो टिकाऊ जल प्रबंधन प्रथाओं में सकारात्मक प्रगति का संकेत देती है।

भारत में अपराध रिपोर्ट 2022

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने **वर्ष 2022 के लिए भारत में अपराध पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की।**
- रिपोर्ट **देश भर से रिपोर्ट किए गए अपराध पर डेटा का संकलन है, और अपराध पंजीकरण में व्यापक रुझानों की बड़ी तस्वीर प्रदान करती है।**
- रिपोर्ट में **महिलाओं के खिलाफ अपराधों से लेकर आर्थिक और वित्तीय अपराधों तक के आंकड़े शामिल हैं।**

प्रमुख निष्कर्ष

- कुल **58,24,946 संज्ञेय अपराध** दर्ज किए गए, जो दूसरे महामारी वर्ष, 2021 की तुलना में मामलों के पंजीकरण में 4.5% की गिरावट दिखाते हैं।
- **अपराध दर, या प्रति लाख आबादी पर दर्ज अपराध,** 2021 में 445.9 से घटकर 2022 में 422.2 **हो गए हैं**।
  - ✓ इसे एक बेहतर संकेतक के रूप में देखा जाता है, क्योंकि जनसंख्या बढ़ने के साथ अपराध पर पूर्ण संख्या बढ़ जाती है।
- 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध **के 4,45,256 मामले** दर्ज किए गए। यह **2021 की संख्या की तुलना में 4% की वृद्धि थी।**
  - ✓ **महिलाओं के खिलाफ अपराध** के **अधिकांश मामले** 'पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4%) के तहत **दर्ज किए गए थे।**

- **2021 की तुलना में बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामलों** में 8.7% की **वृद्धि देखी गई।**
- **साइबर अपराध की रिपोर्टिंग** 2021 की तुलना में 24.4 प्रतिशत अंक बढ़कर 65,893 मामले हो गई।
- **2021 की तुलना में 2022 के दौरान दर्ज की गई आत्महत्याओं** (1,70,924 आत्महत्याओं) में 4.2% की वृद्धि देखी गई।

NCRB के बारे में

- टंडन समिति, राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) **और गृह मंत्रालय (एमएचए) टास्कफोर्स (1985) की सिफारिशों के** आधार पर **अपराध को अपराधियों से जोड़ने में जांचकर्ताओं की सहायता के लिए** अपराध और अपराधियों पर जानकारी के भंडार के रूप में कार्य **करने के** लिए **1986 में स्थापित।**
- यह **गृह मंत्रालय के दायरे में है** और **इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।**
- यह भारतीय और विदेशी अपराधियों के फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड के लिए "**राष्ट्रीय भण्डार गृह**" **के रूप में भी कार्य करता है**, और **फिंगरप्रिंट खोज के माध्यम से अंतरराज्यीय अपराधियों का पता लगाने में सहायता करता है।**
- NCRB के **चार डिवीजन हैं**-
  - ✓ **अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (CCTNS),**
  - ✓ **अपराध के आंकड़े,**
  - ✓ **फिंगर प्रिंट,** और
  - ✓ **प्रशिक्षण।**

10.4. ग्लोबल कूलिंग वॉच रिपोर्ट 2023

- **ग्लोबल कूलिंग वॉच रिपोर्ट , कीपिंग इट चिल: उत्सर्जन में कटौती करते हुए कूलिंग मांगों को कैसे पूरा करें - संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व वाले कूल गठबंधन** द्वारा जारी की गई थी ।
- यह रिपोर्ट **ग्लोबल कूलिंग प्लेज के समर्थन में जारी की गई है, जो COP28 के मेजबान के रूप में संयुक्त अरब अमीरात और कूल गठबंधन के** बीच एक संयुक्त पहल है ।
  - ✓ से अधिक **देशों ने शीतलन क्षेत्र के जलवायु प्रभाव को कम करने की प्रतिबद्धता के साथ प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर किए।**
- शीतलन क्षेत्र **बिजली के उपयोग का 20 प्रतिशत हिस्सा है** और **बढ़ते तापमान से निपटने, भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ टीकों को स्थिर रखने और अर्थव्यवस्थाओं को उत्पादक बनाए रखने के लिए आवश्यक है।**

प्रमुख निष्कर्ष

- **वैश्विक शीतलन-संबंधी GHG उत्सर्जन का 82% G20 देशों** से आया ।
- शीतलन के वर्तमान दृष्टिकोण के तहत, **विश्व स्तर पर शीतलन उपकरणों की स्थापित क्षमता अब से 2050 के बीच तीन गुना हो जाएगी।**
  - ✓ परिणामी **उत्सर्जन 2050 में 4.4 बिलियन से 6.1 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (CO2e) के बीच हो सकता है** ।
- वर्तमान में, **भारत** सहित **40 से अधिक देशों ने नेशनल कूलिंग एक्शन प्लान (एनसीएपी) विकसित किया है** ।

सिफारिशों

- नई **प्रस्तावित कार्य** योजनाओं में **निष्क्रिय शीतलन** (जैसे ठंडी छतें, वेंटिलेशन और प्रकृति को शहरों में वापस लाना), **उच्च ऊर्जा दक्षता मानक** और **जलवायु-वार्मिंग रेफ्रिजरेंट और एयर कंडीशनिंग को तेजी से चरणबद्ध करना शामिल है।**

- इन उपायों के साथ सही कूलिंग प्राप्त करने से **अनुमानित 2050 क्षेत्रीय उत्सर्जन में कम से कम 60 प्रतिशत की कटौती होगी** , जीवन रक्षक कूलिंग तक पहुंच बढ़ेगी, ऊर्जा ग्रिड पर दबाव कम होगा और **2050 तक खरबों की बचत होगी।**

इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (आईसीएपी) के तहत लक्ष्य

- **2019** में लॉन्च किया गया , ICAP का लक्ष्य है
  - ✓ **2037-38 तक विभिन्न क्षेत्रों में कूलिंग मांग को 20% से 25% तक** कम करें , और
  - ✓ **2037-38 तक रेफ्रिजरेंट की मांग को 25% से 30% तक** कम करें ।
  - ✓ **2037-38 तक शीतलन ऊर्जा आवश्यकताओं को 25% से 40% तक** कम करें
  - ✓ **राष्ट्रीय एस एंड टी कार्यक्रम के तहत अनुसंधान के** एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में **'शीतलन और संबंधित क्षेत्रों'** को पहचानें **।**

10.5. जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई)

- **जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) हाल ही में दुबई में आयोजित वैश्विक COP-28** में जारी किया गया ।

प्रमुख निष्कर्ष

- शीर्ष **तीन स्थान खाली हैं** क्योंकि **एक भी मूल्यांकन किए गए देश ने 1.5 डिग्री की सीमा** के अनुरूप **कार्रवाई नहीं की है** ।
- डेनमार्क **फिर से सूचकांक में शीर्ष पर (चौथा) है, उसके बाद एस्टोनिया और फिलीपींस (5वें और 6वें) हैं।**
- सबसे **बड़ा उत्सर्जक चीन 51वें स्थान** पर बना हुआ है , जबकि **अमेरिका पिछले साल से पांच स्थान नीचे (अब 57वां) आ गया है** ।
- मेजबान **, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ईरान और सऊदी अरब निचली तिकड़ी (65वें से 67वें स्थान पर) बनाते हैं।**

भारत विशिष्ट निष्कर्ष

- **भारत इस वर्ष के जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) में 7** वे स्थान पर पहुंच गया है , जो अपनी पिछली रैंकिंग से सराहनीय सुधार दर्शाता है।
- मुख्य **आकर्षण नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के असाधारण प्रदर्शन, साथी विकासशील देशों को पछाड़ने** और **शीर्ष स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने पर है** ।
- **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन श्रेणी में** देश की प्रगति स्पष्ट है ,जो **उत्सर्जन के निम्न स्तर** और **न्यूनतम यात्रा-संबंधी प्रभाव से चिह्नित है।**
- **हालाँकि, जीवाश्म ईंधन पर भारत की भारी निर्भरता के संबंध में एक महत्वपूर्ण अवलोकन सामने आया है**,जिससे **उत्सर्जन दरों में वृद्धि जारी रहने पर इसकी भविष्य की रैंकिंग के बारे में अटकलें लगाई जा सकती हैं।**
- भारत का **प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक औसत का आधा है** , जबकि **चीन के आंकड़े पहले ही विश्व औसत से आगे हैं** ।

सीसीपीआई के बारे में

- **2005 से प्रकाशित** , **जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) जलवायु परिवर्तन से निपटने के देशों के प्रयासों को ट्रैक करता है** ।
- **यह 63 देशों** और **यूरोपीय संघ की** जलवायु शमन प्रगति की **निगरानी करता है** , जो **90% से अधिक वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं।**
- **जर्मनवॉच** , **न्यूक्लाइमेट इंस्टीट्यूट** और **क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क सालाना सूचकांक प्रकाशित करते हैं।**

- **एक स्वतंत्र निगरानी उपकरण के रूप में,** इसका **उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय जलवायु राजनीति में पारदर्शिता बढ़ाना** और **अलग-अलग देशों द्वारा किए गए जलवायु संरक्षण प्रयासों** और प्रगति की तुलना करना संभव बनाना है।

10.6. यह चार श्रेणियों में देशों के प्रदर्शन का आकलन करता है - GHG उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा उपयोग, जलवायु नीति।

खाद्य सुरक्षा पर FAO की रिपोर्ट

- **खाद्य सुरक्षा और पोषण का एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय अवलोकन 2023 - सांख्यिकी और रुझान** रिपोर्ट हाल ही में **संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) द्वारा लॉन्च की गई थी।**

प्रमुख निष्कर्ष

- **दक्षिणी एशिया में सबसे अधिक लोग (1.4 बिलियन)** थे जो **स्वस्थ आहार का खर्च वहन नहीं कर सकते थे।**
- **दुनिया के** लगभग आधे कुपोषित और खाद्य असुरक्षित लोग एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रहते हैं, **किसी भी अन्य उपक्षेत्र की तुलना में दक्षिणी एशिया में** अधिक खाद्य-असुरक्षित लोग हैं।
- पूर्वी एशिया को छोड़कर, **सभी उपक्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में** महिलाओं की स्थिति खाद्य असुरक्षा के मामले में बदतर है।
  - ✓ लगभग **एक-दसवीं महिलाओं को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ता है** , जबकि **लगभग एक-चौथाई को मध्यम खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ता है।**
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **COVID-19 महामारी** और **"5Fs" संकट - भोजन, चारा, ईंधन, उर्वरक और वित्त** - के दौरान इस **क्षेत्र में भयावह आंकड़े देखे गए।**

भारत विशिष्ट निष्कर्ष

- **2020 में 76.2% की** तुलना में 2021 में 74.1% भारतीय **स्वस्थ आहार लेने में असमर्थ** थे ।
- **देश की 16.6% आबादी अल्पपोषित है।**
- **देश के पांच साल से कम उम्र के 31.7% बच्चे अवरुद्ध विकास** से पीड़ित हैं ।
- **वेस्टिंग (ऊंचाई के मुकाबले कम वजन)** के मामले में , **भारत में 18.7% बच्चों के साथ इस क्षेत्र में उच्चतम दर** दर्ज की गई है ।
- **पांच साल से कम उम्र के 2.8% बच्चे अधिक वजन वाले थे** , जो एक और स्वास्थ्य जोखिम था।
- **देश की 15 से 49 वर्ष** की आयु की 53% महिलाओं में **एनीमिया** था ।

10.7. सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2023

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा** हाल ही में **सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2023 जारी की गई।**

प्रमुख निष्कर्ष

- सड़क यातायात **मौतें** 2010 और 2021 के बीच **दुनिया भर में प्रतिवर्ष 5% की गिरावट के साथ 1.19 मिलियन मौतें हुईं , जिसमें 108 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों ने गिरावट दर्ज की।**
  - ✓ **हालाँकि, भारत में मृत्यु दर में 15% की वृद्धि दर्ज की गई।**
  - ✓ भारत में, **सड़क यातायात में होने वाली मौतों की कुल संख्या 2010 में 1.34 लाख से बढ़कर 2021 में 1.54 लाख हो गई** ।

- **दस देश सड़क यातायात से होने वाली मौतों को 50% से अधिक कम करने** में सफल रहे - **बेलारूस, ब्रुनेई दारुस्सलाम, डेनमार्क, जापान, लिथुआनिया, नॉर्वे, रूसी संघ, त्रिनिदाद और टोबैगो, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला।**
- **क्षेत्र के आधार पर**
  - ✓ वैश्विक सड़क यातायात मौतों में से **28% मौतें WHO के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में हुईं** ,
  - ✓ पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में **25% ,**
  - ✓ अफ्रीकी क्षेत्र में **19% ,**
  - ✓ अमेरिका के क्षेत्र में **12% ,**
  - ✓ पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में **11% , और**
  - ✓ यूरोपीय क्षेत्र में **5% ।**

> **2021-2030** को सड़क सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई दशक घोषित किया गया है।

- **सड़क मृत्यु दर 2010 में प्रति 1 लाख लोगों पर 18** से घटकर **2021 में प्रति 1 लाख पर 15 हो गई है** ।
- **प्रति 1 लाख वाहनों पर वार्षिक मृत्यु दर 79 मौतों** से गिरकर **47 मौतों पर आ गई, जो कि 41% की कमी है** ।
- **पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और मोटरसाइकिल चालकों** सहित कमजोर **सड़क उपयोगकर्ताओं की वैश्विक मृत्यु का 50% से अधिक** हिस्सा है , जिसमें **4-पहिया वाहनों पर सवार लोगों का योगदान एक तिहाई है।**

10.8. लीड्स 2023 रिपोर्ट

- **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा हाल ही में "लॉजिस्टिक्स ईज़ अक्रॉस डिफरेंट स्टेट (LEADS) 2023" रिपोर्ट** जारी की गई ।
- LEADS की **कल्पना 2018 में विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक** की तर्ज पर की गई थी।
- जबकि **एलपीआई पूरी तरह से धारणा-आधारित सर्वेक्षणों पर निर्भर करता है** , **लीड्स धारणा के साथ-साथ निष्पक्षता दोनों को शामिल करता है जिससे इस अभ्यास की मजबूती और व्यापकता बढ़ती है।**

रिपोर्ट के बारे में

- **लीड्स वार्षिक अभ्यास का 5वां संस्करण** - लीड्स **2023 रिपोर्ट** , **राज्य/केंद्रशासित प्रदेश स्तर पर लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन में सुधार के बारे में जानकारी प्रदान करता है** ।
- यह **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विभिन्न सुधारों की बढ़ी हुई समग्र हितधारक धारणा और प्रभाव पर प्रकाश डालता है।**
- यह रिपोर्ट **अखिल भारतीय प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित है जिसमें 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 7,300 से अधिक प्रतिक्रियाएं शामिल हैं** । इसके अतिरिक्त, **राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य संघों द्वारा सहायता प्राप्त 750 से अधिक हितधारक परामर्शों ने इस व्यापक मूल्यांकन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।**
- **प्रमुख निष्कर्ष**
  - ✓ राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति के अनुरूप होने के लिए **अपने राज्य लॉजिस्टिक पुलिस को अधिसूचित किया है ।**
  - ✓ इसके अलावा, **16 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने लॉजिस्टिक्स को उद्योग का दर्जा दिया है।**
  - ✓ **पिछले दशक में सरकार** द्वारा निरंतर निवेश प्रोत्साहन के कारण **राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई लगभग 48% बढ़ गई ।**
  - ✓ **पीएम गतिशक्ति , लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक, यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप), जीएसटी जैसे** डिजिटल सुधार वैश्विक स्तर पर भारत की बेहतर रैंकिंग को बढ़ावा दे रहे हैं।

LEADS 2023 से प्रदर्शन की मुख्य बातें-

तटीय समूह	स्थलरुद्ध समूह	उत्तर-पूर्व समूह	केंद्र शासित प्रदेश
अचीवर्स : आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु **फास्ट मूवर्स** : केरल, महाराष्ट्र **आकांक्षी** : गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल	**अचीवर्स**: हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश **फास्ट मूवर्स** : मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड **आकांक्षी** : बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड उत्तर-पूर्व समूह	**अचीवर्स** : असम, सिक्किम, त्रिपुरा **फास्ट मूवर्स** : अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड **आकांक्षी** : मणिपुर, मेघालय, मिजोरम	**अचीवर्स** : चंडीगढ़, दिल्ली **फास्ट मूवर्स** : अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, पुडुचेरी **आकांक्षी** : दमन और दीव/ दादरा और नगर हवेली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख

10.9. प्रवासन एवं विकास संक्षिप्त

- विश्व **बैंक ने** अपना नवीनतम **प्रवासन और विकास संक्षिप्त जारी किया।**

प्रमुख निष्कर्ष

- यह **2023 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में प्रेषण प्रवाह में निरंतर वृद्धि का खुलासा करता है** ,हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में धीमी गति से।
- एलएमआईसी को प्रेषण(रेमिटेंस) 2023 में अनुमानित 3.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल USD669 बिलियन तक पहुंच **गया।**
- लचीले **श्रम बाजारों ने प्रवासियों की घर पैसे भेजने की क्षमता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।**
- **भारत में 2023 में दुनिया में सबसे अधिक 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रेषण प्रवाह** देखा गया ।
    - भारत **के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और मिस्र का स्थान था** ।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका प्रेषण का सबसे बड़ा स्रोत** बना रहा ।
- ऐसी अर्थव्यवस्थाएं जहां प्रेषण प्रवाह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) **के पर्याप्त शेयरों का प्रतिनिधित्व करता है - चालू खाते और राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिए प्रेषण के महत्व पर प्रकाश डालता है - ताजिकिस्तान, टोंगा, समोआ, लेबनान और निकारागुआ हैं।**
- रिपोर्ट **वैश्विक मुद्रास्फीति और कम विकास संभावनाओं** के कारण 2024 में **प्रवासियों के लिए वास्तविक आय में गिरावट के संभावित जोखिम का सुझाव देती है ।**

10.10. 'वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हरित और सतत विकास एजेंडा' रिपोर्ट

- **नीति आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय विकास अनुसंधान केंद्र (आईडीआरसी) और वैश्विक विकास नेटवर्क (जीडीएन) के** साथ साझेदारी में **,'वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हरित और सतत विकास एजेंडा' नामक** एक रिपोर्ट प्रकाशित की ।
- यह **नई दिल्ली में आयोजित G20 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही पर आधारित है जिसमें दुनिया भर के 14 देशों के 40 प्रमुख विशेषज्ञ शामिल हुए थे।**

प्रमुख बिंदु

- इस पर जोर दिया गया पूंजी **जुटाने** , **बेहतर परियोजना कार्यान्वयन** और **टिकाऊ बुनियादी ढांचे को परिसंपत्ति वर्ग बनाने में सुधार के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) की संरचना में सुधार करना** ।
- **हरित विकास को वित्तपोषित करने के लिए अगले दशक में 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की वैश्विक आवश्यकता** है और इसलिए **सार्वजनिक और निजी वित्त दोनों को जुटाने की तत्काल आवश्यकता है।**
- प्रयासों को **प्रभावी हस्तांतरण, समायोजन और प्रशिक्षण नीतियों** के साथ-साथ **व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए।**

10.11. क्यूएस- विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग: स्थिरता 2024

- **क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस)** द्वारा वर्ल्ड **यूनिवर्सिटी रैंकिंग: सस्टेनेबिलिटी 2024** जारी की गई, जिसमें **दुनिया के उन विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया जो सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता में अग्रणी हैं।**
- **क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: सस्टेनेबिलिटी 2024 सूची में टोरंटो विश्वविद्यालय ने** शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद **कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले** और **मैनचेस्टर विश्वविद्यालय ने शीर्ष तीन स्थान** हासिल किए ।
- **शीर्ष 100 सूची में कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय शामिल नहीं था** ।
  - ✓ **दिल्ली विश्वविद्यालय** को **220वां स्थान दिया गया** , **आईआईटी बॉम्बे को 303वां स्थान दिया गया** और **आईआईटी मद्रास को 344वां स्थान दिया गया** । कुल मिलाकर, **भारत के 56 विश्वविद्यालयों ने सूची में जगह बनाई।**

10.12. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट(FINANCIAL STABILITY REPORT)

- **भारतीय रिजर्व बैंक** (RBI) ने हाल ही में अपनी **वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट जारी की।**
- यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता और भारतीय वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन के जोखिमों पर वित्तीय स्थिरता **और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति** के **सामूहिक मूल्यांकन को दर्शाती है।**

प्रमुख झलकियाँ (MAJOR HIGH LIGHTS)

- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (**SCB**) का **पूंजी-से-जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात (CRAR)** और **सामान्य इक्विटी टियर 1 (CET1) अनुपात क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 13.7 प्रतिशत था।**
- **ऋण वृद्धि मजबूत बनी हुई है और जमा वृद्धि में भी तेजी आई है।**
- **क्रेडिट जोखिम** के लिए मैक्रो तनाव परीक्षणों से पता चला है कि **एससीबी के पास पर्याप्त पूंजी बफर हैं** और प्रतिकूल तनाव परिदृश्यों में भी उनका पूंजी अनुपात नियामक न्यूनतम से ऊपर रहेगा।
- **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) क्षेत्र** के **लचीलेपन में सुधार हुआ** है ।

वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) के बारे में

- इसकी **स्थापना 2010 में की गई थी** .

- अध्यक्ष- **वित्त मंत्री**
- इसका उद्देश्य **वित्तीय स्थिरता बनाए रखने, अंतर-नियामक समन्वय को बढ़ाने और वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने** के लिए **तंत्र को मजबूत और संस्थागत बनाना है ।**

11. अंतर्राष्ट्रीय, शिखर सम्मेलन

11.1. नेपाल औपचारिक रूप से समलैंगिक विवाह को पंजीकृत करने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बन गया है

- **नेपाल ने** आधिकारिक तौर पर **अपने उद्घाटन समलैंगिक विवाह को दर्ज किया।**
- **सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नेपाल दक्षिण एशिया में समलैंगिक विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने और पंजीकृत करने वाला पहला देश** बन गया है ।
- **2007** में , **नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही समलैंगिक विवाह की अनुमति दे दी थी, इस रुख को 2015 के संविधान द्वारा और भी मजबूत किया गया है** , जो **स्पष्ट रूप से यौन अभिविन्यास के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।**

11.2. लीडआईटी 2.0/ LEAD IT 2.0

- **पीएम मोदी ने अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टरसन के साथ मिलकर दुबई में आयोजित COP28 वर्ल्ड क्लाइमेट एक्शन समिट के दौरान भारत-स्वीडन उद्योग परिवर्तन साझेदारी की शुरुआत की।**
- यह **पहल लीडरशिप ग्रुप फॉर इंडस्ट्री ट्रांज़िशन (लीडआईटी) 2.0** के **व्यापक ढांचे के तहत शुरू की गई** है , और यह **एक स्थायी और हरित औद्योगिक क्रांति की दिशा में** एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है ।
- दुबई में **COP28** में **लीडआईटी 2.0** के अनावरण में **तीन प्रमुख क्षेत्रों के प्रति गहन प्रतिबद्धता है** -
  - ✓ **समावेशी और न्यायपूर्ण उद्योग परिवर्तन**
  - ✓ **निम्न कार्बन प्रौद्योगिकी विकास और स्थानांतरण**
  - ✓ **उभरती अर्थव्यवस्था प्रौद्योगिकी हस्तांतरण**

लीडआईटी पहल के बारे में

- लीडआईटी को **2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भारत और स्वीडन द्वारा लॉन्च किया गया** था ।
- लीडआईटी **18 देशों और 20 उद्योग-अग्रणी कंपनियों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक प्रयास के रूप में विकसित हुआ** है ।
- यह **2050 तक भारी उद्योगों से शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए देशों, कंपनियों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।**
- लीडआईटी पहल, **शुरू में लोहा, इस्पात, सीमेंट और एल्यूमीनियम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित थी , जो उद्योग परिवर्तन और ज्ञान साझा करने** पर केंद्रित थी ।

11.3. ग्लोबल ग्रीन क्रेडिट पहल

- भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ दुबई में **COP-28 में 'ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम ' पर उच्च स्तरीय कार्यक्रम की सह-मेजबानी की।**
- ग्लोबल ग्रीन क्रेडिट पहल का **उद्देश्य ग्रीन क्रेडिट जैसे कार्यक्रमों/तंत्रों** के माध्यम से पर्यावरण सकारात्मक कार्यों की **योजना, कार्यान्वयन और निगरानी में ज्ञान, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के** आदान-प्रदान के माध्यम से **वैश्विक सहयोग, सहयोग और साझेदारी को सुविधाजनक बनाना** है ।
- इसे **प्रकृति के पारिस्थितिक परिवर्तन के लिए वैश्विक मंच भी कहा जाता है** ।
- ग्रीन **क्रेडिट पहल पर्यावरणीय रूप से सकारात्मक कार्य करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों को पुरस्कृत करने के** लिए एक **बाजार-आधारित दृष्टिकोण की कल्पना करती है** ।
  - ✓ इन कार्रवाइयों में **वनीकरण, जल संरक्षण और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाएं शामिल हो सकती हैं।**
- कार्यक्रम में भाग लेने वाले **व्यापार योग्य ग्रीन क्रेडिट अर्जित करेंगे** , जिसका **उपयोग कार्बन उत्सर्जन की भरपाई के लिए किया जा सकता है या अपने पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करने की मांग करने वाली संस्थाओं को बेचा जा सकता है** ।
- इस तंत्र का उद्देश्य व्यक्तियों और **संगठनों के लिए स्थायी प्रथाओं को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन बनाना है ।**
- पर्यावरणीय स्थिरता के लिए **पूरी तरह से डिजिटल और व्यापार योग्य साधन** होगी ।
  - ✓ से लेकर **सत्यापन और ग्रीन क्रेडिट जारी करने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की** जाएगी **।**
- ग्रीन **क्रेडिट पहल भारत में पहले ही शुरू की जा चुकी** है और **प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है** ।
  - ✓ इसे **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986** के तहत **पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** द्वारा **ग्रीन क्रेडिट नियम, 2023 के माध्यम से अधिसूचित किया गया है ।**
- **पहले चरण** में , यह **प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्जीवित करने और पुनर्जीवित करने और स्वैच्छिक कार्बन सिंक बनाने के लिए बंजर/अपघटित भूमि और नदी जलग्रहण क्षेत्रों पर वृक्षारोपण के लिए ग्रीन क्रेडिट जारी करने की कल्पना करता है** ।
  - ✓ अंतिम **लक्ष्य एक स्वस्थ ग्रह और सभी के लिए अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करना** है ।
- **क्रॉबन क्रेडिट और ग्रीन क्रेडिट के बीच अंतर**
  - ✓ **कार्बन क्रेडिट** , अपनी स्थापित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार प्रणालियों के साथ, **कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने या संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।**
  - ✓ दूसरी ओर, **हरित क्रेडिट का दायरा व्यापक है, इसमें पर्यावरणीय कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है और यह प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कटौती से भी आगे तक फैला हुआ है।** वे **वनीकरण, जल संरक्षण, अपशिष्ट कटौती और जैव विविधता संरक्षण** जैसी गतिविधियों को **पुरस्कृत करते हैं** ।

11.4. इंटरपोल

- 91वीं इंटरपोल महासभा में एक उच्च पदस्थ भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अन्य सदस्य देशों से अपराध, अपराधियों और अपराध की आय को सुरक्षित पनाहगाह देने से इनकार करने का आग्रह किया है।
- **ऑस्ट्रियाई राजधानी में संगठन की स्थापना के** एक शताब्दी बाद, वार्षिक **इंटरपोल महासभा का 91** वा **सत्र वियना** में हुआ।

इंटरपोल के बारे में

- **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस आयोग (ICPC) की स्थापना 1923 में वियना पुलिस के तत्कालीन अध्यक्ष जोहान्स शॉबर द्वारा बुलाई गई** एक पुलिस कांग्रेस में की गई थी ।
- **मुख्यालय- ल्योन, फ्रांस**
- महासभा **इंटरपोल की सर्वोच्च शासी निकाय** है और **आगामी वर्ष के लिए संगठन की गतिविधियों और वित्तीय नीति का कार्यक्रम निर्धारित करती है।**
  - ✓ **यह सदस्य देशों में से राष्ट्रपति का भी चुनाव करता है, जो 4 वर्ष की अवधि के लिए पद पर रहता है।**
  - ✓ दिन -प्रतिदिन की गतिविधियों की देखरेख महासभा द्वारा चुने गए **एक पूर्णकालिक महासचिव द्वारा की जाती है , जो पांच साल तक पद पर रहता है** ।
- इसके **नोटिस सहयोग या अलर्ट** के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुरोध हैं **जो सदस्य देशों में पुलिस को महत्वपूर्ण अपराध-संबंधी जानकारी** साझा करने की अनुमति देते हैं।

नोटिस के प्रकार

- **लाल नोटिस** : अभियोजन या सज़ा काटने के लिए वांछित व्यक्तियों के स्थान और गिरफ्तारी की तलाश करना।
- **पीला नोटिस** : लापता व्यक्तियों, अक्सर नाबालिगों का पता लगाने में मदद करने के लिए, या ऐसे लोगों की पहचान करने में मदद करने के लिए जो खुद को पहचानने में असमर्थ हैं।
- **नीला नोटिस :** आपराधिक जांच के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करना ।
- **ब्लैक नोटिस** : अज्ञात शवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए।
- **ग्रीन नोटिस** : किसी व्यक्ति की आपराधिक गतिविधियों के बारे में चेतावनी देने के लिए, जहां उस व्यक्ति को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए संभावित खतरा माना जाता है ।
- **ऑरेंज नोटिस :** सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर और आसन्न खतरे का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी घटना, व्यक्ति, वस्तु या प्रक्रिया के बारे में चेतावनी देना।
- **पर्पल नोटिस :** अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तौर-तरीकों, वस्तुओं, उपकरणों और छिपने के तरीकों के बारे में जानकारी मांगना या प्रदान करना।
- **इंटरपोल-संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद विशेष सूचना** : उन संस्थाओं और व्यक्तियों के लिए जारी किया गया है जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समितियों के निशाने पर हैं।

इंटरपोल और भारत

- सीबीआई **भारत में इंटरपोल के लिए राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो** है और **इंटरपोल चैनलों के माध्यम से भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सभी अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग आवश्यकताओं का समन्वय करती है ।**
- **भारत** , जो 1949 में इंटरपोल में शामिल हुआ था, ने अक्टूबर 2022 में दिल्ली में 90 वीं **इंटरपोल महासभा की मेजबानी की थी।**
- **इंटरपोल के लिए वैश्विक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभरने के लिए सीबीआई अकादमी इंटरपोल ग्लोबल एकेडमी नेटवर्क में** भी शामिल **हो गई है ।**

11.5. सीएसी (कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन) ने भारत के बाजरा मानकों की सराहना की

- कोडेक्स **एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) ने रोम, इटली में आयोजित अपने 46वें सत्र के दौरान बाजरा पर भारत के मानकों की** प्रशंसा की है और **बाजरा के लिए वैश्विक मानकों के विकास के उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।**
- **भारत ने 8 गुणवत्ता मानकों को निर्दिष्ट करते हुए 15 प्रकार के बाजरा के लिए** एक व्यापक समूह मानक तैयार किया है , जिसे अंतरराष्ट्रीय बैठक में जोरदार सराहना मिली।
  - ✓ कोडेक्स में **वर्तमान में ज्वार और बाजरा के लिए मानक हैं।**

सीएसी के बारे में

- **1963 में WHO और FAO** द्वारा बनाई गई एक **अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानक-निर्धारण निकाय है।**
- **इसमें 188 देश और 1 संगठन यूरोपीय संघ सदस्य हैं** ।
- **भारत 1964 से इसका सदस्य** है ।
- **मुख्यालय - रोम , इटली**
- इसका उद्देश्य **उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करना और खाद्य व्यापार में उचित व्यवहार सुनिश्चित करना है।**
- **कोडेक्स एलिमेंटेरियस**,या **"फूड कोड" सीएसी द्वारा अपनाए गए मानकों, दिशानिर्देशों और अभ्यास संहिताओं का एक संग्रह है।**
- **कोडेक्स मानक** स्वैच्छिक हैं।
- **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** का **स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों (एसपीएस) के अनुप्रयोग पर समझौता** अंतरराष्ट्रीय **व्यापार और व्यापार विवाद निपटान** के लिए **संदर्भ मानकों के रूप में कोडेक्स मानकों, दिशानिर्देशों और सिफारिशों को** मान्यता देता है ।

2023 **को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।**

जलवायु और स्वास्थ्य पर COP28 घोषणा

- COP28 प्रेसीडेंसी, **विश्व स्वास्थ्य संगठन और UAE स्वास्थ्य और रोकथाम मंत्रालय** के साथ साझेदारी **में,** स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों की मान्यता में **'COP28 UAE घोषणा पर जलवायु और स्वास्थ्य' का** अनावरण किया।
- 123 देशों **द्वारा समर्थित**, घोषणा **समुदायों और देशों पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते स्वास्थ्य प्रभावों को स्वीकार करने वाली सरकारों में दुनिया की पहली घोषणा है।**
  - ✓ **भारत** ने **इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।**
- घोषणा **की घोषणा विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में की गई थी।**
  - ✓ हर साल, प्रदूषित हवा से होने वाली वार्षिक मौतें लगभग 9 मिलियन लोगों को प्रभावित **करती हैं और** 189 मिलियन लोग हर साल मौसम से संबंधित घटनाओं के संपर्क में आते हैं।
- घोषणा के हस्ताक्षरकर्ता **उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनमें शामिल हैं-**
  - ✓ **नीतियों के विकास और कार्यान्वयन को मजबूत करना जो शमन और अनुकूलन कार्यों** से स्वास्थ्य लाभ को अधिकतम करते **हैं और जलवायु परिवर्तन से बिगड़ते स्वास्थ्य प्रभावों को रोकते हैं**;
  - ✓ **अनुकूलन हस्तक्षेप ों का अनुमान लगाने और लागू करने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता में सुधार**,
  - ✓ **जलवायु-संवेदनशील बीमारी** और **स्वास्थ्य जोखिम**;
  - ✓ **स्वास्थ्य क्षेत्र में** उत्सर्जन को रोकने और अपशिष्ट को कम करने के लिए कदमों को बढ़ावा देना; और
  - ✓ **विभिन्न स्रोतों से** जलवायु और स्वास्थ्य में निवेश बढ़ाने को प्रोत्साहित करना।

- इन राजनीतिक प्रतिबद्धताओं का समर्थन करने के लिए जलवायु और स्वास्थ्य पर नई वित्त प्रतिबद्धताओं **के एक सेट की घोषणा की गई, जिसमें स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करने के लिए ग्लोबल फंड द्वारा 300 मिलियन अमरीकी डालर की प्रतिबद्धता , जलवायु और स्वास्थ्य समाधानों को बढ़ाने के लिए रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा 100 मिलियन अमरीकी डालर और यूके सरकार द्वारा 54 मिलियन पाउंड तक की घोषणा** शामिल **है।**
- पहली **बार, स्वास्थ्य मंत्री पर्यावरण मंत्रालयों के अपने साथियों के साथ वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।**

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO)

- भारत **को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) परिषद में सबसे** अधिक संख्या **के साथ फिर से चुना गया।**
- **ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भारत का फिर से चुनाव "अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे बड़ी रुचि"** वाले 10 राज्यों की श्रेणी में आता **है।**

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) के बारे में

- यह **1948 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र** की **एक विशेष एजेंसी है।**
- सदस्य- **175 सदस्य (भारत सहित) और 3 सहयोगी सदस्य।**
- **मुख्यालय- लंदन**
- यह **अग्रणी प्राधिकरण है जो समुद्री उद्योग को नियंत्रित करता है, जो वैश्विक व्यापार, परिवहन और सभी समुद्री संचालन का समर्थन करता है।**
- संगठन में **उपसमितियों के साथ एक विधानसभा, एक परिषद और पांच मुख्य समितियां शामिल हैं।**
  - ✓ **परिषद आईएमओ का कार्यकारी अंग है** और **संगठन के काम की देखरेख के लिए विधानसभा के तहत जिम्मेदार है।**
- **विधानसभा के सत्रों के बीच**, परिषद विधानसभा के कार्यों का प्रदर्शन करती है, सिवाय इसके कि समुद्री सुरक्षा और प्रदूषण की रोकथाम पर सरकारों को सिफारिशें की जाती हैं।

11.6. अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ

- कर्मचारी **राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने** हाल ही में **सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य पर आयोजित 23 वीं विश्व कांग्रेस में "आईएसएसए विजन जीरो 2023" पुरस्कार** जीता ।
- " **विज़न ज़ीरो " कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए** एक **परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है जो काम के सभी स्तरों पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के तीन आयामों को एकीकृत करता है।**

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) **दुनिया की सामाजिक सुरक्षा एजेंसियों और संगठनों को एक साथ लाने वाली प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्था है।**
- आईएसएसए का **उद्देश्य वैश्वीकृत दुनिया में सामाजिक आयाम के रूप में गतिशील सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना** है ।
- **1927** में स्थापित , **ISSA का मुख्यालय जिनेवा** में अंतर्राष्ट्रीय **श्रम कार्यालय में है** ।
- आईएसएसए **दुनिया भर में गतिशील सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों के निर्माण और प्रचार के लिए सदस्यों को सूचना, विशेषज्ञ सलाह, व्यावसायिक मानकों, व्यावहारिक दिशानिर्देशों और प्लेटफार्मों तक पहुंच प्रदान करता है** ।

ईएसआईसी के बारे में

- यह **कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के तहत स्थापित एक राज्य संचालित संगठन है।**
- नोडल मंत्रालय- **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय**
- यह **ईएसआई योजना के अंतर्गत आने वाले श्रमिक आबादी और तत्काल आश्रित या परिवार** को **सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है ।**

11.7. बेल्ट एंड रोड पहल(BRI)

- **चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) में शामिल होने वाला एकमात्र जी7 राष्ट्र** बनने **के चार साल बाद , इटली ने इस परियोजना को छोड़ने का फैसला किया है।**
- यह **सौदा मार्च 2024 में स्वचालित रूप से नवीनीकृत होने वाला था,** जब तक कि **इटली 2023 के अंत तक बाहर न निकल जाए।**

बीआरआई के बारे में

- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) 2013 में **चीन द्वारा शुरू की गई एक वैश्विक बुनियादी ढांचा विकास रणनीति है।**
- इसका **लक्ष्य 150 से अधिक देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में निवेश करना , व्यापार और कनेक्टिविटी के लिए सड़क, रेल और समुद्री मार्ग बनाना है** ।

> जी-7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

- यह पहल, **जिसे अक्सर "वन बेल्ट वन रोड" (ओबीओआर) कहा जाता है, चीन की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।**
- इस **पहल में दो प्रमुख घटक** शामिल हैं-
  - ✓ **सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट-** यह खंड **ओवरलैंड परिवहन मार्गों के नेटवर्क** के माध्यम से **यूरेशिया में कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और व्यापार संबंधों में सुधार के लिए समर्पित है।**
  - ✓ **समुद्री रेशम मार्ग** यह घटक **बंदरगाहों, शिपिंग मार्गों और समुद्री बुनियादी ढांचा परियोजनाओं** के रूप में **समुद्री कनेक्शन और सहयोग पर जोर देता है ।**
    - ➢ यह **दक्षिण चीन सागर से शुरू** होकर **भारत-चीन , दक्षिण-पूर्व एशिया** और फिर **हिंद महासागर के आसपास होते हुए अफ्रीका और यूरोप तक पहुंचता है।**
- **समस्याएँ**
  - ✓ **चीन** की **"ऋण-जाल कूटनीति"।**
  - ✓ **भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता** और **विवाद**
  - ✓ **कार्यान्वयन संबंधी समस्याएं** जैसे **श्रम उल्लंघन, पर्यावरणीय खतरे, भ्रष्टाचार घोटाले आदि।**
- **2018 में सिएरा लियोन** और **2023 में फिलीपींस ने** भी **BRI से बाहर निकलने की घोषणा की थी।**

11.8. कोलंबो सुरक्षा समेलन

- **कोलंबो सुरक्षा सम्मलेन** की छठी **बैठक** आयोजित की गई **हाल ही में मॉरीशस** .

- इसमें गैर-पारंपरिक और **उभरती मिश्रित चुनौतियों के सामने हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता** सुनिश्चित **करने के लिए एक रोडमैप पर सहमति व्यक्त की गई ।**
- **कॉन्क्लेव में महासागर सूचना सेवा पोर्टल** भी लॉन्च किया गया।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के बारे में

- यह कॉन्क्लेव **हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा पर केंद्रित क्षेत्र के नेताओं की एक सभा है।**
- कोलंबो **सुरक्षा कॉन्क्लेव का गठन 2011 में भारत, श्रीलंका और मालदीव की त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा** के रूप में किया गया था ।
- रोडमैप **का विस्तार किया गया, जिसमें मॉरीशस चौथे सदस्य के रूप में शामिल हुआ** और **बांग्लादेश और सेशेल्स ने पर्यवेक्षक देशों के रूप में भाग लिया।**
- **सचिवालय- कोलंबो, श्रीलंका**
- **सीएससी के भीतर सहयोग के पांच स्तंभ** शामिल **हैं**
    - ✓ समुद्री सुरक्षा और संरक्षा,
    - ✓ आतंकवाद विरोधी और कट्टरवाद विरोधी पहल,
    - ✓ संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई ,
    - ✓ साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और
    - ✓ मानवीय सहायता और आपदा राहत।

11.9. ऑपरेशन स्टॉर्म मेकर्स ।।

- मानव तस्करी के पीड़ितों द्वारा संचालित धोखाधड़ी योजनाओं के खिलाफ पहले इंटरपोल ऑपरेशन से इस बात के और सबूत मिले हैं कि यह प्रवृत्ति दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र से आगे बढ़ रही है।
    - ✓ धोखाधड़ी योजनाओं में नकली क्रिप्टोकरेंसी निवेश, घर से काम करने की धोखाधड़ी वाली पेशकश और लॉटरी और ऑनलाइन जुआ घोटाले शामिल थे।

मिशन के बारे में

- "ऑपरेशन स्टॉर्म मेकर्स ।।" के रूप में जाना जाता है , इंटरपोल अभ्यास के परिणामस्वरूप मानव तस्करी, पासपोर्ट जालसाजी, भ्रष्टाचार, दूरसंचार धोखाधड़ी और यौन शोषण जैसे आरोपों में विभिन्न देशों में 281 लोगों की गिरफ्तारी हुई ।
    - ✓ इस अभ्यास में भारतीय प्रवर्तन एजेंसियों ने भी भाग लिया।
    - ✓ इंटरपोल के अनुसार, तेलंगाना पुलिस ने पीड़ितों को साइबर धोखाधड़ी के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से की गई मानव तस्करी के भारत में पहले मामलों में से एक दर्ज किया ।
- यह ऑपरेशन इंटरपोल द्वारा आयोजित एक विशेष मिशन था।
- इसमें एशिया और अन्य क्षेत्रों के 27 देशों में कानून प्रवर्तन शामिल था।

इंटरपोल के बारे में

- 1923 में स्थापित
- मुख्यालय- ल्योन, फ्रांस
- यह विभिन्न पुलिस बलों से प्राप्त जानकारी के संग्रह और प्रसार के माध्यम से दुनिया भर में पुलिस बलों की आपराधिक जांच की सुविधा प्रदान करता है ।

- केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को भारत के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में नामित किया गया है ।

11.10. यूएनओडीसी ने दक्षिण पूर्व एशिया अफीम सर्वेक्षण 2023 जारी किया

- **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने** अपना **दक्षिणपूर्व एशिया ओपियम सर्वेक्षण 2023 जारी किया** ।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **म्यांमार दुनिया का सबसे बड़ा अफ़ीम उत्पादक देश है** ।
- **2022 से 2023 तक** , म्यांमार में अवैध फसल उगाने के लिए उपयोग की जाने वाली **भूमि की मात्रा 18 प्रतिशत बढ़कर एक लाख 16 हजार एकड़ हो गई और उत्पादन में 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई** ।
- दक्षिण **पूर्व एशियाई देश का अफ़ीम उत्पादन अफ़ग़ानिस्तान से शीर्ष पर है,** जहाँ **तालिबान के प्रतिबंध के कारण अफ़ग़ानिस्तान में अफ़ीम पोस्ता की खेती में 95% की गिरावट आई है।**
  - ✓ **अफ़ीम** , **जिस आधार से मॉर्फ़ीन और हेरोइन का उत्पादन किया जाता है** , **खसखस के फूलों से काटा जाता है।**
- **उत्तरपूर्वी म्यांमार कुख्यात "गोल्डन ट्राएंगल"** का हिस्सा है , जहाँ **म्यांमार, लाओस और थाईलैंड** की सीमाएँ मिलती हैं ।
  - ✓ **दूसरी ओर गोल्डन क्रिसेंट में ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में अवैध अफीम उत्पादन क्षेत्र** शामिल हैं ।

यूएनओडीसी के बारे में

- इसकी **स्थापना 1997 में संयुक्त राष्ट्र औषधि नियंत्रण कार्यक्रम** और **अंतर्राष्ट्रीय अपराध रोकथाम केंद्र के बीच विलय** के माध्यम से की गई थी ।
  - ✓ इसका **नाम बदलकर इसका वर्तमान नाम कर दिया गया।**
- इसके **20 क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो 150 से अधिक देशों को कवर करते हैं।**
- मुख्यालय- **वियना, ऑस्ट्रिया**
- इसका **उद्देश्य** है **अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय, राजनीतिक भ्रष्टाचार और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के मुद्दों को समन्वित और व्यापक तरीके से** संबोधित करना ।
- यह **आतंकवाद को रोकने** के लिए **कानूनी और तकनीकी सहायता प्रदान करने वाला संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख निकाय भी है** ।
- यह अपने अधिकांश कार्यों को पूरा करने के लिए, **मुख्य रूप से सरकारों से स्वैच्छिक योगदान पर निर्भर करता है ।**

11.11. त्वरित जलवायु परिवर्तन के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ाना

- छह नए देश- **फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, बेल्जियम, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, पाकिस्तान** और **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम , जिसमें इसका विश्व संरक्षण निगरानी केंद्र भी शामिल है, ENACT साझेदारी में शामिल हो रहे** हैं ।

ENACT के बारे में

- **जर्मनी और मिस्र ने प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ** के साथ दिसंबर 2022 में **मिस्र के शर्म अल-शेख** में **COP27 में ENACT (त्वरित जलवायु परिवर्तन के लिए प्रकृति-आधारित समाधान को बढ़ाना) लॉन्च किया।**
- **कनाडा, यूरोपीय संघ, स्पेन, मलावी, नॉर्वे, दक्षिण कोरिया, जापान और स्लोवेनिया** भी **साझेदारी के संस्थापक सदस्य थे।**

- यह एक **महत्वाकांक्षी वैश्विक पहल है** जो **प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, भूमि** और **पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण** और जैव विविधता के नुकसान को संबोधित करने के लिए वैश्विक प्रयासों का समन्वय करना चाहती है।
  - ✓ **प्रकृति-आधारित समाधानों में प्रकृति के विरुद्ध काम करने के बजाय उसके साथ और उसके लिए काम करना** शामिल है , जो सभी के लिए मानव कल्याण के लिए आवश्यक **जलवायु, जैव विविधता और भूमि बहाली कार्रवाई प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है।**
  - ✓ इनमें **अपशिष्ट जल प्रबंधन, टिकाऊ कृषि, वानिकी और मछली पकड़ने, प्रदूषण उन्मूलन आदि शामिल हैं।**
- **ENACT** पार्टनरशिप का लक्ष्य है
  - ✓ **कम से कम 1 अरब कमज़ोर लोगों की जलवायु प्रभावों से सुरक्षा और लचीलेपन को** बढ़ाना ,
  - ✓ **2.4 बिलियन हेक्टेयर तक स्वस्थ प्राकृतिक** और **टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखें** , और
  - ✓ **कार्बन-समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा और पुनर्स्थापन** के माध्यम से **वैश्विक शमन प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि करना ।**

11.12. COP28 UNFCCC का समापन

- संयुक्त **राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी28)** एक समझौते के साथ समाप्त हुआ जो **तीव्र, न्यायसंगत और न्यायसंगत संक्रमण** के लिए जमीन तैयार करके **जीवाश्म ईंधन युग के "अंत की शुरुआत" का संकेत देता है , जो कि गहरे उत्सर्जन में कटौती और बड़े पैमाने पर वित्त पर आधारित है। .**
- **दशक के अंत से पहले जलवायु कार्रवाई को** तेज करने के लिए **दुनिया के पहले 'वैश्विक स्टॉकटेक ' पर निर्णय** के साथ लगभग 200 पार्टियों के वार्ताकार **दुबई में एक साथ आए** - जिसका **व्यापक उद्देश्य वैश्विक तापमान सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस को पहुंच के भीतर रखना था।**
- वैश्विक **स्टॉकटेक को COP28 का केंद्रीय परिणाम** माना जाता है **।**
- ग्लोबल स्टॉकटेक **देशों के लिए यह देखने की एक प्रक्रिया है कि वे पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में सामूहिक रूप से कहां प्रगति कर रहे हैं।**
- स्टॉकटेक उस विज्ञान को **मान्यता देता है जो इंगित करता है कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने** के लिए वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन **में 2019 के स्तर की तुलना में 2030 तक 43% की कटौती करने की आवश्यकता है** ।
  - ✓ लेकिन यह **नोट किया गया है कि जब पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने की बात आती है तो पार्टियाँ पटरी से उतर जाती हैं।**
- स्टॉकटेक में पार्टियों से वैश्विक स्तर पर उपलब्धि हासिल करने की दिशा में कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।
  - ✓ **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना** करना और
  - ✓ **2030 तक ऊर्जा दक्षता में सुधार को दोगुना करना** ।
  - ✓ इस **सूची में विकसित देशों के साथ निर्बाध कोयला बिजली को चरणबद्ध तरीके से बंद करने, अकुशल जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से संक्रमण को उचित, व्यवस्थित और न्यायसंगत तरीके से दूर करने के अन्य उपाय** भी शामिल हैं। **बढ़त लेना जारी रखा है.**

- पार्टियां अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (जीजीए) और उसके ढांचे के लक्ष्यों पर सहमत हुईं , **जो यह** पहचानती हैं **कि बदलती जलवायु के प्रभावों के प्रति लचीला होने और देशों के प्रयासों का आकलन करने के लिए दुनिया को कहां पहुंचने की जरूरत है** ।
  - ✓ जीजीए ढांचा अनुकूलन लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के लिए वित्त, **प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण समर्थन की आवश्यकता पर वैश्विक सहमति को दर्शाता है।**

11.13. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौता

- **भारत में स्विट्जरलैंड के राजदूत ने आशा** व्यक्त की है **कि देश के साथ महत्वपूर्ण यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौता 2024 के आम चुनावों से पहले पूरा हो जाएगा।**
- **भारत और ईएफटीए राज्य दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से** एक व्यापार **और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर बातचीत कर रहे हैं ।**
- समझौते पर **बातचीत आधिकारिक तौर पर जनवरी 2008 में शुरू की गई थी।**
- EFTA- **भारत व्यापारिक व्यापार 2022 में 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक हो गया ।

ईएफटीए के बारे में

- **1960 में स्टॉकहोम कन्वेंशन** द्वारा स्थापित एक अंतरसरकारी संगठन है ।
- इसमें **आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं** ।
- ये **सभी खुली, प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाएं हैं जो बहुराष्ट्रीय क्षेत्र के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों में व्यापार के प्रगतिशील उदारीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।**
- ईएफटीए **एक सीमा शुल्क संघ नहीं है.**
  - ✓ व्यक्तिगत **ईएफटीए राज्य अपने स्वयं के सीमा शुल्क टैरिफ निर्धारित करने और गैर-ईएफटीए राज्यों की तुलना में अन्य विदेशी व्यापार उपायों की व्यवस्था करने के लिए स्वतंत्र** हैं ।
- ईएफटीए **सदस्य यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं हैं।**

11.14. GPAI की नई दिल्ली घोषणा

- ग्लोबल **पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI) शिखर सम्मेलन ने नई दिल्ली घोषणा को अपनाने की** घोषणा की ।
- **भारत शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है** और **2024 में जीपीएआई समूह की अध्यक्षता करेगा।**

घोषणा के बारे में

- घोषणापत्र " **लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों** में निहित **भरोसेमंद एआई के जिम्मेदार प्रबंधन के सिद्धांतों** और **एआई के भरोसेमंद, जिम्मेदार, टिकाऊ और मानव-केंद्रित उपयोग को बढ़ावा देने" के प्रति देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।**
- घोषणापत्र में **स्वास्थ्य सेवा और कृषि** में **सहयोगात्मक रूप से एआई अनुप्रयोगों को विकसित करने के** साथ-साथ **एआई के विकास में वैश्विक दक्षिण की जरूरतों को शामिल करने पर सहमति व्यक्त की गई।**
- भाग लेने वाले राष्ट्र एआई विश्वास और **सुरक्षा पर एक वैश्विक ढांचा बनाने के लिए जीपीएआई प्लेटफॉर्म का उपयोग करने पर सहमत** हुए **एआई समाधान और लाभ सभी के लिए उपलब्ध कराएं।**

- यह **देशों को गलत सूचना और दुष्प्रचार, बेरोजगारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी, बौद्धिक संपदा और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के बारे में चिंताओं को कम करने पर** काम करने के लिए प्रतिबद्ध करता है । "

GPAI के बारे में

- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल पार्टनरशिप (जीपीएआई)** एक **बहु-हितधारक पहल है** जिसका उद्देश्य **एआई से संबंधित प्राथमिकताओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान और व्यावहारिक गतिविधियों का समर्थन करके एआई पर सिद्धांत और व्यवहार के बीच अंतर को पाटना है।**
- लॉन्च - **2020**
- यह **"एआई के भरोसेमंद विकास, तैनाती और उपयोग" की दिशा में काम करने का प्रयास करता है।**
- जीपीएआई **उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया के देशों का एक समूह है** और इसमें **यूरोपीय संघ सहित 29 सदस्य देश शामिल हैं।**
  - ✓ **भारत GPAI का संस्थापक सदस्य है।**
- GPAI की **एक परिषद और एक संचालन समिति है** ,जो **पेरिस में OECD द्वारा आयोजित सचिवालय द्वारा समर्थित है।**
- इसके **दो विशेषज्ञता केंद्र हैं** -
  - ✓ **CEIMIA , मॉन्ट्रियल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उन्नति के लिए मॉन्ट्रियल में** अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता केंद्र और
  - ✓ **INRIA , पेरिस में** फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन डिजिटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी ।
  - ✓ हाल ही में जीपीएआई शिखर सम्मेलन में जापान में एआई के लिए तीसरे **'विशेषज्ञ सहायता केंद्र' की घोषणा की गई थी ।**

11.15. मर्सर का जीवन स्तर गुणवत्ता सूचकांक 2023

- **जीवन स्तर की गुणवत्ता सूचकांक 2023 हाल ही में व्यवसायों के लिए वैश्विक सलाहकार** मर्सर **द्वारा** जारी किया गया था ।
- **2023 सूचकांक के अनुसार, वियना** (ऑस्ट्रिया), **ज्यूरिख** (स्विट्जरलैंड) और **वैंकूवर** (कनाडा) उस क्रम में शीर्ष तीन शहर हैं ।
- यह **विदेश में काम करने वाले कर्मचारियों** , विशेषकर **परिवारों के साथ, के जीवन की** गुणवत्ता **का मूल्यांकन करता है** और **दुनिया भर के 500 से अधिक शहरों के डेटा पर निर्भर करता है** ।
- रैंकिंग **जलवायु, स्कूल और शिक्षा, बीमारी और स्वच्छता मानकों, हिंसा और अपराध, भौतिक दूरदर्शिता और संचार में आसानी और सामाजिक-राजनीतिक वातावरण जैसे कारकों पर आधारित है।**
- **153वें रैंक** के साथ **हैदराबाद** , **154वें स्थान पर पुणे** और **156वें स्थान पर बेंगलुरु भारतीय शहरों में सबसे ऊंचे स्थान पर** हैं ।
  - ✓ **सूची में 161वें स्थान** के साथ चेन्नई चौथा भारतीय शहर है, **इसके बाद 164वें स्थान पर मुंबई है।**

11.16. सीमा रहित कर निरीक्षक

- **टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) ने** हाल ही में सेंट लूसिया में एक कार्यक्रम शुरू किया।
- भारत को **भागीदार प्रशासन के रूप में चुना गया है** और **वह इस कार्यक्रम के लिए कर विशेषज्ञ उपलब्ध कराएगा।**
- **कार्यक्रम का ध्यान** सामान्य **रिपोर्टिंग मानक (सीआरएस) ढांचे के तहत सूचना के स्वचालित आदान-प्रदान के प्रभावी उपयोग** पर होगा ।

- यह कार्यक्रम **सातवां TIWB कार्यक्रम है जिसे भारत ने कर विशेषज्ञ प्रदान करके समर्थन दिया है।**

टीआईडब्लूबी के बारे में

- **2015** में लॉन्च किया गया
- टीआईडब्ल्यूबी **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)** और **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की एक संयुक्त पहल है।**
- सचिवालय- **पेरिस, फ्रांस**
- टीआईडब्ल्यूबी पहल का उद्देश्य लक्षित, वास्तविक समय "करके सीखना" दृष्टिकोण के माध्यम **से विकासशील देशों में कर प्रशासन के साथ कर लेखा परीक्षा ज्ञान और कौशल साझा करने में सक्षम बनाना है।**
- टीआईडब्ल्यूबी **विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय कर मामलों** से संबंधित ऑडिट और ऑडिट-संबंधित कौशल और **विकासशील कर प्रशासनों के भीतर सामान्य ऑडिट कौशल के विकास के लिए विशेषज्ञों को भेजकर व्यावहारिक सहायता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।**

सेंट लूसिया के बारे में

- यह **पूर्वी कैरेबियन में वेस्ट इंडीज का एक द्वीप देश है** ।
- यह **सेंट विंसेंट द्वीप के उत्तर/उत्तरपूर्व, बारबाडोस के उत्तरपश्चिम और मार्टीनिक के दक्षिण में स्थित है।**
- यह **ज्वालामुखीय उत्पत्ति का है** और इसका उच्चतम बिंदु **माउंट गिमी है** ।
- राजधानी – **कैस्ट्रीज़**

11.17. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द यूनिफिकेशन ऑफ प्राइवेट लॉ

- हाल ही में, **भारत की उमा शेखर रोम में हुए चुनावों में पहले दौर** में **इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द यूनिफिकेशन ऑफ प्राइवेट लॉ (UNIDROIT)** की **गवर्निंग काउंसिल के लिए चुनी** गईं ।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द यूनिफिकेशन ऑफ प्राइवेट लॉ (UNIDROIT) के बारे में

- UNIDROIT, निजी कानून के एकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एक **स्वतंत्र अंतरसरकारी संगठन के रूप में कार्य करता है।**
- **1926 में राष्ट्र संघ के सहायक अंग के रूप में** स्थापित , संस्थान को संघ के निधन के बाद, **1940 में एक बहुपक्षीय समझौते, UNIDROIT क़ानून के आधार पर फिर से स्थापित किया गया था।**
- **UNIDROIT के 65 सदस्य देश पांच महाद्वीपों से** हैं **और विभिन्न कानूनी, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करते हैं।**
  - ✓ **भारत 1950 से इस संगठन का सदस्य** रहा है ।
- मुख्यालय- **रोम, इटली**
- इसके **मुख्य मिशन में राज्यों और राज्यों के समूहों के बीच निजी और वाणिज्यिक कानून के आधुनिकीकरण, सामंजस्य और समन्वय के लिए आवश्यकताओं और तरीकों का अध्ययन करना** शामिल है ।
- UNIDROIT **इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से समान कानून उपकरण, सिद्धांत और नियम तैयार करता है।**
- UNIDROIT में अनिवार्य रूप से **तीन-स्तरीय संरचना है, जो एक सचिवालय, एक गवर्निंग काउंसिल और एक महासभा** से बनी है ।

- गवर्निंग **काउंसिल** में **25 पद हैं जो प्रतिष्ठित कानूनी विशेषज्ञों के पास हैं।**
- आधिकारिक भाषाएँ **अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी और स्पेनिश हैं** ; इसकी **कामकाजी भाषाएँ अंग्रेजी और फ्रेंच हैं।**
- **अनुदान**
  - ✓ संस्थान **को उसके सदस्य राज्यों के वार्षिक योगदान** से वित्तपोषित किया जाता है **जो महासभा द्वारा तय किया जाता है** ।

11.18. NSCS ने RATS-SCO के साथ बैठक की

- भारत के **राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCSA) ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (आरएटीएस-एससीओ) के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे के साथ दो संयुक्त बैठकें** कीं , जिसमें **नई प्रौद्योगिकियों और इंटरनेट के उपयोग के माध्यम से आतंकवाद और उग्रवाद को प्रतिबंधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।**

RATS के बारे में

- RATS , **SCO के अंतर्गत एक स्थायी निकाय** है ।
- इसका **मुख्यालय ताशकंद, उज्बेकिस्तान में है** ।
- यह **आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ** सदस्य देशों के **सहयोग को बढ़ावा देने पर काम करता है ।**

शंघाई सहयोग संगठन(SCO) के बारे में

- SCO को मूल रूप से **शंघाई फाइव के नाम से जाना जाता है, जिसका गठन 1996** में **चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान** द्वारा किया गया था ।
- SCO की आधिकारिक तौर पर **स्थापना 2001 में** उज्बेकिस्तान के एक **क्षेत्रीय अंतरसरकारी संगठन के रूप में शामिल होने के साथ हुई थी।**
- सदस्य राज्य- **चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत, पाकिस्तान, ईरान** ।
- SCO का प्राथमिक **उद्देश्य सुरक्षा, अर्थशास्त्र और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित विविध मामलों पर क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।**

SCO और भारत

- **भारत ने इस वर्ष की शुरुआत में एससीओ का 22** वां शिखर सम्मेलन वस्तुतः आयोजित किया ।
- **2005 में एक पर्यवेक्षक राज्य के रूप में संगठन में शामिल होने** और **बाद में 2017 में स्थायी सदस्य बनने के बाद** यह **नई दिल्ली का पहली बार मंच की अध्यक्षता थी।**
  - ✓ **एससीओ की अध्यक्षता** सदस्य **देशों के बीच एक वर्ष के लिए बारी-बारी** से होती है ।
  - ✓ भारत ने **सितंबर में कजाकिस्तान को अध्यक्षता सौंपी थी।**

11.19. IONS-2023

- हाल ही में **बैंकॉक, थाईलैंड में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स (सीओसी) का 8वां संस्करण** आयोजित किया गया था ।
- इस कार्यक्रम में **27 सदस्यों/पर्यवेक्षक देशों के नौसेना प्रमुखों/वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।**

IONS के बारे में

- **'हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी' (आईओएनएस)** एक स्वैच्छिक **पहल है** जिसका उद्देश्य **हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाना है।**
- IONS की **कल्पना 2008 में भारतीय नौसेना द्वारा की गई थी।**
- उद्घाटन **संस्करण फरवरी 2008 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था** , जिसमें **भारतीय नौसेना दो साल (2008 - 2010) के लिए अध्यक्ष थी** ।
- इसका उद्देश्य **क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक समुद्री मुद्दों पर चर्चा के लिए एक खुला और समावेशी मंच प्रदान करना** है ।
- हाल ही में, कॉन्क्लेव में कोरिया गणराज्य की **नौसेना का नवीनतम 'पर्यवेक्षक' के रूप में स्वागत किया गया** , जिससे IONS की सामूहिक **शक्ति बढ़कर 34 (25 सदस्य और 09 पर्यवेक्षक) हो गई।**
- भारत को **आईओएनएस (2025-27) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने का भी कार्यक्रम है।**

11.20. अंगोला ओपेक से बाहर हुआ

- एक **अप्रत्याशित कदम में** , अंगोला ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के **संगठन (ओपेक) से अलग होने का फैसला किया है।**
- अंगोला, **2007 में ओपेक में शामिल होने के बाद** , **अपने कुछ समकक्षों की तुलना में तेल उत्पादन के मामले में भारी नहीं है** , जो समूह के कुल 28 मिलियन दैनिक योगदान में से लगभग 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन का योगदान देता है।

ओपेक के बारे में

- **पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक)** एक स्थायी **, अंतरसरकारी संगठन है** , जिसे **1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा बनाया गया था।**
- **अन्य सदस्य-** अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात।
- इसका उद्देश्य **विश्व बाजार में तेल की कीमत निर्धारित करने के प्रयास में तेल की आपूर्ति का प्रबंधन करना है** , ताकि **उतार-चढ़ाव से बचा जा सके जो उत्पादक और क्रय दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकता है।**
- मुख्यालय- **वियना, ऑस्ट्रिया**
- इसके **पास दुनिया के कुल कच्चे तेल** (हाइड्रोकार्बन का मिश्रण जो तरल चरण में मौजूद है) का 80% से अधिक भंडार है।
- ओपेक की **सदस्यता किसी भी ऐसे देश के लिए खुली** है जो **तेल का बड़ा निर्यातक है और जो संगठन के आदर्शों को साझा करता है।**
- ओपेक **गुणवत्ता के लिए बेंचमार्क के रूप में ब्रेंट क्रूड का उपयोग करता है।**

ओपेक+ के बारे में

- **ओपेक+ देशों में 13 ओपेक सदस्य देश** और **अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं।**

11.21. भारत इटली के साथ एमएमए पर हस्ताक्षर करेगा

- प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत **गणराज्य की सरकार और इतालवी गणराज्य की सरकार के** बीच **प्रवासन और गतिशीलता समझौते पर हस्ताक्षर करने और पुष्टि करने के विदेश मंत्रालय के प्रस्ताव** को **अपनी पूर्वव्यापी मंजूरी दे दी है ।**

- **लोगों से लोगों के बीच संपर्क** बढ़ाएगा , **छात्रों** , **कुशल श्रमिकों** , **व्यापारिक लोगों** और **युवा पेशेवरों की गतिशीलता को बढ़ावा देगा और** दोनों पक्षों के बीच अनियमित प्रवासन से संबंधित मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करेगा।
- यह **समझौता वर्तमान इतालवी वीज़ा व्यवस्था को लॉक करता है जिसमें अध्ययन के बाद के अवसरों, इंटर्नशिप, पेशेवर प्रशिक्षण के लिए** तंत्र शामिल हैं जो **फ्लो डिक्री के तहत मौजूदा श्रम गतिशीलता मार्गों के तहत भारत के लिए लाभ का आश्वासन देते हैं।**

12. समाचारों में स्थान

12.1. पीला सागर

- **प्रशिक्षण मिशन पर गया** एक अमेरिकी F-16 जेट **पीले सागर** के पानी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पीले सागर के बारे में

- यह पश्चिमी **प्रशांत महासागर** में स्थित है ।
- यह **पश्चिम और उत्तर में मुख्य भूमि चीन** , **पूर्व में कोरियाई प्रायद्वीप** और **दक्षिण में शेडोंग प्रायद्वीप और लियाओडोंग प्रायद्वीप के बीच स्थित है।**
- **हाई नदी, यालू नदी, हान नदी, ताएदोंग नदी और पीली नदी** समुद्र में गिरती हैं।
- इसका नाम **प्रमुख नदियों से निकलने वाले गाद युक्त पानी** के **सुनहरे-पीले रंग का वर्णन करता है, जो गोबी रेगिस्तान से निकलने वाले पीले रेत के कणों** से प्राप्त होता है ।

12.2. खान यूनिस शहर

- **गाजा में इज़राइल का आक्रमण दक्षिण** की ओर स्थानांतरित हो गया है , उसकी **सेनाएँ खान यूनिस** में घुस गई हैं , जो एक **प्रमुख दक्षिणी शहर है जिसने उत्तर से विस्थापित फ़िलिस्तीनियों को शरण प्रदान की थी।**
- **रफ़ा सीमा पार** के उत्तर में **खान यूनिस , दक्षिणी गाजा का सबसे बड़ा शहर** है ।
- **युद्ध से पहले** यह लगभग 400,000 लोगों का घर था ।
- इसमें **नासिर अस्पताल** जैसे **नागरिक बुनियादी ढांचे हैं** , और यह **फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए आठ संयुक्त राष्ट्र शिविरों में से एक का स्थान भी है, जिन्हें 1948 के युद्ध में अपने घर छोड़ने पड़े थे।**

शहर के बारे में

- यह शहर **14वीं शताब्दी में ममलुक साम्राज्य का है** , जब **अमीर यूनुस अल- नुरुज़ी ने** एक **कारवां सराय** , या **अरबी में "खान" का निर्माण किया था** , जो **सड़क के किनारे एक सराय थी जहां यात्री अपनी दिन की यात्रा के बाद आराम कर सकते थे** ।
  - ✓ इसलिए, **भविष्य के शहर का नाम खान यूनिस के नाम से जाना जाने लगा।**
- **1387** में , **मामुक सुल्तान बार्कौक ने अमीर को उसके नाम पर** एक महल बनाने का आदेश दिया ।
  - ✓ महल ने **न केवल शहर के निवासियों की रक्षा की** बल्कि **काहिरा और दमिश्क के बीच एक लिंक बिंदु के रूप में कार्य किया** , क्योंकि इसने **व्यापारियों और यात्रियों के लिए व्यापार करने के लिए एक स्थान सुनिश्चित किया** ।
  - ✓ **बार्कौक कैसल** आज **फिलिस्तीन के सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है।**

12.3. गेलेफू स्मार्ट सिटी

- भूटान **1,000 वर्ग किमी से अधिक क्षेत्र में एक विशाल "अंतर्राष्ट्रीय शहर" बनाने की योजना बना रहा है। असम के साथ अपनी सीमा पर** , भूटानी राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने हाल ही में घोषणा की।
- इसे **"भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के माध्यम से दक्षिण एशिया को दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ने वाले आर्थिक गलियारे" के रूप में पेश किया गया है।**
- यह **उस चीज की पहली आधिकारिक पुष्टि है जिसे ' गेलेफू' के नाम से जाना जाता है स्मार्टसिटी प्रोजेक्ट'** .
- एक लक्ष्य के रूप में **पर्यावरणीय मानकों और स्थिरता का पालन करने की अपेक्षा की जाती** है , और **इसका लक्ष्य "विशेष रूप से जांच की गई" अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों से "गुणवत्तापूर्ण निवेश" आकर्षित करना होगा।**
- भारत **गेलेफू तक पहली भारत-भूटान रेलवे लाइन का निर्माण कर रहा है** , जो **असम और पश्चिम बंगाल में सड़क मार्गों और सीमा व्यापार और क्रॉसिंग बिंदुओं से भी जुड़ेगी** , और समय के साथ, **भूटान को म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया और सिंगापुर तक पहुंच प्रदान करेगी।**

12.4. माउंट उलावान

- भारत ने हाल ही में **पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी विस्फोट से प्रभावित लोगों के लिए 1 मिलियन डॉलर की राहत सामग्री भेजी है।**
- **पापुआ न्यू गिनी में माउंट उलावुन में** एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के परिणामस्वरूप **द्वीप राष्ट्र में व्यापक क्षति और विनाश हुआ** ।
- पापुआ न्यू गिनी **प्रशांत महासागर के "रिंग ऑफ फायर" में स्थित है, जो प्रशांत महासागर के किनारों पर घूमने वाले ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं का एक घोड़े की नाल के आकार का बैंड है।**
  - ✓ यह **भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि से ग्रस्त है।**
- **माउंट उलावुन पापुआ न्यू गिनी का सबसे सक्रिय और सबसे ऊंचा ज्वालामुखी** है , जो समुद्र तल से 2,334 मीटर (7,657 फीट) की ऊंचाई पर है।
  - ✓ इसका **आखिरी बड़ा विस्फोट 2019 में हुआ था।**
  - ✓ **यह एक बेसाल्टिक-टू-एंडेसिटिक स्ट्रैटोवोलकानो है।**

12.5. जिब्राल्टर जलडमरूमध्य

- **ईरान ने धमकी दी है कि अगर इजराइल ने गाजा पर बमबारी बंद नहीं की तो वह जिब्राल्टर जलडमरूमध्य और भूमध्य सागर को बंद कर देगा ।**

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के बारे में

- **जिब्राल्टर जलसंधि अफ्रीका को यूरोप से अलग करती है।**
- **यह इबेरियन प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित है ।**
- **यह यूरोप में स्पेन और अफ्रीका में मोरक्को के बीच स्थित है ।**
- **यह भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर के बीच एकमात्र कड़ी है।**

- **1869 में स्वेज़ नहर के खुलने तक , जिब्राल्टर जलडमरूमध्य भूमध्य सागर तक एकमात्र पहुंच बिंदु के रूप में कार्य करता था।**
- **यह दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है।**

12.6. विवादित फारस की खाड़ी द्वीप समूह

- **रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य** में तीन द्वीप , **ग्रेटर टुनब, लेसर टुनब और अबू मूसा ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच विवाद बन गए हैं।**

ईरान का रुख

- **ईरान का दावा है कि ये द्वीप प्राचीन काल से ही फ़ारसी राज्यों का हिस्सा रहे हैं और 1971 में ब्रिटिश सेना के हटने के बाद उसने तीन द्वीपों पर नियंत्रण कर लिया।**
- **वह उन्हें अपने क्षेत्र का "अविभाज्य" हिस्सा मानता है।**
- **ईरान का दावा है कि उसका संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरातों में से एक शारजाह के साथ एक समझौता है , जो उसे अबू मूसा का प्रशासन करने और वहां सेना तैनात करने का अधिकार देता है।**

UAE का रुख

- यूएई विवादित द्वीपों पर स्वामित्व का दावा करता है
- **रास अल-खैमा ग्रेटर और लेसर ट्यून्स का** दावा कर रहा है , और
- **शारजाह अबू मूसा पर दावा कर रहा है** ।

12.7. कुरील द्वीप समूह

- हाल ही में **जापान के कुरील द्वीप समूह में रिक्टर पैमाने पर 6.3 तीव्रता** का भूकंप आया।

कुरिल द्वीप समूह के बारे में

- कुरील द्वीप **जापानी द्वीप होक्काइडो से लेकर रूस के कामचटका प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे** तक फैला हुआ है जो **ओखोटस्क सागर को उत्तरी प्रशांत महासागर से** अलग करता है ।
- ये **प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित हैं** और इनमें **कम से कम 100 ज्वालामुखी हैं, जिनमें से 35 अभी भी सक्रिय हैं, और कई गर्म झरने हैं।**
- **विवाद**
  - ✓ **जापान और रूस के बीच** कुरील द्वीप विवाद दक्षिण कुरील द्वीप समूह की संप्रभुता को लेकर है, **जिसमें एटोरोफू द्वीप, कुनाशिरी द्वीप, शिकोटन द्वीप और हबोमाई द्वीप शामिल हैं।**

13. यादगार दिन

13.1. विश्व एड्स दिवस- 1 दिसंबर

- **1 दिसंबर** हर साल विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है, **जो एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।**
- यह है **1988 से प्रतिवर्ष मनाया जाता है।**
  - ✓ अगस्त 1988 में, **विश्व स्वास्थ्य संगठन के एड्स वैश्विक कार्यक्रम के सार्वजनिक सूचना अधिकारी** , **जेम्स डब्ल्यू. बून और थॉमस नेटर ने विनाशकारी एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने के लिए विश्व एड्स दिवस की** शुरुआत की ।
- विश्व एड्स दिवस 2023 का **विषय** " **समुदायों को नेतृत्व करने दें" है।**
  - ✓ **यह एचआईवी जागरूकता, रोकथाम और स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित पहलों को चलाने में समुदायों की सामूहिक ताकत और प्रभाव पर जोर देता है।**

13.2. अंतर्राष्ट्रीय गुलामी उन्मूलन दिवस- 2 दिसंबर

- **अंतर्राष्ट्रीय दासता उन्मूलन दिवस** प्रतिवर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाता **है ।**
- यह **1949 में व्यक्तियों के अवैध व्यापार के दमन और दूसरों के वेश्यावृत्ति के शोषण के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन को महासभा द्वारा अपनाने की तारीख को चिह्नित करता है** ।
- इस दिन का ध्यान **गुलामी के समकालीन रूपों** , जैसे व्यक्तियों की तस्करी, यौन शोषण, बाल **श्रम के सबसे खराब रूप , जबरन विवाह और सशस्त्र संघर्ष में उपयोग के लिए बच्चों की जबरन भर्ती को खत्म करने पर है।**
- इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय गुलामी उन्मूलन दिवस का **विषय** है - **परिवर्तनकारी शिक्षा के माध्यम से गुलामी की नस्लवाद की विरासत से लड़ना।**

13.3. राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

- **भारत में हर साल 2 दिसंबर को** राष्ट्रीय **प्रदूषण नियंत्रण दिवस या राष्ट्रीय प्रदूषण निवारण दिवस** मनाया जाता है ।
- इस दिन का उद्देश्य **प्रदूषण को नियंत्रित करने और औद्योगिक आपदाओं की रोकथाम के विभिन्न उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है** ।
- राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस **विशेष रूप से 1984 की भोपाल गैस त्रासदी में मारे गए लोगों की याद में मनाया जाता है।**
  - ✓ **भारत के इतिहास में सबसे खराब औद्योगिक पर्यावरणीय आपदाओं में से एक** मानी जाने वाली भोपाल गैस त्रासदी **2 और 3 दिसंबर, 1984 की मध्यरात्रि को हुई थी** , जब **यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड की कीटनाशक सुविधा से एक घातक गैस, मिथाइल आइसोसाइनेट का** रिसाव हुआ था। **मध्य प्रदेश।**
- राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2023 का **विषय** " **स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह के लिए सतत विकास" है।**

13.4. विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस- 32 दिसंबर

- **विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस** प्रतिवर्ष 3 **दिसंबर को मनाया जाता है ।**
- **1992** में , **संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 47/3** द्वारा **विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के वार्षिक पालन की घोषणा की गई थी** ।
- यह दिन **विकलांगता के मुद्दों को समझने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से मनाया गया** कि **उनके कल्याण, सम्मान और समान अवसरों के अधिकारों का अभ्यास किया जाए।**
- अंतर्राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस 2023 का **विषय** है - **विकलांग व्यक्तियों के लिए, उनके साथ और उनके द्वारा एसडीजी को बचाने और हासिल करने की कार्रवाई में संयुक्त।**

13.5. विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस- 2 दिसम्बर

- विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस **प्रतिवर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाता** है ।
- यह **कंप्यूटर प्रौद्योगिकी में प्रगति का जश्न मनाने और विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के बीच डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।**
- **डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और कंप्यूटर के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहली बार** विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस दिसंबर 2001 में मनाया गया था ।
- यह **एक भारतीय कंपनी NIIT (राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) की एक पहल है।**
- इस दिन की **स्थापना 2 दिसंबर 2001 को संस्थान की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी।**

13.6. अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 5 दिसंबर

- अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस **प्रतिवर्ष 5 दिसंबर को मनाया जाता** है ।
- अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस **1985 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित किया गया था** और **यह उन लाखों स्वयंसेवकों के प्रयासों को स्वीकार करने और सराहना करने का अवसर प्रदान करता है जो सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपना समय, कौशल और संसाधन समर्पित करते हैं।**

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस- 7 दिसंबर

- **अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस** प्रतिवर्ष 7 दिसंबर को **मनाया जाता है।**
- इस वर्ष का उत्सव **"वैश्विक विमानन विकास के लिए नवाचार को आगे बढ़ाना"** के **विषय पर केंद्रित है।**
- यह इस बात पर केंद्रित है **कि नवाचार भविष्य में दुनिया भर में नागरिक उड्डयन को कैसे आकार देगा और सुधार करेगा।**
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस **7 दिसंबर 1996 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था।**

ICAO के बारे में

- **अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) की स्थापना 7 दिसंबर 1944 को नागरिक उड्डयन मामलों में वैश्विक सहयोग और एकरूपता को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।**
- **यह संयुक्त राष्ट्र** की **एक विशेष एजेंसी है।**
- मुख्यालय- **मॉन्ट्रियल, कनाडा।**

13.7. अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस- 9 दिसंबर

- इस प्रचलित द्वेष के प्रभाव के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए, हर साल **9 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस या अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस (IACD)** मनाया जाता है ।
- संयुक्त **राष्ट्र महासभा ने** 31 अक्टूबर 2003 को **भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन को** अपनाया ।
- अधिकारियों ने भ्रष्टाचार और इसे रोकने में कन्वेंशन की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए **9 दिसंबर की तारीख को विश्व भ्रष्टाचार विरोधी दिवस के रूप में भी नामित किया है ।**
- उसी के बाद, **इस दिन को पहली बार आधिकारिक तौर पर 9 दिसंबर 2005 को मनाया गया।**
- अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस के इस वर्ष के उत्सव **का विषय ' यूएनसीएसी एट 20: यूनाइटिंग द वर्ल्ड अगेंस्ट करप्शन' है।**

13.8. मानवाधिकार दिवस- 10 दिसंबर

- **हर साल** 10 **दिसंबर** को **दुनिया भर में** मानवाधिकार **दिवस मनाया** जाता है **।**
- यह **लोगों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करता है** और **उन अधिकारों की वकालत करता है** जो **राष्ट्रीयता, लिंग, जातीयता, नस्ल, कामुकता, धर्म या किसी अन्य भेदभाव से परे हैं।**
- इस वर्ष **मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) की 75वीं वर्षगांठ है** ।
- संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, मानवाधिकार दिवस 2023 मनाने का **विनियमित विषय 'सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय' है।**
- **1950** में , **UNGA संकल्प 423 को अपनाने के बाद औपचारिक रूप से मानवाधिकार दिवस की स्थापना की गई।**
  - ✓ संकल्प के अनुसार, **सभी राज्यों और इच्छुक संगठनों को दिन मनाने और यूडीएचआर की उद्घोषणा मनाने** के लिए आमंत्रित किया गया था ।

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के बारे में

- **मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा को** द्वितीय **विश्व युद्ध के बाद 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा **अपनाया गया** था ।
- यूडीएचआर उस **सामान्य मानक को समाहित करता है** जिसके लिए **प्रत्येक देश और व्यक्ति को मानवाधिकारों के संदर्भ में प्रयास करना चाहिए।**
- यूडीएचआर **में 30 लेख शामिल हैं** जो **मौलिक मानवाधिकारों और स्वतंत्रता की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं जिसके लिए दुनिया के विभिन्न हिस्सों के सभी लोग हकदार हैं** ।
- यूडीएचआर **उन सभी देशों के लिए एक नियामक निकाय के रूप में भी कार्य करता है** जो **सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों सहित बुनियादी मानवीय जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करते हैं।**

भारत में मानवाधिकारों के बारे में

- भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में मानवाधिकारों के संरक्षण और संरक्षण के लिए **12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की स्थापना की गई थी।**
- एनएचआरसी एक **मानवाधिकार संस्था है** , जो **संसद द्वारा पारित मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम के अनुसार एक सिफारिशी निकाय है।**

- आयोग **संविधान के तहत प्रदान किए गए प्रावधानों की समीक्षा और सुरक्षा करता है** और **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें करता है।**
- आयोग ने **मानवाधिकारों के प्रमुख मुद्दों पर भी कई हस्तक्षेप किए हैं** जिनमें **बाल श्रम , जेल सुधार, स्वास्थ्य का अधिकार, भोजन का अधिकार, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार, स्वच्छता और महिलाओं के अधिकार शामिल हैं** ।

13.9. अंतर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस- 11 दिसंबर

- अंतर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस 11 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नामित एक वार्षिक उत्सव है ।
- यह हमारे जीवन में पहाड़ों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 2003 से हर साल मनाया जाता है
- पहाड़ दुनिया की 15% आबादी का घर हैं, दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट की मेजबानी करते हैं, और कृषि को बनाए रखने और स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति के लिए आधी मानवता को रोजमर्रा की जिंदगी के लिए ताजा पानी प्रदान करते हैं।
- 2023 का विषय माउंटेन इकोसिस्टम को पुनर्स्थापित करना है ।
  - ✓ इसका उद्देश्य पर्वतीय पारिस्थितिकी प्रणालियों की प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

13.10. सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज(UHC) दिवस- 12 दिसंबर

- यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) दिवस हर साल 12 दिसंबर को मनाया जाता है ।
- दिवस 2023 का विषय है - सभी के लिए स्वास्थ्य : कार्रवाई का समय।

यूएचसी के बारे में

- WHO के अनुसार, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (UHC) का मतलब सभी लोगों से है वे वित्तीय समस्याओं के बिना , जब और जहां उन्हें आवश्यकता हो , गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला तक पहुंचने में सक्षम हैं ।
- इसमें रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और उपशामक देखभाल से लेकर सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल हैं ।
- 2017 में, संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प 72/138 द्वारा 12 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस (यूएचसी दिवस) के रूप में घोषित किया ।

CivilsTap HImachal

13.11. राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2023- 14 दिसंबर

- **ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के मूल्य के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने** के लिए **भारत में** हर साल **14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता** है ।
- हर साल, ऊर्जा मंत्रालय के तहत **ऊर्जा दक्षता ब्यूरो समारोह का नेतृत्व करता है** ।
- 14 दिसंबर 1991 को **पहली बार विजेताओं को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार दिए गए** ।
  - ✓ तब से, इस **दिन को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के रूप में चिह्नित किया गया है** ।

13.12. विजय दिवस- 16 दिसंबर

- **16 दिसंबर को 52वें विजय दिवस के अवसर पर सभी** राजनीतिक दलों के नेताओं ने 1971 के युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की ।
- **1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की जीत का** सम्मान करने और देश के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए **हर साल 16 दिसंबर को** विजय दिवस मनाया जाता है ।
- **13 दिनों की लड़ाई** के बाद , भारत ने **16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान पर शानदार जीत हासिल की** , जिससे **पूर्व पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश का निर्माण हुआ।**
- इस महत्वपूर्ण दिन पर, पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के प्रमुख **जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाज़ी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया** , जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था।
- **बांग्लादेश 16 दिसंबर को 'बिजॉय डिबोस ' या विजय दिवस के रूप में** मनाता है ।

13.13. गोवा मुक्ति दिवस- 19 दिसम्बर

- गोवा मुक्ति दिवस प्रतिवर्ष **19 दिसंबर** को मनाया जाता है ।
- यह **पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन से राज्य की मुक्ति का जश्न मनाता है।**
- गोवा मुक्ति दिवस उस दिन को चिह्नित करता है- **19-12-1961** जब **भारतीय सेना ने राज्य को 451 वर्षों के पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया था।**

13.14. अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस- 18 दिसम्बर

- **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस 18 दिसंबर को मनाया जाता है प्रवासियों के योगदान को पहचानना** और **उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करना** ।
- यह **दिन दुनिया भर में प्रवासियों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं पर प्रकाश डालता है** ।
- **4 दिसंबर 2000 को** , **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 18 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस के रूप में घोषित किया** ।
  - ✓ **1990 में** इसी दिन , UNGA **ने सभी प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों के सदस्यों के अधिकारों की सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन को** अपनाया **था** ।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस 2023** का विषय **"सुरक्षित प्रवासन को बढ़ावा देना" है** ।

13.15. अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस- 20 दिसंबर

- **अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस प्रतिवर्ष 20 दिसंबर को मनाया जाने वाला** एक महत्वपूर्ण उत्सव है ।
- इस दिन की जड़ें 22 दिसंबर 2005 से मिलती हैं, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 60/209 के माध्यम से एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के मौलिक मूल्य के रूप में स्वीकार किया था। ।
  - ✓ इस **मान्यता के कारण गरीबी से निपटने के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना हुई।**

13.16. राष्ट्रीय गणित दिवस- 22 दिसंबर

- **महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती** मनाने के लिए **प्रत्येक वर्ष 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस (एनएमडी) मनाया** जाता **है** ।
- **2012 में सरकार** द्वारा **22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में नामित किया गया** था ।
- वर्ष **2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष भी कहा गया और मनाया गया।**

एस रामानुजन के बारे में

- श्रीनिवासन रामानुजन का जन्म **22 दिसंबर, 1887 को इरोड, तमिलनाडु में हुआ था** ।
- रामानुजन, सभी समय के महानतम भारतीय गणितज्ञों में से एक, **रीमैन श्रृंखला, हाइपरजियोमेट्रिक श्रृंखला, दीर्घवृत्तीय समाकलन, निरंतर भिन्न और जीटा फ़ंक्शन के कार्यात्मक समीकरणों के क्षेत्रों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।**
- **1911** में उनका **पहला पेपर जर्नल ऑफ़ द इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी में प्रकाशित हुआ** ।
- **1916** में उन्हें **कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शोध द्वारा बी.ए. की उपाधि से सम्मानित किया गया ।**
- **26 अप्रैल, 1920 को 32 वर्ष की आयु में** उनका निधन हो गया।
- उन्होंने **लगभग 4,000 मूल प्रमेय छोड़े हैं।**

13.17. किसान दिवस- 23 दिसम्बर

- किसानों को देश की रीढ़ के रूप में मान्यता देने के लिए भारत में **23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस या किसान दिवस** मनाया जाता है ।
- यह दिन **भारत के पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के रूप में मनाया जाता है।**
- अपने कार्यकाल में अल्प समय (1979-80) के दौरान, सिंह ने किसानों की भलाई और सशक्तिकरण में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न कल्याणकारी पहल शुरू कीं।
- उनके योगदान को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार ने एक किसान से देश के नेता के रूप में सिंह के उल्लेखनीय परिवर्तन को स्वीकार करते हुए, 2001 में आधिकारिक तौर पर 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में घोषित किया।
- किसान दिवस 2023 का विषय 'स्थायी खाद्य सुरक्षा और लचीलेपन के लिए स्मार्ट समाधान प्रदान करना' है।

13.18. राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस- 24 दिसम्बर

- **1986 में , उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया गया और इसे 24 दिसंबर को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई ।**
- **तब से, इस अवसर को मनाने के लिए इस दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है।**
- **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार हैं-**
  - ✓ **सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार , सूचित होने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, निवारण पाने का अधिकार और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार।**

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च को मनाया जाता है।

- **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 का दायरा बढ़ाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 पारित किया गया था।**
  - ✓ **भ्रामक विज्ञापनों, झूठे उत्पाद विवरण, या उत्पादों और सेवाओं की किसी भी प्रकार की गारंटी के खिलाफ सजा भी शामिल है ।**

- ✓ **केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) संशोधित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत स्थापित एक इकाई है ।**
  - ➢ **इसका काम झूठे और भ्रामक विज्ञापनों में लगी कंपनियों पर जुर्माना और जुर्माना लगाना है ।**
  - ➢ **सीसीपीए उपभोक्ता संरक्षण बढ़ाने और व्यवसायों में जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

13.19. सुशासन दिवस- 25 दिसंबर

- ❖ **सुशासन दिवस पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर मनाया जाता है ।**
- ❖ **शासन और सरकार में जवाबदेही के बारे में देश के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 25 दिसंबर को यह दिन मनाया जाता है ।**

13.20. अंतर्राष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस – 27 दिसंबर

- ❖ हर साल **27 दिसंबर** को **अंतर्राष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस** मनाया जाता है ।
- ❖ यह विशेष दिन **व्यक्तियों, संस्थानों और सरकारों सहित सभी को शैक्षिक और जागरूकता गतिविधियों** में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनके देश की आवश्यकताओं के अनुरूप हों।
- ❖ **यह इस बात पर जोर देता है कि बीमारियों जैसी महामारी के प्रकोप को रोकना, उसके लिए तैयारी करना और उसके खिलाफ मिलकर काम करना** कितना महत्वपूर्ण है।
- ❖ 7 दिसंबर, 2020 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा **पारित** एक प्रस्ताव **में 27 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय महामारी तैयारी दिवस घोषित किया गया।**

14. पुरस्कार और सम्मान

14.1. व्यास सम्मान

- ❖ प्रसिद्ध **हिंदी लेखिका पुष्पा भारती के 2016 के संस्मरण** , **" यादें , यादें और यादें " को 33वें व्यास सम्मान, 2023 के लिए चुना गया** है ।
- ❖ यह पुरस्कार **केके बिड़ला फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है।**
- ❖ **1991** में स्थापित यह पुरस्कार किसी **भारतीय नागरिक द्वारा पिछले 10 वर्षों के दौरान** प्रकाशित **उत्कृष्ट हिंदी साहित्यिक कृति को दिया जाता है** ।
- ❖ इसमें **₹4 लाख का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका दी जाती है।**
- ❖ व्यास सम्मान के अलावा, **केके बिड़ला फाउंडेशन ने सरस्वती सम्मान और बिहारी पुरस्कार भी स्थापित किया है** ।
  - ✓ सरस्वती **सम्मान** , जिसमें **₹15 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है** , किसी भारतीय नागरिक द्वारा भारत के संविधान की अनुसूची VIII में शामिल किसी भी भाषा में उत्कृष्ट साहित्यिक कृति के लिए दिया जाता है और **10** वर्षों **की अवधि के दौरान प्रकाशित किया जाता है।**
  - ✓ बिहारी **पुरस्कार में ₹ 2.5 लाख का नकद पुरस्कार** दिया जाता है और यह राजस्थान के हिंदी/राजस्थानी लेखकों के लिए है।

14.2. जावेद अख्तर को पद्मपानी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

- भारतीय गीतकार और कवि **जावेद अख्तर को अजंता-एलोरा फिल्म फेस्टिवल** में **पद्मपानी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स से सम्मानित किया** जाएगा ।
- सम्मान में **पद्मपाणि स्मृति चिन्ह** , **प्रशस्ति पत्र और 2 लाख रुपये का मौद्रिक पुरस्कार** शामिल है।
- यह पुरस्कार **भारतीय फिल्म उद्योग में उनके योगदान का सम्मान करता है** ।
- अख्तर 'जंजीर', ' **दीवार ', 'डॉन' और अन्य फिल्मों में सह-लेखक रहे हैं** ।
- अजंता **-एलोरा फिल्म फेस्टिवल** , जिसे **पहले औरंगाबाद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एआईएफएफ) कहा जाता था** , **महाराष्ट्र और भारत सरकार के सहयोग से नाथ ग्रुप, यशवंतराव चव्हाण सेंटर, मुंबई द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है**।

14.3. न्योहोम पुरस्कार

- **मुंबई के होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की प्रोफेसर सविता लाडेज को रसायन विज्ञान शिक्षा** में **उनके योगदान के लिए रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री का न्योहोम पुरस्कार** मिला ।

पुरस्कार के बारे में

- **न्योहोम पुरस्कार सहित शिक्षा में उत्कृष्टता पुरस्कार,** प्राथमिक , **माध्यमिक, आगे की शिक्षा और उच्च शिक्षा** में काम करने वाले **व्यक्तियों का जश्न मनाते हैं , जिनमें शिक्षक, तकनीशियन और अन्य शामिल हैं।**
- **प्रतिवर्ष दिए जाने वाले** इस पुरस्कार का उद्देश्य **1968 से 1970 तक रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री** के अध्यक्ष रहे **सर रोनाल्ड न्योहोम के जीवन और कार्य को याद करना है।**
- रॉयल **सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री का पुरस्कार पोर्टफोलियो दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित पोर्टफोलियो में से एक** है , **जो रासायनिक विज्ञान को आगे बढ़ाने में व्यक्तियों, टीमों और संगठनों** की उपलब्धियों को मान्यता देता है ।
- यह **रासायनिक विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान** या नवाचार योगदान **को मान्यता देता है ।**
- यह **शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त और निरंतर प्रभाव** डालने वाले **प्रेरणादायक, नवोन्वेषी और समर्पित व्यक्तियों या टीमों को प्रदान किया जाता है।**
- यह **पुरस्कार यूके और आयरलैंड** और **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नामांकित व्यक्तियों के लिए खुला रहता है** , और **केवल यूके और आयरलैंड के नामांकन के लिए खुला रहता है।**
  - ✓ **2023** के लिए , यह **पुरस्कार दुनिया में कहीं भी स्थित नामांकित व्यक्तियों के लिए खुला है।**
- विजेता(विजेताओं) **को £5000, एक पदक और एक प्रमाण पत्र मिलता है।**
- विजेता **यूके में व्याख्यान या कार्यशालाओं की एक श्रृंखला पूरी करेंगे।**
- विजेताओं का **चयन शिक्षा पुरस्कार समिति द्वारा किया जाएगा।**

14.4. साहित्य अकादमी पुरस्कार

- साहित्य अकादमी ने अपने **वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा कर दी है** ।

- **कविता की 9 पुस्तकें, उपन्यास की 6, लघु कथाएँ की 5, 3 निबंध और 1 साहित्यिक अध्ययन ने साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023** जीते हैं ।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों के बारे में

- पुरस्कार **24 भाषाओं में दिए जाते हैं** जिनमें शामिल हैं-
  - ✓ **संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है**
  - ✓ **अंग्रेजी और राजस्थानी.**
- पुरस्कार **में** एक **ताबूत जिसमें एक उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका** , **एक शॉल** और **रुपये की राशि होती है।** प्रत्येक **नकद सामग्री के लिए 1,00,000/- रु .**

अकादमी के बारे में

- साहित्य अकादमी **12 मार्च 1954 को स्थापित किया गया था।**
- यह संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त **निकाय है ।**
- यह **भारतीय भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।**

14.5. इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2023

- 2023 के लिए शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार **संयुक्त रूप से डैनियल बरेनबोइम और अली अबू अव्वाद को इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के अहिंसक समाधान के लिए इजरायल और अरब दुनिया के युवाओं और लोगों को एक साथ लाने** के उनके **प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।**
- **बरेनबोइम** एक **प्रतिष्ठित शास्त्रीय पियानोवादक हैं** , और **अव्वाद एक प्रतिष्ठित शांति कार्यकर्ता हैं जो मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए काम कर रहे हैं।**

पुरस्कार के बारे में

- इसे **1986 से इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया गया है।**
- यह पुरस्कार **प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।**
- इसे **शांति और विकास के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक माना जाता है।**
- इसमें **प्रशस्ति पत्र के साथ 25 लाख रुपये का मौद्रिक पुरस्कार शामिल है।**
- यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण और विकास में उनके **असाधारण योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को मान्यता देता है ।**

14.6. रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्यिक पुरस्कार

- प्रसिद्ध **रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्यिक पुरस्कार ने कवि-आलोचक सुकृता पॉल कुमार को** उनकी **पुस्तक "सॉल्ट एंड पेपर: सेलेक्टेड पोएम्स" के लिए छठा पुरस्कार प्राप्तकर्ता** नामित किया है ।
- पुरस्कार समारोह में, कुमार को **5,000 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार** , एक **टैगोर प्रतिमा** और **साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए एक प्रमाण पत्र मिला।**

- इसके अलावा, **सामाजिक उपलब्धि** के लिए **रवींद्रनाथ टैगोर साहित्यिक पुरस्कार नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी को सामाजिक कल्याण में** उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया ।

पुरस्कार के बारे में

- **अमेरिका स्थित प्रकाशक पीटर बुंडालो** द्वारा **2018 में स्थापित** , **रवींद्रनाथ टैगोर साहित्यिक पुरस्कार ने खुद को विश्व शांति, साहित्य, कला, शिक्षा और मानवाधिकारों** के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में स्थापित किया है ।
- यह **सामाजिक उपलब्धि पुरस्कार के साथ मानवाधिकारों और विश्व शांति की** दिशा में **किए गए कार्यों को भी मान्यता देता है ।**

15. खेल

15.1. हार्दिक सिंह को पुरुष FIH प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया

- भारतीय हॉकी टीम के **मिडफील्डर हार्दिक सिंह को FIH हॉकी स्टार अवार्ड्स 2023 में पुरुष FIH प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया** ।
- **भारत की टोक्यो 2020 कांस्य पदक विजेता टीम** का हिस्सा थे ।
- वह **एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।**
- भारतीय महिला **हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार** मिला ।
- **डच खिलाड़ी ज़ान डी वार्ड ने FIH महिला खिलाड़ी ऑफ द ईयर का सम्मान** जीता **।**

FIH के बारे में

- फेडरेशन **इंटरनेशनेल डी हॉकी , जिसे** आमतौर पर **एफआईएच के संक्षिप्त नाम से जाना जाता है** , **फील्ड हॉकी** और **इनडोर फील्ड हॉकी की अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है** ।
- इसका **मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में है** ।
- एफआईएच **फील्ड हॉकी के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेषकर हॉकी विश्व कप के लिए जिम्मेदार है।**

15.2. खेल पुरस्कार

- खेल मंत्रालय ने **वार्षिक खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन पर अपनी मुहर लगा दी, जिसमें बैडमिंटन खिलाड़ियों सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के लिए** प्रतिष्ठित **खेल रत्न सम्मान** और **तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी** सहित **26 खिलाड़ियों के लिए अर्जुन पुरस्कार की पुष्टि की गई।**
- **राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा एथलीटों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे** ।
- **चिराग और सात्विक एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता** , **विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता** और **राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता हैं ।**
- **अर्जुन पुरस्कार विजेता-**
  - ✓ इस वर्ष के **अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए एथलीटों में** हॉकी खिलाड़ी कृष्ण बहादुर पाठक और सुशीला चानू, तीरंदाज ओजस प्रवीण देवताले और अदिति गोपीचंद स्वामी, मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन , शतरंज खिलाड़ी आर

वैशाली, गोल्फर दीक्षा डागर, निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और ईशा सिंह, पहलवान शामिल हैं। अंतिम पंघाल और सुनील कुमार, पैडलर अयहिका मुखर्जी और पैरा तीरंदाज शीतल देवी, अन्य शामिल हैं।

- उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए **द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी): ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सैनी (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हॉकी), गणेश प्रभाकर देवरुखकर (मल्लखंब)।**
- **आजीवन श्रेणी में ध्यानचंद पुरस्कार** तीन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा-
  - ✓ **मंजूषा कंवर (बैडमिंटन), विनीत कुमार शर्मा (हॉकी), कविता सेल्वराज (कबड्डी)**
- **गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (MAKA) ट्रॉफी 2023 का प्राप्तकर्ता** है , जबकि **लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब** और **कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पहले और दूसरे उपविजेता** हैं ।

15.3. पूजा ढांडा को निलंबित कर दिया गया

- पूर्व **विश्व और एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता पहलवान पूजा ढांडा भारत की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) द्वारा एक वर्ष में तीन ठिकाने(whereabouts)विफलताओं के लिए एक साल का निलंबन** जारी किया गया है ।

विवरण

- **नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल** में एक एथलीट को **हर तिमाही में ठिकाने(whereabouts) की जानकारी प्रदान करना** आवश्यक है जिसमें **शामिल है** : **घर का पता, ईमेल पता और फोन नंबर,** रात्रि निवास के लिए एक पता, **प्रतियोगिता कार्यक्रम और स्थान** और **प्रत्येक दिन के लिए 60 मिनट का समय स्लॉट** जहां वे **परीक्षण के लिए उपलब्ध और सुलभ होंगे और संभावित 'छूटे हुए परीक्षण' के लिए उत्तरदायी होंगे।**
- **12 महीने की अवधि के भीतर तीन ठिकाने विफलताओं** (फाइलिंग विफलताओं और/या छूटे हुए परीक्षण) का कोई भी संयोजन नाडा एंटी डोपिंग नियमों - अनुच्छेद 2.4 के तहत डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन है , जिसके कारण **4 साल तक की मंजूरी दी जा सकती है।**

16. समाचार में व्यक्ति

16.1. हेनरी किसिंजर

- **संयुक्त राज्य अमेरिका के** पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- किसिंजर का **अमेरिकी विदेश नीति और विदेश मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव था** और **उन्होंने 1969 और 1977 के बीच दो राष्ट्रपतियों - रिचर्ड निक्सन और गेराल्ड फोर्ड - के अधीन कार्य किया।**
- किसिंजर ने **वियतनाम युद्ध से अमेरिका के बाहर निकलने** के लिए बातचीत करने के लिए **विवादास्पद नोबेल शांति पुरस्कार भी जीता था,** जिसके कारण नोबेल समिति के दो सदस्यों के इस्तीफे हुए और अमेरिका द्वारा कंबोडिया पर गुप्त बमबारी की जांच की गई।
- 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति के लिए हुए युद्ध में किसिंजर ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन किया था।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच** सफलतापूर्वक राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित किया।

16.2. श्री रामासामी वेंकटरमन

- भारत के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति भवन में **भारत** के पूर्व राष्ट्रपति श्री आर वेंकटरमण को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित **की।**

श्री आर वेंकटरमन के बारे में

- आर वेंकटरमण का **जन्म मद्रास प्रेसीडेंसी के तंजौर जिले के राजामदाम गांव में हुआ था।**
- उन्होंने **कानून का अध्ययन किया और मद्रास उच्च न्यायालय और भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अभ्यास किया।**
- युवावस्था में, वह **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता थे और उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया।**
- वह 1950 में **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य के** रूप **में स्वतंत्र भारत की अनंतिम संसद के लिए चुने गए थे।**
- वह **संविधान सभा के सदस्य थे जिसने भारत के संविधान का मसौदा तैयार किया था।**
- वह **1952 से 1977 तक लोकसभा के सदस्य भी रहे**।
- वह **अंततः केंद्र सरकार में शामिल हो गए और 1980-82 में वित्त और उद्योग मंत्री और 1982-84 में रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया।**
- **उन्होंने** 1987 से 1992 तक भारत के 8 वें राष्ट्रपति के रूप में **कार्य किया।**

16.3. पा तोगन संगमा

- **पा टोगन संगमा** की पुण्य तिथि **12 दिसंबर को** मनाई गयी **।**

पीए टोगन संगमा के बारे में

- **इन्हें पा टोगन नेंगमिन्ज़ा संगमा** के नाम से भी जाना जाता है**, वह मेघालय के** एक स्वतंत्रता सेनानी थे ।
- **गारो जनजाति** से थे , और **उत्तर पूर्वी भारत** में **उपनिवेशवाद विरोधी प्रतिरोध आंदोलन में उनकी भूमिका के लिए जाने जाते हैं।**
- उन्हें **गारो हिल्स, मेघालय के पहले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक माना जाता है** ।
- **आयोजन**
  - ✓ पा टोगन ने **12 दिसंबर, 1872 को मेघालय के माचा रोंगक्रेक** में एक **साहसिक रात्रि छापा** मारा ।
  - ✓ उन्होंने **एक दुर्जेय ब्रिटिश सेना का सामना करने के लिए एक गारो सेना को इकट्ठा किया,** जिसमें **केले के तने** से **बनाई गई शानदार ढालें थीं** ।
  - ✓ वह **सामरिक रूप से कुशल गारो योद्धा था** , लेकिन उसकी **सेना भारी ब्रिटिश गोलाबारी से हार गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः उसकी मृत्यु हो गई** ।
- **मेघालय राज्य सरकार हर साल 12 दिसंबर को उन्हें सम्मानित करती है** ।
- **1872 में ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ उनके साहसी रुख की याद में** इस दिन को क्षेत्रीय सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाया जाता है ।

16.4. बाबा राघव दास

- हाल ही में **बाबा राघव दास** की जयंती थी

बाबा राघव दास के बारे में

- **पूर्वांचल के गांधी** ' के नाम से मशहूर **बाबा राघव दास का जन्म 12 दिसंबर 1896 को पुणे, महाराष्ट्र में** एक अमीर ब्राह्मण परिवार में हुआ था **।**
- **देश की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों** में महान भूमिका निभाई ।
- सिद्ध गुरु की तलाश में 1913 में मुंबई छोड़ दिया और काशी और बाद में ग़ाज़ीपुर पहुँचे, जहाँ उनकी मुलाकात 'मौनी बाबा' से हुई और उन्होंने हिंदी सीखी।
  - ✓ उसके बाद उनकी मुलाकात **'योगिराज अनंत महाप्रभु ' से हुई और उन्होंने उन्हें अपना गुरु स्वीकार कर लिया** ।
- **1921** में **महात्मा गांधी ने गोरखपुर का दौरा किया** और उनसे मुलाकात की।
  - ✓ के बाद से **उन्होंने लगातार स्वतंत्रता के लिए काम किया और पीड़ित लोगों की सेवा की** ।
- उन्हें **पहली बार जेल में डाला गया** ।
- **दांडी मार्च के दौरान** वह गांधीजी के साथ थे।
- आजादी के बाद उन्होंने **चुनाव लड़ा और 1948 में विधायक चुने गये।**
- उन्होंने **बिनोबा भावे** द्वारा शुरू किए गए **'भू-दान' आंदोलन में भी सक्रिय भाग लिया** ।
- महान **संत और दार्शनिक 15 जनवरी, 1958 को अपने स्वर्गीय निवास के लिए प्रस्थान कर गए** ।

16.5. सखाराम गणेश देउस्कर

- **हाल ही में 17 दिसंबर को सखाराम गणेश देउस्कर की जयंती** मनाई गई **।**

सखाराम गणेश देवस्कर के बारे में (1869-1912)

- सखाराम गणेश देउस्कर का **जन्म 17 दिसंबर 1869 को झारखंड के देवघर के पास एक गांव में हुआ था** ।
- एक **क्रांतिकारी पत्रकार** और **श्री अरबिंदो के करीबी सहयोगी** , वह **भारतीय पुनर्जागरण के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे** ।
- मराठी मूल के होने के बावजूद उनका **पालन-पोषण बंगाली परिवेश में हुआ और उन्होंने महाराष्ट्र और बंगाल के पुनर्जागरण के बीच एक सेतु का काम किया** ।
- एक विपुल लेखक, उन्होंने **बंगाली की अधिकांश क्रांतिकारी पत्रिकाओं में योगदान दिया** ।
- उनमें से सबसे प्रभावशाली कृति **'देशेर कथा' थी जिसका बाद में हिंदी में ' देश की बात' नाम से अनुवाद किया गया** ।
- यह पुस्तक **औपनिवेशिक ब्रिटिश शासन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के शोषण पर आधारित थी** ।
- इसने एक लोकप्रिय मुहावरे में **एमजी रानाडे और डी. नौरोजी के काम का सारांश भी दिया और अपने समापन अध्याय में औपनिवेशिक राज्य की "मन पर सम्मोहक विजय" के खिलाफ चेतावनी दी।**
- इसने **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए जनता को संगठित करने में मदद की** ।
- वे **बाल गंगाधर तिलक को अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।**
- देउस्कर ने **अंतिम सांस ली।**

16.6. तारक नाथ दास

- हाल ही में इनकी पुण्य **तिथि** मनाई गई।

तारकनाथ दास के बारे में

- तारकनाथ दास **वैश्विक दृष्टिकोण वाले भारतीय क्रांतिकारी थे।**
- उनका जन्म **उत्तर 24 परगना के माझीपारा में एक बंगाली मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था।**
- छोटी उम्र में, दास **एक गुप्त संस्था, अनुशीलन समिति के सदस्य बन गए** ।
- **जतींद्रनाथ मुखर्जी** की सलाह पर , दास **शुरू में जापान भाग गए और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए।**
- उन्होंने आप्रवासियों के हितों की वकालत करने के लिए **एक ब्रिटिश विरोधी समाचार पत्र 'फ्री हिंदुस्तान ' का प्रकाशन शुरू किया।**
- **1913** में दास **लाला हर दयाल** के सम्पर्क में आये **और गदर आंदोलन और इसकी उपनिवेशवाद विरोधी गतिविधियों से जुड़े।**
- **1917** में , उन्हें **भारत-जर्मन षडयंत्र मामले में फंसाया गया, जिसके लिए उन्हें दो साल के लिए कंसास में कैद किया गया।**

16.7. रॉबर्ट एम सोलो

- **1987 में आर्थिक विज्ञान में नोबेल जीतने वाले** रॉबर्ट एम. सोलो का हाल ही में निधन हो गया। वह 99 वर्ष के थे.
- **उन्होंने अपने सिद्धांत के लिए पुरस्कार जीता** कि **पूंजी और श्रम में वृद्धि के बजाय प्रौद्योगिकी में प्रगति, संयुक्त राज्य अमेरिका में आर्थिक विकास के प्राथमिक चालक रहे हैं।**
- सोलो ने **मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ाया** , जहां उन्होंने और उनके साथी नोबेल पुरस्कार विजेता, पॉल ए सैमुएलसन ने **आर्थिक विश्लेषण की एमआईटी शैली बनाई** , जो 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में एक अग्रणी दृष्टिकोण के रूप में उभरी और इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्थिक नीति निर्धारण.
- उनके काम ने **महत्वपूर्ण आर्थिक बहसों में गणित को शामिल करने** और **एक समय में कम संख्या में चर पर ध्यान केंद्रित करके विश्लेषण को सरल बनाने की शक्ति का प्रदर्शन किया।**

16.8. पंडित मदन मोहन मालवीय

- पीएम ने 25 दिसंबर को उनकी 162 वी जयंती के अवसर पर **पंडित मदन मोहन मालवीय** के **संग्रहित कार्यों की 11 खंडों की पहली श्रृंखला जारी की।**
- द्विभाषी **(अंग्रेजी और हिंदी) कृति, देश के हर हिस्से से एकत्र किए गए मालवीय के लेखों और भाषणों का संग्रह है।**
- **इसे सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के** अधीन **प्रकाशन प्रभाग** द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पंडित मदन मोहन मालवीय के बारे में

- मदन मोहन मालवीय, जिन्हें **पंडित मदन मोहन मालवीय के नाम से** भी जाना जाता है, जिन्हें **महामना भी कहा जाता है, एक भारतीय विद्वान, शैक्षिक सुधारक और भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के नेता** थे ।
- इनका जन्म- **25 दिसंबर 1861 ,** उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था।
- **ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
- उन्होंने **1915** में **हिंदू महासभा की स्थापना में मदद की** ।
- उन्होंने **1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की।**
- उन्हें 1909, 1918, 1932 और 1933 में (चार बार) **कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।**
- **नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन** में भाग लिया और **गिरफ्तारी दी** ।

- **महात्मा गांधी ने उन्हें ' महामना ' की उपाधि** दी थी और भारत के दूसरे राष्ट्रपति **डॉ. एस. राधाकृष्णन ने उन्हें ' कर्मयोगी ' का दर्जा दिया था ।**
- **प्रकाशनों**
  - ✓ 1907 में हिन्दी साप्ताहिक- **अभ्युदय** (1915 में दैनिक बनाया गया)
  - ✓ 1910 में हिन्दी मासिक- **मर्यादा**
  - ✓ 1909 में अंग्रेजी दैनिक- **लीडर**
  - ✓ **हिंदुस्तान** और **इंडियन यूनियन** के संपादक थे ।
- उन्हें **2014 में मरणोपरांत** देश **के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।**

16.9. बीना दास

- **26 दिसंबरक्रांतिकारी बीना दास** की पुण्य **तिथि** मनाई गई ।

बीना दास के बारे में

- बीना दास **पश्चिम बंगाल की एक भारतीय क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी थीं** ।
- उनका **जन्म 24 अगस्त, 1911 को सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् माता-पिता - बेनी माधब दास और सरला देवी के घर हुआ था, जो ब्रह्म समाज और स्वतंत्रता संग्राम** में गहराई से शामिल थे ।
- **कोलकाता में महिलाओं के लिए एक अर्ध-क्रांतिकारी संगठन** , **छत्री संघ** की सदस्य थीं ।
- **6 फरवरी 1932** को , उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह हॉल में **बंगाल के गवर्नर स्टेनली जैक्सन की हत्या का प्रयास किया ।**
  - ✓ रिवॉल्वर **की आपूर्ति** एक अन्य स्वतंत्रता सेनानी **कमला दास गुप्ता ने की थी।**
- उसने **पाँच गोलियाँ चलाईं लेकिन असफल रही** और उसे **नौ साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।**
- 1942 में, उन्होंने **भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया** और **1942 से 1945 तक फिर से जेल में रहीं** ।
- 1946 से 1947 तक, वह **बंगाल प्रांतीय विधान सभा की सदस्य रहीं** और **1947 से 1951 तक पश्चिम बंगाल विधान सभा की सदस्य रहीं।**
-

16.10. जैक्स डेलर्स

- **यूरोपीय आयोग के पूर्व** अध्यक्ष **जैक्स डेलर्स** , जो **यूरो मुद्रा के निर्माण में एक प्रमुख व्यक्ति थे, का** हाल ही में निधन हो गया।
  - ✓ वह 98 वर्ष के थे.
- 1985 से **1995 तक** , उन्होंने **यूरोपीय आयोग के प्रमुख के रूप में कार्य किया** , और ब्लॉक के एकीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति द्वारा चिह्नित एक परिवर्तनकारी दशक की देखरेख की।
- इस अवधि में **आम बाजार की स्थापना** , यात्रा **के लिए शेंगेन समझौते का कार्यान्वयन** , **छात्र आदान-प्रदान के लिए इरास्मस कार्यक्रम की शुरुआत** और **ब्लॉक की एकल मुद्रा के रूप में यूरो की शुरूआत जैसे मील के पत्थर देखे गए ।**

17. सामाजिक मुद्दे, स्वास्थ्य, शिक्षा

17.1. H1N2 स्वाइन फ्लू

- ब्रिटेन **ने फ्लू स्ट्रेन ए(एच1एन 2)वी के पहले मानव मामले का पता लगाया** , जो **सूअरों में फैलने वाले फ्लू वायरस के समान है** , हालांकि **मामला "हल्का" था और ब्रिटेन द्वारा जारी एक चेतावनी के अनुसार, मरीज ठीक हो गया।**

इन्फ्लुएंजा वायरस के बारे में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार **इन्फ्लुएंजा A(H1N2)वायरस दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों में सूअरों में पाए जाते** हैं ।
- जब ये **वायरस मनुष्यों में पाए जाते हैं** , तो उन्हें **वैरिएंट इन्फ्लूएंजा वायरस कहा जाता है** , और **मनुष्यों को संक्रमित करने वाले सबसे आम वायरस H1N1, H1N2 और H3N2 हैं।**
- ये **वायरस अक्सर उन लोगों में फैलते हैं जो कृषि मेलों, काम के माध्यम से या अपने पालतू सूअरों के माध्यम से सूअरों के संपर्क में आते हैं** ।
- लोग दूषित सतहों को छूने , फिर **अपने मुँह या नाक को छूने से भी संक्रमित हो सकते हैं** । **ठीक से संभाले गए सूअर का मांस खाने से लोगों में वायरस फैलने का कोई ज्ञात मामला सामने नहीं** आया है । हालाँकि **स्वाइन फ्लू के अधिकांश मामले व्यक्ति-से-व्यक्ति में नहीं फैलते हैं, फिर भी व्यक्ति-से-व्यक्ति में संचरण के मामले दर्ज किए गए हैं।**
- **लक्षणों में शामिल हैं - गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, नाक बहना, बुखार, खांसी आदि।**
- वह **तनाव जो 2009 की महामारी का कारण बना - H1N1** - अब **मौसमी रूप से मनुष्यों में फैलता है** और आज सूअरों में फैल रहे वायरस से अलग है।
- **2005 से विश्व स्तर पर H1N2 के 50 मानव मामले सामने आए** हैं ।

17.2. मिशन दक्ष

- **बिहार सरकार ने स्कूल ड्रॉपआउट को कम करने के लिए** अपनी **महत्वाकांक्षी योजना शुरू की** ।
- **मिशन दक्ष (ज्ञान और कौशल के लिए गतिशील दृष्टिकोण)** नामक इस योजना का उद्देश्य **राज्य भर में कक्षा 3-8 के कमजोर छात्रों को विशेष हिंदी, गणित और अंग्रेजी कक्षाएं प्रदान करना है** ।
- एक **शिक्षक केवल पाँच छात्रों को पढ़ाएगा** , जो **धाराप्रवाह हिंदी और अंग्रेजी पढ़ और लिख नहीं सकते और बुनियादी गणित में अच्छे नहीं हैं।**
- **राज्य भर के 60,000 से अधिक स्कूलों में दोपहर 3.30 से 4.15 बजे के बीच** दक्ष कक्षाएं सफलतापूर्वक चलाई गईं।

17.3. मलेरिया

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में** अपनी **वार्षिक मलेरिया रिपोर्ट 2023 जारी की** ।

प्रमुख निष्कर्ष

- **वैश्विक स्तर पर अनुमानित 249 मिलियन मलेरिया के मामले** थे ।
- **वैश्विक स्तर पर मलेरिया के 95% मामले उनतीस देशों में** हैं ।
  - ✓ चार देशों, **नाइजीरिया** (27%), **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य** (12%), **युगांडा** (5%), और **मोज़ाम्बिक (4%) , वैश्विक स्तर पर मलेरिया के लगभग आधे मामलों** के लिए जिम्मेदार हैं ।

- **अफ़्रीका पर मलेरिया का बोझ सबसे ज़्यादा है** , 2022 **में 94% मामले और वैश्विक मलेरिया से होने वाली 95% मौतें अफ़्रीका में होंगी।**
- WHO का लक्ष्य **2025 में मलेरिया की घटनाओं और मृत्यु दर को 75% और 2030 में 90% तक कम करना है** ।
  - ✓ 2025 में घटनाओं में कमी के लिए 55% और मृत्यु दर में कमी के लिए 53% के अंतर के साथ दुनिया पटरी से उतर गई है।
- WHO द्वारा अनुशंसित मलेरिया टीके **आरटीएस, एस /एएस01 और आर21/ मैट्रिक्स-एम ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं।**
- **भारत विशिष्ट निष्कर्ष**
  - ✓ **WHO दक्षिणपूर्व एशिया क्षेत्र में मलेरिया के 66% मामले** भारत में हैं ।
  - ✓ भारत में **2021 की तुलना में 2022 में मलेरिया के मामलों में 30% और मौतों में 34% की गिरावट देखी गई** ।

मलेरिया के बारे में

- मलेरिया एक **जानलेवा मच्छर जनित रक्त रोग है** जो प्लास्मोडियम परजीवियों के कारण होता है।
- **5 प्लाज़्मोडियम परजीवी प्रजातियाँ मनुष्यों में मलेरिया का कारण बनती हैं** और इनमें से **2** प्रजातियाँ - **पी. फाल्सीपेरम और पी. विवैक्स - सबसे बड़ा खतरा पैदा करती हैं।**
- मलेरिया मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण **अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है ।**
- मलेरिया **संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है।**
- परजीवी **यकृत तक पहुंचते हैं, परिपक्व होते हैं और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं।**

17.4. पोम्पे रोग

- भारत का **पोम्पे रोग के पहले मरीज का पिछले महीने निधन हो गया** बीमारी से जूझने के बाद 24 साल की उम्र में।
- 2010 में उनके पिता ने इसकी शुरुआत की थी **ऑर्गेनाइज़ेशन फ़ॉर रेयर डिज़ीज़ इंडिया (ORDI), दुर्लभ बीमारियों के लिए देश का पहला गैर सरकारी संगठन है।**

पोम्पे रोग के बारे में

- **ग्लाइकोजन भंडारण रोग प्रकार II** के रूप में भी जाना जाता है, पोम्पे रोग **एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार है जो एंजाइम एसिड अल्फा-ग्लूकोसिडेज़ (जीएए) की कमी के कारण होता है।**
  - ✓ यह एंजाइम **कोशिकाओं के लाइसोसोम के भीतर ग्लाइकोजन को ग्लूकोज में तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है।**
- इसका **व्यापकता का अनुमान 40,000 में 1 से लेकर 300,000 जन्मों में 1 तक है।**
- यह **विभिन्न जातियों और आबादी में होता है।**
- **शुरुआती उम्र** और **गंभीरता भिन्न हो सकती है.**
- **प्रमुख लक्षण**
  - ✓ **प्रगतिशील मांसपेशियों की कमजोरी पोम्पे रोग की एक प्राथमिक विशेषता है** । यह **कंकाल और चिकनी मांसपेशियों दोनों को प्रभावित करता है, जिससे गतिशीलता और दैनिक गतिविधियों में कठिनाई होती है** ।
  - ✓ बच्चों में **मोटर कौशल में देरी**
  - ✓ **हड्डियों पर अपक्षयी प्रभाव** के कारण जोड़ों में सिकुड़न और कंकालीय विकृति हो जाती है।

- ✓ डायाफ्राम सहित श्वसन की मांसपेशियों के कमजोर होने के कारण **श्वसन संबंधी जटिलताएँ ।**
- ✓ **हृदय संबंधी भागीदारी**

❖ **एंजाइम परख के लिए संचालित किये जाते हैं कमी वाले एंजाइम, एसिड अल्फा-ग्लूकोसिडेज़ (GAA) की गतिविधि को मापें।**

- ✓ **आनुवंशिक परीक्षण पहचान करता है जिम्मेदार GAA जीन में उत्परिवर्तन ।**

❖ **वहाँ है पोम्पे रोग का वर्तमान में कोई इलाज नहीं है ।**

- ✓ **हालाँकि, वहाँ हैं लक्षणों को प्रबंधित करने और रोगी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उपचार के विकल्प उपलब्ध हैं।**
- ✓ **एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) एक मानक उपचार है, जिसमें शामिल है ग्लाइकोजन निर्माण को कम करने के लिए लापता एंजाइम का आसव।**

17.5. 'आरोग्य मैत्री सहायता क्यूब'

❖ दुनिया **का पहला पोर्टेबल अस्पताल** , **'आरोग्य मैत्री एड क्यूब' का** हाल ही में गुरुग्राम में अनावरण किया गया।

❖ इसे **प्रोजेक्ट 'भीष्म' (सहयोग , हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल) के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है।**

❖ इसे **स्वास्थ्य मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है** ।

❖ इस क्यूब को **त्वरित प्रतिक्रिया और व्यापक देखभाल पर जोर देते हुए 200 हताहतों के इलाज के लिए तैयार किया गया है** ।

❖ **बड़े पैमाने पर हताहत होने की घटनाओं (एमसीआई)** के सामने , जहां आवश्यकताएं बुनियादी सहायता से लेकर उन्नत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा देखभाल तक होती हैं, **एड क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात होने की अपनी क्षमता के साथ खड़ा है।**

❖ पोर्टेबल अस्पताल **में 72 अलग करने योग्य मिनी- क्यूब्स शामिल हैं** और इन **क्यूब्स को एक सर्जिकल स्टेशन में परिवर्तित किया जा सकता है जिसमें सभी सुविधाएं हैं जहां छोटी ऑपरेटिंग प्रक्रियाएं भी की जा सकती हैं** ।

❖ यह **गोली की चोट, जलन, सिर, रीढ़ की हड्डी और छाती की चोट, छोटी सर्जरी, फ्रैक्चर और बड़े रक्तस्राव को संभाल सकता है** ।

❖ ये क्यूब्स **हल्के और पोर्टेबल हैं** , और इन्हें **एयरड्रॉप से लेकर ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन तक कहीं भी तेजी से तैनात किया जा सकता है** ।

17.6. मेफ्टाल

❖ भारतीय **फार्माकोपिया आयोग** (आईपीसी) ने **आम दर्द निवारक दवा, मेफ्टाल के बारे में एक अलर्ट जारी किया है** और **लोगों को सलाह दी है कि उन्हें डॉक्टर से परामर्श करने के बाद ही दवा लेनी चाहिए क्योंकि इसमें मेफेनैमिक एसिड होता है जो ड्रेस सिंड्रोम आदि जैसी प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर कर** सकता है ।

❖ मेफ्टल **मासिक धर्म में ऐंठन और संधिशोथ के लिए आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवा** है ।

❖ **मेफ्टाल का** प्राथमिक **घटक मेफेनैमिक एसिड** है , जो मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द के साथ-साथ **मासिक धर्म के दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दर्द निवारक एजेंट है** ।

- ✓ इसके अतिरिक्त, यह **गले में खराश, तंत्रिका दर्द और मांसपेशियों में दर्द को कम करने में प्रभावकारिता प्रदर्शित करता है।**

ड्रेस सिंड्रोम के बारे में

- **इओसिनोफिलिया और सिस्टमिक लक्षण (ड्रेस) सिंड्रोम के साथ ड्रग रैश** किसी **दवा के प्रति** एक अनोखी और गंभीर विशिष्ट प्रतिक्रिया है , जो **एक लंबी शुरुआत अवधि द्वारा चिह्नित होती है** ।
- यह **अबाकाविर, एलोप्यूरिनॉल और लैमोट्रिजिन जैसी दवाओं से जुड़ा था** ।
- इसके बाद, यह **विभिन्न प्रकार के नैदानिक लक्षणों** के माध्यम से **प्रकट होता है** , **जिसमें आमतौर पर बुखार, त्वचा पर लाल चकत्ते, लिम्फैडेनोपैथी, ईसिनोफिलिया और हल्के से लेकर गंभीर तक की प्रणालीगत अभिव्यक्तियाँ** शामिल **हैं** ।
- यह काफी **हद तक जीवन के लिए खतरा पैदा करता है , विभिन्न अध्ययनों में अनुमानित मृत्यु दर लगभग 10% है।**

भारतीय फार्माकोपिया आयोग के बारे में

- **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** की **एक स्वायत्त संस्था** है ।
- इसका **मूल कार्य इस क्षेत्र में प्रचलित बीमारियों के इलाज के लिए आमतौर पर आवश्यक दवाओं के मानकों को नियमित रूप से अद्यतन करना** है ।
- यह **भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) के रूप में नए जोड़ने और मौजूदा मोनोग्राफ को अद्यतन करने के माध्यम से दवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए** आधिकारिक **दस्तावेज प्रकाशित करता है ।**
- यह **नेशनल फॉर्मूलरी ऑफ इंडिया का प्रकाशन करके जेनेरिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देता है।**
- यह मनुष्यों और जानवरों के स्वास्थ्य देखभाल के दृष्टिकोण से आवश्यक **दवाओं की पहचान, शुद्धता और ताकत के लिए मानक निर्धारित करता है ।**
- यह **आईपी संदर्भ पदार्थ (आईपीआरएस) प्रदान करता है** जो परीक्षण के तहत किसी वस्तु की पहचान और **आईपी में निर्धारित उसकी शुद्धता के लिए फिंगरप्रिंट के रूप में कार्य करता है ।**

17.7. एंथ्रेक्स

- विश्व **स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के पांच देशों में एंथ्रेक्स के गंभीर प्रकोप की** सूचना दी है ।
- **केन्या, मलावी, युगांडा, ज़ाम्बिया और ज़िम्बाब्वे** में कुल 1,166 संदिग्ध मामले सामने आए थे ।
- सभी **पांच देशों में प्रकोप** " संभवतः कई कारकों से प्रेरित था **, जिसमें जलवायु संबंधी झटके, खाद्य असुरक्षा, कम जोखिम की धारणा और संक्रमित जानवरों के मांस को संभालने के माध्यम से बीमारी का जोखिम शामिल है।"**

एंथ्रेक्स के बारे में

- **रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी)** के अनुसार , **एंथ्रेक्स एक अत्यधिक संक्रामक रोग है** जो **बैसिलस एन्थ्रेसीस** नामक **ग्राम-पॉजिटिव, रॉड के आकार के बैक्टीरिया के कारण होता है।**
- एंथ्रेक्स **आमतौर पर मवेशियों, भेड़ और बकरियों जैसे पशुओं** के साथ-साथ **जंगली शाकाहारी जानवरों को भी प्रभावित करता है** ।
- **मनुष्य जानवरों या दूषित पशु उत्पादों के संपर्क में आते हैं तो वे संक्रमित** हो सकते हैं ।
- एंथ्रेक्स को आमतौर पर **मनुष्यों के बीच संक्रामक नहीं माना जाता है** , हालांकि **व्यक्ति-से-व्यक्ति में संचरण के दुर्लभ मामले सामने आए हैं।**

- एंथ्रेक्स **बैक्टीरिया भी प्राकृतिक रूप से मिट्टी में पाया जाता है।**
- **लक्षण** - द **संक्रमण के मार्ग के आधार पर रोग तीन रूपों में प्रकट होता है**
  - ✓ **त्वचीय एंथ्रेक्स** , इसका सबसे आम रूप है **खुजलीदार दाने जो काले घावों में बदल जाते हैं** , अक्सर बुखार और मांसपेशियों में दर्द के साथ होते हैं।
  - ✓ **गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंथ्रेक्स शुरू में भोजन विषाक्तता** जैसा दिखता है लेकिन गंभीर पेट दर्द और खूनी दस्त तक बढ़ सकता है ।
  - ✓ **इनहेलेशनल एंथ्रेक्स** , सबसे घातक रूप, गंभीर श्वसन संकट और सदमे की ओर बढ़ने से पहले **सर्दी जैसे लक्षणों से शुरू होता है।**
- एंथ्रेक्स का **उपचार उपलब्ध है** और इसमें **सिप्रोफ्लोक्सासिन, डॉक्सीसाइक्लिन या लेवोफ़्लॉक्सासिन** जैसे **एंटीबायोटिक्स शामिल हैं ।**
- **टीके पशुधन और मनुष्यों दोनों के लिए भी उपलब्ध हैं (** हालांकि मानव टीके आमतौर पर उच्च व्यावसायिक जोखिम वाले लोगों के लिए आरक्षित हैं।)

17.8. हीमोफीलिया

- हीमोफीलिया **एंड हेल्थ कलेक्टिव ऑफ नॉर्थ (एचएचसीएन) ने 16 राज्यों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के प्रतिनिधियों के** सहयोग से **भारत में हीमोफीलिया (पीडब्ल्यूएच) से पीड़ित व्यक्तियों के इलाज के लिए दिशानिर्देश** प्रस्तावित किए हैं ।
- दिशानिर्देश **इस दुर्लभ विकार के उपचार और प्रबंधन के संबंध में मौजूद " खालीपन " को संबोधित करेंगे और परिणामस्वरूप स्वास्थ्य पेशेवरों और रोगियों दोनों को मदद मिलेगी।**
- **एचएचसीएन भारत के अग्रणी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का** एक पंजीकृत निकाय है जो दो दशकों से अधिक समय से **हीमोफिलिया देखभाल के क्षेत्र में काम कर रहा है।**

हीमोफीलिया के बारे में

- हीमोफीलिया एक **दुर्लभ और आमतौर पर वंशानुगत रक्तस्राव विकार है** जिसमें रोगियों में **एक जीन में खराबी होती है जो थक्के कारक नामक प्रोटीन के उत्पादन को नियंत्रित करता है** ।
- यह विकार **सहज रक्तस्राव के साथ-साथ चोटों या सर्जरी के बाद रक्तस्राव का कारण बन सकता है।**
- चूंकि **जीन एक्स क्रोमोसोम पर होता है** , **इसलिए हीमोफीलिया लगभग पूरी तरह से एक पुरुष रोग है।**
- **प्रकार-**
  - ✓ हीमोफीलिया के सबसे आम प्रकार को **हीमोफीलिया ए** कहा जाता है, जहां व्यक्ति के पास पर्याप्त रक्त का थक्का जमाने वाला **कारक 8 नहीं होता है** ।
    - ➢ हीमोफीलिया ए, **लगभग 5,000 जन्मों में से 1 में** होता है ।
  - ✓ **हीमोफीलिया बी में ,** व्यक्ति में पर्याप्त **कारक 9 का अभाव है** ।
    - ➢ हीमोफीलिया बी **लगभग 20,000 जन्मों में से 1 में और भी दुर्लभ है।**
  - ✓ **हीमोफीलिया सी , जिसे रोसेंथल सिंड्रोम** भी कहा जाता है, **फैक्टर 11** की कमी के कारण होता है ।

17.9. नोरोवायरस

- ब्रिटेन **में हाल के हफ्तों में नोरोवायरस की संख्या** में **लगातार वृद्धि देखी जा रही** है ।

नोरोवायरस के बारे में

- नोरोवायरस एक **बहुत ही संक्रामक वायरस है जो मतली, उल्टी और दस्त का कारण बनता है ।**
- नोरोवायरस **आसानी से फैलता है यदि कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आता है जिसे पहले से ही इस वायरस का पता चला है।**
- नोरोवायरस **पेट या आंत में सूजन का कारण बनता है** । इसे **एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के नाम से जाना जाता है** ।
- **लक्षण आमतौर पर** वायरस के संपर्क में आने के 12 से 48 घंटे बाद दिखाई देते हैं।
- हालांकि **वायरस को ठीक करने के लिए कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है** , लेकिन **दस्त और उल्टी के लिए जेनेरिक दवाएं बीमारी को ठीक करने में मदद कर सकती हैं।**
- अधिकांश लोग **नोरोवायरस बीमारी से एक से तीन दिनों के भीतर ठीक हो जाते हैं।**
- **नोरोवायरस के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं** है ।

17.10. नोमा को WHO द्वारा NTD घोषित किया गया

- विश्व **स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में दुनिया की सबसे कम पहचानी जाने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक** , **नोमा को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों (एनटीडी) की** अपनी आधिकारिक सूची में शामिल किया है ।

नोमा के बारे में

- इस **बीमारी का नाम ग्रीक शब्द " नोमे** " से आया है, जिसका अर्थ है **"खा जाना",** क्योंकि अगर जल्दी इलाज न किया जाए तो **नोमा चेहरे के ऊतकों और हड्डियों को खा जाता है।**
- **कैंक्रम के** नाम से भी जाना जाता है **ओरिस या गैंग्रीनस स्टामाटाइटिस,** यह **मुंह और चेहरे की एक गंभीर गैंग्रीनस बीमारी है।**
- नोमा **मुख्य रूप से 2-6 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करता है** और यह **गरीब समुदायों में रहने वाले लोगों में सबसे अधिक पाया जाता है** ।
- यह **अत्यधिक गरीबी, कुपोषण और स्वच्छता और मौखिक स्वच्छता तक खराब पहुंच से भी जुड़ा है।**
- एनटीडी अक्सर विकासशील देशों में देखा जाता है **, खासकर उप-सहारा अफ्रीका में, जहां यह लगभग विशेष रूप से 3-10 वर्ष की आयु के गरीब बच्चों में होता है।**
- **इस बीमारी को लेकर जागरूकता की बेहद कमी** है .
  - ✓ है - **WHO वेबसाइट 'नवीनतम' अनुमानों को प्रति वर्ष 140,000 मामलों और 770,000 मामलों की व्यापकता को सूचीबद्ध करती है।**
- नोमा का **संबंध किससे है?** खराब मौखिक स्वच्छता, कुपोषण, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, **संक्रमण और अत्यधिक गरीबी सहित कई जोखिम कारक** ।
- हालाँकि यह **रोग संक्रामक नहीं है** , यह **तब हमला करना पसंद करता है जब शरीर की सुरक्षा कमजोर हो** ।
- यह **रोग मसूड़ों की सूजन से शुरू होता है और माना जाता है कि यह मुंह में पाए जाने वाले बैक्टीरिया के कारण होता है।**
- इसकी **मृत्यु दर लगभग 90 प्रतिशत है** ।

17.11. COVID-19 का JN.1 स्ट्रेन

- **केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के काराकुलम में जेएन** .1 **नामक कोविड-19 का** एक नया स्ट्रेन पाया गया है ।
- यह वैरिएंट, **पिरोला का वंशज है** , जो अब **अमेरिका, चीन और भारत सहित 38 देशों में फैल चुका है** ।
- इस नए स्ट्रेन की खोज ने **दुनिया भर में दिलचस्पी जगा दी है और चिंताएं बढ़ा दी हैं।**
- JN.1 वैरिएंट **पिरोला या BA 2.86 से भिन्न है ।** इसके स्पाइक प्रोटीन में **केवल एक उत्परिवर्तन द्वारा ।**
- हालांकि यह **उच्च संचरण क्षमता और हल्के लक्षणों के मामले में पिछले ओमिक्रॉन उपभेदों के साथ समानताएं साझा करता है** , लेकिन **कुछ लक्षण हैं जिनके बारे में व्यक्तियों को जागरूक होना चाहिए** , क्योंकि वे उतने हल्के नहीं हो सकते हैं।
- अन्य ओमिक्रॉन वेरिएंट।
- विशेषज्ञों के अनुसार, JN.1 COVID वैरिएंट के शुरुआती लक्षणों में **बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और, कुछ मामलों में, मध्यम गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं शामिल हैं** ।
- कुछ रोगियों को **सांस लेने में कठिनाई का भी अनुभव हो सकता है।**
- रोकथाम
  - ✓ संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए **सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करना आवश्यक है, जैसे बार-बार हाथ धोना, मास्क पहनना और सामाजिक दूरी बनाए रखना** ।

वैरिएंट एक जीनोम (आनुवंशिक कोड) है जिसमें एक या अधिक उत्परिवर्तन हो सकते हैं।

17.12. मलेरिया का टीका

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने R21/Matrix-M मलेरिया वैक्सीन को अपनी पूर्व-योग्य टीकों की सूची में शामिल कर लिया है ।**
- **इसे ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित किया गया है ।**
- **R21 वैक्सीन, RTS,S /AS01 वैक्सीन के बाद WHO द्वारा पूर्व-योग्यता प्राप्त दूसरी मलेरिया वैक्सीन है , जिसने जुलाई 2022 में प्रीक्वालिफिकेशन स्थिति प्राप्त की थी।**
- **डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए दोनों टीकों को नैदानिक परीक्षणों में सुरक्षित और प्रभावी दिखाया गया है।**

पूर्व योग्यता क्या है?

- **प्रीक्वालिफिकेशन का मतलब बच्चों में मलेरिया को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में टीकों तक बड़ी पहुंच है , साथ ही यह यूनिसेफ द्वारा वैक्सीन खरीद के लिए एक शर्त है और वैक्सीन एलायंस गावी द्वारा तैनाती के लिए वित्त पोषण समर्थन है।**
- **प्रीक्वालिफिकेशन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में , डब्ल्यूएचओ व्यापक मूल्यांकन और निर्धारित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को लागू करता है कि क्या टीके सुरक्षित, प्रभावी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्मित हैं ।**
- **WHO इसके माध्यम से प्रीक्वालिफाइड टीकों की निरंतर सुरक्षा और प्रभावकारिता भी सुनिश्चित करता है नियमित पुनर्मूल्यांकन, साइट निरीक्षण और लक्षित परीक्षण ।**

के बारे में

- **मलेरिया एक मच्छर जनित रोग है।**
- यह **प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होने वाली एक जानलेवा** बीमारी है जो **संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलती है।**
- **फैलाव** - मलेरिया **दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे आम है** , जिसमें **उप-सहारा अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं।**
- जबकि **प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार** है , **प्लाज्मोडियम विवैक्स सभी मलेरिया प्रजातियों में सबसे व्यापक** है ।
- **लक्षण-**
  - ✓ बुखार, थकान, ठंड लगना, उल्टी और सिरदर्द
  - ✓ दस्त , एनीमिया और मांसपेशियों में दर्द
  - ✓ अत्यधिक पसीना आना और ऐंठन होना
  - ✓ मल में खून।
  - ✓ गंभीर मामलों में, मलेरिया विनाशकारी हो सकता है; इससे दौरे, कोमा और अंततः मृत्यु हो सकती है।

17.13. कुष्ठ रोग

- ओडिशा **सरकार ने कुष्ठ रोग को राज्य में रिपोर्ट करने योग्य बीमारी** घोषित कर दिया है ।
- इसने **अस्पतालों और निदान और उपचार से जुड़े व्यक्तियों** , चिकित्सा शिक्षा **प्रदान करने वाले संस्थानों** और नैदानिक सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों **को संबंधित जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी मामलों की रिपोर्ट करने के लिए कहा है।**

कुष्ठ रोग के बारे में

- **एक संक्रामक रोग** है जो एक **प्रकार के बैक्टीरिया, माइकोबैक्टीरियम लेप्री** के कारण होता है ।
- **इसे हैनसेन रोग के** नाम से भी जाना जाता है ।
- यह **एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी) है** जो **अभी भी 120 से अधिक देशों में प्रचलित है।**
- **संचरण-** कुष्ठ रोग **अनुपचारित मामलों के साथ निकट और लगातार संपर्क** के दौरान, **नाक और मुंह से बूंदों के माध्यम से फैलता है।**
- कुष्ठ रोग बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सभी उम्र में होता **है।**
- यह रोग **त्वचा, परिधीय तंत्रिकाओं, ऊपरी श्वसन पथ की श्लैष्मिक सतहों** और **आंखों को प्रभावित करता है** ।
- यदि **रोगी का शीघ्र उपचार न किया जाए तो** यह **शारीरिक विकृति और रुग्णता का कारण बनता है ।**
- संक्रामक रोग **कलंक और भेदभाव से भी जुड़ा है।**
- **मल्टी-ड्रग थेरेपी (एमडीटी) के पूर्ण कोर्स के साथ इलाज योग्य बीमारी** है ।
  - ✓ इसके अलावा जब मरीज **इलाज शुरू करता है तो बीमारी फैलना बंद हो जाती है।**

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) के बारे में

- यह **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की छत्रछाया** में एक **केंद्र प्रायोजित योजना है।**

- भले ही भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कुष्ठ रोग को समाप्त कर दिया है, डब्ल्यूएचओ के मानदंड (राष्ट्रीय स्तर पर प्रति 10,000 जनसंख्या पर एक से कम मामला) **के अनुसार , यह ओडिशा सहित कुछ राज्यों में स्थानिक बना हुआ है** , जहां **इसकी व्यापकता एक से अधिक है** ।
- एनएलईपी का **लक्ष्य 2030 तक प्रत्येक जिले में कुष्ठ रोग को खत्म करना है।**
- एनएलईपी **रणनीतियाँ और योजनाएँ केंद्रीय रूप से तैयार की जाती हैं** , और **कार्यक्रम राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।**

17.14. मेडटेक मित्रा

- **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल ही में मेडटेक मित्र नामक** एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है , **जिसका उद्देश्य नैदानिक मूल्यांकन, नियामक सुविधा और नए उत्पादों को अपनाने में मेडटेक इनोवेटर्स की सहायता करना है।**
- पोर्टल को **नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के मार्गदर्शन** में **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)** और **केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ)** द्वारा **सहयोगात्मक रूप से समन्वित किया जाएगा।**
- यह **किफायती** , **गुणवत्ता वाले मेडटेक उपकरणों** और **डायग्नोस्टिक्स के स्वदेशी विकास की सुविधा प्रदान करेगा** जिससे **मेडटेक में आयात निर्भरता (वर्तमान में लगभग 80%) में कमी आएगी।**

17.15. क्रोनिक बर्बादी रोग Chronic Wasting Disease

- एक संबंधित विकास में, वैज्ञानिक क्रोनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) नामक स्थिति के संभावित प्रसार के बारे में चेतावनी दे रहे हैं **, जिसे अक्सर जानवरों से मनुष्यों में "ज़ोंबी हिरण रोग" कहा जाता है।**
- सीडब्ल्यूडी **को विशेषज्ञों द्वारा ''धीमी गति से चलने वाली आपदा''** के रूप में लेबल किया गया है और **सरकारों को मनुष्यों में इसके संचरण की संभावनाओं के लिए तैयार रहने की दृढ़ता से सलाह दी जा रही है।**

क्रोनिक वेस्टिंग रोग के बारे में

- क्रॉनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) एक **प्रियन बीमारी है** जो **हिरण, एल्क, रेनडियर, सिका हिरण और मूस को प्रभावित करती है** ।
  - ✓ **प्रियन रोग** तब होता है जब **सामान्य प्रियन प्रोटीन** , जो **कई कोशिकाओं की सतह पर पाया जाता है** , **असामान्य हो जाता है और मस्तिष्क में एकत्रित हो जाता है , जिससे मस्तिष्क क्षति होती है।**
- यह **कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका, नॉर्वे और दक्षिण कोरिया सहित उत्तरी अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में पाया गया है।**
- **किसी संक्रमित जानवर में लक्षण विकसित होने में एक साल से अधिक का समय लग सकता है** , जिसमें **अत्यधिक वजन घटना (बर्बाद होना), लड़खड़ाना, उदासीनता और अन्य तंत्रिका संबंधी लक्षण शामिल हो सकते हैं।**
- यह बीमारी, जिसे **'ज़ोंबी डियर डिजीज' के नाम से भी जाना जाता है** , **जानवरों को बेहोश और भ्रमित कर देती है।**
- सीडब्ल्यूडी **सभी उम्र के जानवरों को प्रभावित कर सकता है** और **कुछ संक्रमित जानवर बीमारी विकसित हुए बिना ही मर सकते हैं।**
- सीडब्ल्यूडी **जानवरों के लिए घातक है** और **इसका कोई उपचार या टीका नहीं है।**

17.16. हंटिंगटन रोग

- वैज्ञानिक इस बात पर शोध कर रहे हैं कि **हंटिंगटन की बीमारी आणविक स्तर पर कैसे बढ़ती है।**

हटिंगटन रोग के बारे में

- हंटिंगटन रोग (एचडी) एक **प्रगतिशील आनुवंशिक विकार है जो मस्तिष्क को प्रभावित करता है।**
- रोगी के शरीर में **एचटीटी नामक जीन का एक उत्परिवर्तित संस्करण होता है** ।
- HTT जीन हंटिंगटिन, या **Htt नामक प्रोटीन के लिए कोड करता है ।**
- मानव शरीर में **तंत्रिका कोशिकाओं को अपने सामान्य कामकाज और अस्तित्व के लिए एचटीटी प्रोटीन की आवश्यकता होती है** ।
  - ✓ हालाँकि, उत्परिवर्तित जीन एक असामान्य Htt प्रोटीन को एनकोड करता है जो **इसके बजाय आंदोलन , सोच और स्मृति को नियंत्रित करने वाले न्यूरॉन्स को नष्ट कर देता है।**
- सबसे पहले, हंटिंगटन रोग के रोगियों में हल्के लक्षण होते हैं: **भूलने की बीमारी, संतुलन की हानि, और सरल कार्य करने में अनाड़ीपन** ।
- लक्षण **30-50 की उम्र में शुरू होते हैं** , जब तक रोगी के बच्चे भी हो सकते हैं।
- हालत **धीरे-धीरे बिगड़ती जाती है** ।
- रोगी **को मूड में बदलाव होता है, तर्क करने में कठिनाई होती है, असामान्य और अनियंत्रित झटकेदार हरकतें दिखाई देती हैं, और बोलने, निगलने और चलने में कठिनाई का अनुभव होता है । अंततः रोगी की मृत्यु हो जाती है** ।
- **इस बीमारी का कोई इलाज नहीं** है .

18. विविध

18.1. भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार

- एक **पुस्तक मेला और भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) की एक विशेष प्रदर्शनी-सह-बिक्री प्रकाशन** हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के बारे में

- **भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार** भारत **सरकार के स्थायी मूल्य के अभिलेखों का संरक्षक** है ।
- **11 मार्च, 1891 को कलकत्ता (कोलकाता) में इंपीरियल रिकॉर्ड विभाग के रूप में** स्थापित , यह **दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा अभिलेखीय भंडार है** ।
- इसमें सार्वजनिक रिकॉर्ड , **निजी कागजात, प्राच्य रिकॉर्ड, कार्टोग्राफिक रिकॉर्ड और माइक्रोफिल्म जैसे रिकॉर्ड का एक विशाल भंडार** है, जो विद्वानों-प्रशासकों और अभिलेखागार के उपयोगकर्ताओं के लिए जानकारी का एक अमूल्य स्रोत है।
- **अभिलेखागार महानिदेशक को** मंत्रालयों **, विभागों, जनता** में सार्वजनिक अभिलेखों के **प्रबंधन, प्रशासन और संरक्षण** के लिए सार्वजनिक अभिलेख अधिनियम, 1993 और **उसके तहत बनाए गए नियमों, सार्वजनिक अभिलेख नियम, 1997 के कार्यान्वयन का अधिकार दिया गया है** । केंद्र सरकार के **सेक्टर उपक्रम आदि।**
- यह **संस्कृति मंत्रालय के एक संलग्न कार्यालय के रूप में कार्य करता है।**
- इसका **एक क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में** और **तीन अभिलेख केंद्र भुवनेश्वर, जयपुर और पुडुचेरी में हैं।**

18.2. भारत की सबसे तेज़ सौर-विद्युत नाव -बाराकुडा

- भारत की **सबसे तेज़ सौर-इलेक्ट्रिक नाव** , बाराकुडा को **केरल के अलाप्पुझा में अरूर के पास स्थित नेवाल्ट सोलर और इलेक्ट्रिक बोट के यार्ड में लॉन्च किया गया था।**
- **तेज, लंबी मछली** के नाम पर , **बाराकुडा को नेवल्ट द्वारा डिजाइन किया गया था** और **इसे 12 यात्रियों और कार्गो को ले जाने के लिए एक वर्कबोट के रूप में उबड़-खाबड़ समुद्र में भी तैनात किया जा सकता है।**
- 14 **-मीटर लंबा, 4.4-मीटर चौड़ा जहाज 12.5 समुद्री मील (23 किमी प्रति घंटे) की शीर्ष गति प्राप्त कर सकता है** और **एक बार चार्ज करने पर इसकी सीमा सात घंटे है** ।
- **इसमें जुड़वां 50 किलोवाट इलेक्ट्रिक मोटर, एक समुद्री-ग्रेड एलएफपी बैटरी और 6 किलोवाट सौर ऊर्जा है, जो कुशल और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग का प्रतीक है।**
- जहाज का निर्माण मझगांव डॉक लिमिटेड के लिए किया गया था जो अपने मुंबई डॉक पर पर्यावरण-अनुकूल जहाज पेश करेगा।
- इसे चार मीटर तक ऊंची तरंगों के माध्यम से नेविगेट करने के लिए इंजीनियर किया गया है और यह शोर, कंपन और वायु प्रदूषण के बिना संचालित होता है।

18.3. 100 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाली पहली भारतीय एयरलाइन

- भारत की **सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने "एक ही कैलेंडर वर्ष में 100 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनकर"** इतिहास रच दिया ।
- यह उल्लेखनीय **मील का पत्थर विमानन उद्योग में इंडिगो की स्थिति को मजबूत करता है और देश में हवाई यात्रा में इसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करता है** ।
- इस विकास के साथ **इंडिगो वैश्विक स्तर पर वाहकों के एक चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है।**

19. हिमाचल खबर

19.1. आईआईटी मंडी को COP28 में पुरस्कार मिला

- भारतीय **प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी को** संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित **सीओपी 28 में प्रतिष्ठित 'ग्रीन यूनिवर्सिटी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया** है ।
- संस्थान को यह मान्यता **टिकाऊ प्रथाओं के प्रति उसकी व्यापक प्रतिबद्धता और पर्यावरणीय पहलों के प्रति उसके समग्र दृष्टिकोण की स्वीकृति के लिए दी गई थी।**
- यह **पुरस्कार संयुक्त राज्य अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के साथ विशेष सलाहकार का दर्जा रखने वाले** एक **गैर-सरकारी संगठन ग्रीन मेंटर्स द्वारा प्रदान किया गया था** ।

19.2. चंद्रा नदी

- **हिमाचल प्रदेश पुलिस ने हाल ही में लाहौल और स्पीति जिले में चंद्रा नदी** के पार कथित तौर पर अपना वाहन चलाने के लिए एक एसयूवी मालिक पर कार्रवाई की ।

चंद्रा नदी के बारे में

- **चंद्रा** नदी उन दो नदियों **में से एक** है जो **हिमाचल प्रदेश के लाहौल क्षेत्र में चिनाब नदी में विलीन हो जाती है**
  - ✓ **दूसरी भागा नदी है** जो **सूर्यताल झील से निकलती है** ।
- यह लाहौल और **स्पीति जिले में मुख्य हिमालय श्रृंखला के आधार पर पड़ी बर्फ से निकलती है** ।
- सुंदर **चंद्र ताल झील बनी है** ।
- यह **केलोंग के नीचे की ओर भागा नदी में विलीन हो जाती है और चिनाब नदी का निर्माण करती है।**
- पूरा **क्षेत्र एक विशाल ठंडा रेगिस्तान है** जिसमें बहुत कम या बिल्कुल बारिश नहीं होती है क्योंकि यह **दक्षिण की ओर स्थित पीर पंजाल श्रृंखला की वर्षा छाया में स्थित है।**
- नदी के किनारे महत्वपूर्ण **मानव बस्ती कोकसर है** ।

CivilsTap HImachal

CivilsTap Himachal

CivilsTap Himachal

Initiatives

HPAS Comprehensive Course 2023

Salient Features of the Course

1. 300 + Lectures of GS and CSAT
2. 4000 Pages Notes in PDF
3. Test Series Prelims + Mains
4. Current Affairs Videos + Notes
5. Weekly Doubt Session Classes
6. Mock Interview Sessions

HPAS Offline/Live Course

+91 7889296332
CivilsTap
www.civilstap.in

HPAS MAINS CRASH COURSE

HPAS 2024 Online Batch Hindi Medium

HP ALLIED/NT OFFLINE/LIVE

Allied/NT Test Series

Prelims Mains

Allied/NT Online Batch (Hindi Medium)

HPAS COMPREHENSIVE COURSE 2023

HP PATWARI EXAM

HP TGT COMMISSION

New Batch

- Medical
- Non-Medical
- Arts & Commerce

HP PGT COMMISSION

585 VACANCIES

New Batch

Paper – I & Paper - II

- Hindi
- English
- Physics
- Chemistry
- Biology
- Math's
- History
- Political Science

CivilsTap

Quality & Affordable Education

HPAS PRELIMS TEST SERIES

Total No. of Tests	18	Sectional Tests	10
Full CSAT Mock Tests	04	Full GS Mock Tests	04
Total Number Of Questions	1800		

HPAS MAINS TEST SERIES

Total Tests 24

(9 Sectional GS Tests, 9 Full Mock GS Tests, 2 Essay Tests, 4 Language Tests)

Call:- +91 7814622609